THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

जी-7 और यूक्रेन शांति सम्मेलन में भाग लेगा भारत

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले महीने जी-7 बैठक और यूक्रेन शांति शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले हैं। उन्होंने इसका जिक्र करते हुए कहा कि भारत वैश्विक शांति, सुरक्षा और विकास के एजेंडे को बढ़ावा देने वाले सभी महत्वपूर्ण शिखर सम्मेलनों में भाग लेगा। एक साक्षात्कार में पीएम मोदी ने कहा, प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत इन शिखर सम्मेलनों में वैश्विक संवाद को आकार देने, मानव केंद्रित विकास, समृद्धि और शांतिपूर्ण दुनिया की दृष्टि को आगे बढ़ाने के लिए ग्लोबल साउथ की आवाज बनेगा। उन्होंने आगे कहा, भागीदारी का स्तर समय, लॉजिस्टिक और सामानांतर प्रतिबद्धताओं का कारक होगा।

वर्ष-28 अंक : 58 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख शु.13 2080 मंगलवार, 21 मई-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

ईरान के राष्ट्रपति का हेलिकॉप्टर क्रैश में निधन

> अमेरिका-इजराइल से तनाव के बीच वाइस प्रेसिडेंट मुखबेर अंतरिम राष्ट्रपति बने > भारत में एक दिन का शोक

तेहरान, 20 मई (एजेंसियां)। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी (63) और विदेश मंत्री होसैन अमीराब्दुल्लाहियन का हेलिकॉप्टर क्रैश में निधन हो गया है। ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी ने सोमवार सुबह यह जानकारी दी। अजरबैजान से लौटते समय उनका हेलिकॉप्टर रविवार शाम करीब 7 बजे लापता हो गया था। हादसे में हेलिकॉप्टर सवार सभी 9 लोग मारे गए। मध्य पूर्व एशिया के शिया बहुल देश ईरान ने अपने दो नेताओं को उस समय खोया है, जब इजराइल के साथ उसके रिश्ते टकराव की सीमा तक बिगड़ गए हैं। वहीं अमेरिका-ईरान के संबंधों में भी तनाव हैं। ऐसे में उपराष्ट्रपति मोहम्मद मुखबेर को अंतरिम राष्ट्रपति बनाया गया है। ईरान के सर्वोच्च धार्मिक नेता आयतुल्लाह खामेनेई ने सोमवार को यह ऐलान किया।

अजरबैजान की सीमा के पास पहाड़ियों में क्रैश हुआ हेलिकॉप्टर

रईसी का हेलिकॉप्टर अजरबैजान की सीमा के करीब ईरान के वरजेघन शहर के पास क्रैश हुआ। यह पहाड़ी इलाका है। रेस्क्यू एजेंसियों ने भारी बारिश, कोहरे और तेज सर्दी के बीच रातभर सर्च ऑपरेशन चलाया। इस दौरान तीन बचावकर्मी भी लापता हो गए। सोमवार सुबह अजरबैजान की पहाड़ियों में हेलिकॉप्टर का मलबा मिला।

डैम का उद्घाटन करके लौट रहे थे रईसी, चॉपर में 9 लोग थे :

ईरानी स्टेट मीडिया के मुताबिक रईसी 19 मई की सुबह अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव के साथ एक बांध का उद्घाटन करने गए थे। इसे ईरान और अजरबैजान ने मिलकर बनाया है। लौटते समय उनके हेलिकॉप्टर में विदेश मंत्री होसैन, पूर्वी अजरबैजान प्रांत के गवर्नर मलिक रहमती, तबरीज के इमाम मोहम्मद अली अलेहाशेम सवार थे। वहीं हेलिकॉप्टर के पायलट और को-पायलट के साथ क्रू चीफ, हेड ऑफ सिक्योरिटी और बॉडीगार्ड भी इसमें मौजूद थे। हादसे में सभी की जान चली गई।

पांच दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा

तेहरान, 20 मई (एजेंसियां)। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई ने हेलीकॉप्टर दुर्घटना में इब्राहिम रईसी की मौत के बाद प्रथम उपराष्ट्रपति मोहम्मद मुखबर को सोमवार को देश का कार्यवाहक राष्ट्रपति घोषित किया। खामेनेई ने दिवंगत राष्ट्रपति रईसी के सम्मान में पांच दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की।

कट्टरपंथी रईसी 2021 में ईरान के राष्ट्रपति बने थे। खामेनेई ने उनकी दु:खद मृत्यु पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि ईरान के लोगों ने एक "अनमोल और संजीदा" इंसान को खो दिया है। प्रोटोकॉल के अनुसार, रईसी की मृत्यु के बाद मुखबर के अंतरिम राष्ट्रपति बनने की उम्मीद पहले से थी। अब नया राष्ट्रपति चुनने के लिए 50 दिन से भीतर चुनाव कराने होंगे। हेलीकॉप्टर में रईसी के अलावा विदेश मंत्री हुसैन अमीर-अब्दुल्लाहियान, ईस्ट अजरबैजान के गवर्नर मलिक रहमति, जुम्मे की नमाज के प्रमुख तबरेज मोहम्मद अली आले-हसेहम और चालक दल के सदस्यों समेत कुल नौ लोग सवार थे। एक सरकारी मीडिया ने सोमवार को बताया कि हादसे में कोई भी जिंदा नहीं बचा है।

10 जून को ओडिशा में भाजपा की डबल इंजन सरकार

*** ढेंकनाल में पीएम मोदी का दावा * भ्रष्टाचार पर बीजद को घेरा**

पुरी, 20 मई (एजेंसियां)। पांचवें चरण के मतदान के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज ओडिशा के पुरी में हुंकार भरी। उन्होंने पुरी में भाजपा उम्मीदवार संवित पात्रा के समर्थन में रोड-शो किया। यहां रोड शो करने के बाद पीएम मोदी ने ढेंकनाल में रैली की। रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी बीजू जनता दल (बीजद) पर जमकर निशाना साधा।

पीएम मोदी ने कहा कि बीजद सरकार पूरी तरह से भ्रष्टाचारियों के कब्जे में है। पीएम मोदी ने आरोप लगाया कि भ्रष्टाचारी मुख्यमंत्री आवास और कार्यालय पर कब्जा करके बैठ चुके हैं। उन्होंने बीजद पर ओडिशा की संपत्ति और संस्कृति को नष्ट करने का आरोप लगाया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि बीजद की सरकार में जगन्नाथ मंदिर भी सुरक्षित नहीं है। उन्होंने दावा किया कि 10 जून को भाजपा की डबल इंजन सरकार का शपथ ग्रहण कार्यक्रम होगा। रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, बीजद सरकार में जगन्नाथ जी का मंदिर भी सुरक्षित नहीं बचा है। पिछले छह साल से श्री रत्न भंडार की चाबी का भी अता-पता नहीं है। इसके पीछे का बहुत बड़ा राज बीजद सरकार और मुख्यमंत्री के करीबी लोग छिपा रहे हैं। पूरा ओडिशा जानना चाहता है कि जो जांच हुई थी, उसकी रिपोर्ट में ऐसा क्या है कि बीजद ने वो रिपोर्ट ही दबा दी? पीएम मोदी ने आगे कहा, आप यहां भाजपा की सरकार बनाइए, भाजपा ओडिशा के बेटे या बेटी को ही यहां का मुख्यमंत्री बनाएगी। >14

8 राज्यों की 49 सीटों पर 57.35 प्रतिशत वोटिंग

> बंगाल में भाजपा-टीएमसी समर्थक भिड़े > मुंबई में उद्धव गुट के 3 कार्यकर्ता गिरफ्तार

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)। 2024 लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में सोमवार को 6 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों की 49 सीटों पर मतदान खत्म हो गया है। 57.35 प्रतिशत वोटिंग हुई। सबसे ज्यादा पश्चिम बंगाल में 73 प्रतिशत और सबसे कम महाराष्ट्र में 48.88 प्रतिशत मतदान हुआ है।

इसके अलावा ओडिशा विधानसभा के सेकेंड फेज की 35 सीटों पर 60.70 प्रतिशत, झारखंड की गांडेय विधानसभा सीट पर 68.26 प्रतिशत और लखनऊ ईस्ट सीट पर 52.25 प्रतिशत वोटिंग हुई है। उत्तर प्रदेश के महोबा में ड्यूटी के दौरान एक सीआरपीएफ जवान की मौत हो गई। पश्चिम बंगाल के बैरकपुर और हुगली में भाजपा कैंडिडेट्स और टीएमसी समर्थकों के बीच झड़प हुई है।

मुंबई में मतदान केंद्र के पास डमी ईवीएफ रखने के आरोप में पुलिस ने शिवसेना (यूबीटी) के तीन कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया है। मुंबई में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, गुलजार, सुभाष घई, अक्षय कुमार, नाना पाटेकर, अनिल कपूर, मनोज वाजपेयी के अलावा आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास और अनिल अंबानी ने वोटिंग की।

इसके अलावा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, बीएसपी सुप्रीमो मायावती, सतीश चंद्र मिश्रा ने लखनऊ में, राहुल गांधी के खिलाफ चुनाव लड़ रहे दिनेश प्रताप सिंह ने रायबरेली में वोट डाला। 543 लोकसभा सीटों में चौथे फेज तक 380 सीटों पर मतदान हो गया है। आज की सीटों को मिलाकर कुल 429 सीटों पर मतदान पूरा हो जाएगा। बाकी 2 चरणों में 114 सीटों पर वोटिंग होगी।

खुली जेलों का क्षेत्र कम न करने का 'सुप्रीम' निर्देश : तेलंगाना हाईकोर्ट के फैसले पर होगी सुनवाई

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)। शीर्ष अदालत ने निर्देश दिया है कि देश में खुली जेलों के क्षेत्र को कम करने का प्रयास नहीं किया जाएगा। अर्ध खुली या खुली जेलों में कैदियों को दिन में अपने जीविकोपार्जन के लिए बाहर काम करने की अनुमति दी जाती है। इसके बाद शाम को कैदी जेल में चले जाते हैं। खुली जेलों का उद्देश्य कैदियों के मानसिक तनाव को करना है। इसके माध्यम से कैदी जेल के बाहर समाज से जुड़ते हैं।

न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति संदीप मेहता वकील के. परमेश्वर की दलीलें सुनीं। बता दें कि के. परमेश्वर जेलों और कैदियों से संबंधित मामले में न्याय मित्र के रूप में मदद करते हैं। परमेश्वर ने अदालत को बताया कि केंद्र द्वारा एक ड्राफ्ट तैयार किया गया है। ड्राफ्ट में खुली जेलों को 'खुले सुधार संस्थान' नाम दिया गया था। शीर्ष अदालत ने खुले सुधार संस्थानों के संबंध में गृह मंत्रालय को हालिया घटनाक्रम पर एक स्थिति रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पीठ को बताया गया कि जयपुर में सांगानेर खुले कैंप का क्षेत्र कम करने की कोशिश हो रही है। अदालत ने निर्देश दिया है कि खुले कैंप, संस्थान और जेलों के क्षेत्र को कम नहीं किया जाएगा।

तेलंगाना हाईकोर्ट के फैसले पर होगी सुनवाई :

सुप्रीम कोर्ट में तेलंगाना उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ दायर की गई याचिका पर सुनवाई होगी। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने स्थानीय बार एसोसिएशन में नामांकित वकीलों को ही राज्य में सिविल जज की परीक्षा में शामिल होने की अनुमति दी थी। न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने वकील वी राकेश रेड्डी की याचिका पर एक नोटिस जारी किया है।

इसके साथ ही अदालत ने वी राकेश रेड्डी को तेलंगाना के सिविल जज की परीक्षा में शामिल होने की अनुमति दी है। याचिकाकर्ता को अपना आवेदन ऑनलाइन अपलोड करने के लिए कहा गया है। शीर्ष अदालत ने निर्देश दिया है कि आवेदन को अस्वीकार नहीं किया जाएगा। बता दें कि तेलंगाना राज्य न्यायिक सेवा नियम 2023 के अनुसार परीक्षा में शामिल होने वाले आवेदनकर्ता को अनिवार्य रूप से स्थानीय बार एसोसिएशन का सदस्य होना जरूरी है।

दुष्कर्म और हत्या के आरोपी को मृत्युदंड

कोच्चि, 20 मई (एजेंसियां)। दुष्कर्म और हत्या के आरोपी को सत्र अदालत ने मौत की सुनाई थी, जिसे केरल उच्च न्यायालय ने भी बरकरार रखा। उच्च न्यायालय ने सत्र अदालत के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया।

दरअसल, दरअसल, 2016 में आरोपी अमीरुल इस्लाम ने 30 वर्षीय दलित युवती के साथ दुष्कर्म किया और बाद में उसकी हत्या कर दी थी। इसी मामले में एर्नाकुलम प्रिंसिपल सेशन कोर्ट ने 2017 में अमीरुल को दोषी माना और मृत्युदंड की सजा सुनाई। इस्लाम ने सत्र अदालत के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। जानकारी के अनुसार, इस्लाम असम का रहने वाला है और वह यहां मजदूरी करता है। >14

बीमार महिला को डाक मतपत्र से मतदान की अनुमति नहीं

तेलंगाना हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ होगी सुनवाई

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने 78 वर्षीय बीमार महिला की याचिका को खारिज कर दिया है। महिला ने याचिका में कहा था कि उन्हें मौजूदा लोकसभा चुनाव में डाक मतपत्र के जरिए अपना वोट डालने की अनुमति दी जाए। महिला ने शीर्ष अदालत को इस बारे में चुनाव आयोग को निर्देशित करने की मांग की थी।

सुप्रीम कोर्ट में तेलंगाना उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ दायर की गई याचिका पर सुनवाई होगी। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने स्थानीय बार एसोसिएशन में नामांकित वकीलों को ही राज्य में सिविल जज की परीक्षा में शामिल होने की अनुमति दी थी। न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने वकील वी राकेश रेड्डी की याचिका पर एक नोटिस जारी किया है। इसके साथ ही अदालत ने वी राकेश रेड्डी को तेलंगाना के सिविल जज की परीक्षा में शामिल होने की अनुमति दी है। याचिकाकर्ता को अपना आवेदन ऑनलाइन अपलोड करने के लिए कहा गया है। शीर्ष अदालत ने निर्देश दिया है कि आवेदन को अस्वीकार नहीं किया जाएगा। बता दें कि तेलंगाना राज्य न्यायिक सेवा नियम 2023 के अनुसार परीक्षा में शामिल होने वाले आवेदनकर्ता को अनिवार्य रूप से स्थानीय बार एसोसिएशन का सदस्य होना जरूरी है।

'अमेरिका, कनाडा और अरब देशों से आप को मिली करोड़ों की अवैध फंडिंग'

ईडी ने गृह मंत्रालय को सौंपी रिपोर्ट

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)। दिल्ली के शराब नीति घोटाला मामले में फंसी आम आदमी पार्टी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। पहले से ही कोर्ट में चल रहे मामले के बीच अब ईडी ने आम आदमी पार्टी के विदेश फंड को लेकर बड़ा खुलासा किया है। जानकारी के मुताबित ईडी ने केंद्रीय गृह मंत्रालय को बताया है कि आप को 2014-2022 के दौरान 7.08 करोड़ रुपये का विदेशी फंड प्राप्त हुआ है। जांच एजेंसी ने पार्टी पर इस विदेश फंड को हासिल करने में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), जन प्रतिनिधित्व अधिनियम (आरपीए) और विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) के उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। इस फंड को हासिल करने के लिए विदेशी दानदाताओं की पहचान और राष्ट्रीयता के साथ-साथ कई अन्य तथ्यों को छिपाने जैसे आरोप ईडी ने अपनी रिपोर्ट में लगाए हैं।

ईडी ने बताया कि आम आदमी पार्टी को संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत, ओमान और अन्य देशों के कई दानदाताओं से धन प्राप्त हुआ। फंड ट्रांसफर करने के लिए विभिन्न दानदाताओं द्वारा एक ही पासपोर्ट नंबर, क्रेडिट कार्ड, ईमेल आईडी और मोबाइल नंबर का इस्तेमाल किया है। ईडी ने अपनी जांच में आप और उसके नेताओं द्वारा विदेशी फंड जुटाने में अनियमितताओं के कई मामलों का जिक्र किया है। इसमें पार्टी विधायक दुर्गेश पाठक सहित कई नेताओं पर 2016 में कनाडा में फंड रेजिंग प्रोग्राम से जुटाए गए पैसे का व्यक्तिगत लाभ के लिए दुरूपयोग करने का आरोप लगाया है। साथ ही अनिकेत सक्सेना (आप ओवरसीज इंडिया के कॉर्डिनेटर), कुमार विश्वास (आप ओवरसीज इंडिया के तत्कालीन संयोजक, कपिल भारद्वाज (आप सदस्य) और पाठक सहित विभिन्न आप स्वयंसेवकों और पदाधिकारियों के बीच भेजे किए गए ई-मेल की सामग्री के जरिए आरोपों की पुष्टि की है। अब तक की जांच से पता चला है कि संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा में फंड रेजिंग कैंपेन के जरिए न केवल पैसा एकत्र किया गया, बल्कि विदेशी फंड पर एफसीआरए के तहत लगाए गए प्रतिबंधों से बचने के लिए आप ने बुक ऑफ अकाउंट्स में वास्तविक दानदाताओं की पहचान भी छिपाई। विदेशी फंड के आंकड़ों के विश्लेषण से पता चला।

14 दिन की रिमांड के लिए ईडी ने दाखिल की याचिका

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल 2 जून तक अंतरिम जमानत पर बाहर हैं और लोकसभा चुनाव के लिए आप के उम्मीदवारों का प्रचार कर रहे हैं।

इस दौरान ईडी ने 2 जून के बाद उनकी न्यायिक हिरासत बढ़ाने के लिए अदालत में आवेदन दायर कर दिया है। ईडी ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत बढ़ाने के लिए आवेदन किया है। अरविंद केजरीवाल को जमानत याचिका पर लंबी बहस के बाद सुप्रीम कोर्ट ने 2 जून तक के लिए अंतरिम जमानत दी थी। अब ईडी के आवेदन के बाद सीएम केजरीवाल की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। एजेंसी ने अदालत को बताया कि केजरीवाल फिलहाल अंतरिम जमानत पर हैं और उन्हें 2 जून को सरेंडर करने का निर्देश दिया गया है। इस आवेदन पर अदालत में 2 जून को सुनवाई होने की संभावना है। अरविंद केजरीवाल को 21 मार्च को ईडी ने दिल्ली की शराब नीति मामले में मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में गिरफ्तार किया था। उन्हें 10 मई को सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम जमानत दे दी थी। >14

एयरपोर्ट से आईएसआईएस के 4 आतंकी अरेस्ट

> पाकिस्तानी हैंडलर के मैसेज का था इंतजार

अहमदाबाद, 20 मई (एजेंसियां)। गुजरात एटीएस को सोमवार को बड़ी सफलता मिली। एटीएस की टीम ने अहमदाबाद एयरपोर्ट से चार आईएसआईएस आतंकियों को गिरफ्तार किया। बताया जाता है कि अहमदाबाद एयरपोर्ट से पकड़े गए चारों आतंकी श्रीलंकाई नागरिक हैं।

ये चारों श्रीलंका से पहले चेन्नई पहुंचे। उसके बाद चेन्नई से अहमदाबाद एयरपोर्ट पर उतरे थे। यह पहुंचने के साथ ही गुजरात एटीएस ने इन्हें पकड़ लिया। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार गुजरात डीजीपी प्रेस कॉन्फ्रेंस कर विस्तृत जानकारी देंगे। बताया जाता है कि चेन्नई से अहमदाबाद पहुंचने के बाद चारों आतंकी पाकिस्तानी हैंडलर के मैसेज का इंतजार कर रहे थे। अहमदाबाद से इन्हें टार्गेट लोकेशन पर पहुंचना था। इन्हें यहां हथियार मिलने वाला था, उससे पहले एटीएस ने सबको गिरफ्तार कर लिया। आईएसआईएस भारत में पांव पसारने की लगातार कोशिश में हैं। यही कारण है कि इनकी गतिविधियां यहां तेज हो गई है, कई ऐसे घटनाएं भी सामने आ चुकी है, जिसमें आईएसआईएस का हाथ होने के सबूत मिले हैं। साथ ही कई संदिग्ध और आईएसआईएस आतंकियों को गिरफ्तार भी किया जा चुका है। अभी मार्च में ही असम से आईएसआईएस के इंडिया चीफ को गिरफ्तार किया गया था।

आईएसआईएस का भारत प्रमुख और उसका एक सहयोगी बंग्लादेश की सीमा पार कर भारत में घुसा था। दोनों को असम के धुबरी जिले से गिरफ्तार किया गया था, ये भारत में आतंकी फंडिंग और लोगों की आईएसआईएस में भर्ती की गतिविधियों में शामिल था।

बंगाल सीएम पर अधीर रंजन-खड़गे के बीच छिड़ी जुबानी जंग थमी

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा-वह लड़ाकू सिपाही

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के बीच पश्चिम बंगाल की राजनीति ने अलग ही मोड़ ले लिया है, यहां टीएमसी और कांग्रेस की बंगाल इकाई एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगा रहे हैं। हालांकि, कांग्रेस के आलाकमान इन सब पर सफाई दे रहे हैं। हाल ही में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी की विश्वसनीयता पर सवाल उठाने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपनी ही पार्टी के नेता अधीर रंजन चौधरी को फटकार लगाई थी। वहीं, अब उन्होंने चौधरी की प्रशंसा कर उन्हें पार्टी का लड़ाकू सिपाही बताया है।

अधीर रंजन चौधरी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री पर हमला तेज कर दिया है। उनका कहना है कि बनर्जी ने राज्य में कांग्रेस को कुचलने के लिए हिंसा का इस्तेमाल किया और वह भाजपा की मदद कर रही हैं। इन सबके बीच खड़गे ने चौधरी की सराहना की। यह पूछे जाने पर कि क्या कांग्रेस चौधरी के साथ वही गलती कर रही है जो उसने 1998 में बनर्जी के साथ की थी, जब उन्होंने बंगाल में पार्टी कार्यकर्ताओं पर वामपंथी अत्याचारों के सामने पार्टी का विरोध करते हुए पार्टी छोड़ दी थी, इस पर खड़गे ने कहा, मैं किसी एक व्यक्ति के बारे में कुछ नहीं कहना चाहूंगा। वह कांग्रेस पार्टी के एक लड़ाकू सिपाही और बंगाल में हमारे नेता हैं।

खड़गे ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस के कुछ नेता अब कांग्रेस के गठबंधन का मुद्दा वाम दलों के साथ उठाने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन इससे मदद नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा, वे इसे अलग तरह से पेश करने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन ऐसा नहीं होगा क्योंकि कांग्रेस पार्टी मजबूत है और एक दूसरे को समझती है। पश्चिम बंगाल में क्या हुआ है कि कांग्रेस आलाकमान ने वाम दलों के साथ गठबंधन करने का फैसला किया है और हम उसी के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

3 नए क्रिमिनल कानूनों के खिलाफ याचिका खारिज

सुप्रीम कोर्ट बोला : अपील करने में लापरवाही हुई, अगर बहस होती तो जुर्माना भी लगता

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय न्याय संहिता 2023 समेत तीन नए क्रिमिनल कानूनों की जांच और लागू होने के बाद सही ढंग से काम करने की जांच के लिए एक विशेषज्ञ समिति बनाने का निर्देश देने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी। याचिका में कहा गया था कि ये बिल संसद में बिना बहस के पास कर दिए गए। उस वक्त ज्यादातर विपक्षी सांसद सस्पेंड थे।

जस्टिस बेला एम त्रिवेदी और जस्टिस पंकज मिथल की वैकेशन बेंच ने कहा कि ये कानून अब तक लागू नहीं हुए हैं। अपील करने में भी लापरवाही हुई है। अगर इस पर ज्यादा बहस की जाती तो याचिका को जुर्माने के साथ खारिज किया जाता। बेंच के आदेश के बाद याचिका लगाने वाले एडवोकेट विशाल तिवारी ने कोर्ट से याचिका वापस लेने की परमिशन मांगी। इसके पहले सरकार ने बताया था कि भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) में सुधारों के बाद ये तीनों कानून बने हैं। लोकसभा ने 21 दिसंबर 2023 को तीन बिलों (भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य संहिता बिल) पास किए थे। 25 दिसंबर को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इन बिलों पर दस्तखत किए थे।

1 जुलाई से लागू होंगे 3 नए क्रिमिनल लॉ

तीन नए आपराधिक कानून 1 जुलाई 2024 से लागू हो जाएंगे। सरकार ने 24 फरवरी 2024 को इससे जुड़ी अधिसूचना जारी की थी। यानी इंडियन पीनल कोड (आईपीसी) की जगह भारतीय न्याय संहिता, क्रिमिनल प्रोसीजर कोड (सीआरपीसी) की जगह भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और एविडेंस एक्ट की जगह भारतीय साक्ष्य अधिनियम लागू हो जाएगा। नए कानून के लागू होने के बाद जो धाराएं अपराध की पहचान बन चुकी थीं, उनमें भी बदलाव होगा। जैसे हत्या के लिए लगाई जाने वाली आईपीसी की धारा 302 अब धारा 101 कहलाएगी। ठगी के लिए लगाई जाने वाली धारा 420 अब धारा 316 होगी। हत्या के प्रयास के लिए लगाई जाने वाली धारा 307 अब धारा 109 कहलाएगी। वहीं, दुष्कर्म के लिए लगाई जाने वाली धारा 376 अब धारा 63 होगी। हालांकि, हिट एंड रन केस का संबंधित प्रावधान तुरंत लागू नहीं होगा। केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने जनवरी में कहा था कि भारतीय न्याय संहिता की धारा 106 (2) को लागू करने का फैसला अखिल भारतीय मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस (एआईएमटीसी) से सलाह के बाद ही लिया जाएगा।

क्या था हिट एंड रन केस का प्रावधान : ट्रक ड्राइवरों ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 106 (2) के प्रावधान का विरोध किया था। साथ ही पूरे देश में इसके खिलाफ प्रदर्शन करते हुए हड़ताल की थी। इस धारा में प्रावधान है कि यदि किसी ड्राइवर की तेज रफ्तार ड्राइविंग से किसी राहगीर की मौत हो जाती है। और ड्राइवर बिना पुलिस में रिपोर्ट किए भाग जाता है, तो यह अपराध गैर इरादतन हत्या की कैटेगरी में आएगा। >14

'यह युद्ध की नीति है, कनविंस नहीं कर सकते तो कनफ्यूज कर दो'

मुंबई, 20 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बाद लोकसभा की सर्वाधिक 48 सीटें महाराष्ट्र में हैं। जहां 2019 में भाजपा और अविभाजित शिवसेना गठबंधन नें 41 सीटें जीती थीं, जिनमें 23 पर भाजपा और 18 सीटों पर शिवसेना के प्रत्याशी विजयी हुई थे। लेकिन उसी साल के अंत में हुए विधानसभा चुनाव के बाद महाराष्ट्र में शह और मात का खेल शुरू हुआ, जो पांच साल से अनवरत जारी है। इस दौरान उद्धव ठाकरे का मुख्यमंत्री बनने का सपना साकार हुआ तो शिवसेना भी टूटी। शरद पवार की एनसीपी भी दो फाड़ हो गई। इस पूरे घटनाक्रम में देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र की राजनीति के केंद्र में रहे। फडणवीस भले ही उपमुख्यमंत्री हैं लेकिन वे भाजपा-शिवसेना और एनसीपी (अजित गुट) की महायुति के निर्विवाद नेता हैं। सूबे की 48 लोकसभा सीटों में से भाजपा 28, शिवसेना 15 और एनसीपी (अजित गुट) 4 और रासप एक सीट पर चुनाव लड़ रही है। विपक्षी गठबंधन लगातार भाजपा पर संविधान और लोकतंत्र को खत्म करने का आरोप लगा रहा है। वहीं, फडणवीस कहते हैं कि यह लोगों में भ्रम पैदा करने की विपक्ष की चाल है। वह कहते हैं कि राज ठाकरे अब हिंदुत्व की भूमिका में आ गए हैं। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि हम लोग पिछला परफॉर्मेंस दोहराएंगे। अंतिम चरण में मुंबई और महानगर क्षेत्र की 10 सीटों पर मतदान है। मुंबईकरों के मन में मोदी हैं। जब मुंबईकर मतदान करने जाते हैं, तो वे मोदी को वोट करते हैं। हम मुंबई और मुंबई महानगर की सभी 10 सीटें जीतेंगे। यह हम इसलिए कह पा रहे हैं क्योंकि 2014 मोदी जी की सरकार आने के बाद मुंबई का बदलता हुआ चेहरा लोग देख पा रहे हैं। मुंबई में जो चीजें 2014 के बाद हुईं, वह 10 साल पहले होनी चाहिए थीं। अगर, ऐसा होता तो शायद आज बेंगलुरु या हैदराबाद अपने आपको आईटी कैपिटल नहीं कह पाते। जो बदलाव मुंबईकर देख पा रहे हैं, उसमें पीएम नरेंद्र मोदी का बड़ा योगदान है। जो मुंबई हर दो साल बाद बम धमाकों से दहलती थी। मोदी के आने के बाद किसी की हिम्मत नहीं हुई कि यहां कोई ऐसा कर सके।

कोई नुकसान नहीं होगा। मेरा मानना है कि किसी भी राज्य में क्षेत्रीय अस्मिता की बात गलत नहीं है। लेकिन एक बड़े समाज को निशाना बना कर क्षेत्रीय अस्मिता की बात करना हमें मंजूर नहीं है। जिस तरह से शिवसेना ने क्षेत्रीय अस्मिता से ऊपर उठकर राष्ट्रीय अस्मिता की ओर प्रवास किया। वैसे ही, पिछले 5 सालों में राज ठाकरे का प्रवास भी हिंदुत्व और राष्ट्रीय अस्मिता की ओर हुआ है। उनके साथ आने से नुकसान कुछ नहीं है। फायदा ये हैं कि मुंबई, ठाणे, पुणे, नासिक में उन्हें चाहने वाला युवा वर्ग का हमें चुनाव में समर्थन मिला है। हमारे लिए ठाकरे ब्रांड कोई विषय नहीं है। मुंबई में हिंदीभाषी, गुजराती, मराठी, दक्षिण भारतीय सभी भाजपा को वोट कर रहे हैं। कोई ऐसा समाज नहीं है जो भाजपा के साथ नहीं है।

2014 में मेरी सरकार आने के बाद मुंबई में उत्तर भारतीयों का डर समाप्त हो गया। केवल भाषा के आधार पर उसके साथ कोई भेदभाव नहीं होगा। लोगों को ये पता है कि उत्तर भारतीयों के साथ हम खड़े हैं। इसलिए ये जो भयभीत या नाराज होने की जो बाते हैं, उसमें कोई दम नहीं है। उत्तर भारतीय समाज पूरे देश में मोदी के साथ खड़ा है। हमने कुछ नहीं किया। राजनीति में कोई भी व्यक्ति किसी के कहने पर कुछ नहीं करता। उद्धव ठाकरे की पार्टी उनके अहंकार और अतिमहत्वाकांक्षा से टूटी। उद्धव को बहुत पहले से मुख्यमंत्री बनना था। उसी के चलते नारायण राणे के पर कतरे गए।

नड्डा बोले-पहले आरएसएस की जरूरत थी, आज बीजेपी सक्षम

अब भाजपा अपने आपको चलाती है; काशी-मथुरा में मंदिर का कोई प्लान नहीं

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि पहले हमें (भाजपा को) राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की जरूरत थी, लेकिन आज भाजपा सक्षम है। आज पार्टी अपने आप को चला रही है। नड्डा ने ये भी साफ किया कि काशी-मथुरा में मंदिर बनाने का फिलहाल कोई प्लान नहीं है। नड्डा ने ये बातें द इंडियन एक्सप्रेस को दिए इंटरव्यू में कहीं। शुरू में हम अक्षम होंगे। थोड़ा कम होंगे। तब आरएसएस की जरूरत पड़ती थी। आज हम बढ़ गए हैं और सक्षम हैं तो बीजेपी अपने आप को चलाती है। यही अंतर है। भाजपा के पास ऐसा कोई विचार, योजना या इच्छा नहीं है। इस पर अभी तक कोई चर्चा भी नहीं हुई। हमारा सिस्टम इस तरह से काम करता है कि पार्टी की विचार प्रक्रिया पार्लियामेंट्री बोर्ड में चर्चा से तय होती है। फिर मुद्दा नेशनल काउंसिल के पास जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फैसला किया है कि पार्टी का ध्यान गरीबों, शोषितों, दलितों, महिलाओं, युवाओं, किसानों और समाज के हाशिए पर रहने वाले वर्गों पर होगा।

'मतदान केंद्रों के बाहर सुविधाओं को लेकर बहुत सारी शिकायतें'

मतदान के बीच आदित्य ठाकरे का दावा

मुंबई, 20 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के 13 लोकसभा क्षेत्रों में जारी मतदान के बीच शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने सोमवार को एक बड़ा दावा किया। उन्होंने बताया कि मतदान केंद्रों के बाहर सुविधाओं को लेकर मतदाताओं की तरफ से काफी शिकायतें आईं। शिवसेना नेता ने कहा कि मतदाता गर्मी से बचने और अपने मताधिकार का प्रयोग करने का प्रयास कर रहे थे। उन्होंने आगे कहा कि गर्मी को देखते हुए मतदाताओं को छाव में खड़ा किया जाना चाहिए और पंखे उपलब्ध कराए जाने चाहिए।

राज्य के 13 लोकसभा क्षेत्रों में आज सुबह सात बजे से मतदान शुरू हो गया, जो कि शाम के छह बजे तक चलेगा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए आदित्य ठाकरे ने कहा, मतदान केंद्रों के बाहर सुविधाओं को लेकर बहुत सारी शिकायतें आईं। कम से कम मतदाताओं को छाया में कतार बनाकर खड़ा करना चाहिए। उन्हें ज्यादा कुछ नहीं चाहिए, गर्मी से बचने के लिए कुछ जरूरत की चीजें। इन चीजों पर ध्यान दें। मुंबई में कुछ लोगों ने बताया कि गर्मी को मात देने के लिए वे सुबह ही वोटिंग के लिए चले गए थे। राज्य की 13 लोकसभा सीटों पर 264 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला होगा।

'पार्थ भौमिक गुंडागर्दी को बढ़ावा देने के लिए पैसे बांट रहे'

मतदान के दिन अर्जुन सिंह का टीएमसी पर आरोप

कोलकाता, 20 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में पांचवें चरण के मतदान के दौरान बैरकपुर लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार अर्जुन सिंह ने अपने प्रतिद्वंद्वी और टीएमसी उम्मीदवार पार्थ भौमिक को घेरा। उन्होंने टीएमसी उम्मीदवार पर मतदान के दौरान क्षेत्र में गुंडागर्दी को बढ़ावा देने के लिए पैसे बांटने का आरोप लगाया।

सोमवार को बैरकपुर में मतदान शुरू होने के बाद भाजपा उम्मीदवार अर्जुन सिंह ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा, यह सब पार्थ भौमिक के इशारे पर हो रहा है। सभी नियमों का उल्लंघन कर पार्थ भौमिक कल रात पैसे बांटे। वह यह सब गुंडागर्दी को बढ़ावा देने के लिए कर रहे हैं। मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए भाजपा नेता ने आगे कहा, हम शांतिपूर्ण चुनाव कराने का प्रयास करेंगे, लेकिन अगर ऐसा नहीं होता है, तो इसके लिए राज्य सरकार जिम्मेदार होगी। यह मेरी जिम्मेदारी नहीं है। बता दें कि 2019 लोकसभा चुनाव में टीएमसी की तरफ से टिकट न मिलने पर वह भाजपा में शामिल हो गए थे। वह कई बार पार्टी बदल चुके हैं। 2019 में भाजपा उम्मीदवार के तौर पर बैरकपुर सीट से जीत हासिल करने के तीन साल बाद वह फिर से टीएमसी में वापस चले गए। 2024 लोकसभा चुनाव में एक बार फिर टीएमसी ने उन्हें टिकट नहीं दिया, तो वह भाजपा में शामिल हो गए। 2019 लोकसभा चुनाव में बैरकपुर सीट से भाजपा उम्मीदवार के तौर पर अर्जुन सिंह ने 4,72,994 वोट हासिल कर टीएमसी के दिनेश त्रिवेदी को हराया था।

सीडीएस अनिल चौहान ने बढ़ाया जवानों का हौसला, अग्निवीरों को बताया देश के नायक

बंगलूरू, 20 मई (एजेंसियां)। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने सोमवार को मराठा लाइट इंफेंट्री रेजिमेंटल सेंटर का दौरा किया। बेलगावी स्थित रेजिमेंटल सेंटर में सीडीएस ने अग्निवीरों को संबोधित किया। अपने संबोधन में जनरल चौहान ने सेना में सेवा के उद्देश्य और सैन्य ढांचे में अग्निवीरों की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि अग्निवीर सिर्फ सैनिक ही नहीं बल्कि नायक हैं और देश की संप्रभुता के रखवाले हैं। एक आधिकारिक बयान में बताया गया है कि सीडीएस ने भविष्य में होने वाले युद्धों को घातक करार देते हुए इनकी प्रकृति के बारे में भी बताया। उन्होंने भविष्य में होने वाले युद्धों में साइबर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की प्रमुखता पर जोर दिया। सीडीएस ने प्रौद्योगिकी पर ध्यान देने की जरूरत पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भविष्य के युद्धों को नई सोच और नई प्रौद्योगिकी की आवश्यकता है।

देश के दुश्मनों को मात देगा रूसी एयर डिफेंस सिस्टम

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)। भारतीय सेना को जल्द ही रूस से शॉर्ट रेंज एयर डिफेंस सिस्टम इगला-एस मिलना शुरू हो जाएगा। इस महीने के अंत तक या अगले महीने की शुरुआत में यह मिलेगा। इसमें लगातार देरी हो रही थी और सेना की एयर डिफेंस की जरूरतें पूरी करने के लिए यह जरूरी है। इगला-एस एयर डिफेंस सिस्टम के लिए पिछले साल कॉन्ट्रैक्ट किया गया था। यह कॉन्ट्रैक्ट इमरजेंसी प्रॉक्योरमेंट को तहत हुआ था। इन्हें रूस की कंपनी से लेकर भारत में ही असेंबल किया जाना है।

असेंबल करने का काम अडानी डिफेंस सिस्टम्स एंड टेक्नॉलजी लिमिटेड करेगी। पिछले साल सेना ने 48 इगला-एस लॉन्चर, 100 मिसाइल, 48 नाइट साइट और एक मिसाइल टेस्टिंग सेंटर का कॉन्ट्रैक्ट किया था। यह कॉन्ट्रैक्ट करीब 260 करोड़ का है। जिसकी डिलिवरी इस महीने के आखिर से होना शुरू होगी।

मिसाइल को इंपोर्ट किया जाएगा और साइट्स, लॉन्चर, बैटरी जैसे कुछ पार्ट को भारत में ही बनाकर यहां असेंबल किया जाएगा। इगला-एस को कंधे पर रखकर फायर किया जाता है। इसके अलावा सेना को जल्द ही इस्राइली हरमेस-900 ड्रोन मिलने हैं। दो ड्रोन में से पहला ड्रोन अगले महीने मिल जाएगा। ये मीडियम एल्टीट्यूट लॉन्ग एंड्योरेंस अनमेन्ड एरियल वीकल है। इसे भी भारत में ही असेंबल किया जा रहा है।

खासियत : इग्ला-एस को विशेष रूप से कम उड़ान वाले विमानों को नीचे मार गिराने के लिए डिजाइन किया गया है। यह ड्रोन और क्रूज मिसाइलों जैसे हवाई लक्ष्यों की पहचान और उन्हें बेअसर कर सकता है। इसे भारत में ही असेंबल किया जाना है।

लश्कर आतंकी के भाई ने भी किया वोट

भाई से कहा-हथियार छोड़ो, परिवार के पास लौट आओ

जम्मू कश्मीर, 20 मई (एजेंसियां)। बारामुला लोकसभा सीट के लिए मतदान हुआ। इस सीट पर इस बार बड़ी संख्या में लोग मतदान करने के लिए पहुंच रहे हैं। इस बार न तो चुनाव बहिष्कार की कोई अपील है और न ही किसी तरह का कोई डर। इसी बीच आतंकी संगठन लश्कर ए तैयबा से जुड़े उमर के भाई रउफ अहमद लोन ने भी वोट किया। साथ ही रउफ ने अपने भाई से आत्मसमर्पण करने की अपील की।

रउफ अहमद लोन सक्रिय लश्कर-ए-तैयबा आतंकवादी उमर लोन का भाई है, जो आतंकवाद से संबंधित कई मामलों में वांछित है। लोन ने पट्टन में संवाददाताओं से कहा, 'मतदान मेरा अधिकार है, इसलिए मैं अपना वोट करने आया हूं। मैं सभी से अपील करता हूं कि वे अपना वोट करें। क्योंकि इससे देश के लिए नई सरकार के गठन में अपना मत दे सकेंगे। साथ ही रउफ ने अपने भाई से हथियार छोड़कर अपने परिवार के पास लौटने की अपील की।

'अरविंद केजरीवाल को मारने की साजिश... दिल्ली मेट्रो में लिखी गईं धमकियां'

भाजपा पर आप का बड़ा आरोप

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)। आप सांसद स्वाति मालीवाल बदसलूकी मामले के बाद दिल्ली में सियासी वार छिड़ी है। इस बीच, नया मामला सामने आया है। दिल्ली मेट्रो में अरविंद केजरीवाल को जान से मारने की धमकी लिखी है। मेट्रो के अंदर, मेट्रो स्टेशन समेत कई जगह केजरीवाल को मारने की धमकी लिखी हैं। आम आदमी पार्टी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर गंभीर आरोप लगाए हैं।

आम आदमी पार्टी एक्स हैंडल से पोस्ट में लिखा है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सरेआम जान से मारने की धमकी दी जा रही है। पीएमओ, भाजपा और नरेंद्र मोदी के इशारे पर राजीव चौक, पटेल नगर मेट्रो स्टेशन पर धमकी लिखी गई है। अरविंद केजरीवाल को कुछ भी होता है तो इसके लिए सीधे तौर पर भाजपा और नरेंद्र मोदी जिम्मेदार होंगे। इसको लेकर आम आदमी पार्टी की मंत्री आतिशी और सांसद संजय सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। दोनों नेताओं ने भाजपा पर हमला बोला है। आतिशी का कहना है केजरीवाल पर हमला कराने की साजिश की जा रही है। दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवा को खुलेआम जान से मारने की धमकी दी गई है। आतिशी ने कुछ फोटो कॉपी भी मीडिया को दिखाई।

आतिशी ने पीएमओ और भाजपा को घेरा

दिल्ली मंत्री आतिशी ने प्रेस वार्ता कर बताया कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सरेआम जान से मारने की धमकी दी जा रही है। पीएमओ, भाजपा और नरेंद्र मोदी के इशारे पर राजीव चौक, पटेल नगर मेट्रो स्टेशन पर धमकी लिखी गई है। अरविंद केजरीवाल को कुछ भी होता है तो इसके लिए सीधे तौर पर भाजपा और नरेंद्र मोदी ज़िम्मेदार होंगे।

आतिशी ने कहा कि भाजपा और नरेंद्र मोदी को अरविंद केजरीवाल से डर लगता है। इन लोगों को पता है कि वो चुनावी मैदान में केजरीवाल और आम आदमी पार्टी का सामना नहीं कर सकते हैं। जब से अरविंद केजरीवाल जेल से बाहर निकले हैं। तब से

भाजपा और नरेंद्र मोदी ने केजरीवाल पर एक के बाद एक हमले की साजिश रची है। लोकसभा चुनाव की घोषणा होते ही 21 मार्च को एक फर्जी मुकदमे में केजरीवाल को जेल में भेज दिया। जेल में उनकी दवा और इन्सुलिन बंद कर दी गई। दवा और इन्सुलिन के लिए हम कोर्ट में जाते हैं। तब जाकर उन्हें दवा मिलती है।

स्वाति मालीवाल के पीछे भाजपा

उन्होंने आगे कहा कि दिल्ली के लोगों के प्यार और सुप्रीम कोर्ट के आदेश से अरविंद केजरीवाल को जमानत मिली। अब उनके जेल से बाहर आने के बाद भाजपा डर गई है और उनके खिलाफ साजिश रची जा रही है। स्वाति मालीवाल को मोहरा बनाकर केजरीवाल के खिलाफ साजिश रची गई है। मुख्यमंत्री आवास से सामने आये वीडियो में स्वाति के आरोपों की सच्चाई पूरे देश ने देखी है। आगे कहा कि हमारा मानना है कि स्वाति पर एसीबी के केस को लेकर उन्हें धमकाया गया। उन्हें इस साजिश का चेहरा बनाया गया है। इसके तहत अरविंद केजरीवाल पर आरोप लगाए जाने थे। साजिश भी नाकाम हुई।

संजय सिंह ने भाजपा और पीएम नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा

आप से राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जान से मारने की धमकी मामले पर प्रेस वार्ता की। संजय सिंह ने कहा कि अरविंद केजरीवाल जब से जेल से बाहर आये हैं तब से भाजपा बौखलाई हुई है।

भाजपा अब अरविंद केजरीवाल के ऊपर जानलेवा हमला करने की साजिश रच रही है। इस साजिश का संचालन सीधे पीएमओ से हो रहा है। राजीव चौक और पटेल नगर मेट्रो स्टेशन पर केजरीवाल पर हमले की धमकी लिखी गई। आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा नफरत और बदले की भावना में ऐसे डूबे हुए हैं कि वो मुख्यमंत्री की जान लेने की साजिश रच रहे हैं। मैं शासन, प्रशासन और चुनाव आयोग को बताना चाहता हूं कि अगर अरविंद केजरीवाल को कुछ भी होता है तो इसके लिए पीएमओ, भाजपा और नरेंद्र मोदी जिम्मेदार होंगे।

रोचक खबरें

दुकान पर चिकन लेने गया था ट्रक ड्राइवर, लौटा करोड़पति बनकर

किस्मत ऐसी, खुद भी नहीं हुआ भरोसा!

कहा जाता है किस्मत मेहरबान हो, तो इंसान कुछ भी कर सकता है. अगर एक बार आपकी किस्मत पलट जाए तो रंक भी राजा बन सकता है और राजा को रंक बनते देर नहीं लगती है. कुछ ऐसा ही किस्मत का खेल एक शख्स के साथ हुआ. उस पर किस्मत कुछ यूं मेहरबान हुई कि वो खड़े-खड़े ही करोड़पति बन गया. उसे खुद भी अपनी किस्मत पर भरोसा नहीं हुआ. कई बार आपको खुद नहीं पता होता है कि आपकी किस्मत कहां दस्तक दे रही है. कुछ ऐसा ही हुआ अमेरिका के वर्जीनिया में रहने वाले ट्रक ड्राइवर के साथ. न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक वर्जीनिया के साउथ बोस्टन में रहने वाले रशेल गोम्स नाम के शख्स की किस्मत राशन की दुकान पर जाकर खुल गई. कहां वो डिनर का इंतज़ाम कर रहा था और कहां बैठे-बैठे उसके खाने का इंतज़ाम हो गया।

राशन की दुकान पर गया, लौटा करोड़पति बनकर

रिपोर्ट्स के मुताबिक रशेल गोम्स एक राशन की दुकान पर अपने लिए चिकन लेने गया था. जब वो सामान खरीद रहा था, तभी उनकी नज़र स्क्रैच ऑफ टिकट पर पड़ी. ट्रैक्टर ट्रेलर ड्राइवर रशेल ने एक टिकट खरीद लिया और इसे पार्किंग के पास जाकर स्क्रैच कर दिया. उसके सामने जो था, उस पर रशेल को यकीन ही नहीं हुआ. उसने अपने लॉटरी नंबर को रिडीम कराया और उसे500,000 डालर यानि 4,16,33,550 रुपये इनाम के तौर पर मिले।

प्रया में सजती है रोटियों की मंडी, इस भाव बिकती है गोल-गोल रोटी

खरीदने के लिए लगती है कुंवारों की भीड़

भारत में खाने-पीने के शौकीनों की कमी नहीं है. यहां चाइनीज से लेकर इटालियन खाने तक के प्रेमी हैं. तभी तो चौमिन हो या पिज्जा, यहां सड़कों से लेकर रेस्त्रां तक में आपको हर आइटम मिल जाएगा. भले ही भारतीय कितना भी चिल्ली चौमिन खा लें, उनका मन तो रोटी सब्जी से ही भरता है. चौमिन शायद हर कोई बना ले, लेकिन गोल रोटियां बनाना एक कला है. बाहर में रहने वाले स्टूडेंट्स या नौकरी के सिलसिले में घर से दूर रह रहे लोगों के लिए रोटी बनाना एक मुश्किल काम है. सब्जी तो कोई भी ऑनलाइन देखकर बना ले लेकिन गोल रोटियां बनाना एक कला है जो प्रैक्टिस से ही आता है. ऐसे लोगों के लिए वरदान है प्रयागराज की ये मंडी. जी हां, हम बात कर रहे हैं रोटियों की मंडी की. यहां आपको गोल-गोल बनी बनाई रोटी मिल जाएगी. इस मंडी में रोटी खरीदने दूर-दूर से स्टूडेंट्स और बैचलर्स आते हैं.

ऐसे सजती है मंडी

रोटियों की ये मंडी सजती है प्रयागराज के कर्नल गंज, एटीएम चौराहे के पास सजती है ये मंडी. इसमें सात से आठ दुकानें ऐसी है, जहां सिर्फ रोटियां बनाकर बेची जाती है. इन दुकानों पर आपको तीन रुपए में एक तो दस में चार रोटियां भी मिल जाएगी. इस चौराहे पर हर दिन वैसे लोगों की भीड़ लगी रहती है जो घर से दूर रह रहे हैं और गोल रोटियां नहीं बना पाते. ऐसे में घर पर दाल या सब्जी बनाकर वो यहीं से रोटी पैक करवाकर ले जाते हैं. सोशल मीडिया पर इस रोटी की मंडी का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है. लोगों को ये आइडिया क़ाफी पसंद आ रहा है. कई जगहों के लोगों ने कमेंट में उनके एरिया में भी ऐसी मंडी की जरुरत बताई. खासकर कोटा के कई स्टूडेंट्स ने कमेंट में लिखा कि उन्हें ऐसी मंडी की काफी जरुरत है. वहीं कई ने कमेंट में इस बिजनेस में हाथ आजमाने की बात कही. कई ने लिखा कि वाकई ये तो काफी अच्छा बिजनेस आइडिया है।

इंसानों के अस्पताल में दुर्लभ पंछी की डिलीवरी कभी पेड़ पर नहीं बैठती ये चिड़िया

अंडों से देती है बारिश का संकेत

टिटहरी का नाम लेते ही बारिश की याद आ जाती है. लोक मान्यता है अगर टिटहरी ने अंडे दिए तो मान लीजिए इस बार सूखा नहीं पड़ेगा. राजस्थान के करौली के एक कस्बे में टिटहरी ने सा मु दा यि क स्वास्थ्य केंद्र के कैंपस में अंडे दे दिए. अब पूरा स्टाफ उनकी देखभाल में जुटा है. एक बच्चा निकल आया है. राजस्थान के करौली में एक अद्भुत दृश्य देखने मिला. यहां के एक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचएस) में विलुप्त पक्षियों में शुमार टिटहरी ने अपनी प्रजनन प्रक्रिया को इंसानों के अस्पताल में पूरा किया. मतलब यहां टिटहरी नाम के अद्भुत पक्षी की डिलीवरी करौली के डांग क्षेत्र में करणपुर कस्बे के एक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के गार्डन में हुई।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र करणपुर का पूरा स्टाफ टिटहरी के अंडों की सुरक्षा में लगा हुआ था. अब तक एक अंडे में से एक बच्चा निकल चुका है. बाकी का इंतजार है. बच्चे के बाहर आने के बाद लॉन में हल्की गुनगुनाहट से टिटहरी के भी खुशी के स्वर गूंजने लगे हैं. बच्चे और टिटहरी की सुरक्षा के लिए फिलहाल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर लोगों का प्रवेश वर्जित किया गया है.करणपुर सीएचसी प्रभारी डॉ. राजवीर सिंह चौधरी ने बताया टिटहरी ने हमारे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर अंडे दिए. हमें पता लगते ही हमने उस स्थान पर लोगों का प्रवेश वर्जित कर दिया. अभी तक एक बच्चा तो टिटहरी के अंडे से बाहर आ चुका है. उसकी व्यवस्था के लिए हमने लॉन में दाना पानी से संबंधित सारी व्यवस्थाएं करवा दी हैं.

सुविचार

कौन बताता है भला
समंदर का रास्ता नदी को
जिन्हें मंजिल पानी होती
है वो सुझाव नहीं लेते।

यात्री ट्रेनों की सुरक्षा और समय की पाबंदी

की सावधानीपूर्वक निगरानी की जाए : अरुण जैन

जैन ने जोन में ट्रेन संचालन की सुरक्षा की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को ट्रेनों के सुरक्षित संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा प्रक्रियाओं का कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिया।

हैदराबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने सिकंदराबाद के रेल निलयम में जोन में ट्रेन संचालन की सुरक्षा, समय की पाबंदी पर आयोजित समीक्षा बैठक में कहा कि समय की पाबंदी और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ट्रेन संचालन की सावधानीपूर्वक निगरानी के लिए अग्रिम कार्य योजनाओं की आवश्यकता है। बैठक में एससीआर के अतिरिक्त महाप्रबंधक आर. धनंजयलु ने भी सभी प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ भाग लिया। सभी छह डिवीजनों यानी सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर और नांदेड़ के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए समीक्षा बैठक में शामिल हुए। अरुण कुमार जैन ने जोन में ट्रेन संचालन की सुरक्षा की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को ट्रेनों के सुरक्षित संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा प्रक्रियाओं का कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिया। उन्होंने लोको पायलट, सहायक लोको पायलट, स्टेशन मास्टर और स्थायी मार्ग रखरखाव कर्मचारियों आदि जैसे रनिंग स्टाफ को नियमित रूप से परामर्श देने की सलाह दी। उन्होंने अधिकारियों को कार्यस्थल सुरक्षा आवश्यकताओं के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए लगातार क्षेत्र निरीक्षण करने की भी सलाह दी। उन्होंने इंजीनियरिंग, मैकेनिकल और सिग्नलिंग उपकरण आदि से संबंधित सुरक्षा वस्तुओं की उपलब्धता की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को स्मोक डिटेक्टर और अग्निशामक यंत्र आदि जैसे यात्री सुरक्षा वस्तुओं के इष्टतम स्टॉक को बनाए रखने का निर्देश दिया। उन्होंने मेल/एक्सप्रेस ट्रेन की समयबद्धता पर भी विस्तृत चर्चा की और अधिकारियों को समयबद्धता में सुधार करने की सलाह दी। उन्होंने अधिकारियों को बुनियादी ढांचे के रखरखाव के कामों को शुरू करने से पहले सक्रिय कार्य योजना बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने गति प्रतिबंध लगाने की भी समीक्षा की और अधिकारियों को ट्रेनों की औसत गति में सुधार करने के लिए उनकी समीक्षा करने की सलाह दी। अरुण कुमार जैन ने जोन में एफओबी के रखरखाव जैसी यात्री सुविधाओं की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को यात्रियों को असुविधा से बचाने के लिए लंबित एफओबी रखरखाव कार्यों को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों/कर्मचारियों को सभी ट्रेनों में एसी कोचों की बारीकी से निगरानी करने का भी निर्देश दिया ताकि उचित कूलिंग सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि मार्ग में एसी कोचों का उचित संचालन सुनिश्चित किया जाए और तकनीकी खराबी के कारण होने वाली छोटी-मोटी खराबी को तुरंत ठीक किया जाए, ताकि रेल यात्रियों को असुविधा से बचाया जा सके।

ठेकेदारों ने बकाया बिलों को लेकर किया प्रदर्शन

हैदराबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी के ठेकेदारों ने सोमवार को निगम के मुख्य कार्यालय पर विरोध प्रदर्शन किया और अपने बकाया बिलों का जल्द से जल्द भुगतान करने की मांग की।

उन्होंने कहा कि मानसून से संबंधित सभी सिविल कार्य भी भुगतान होने तक रुके रहेंगे। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले साल दिल के दौरे के कारण कम से कम 4 ठेकेदारों की जान चली गई और उन्होंने कहा कि वे ये मांगें अब कर रहे हैं, क्योंकि अर्ली बर्ड योजना के तहत प्रभावशाली संग्रह हुआ था।

उनके मुताबिक अभी तक 1320 करोड़ रुपये के बिल का भुगतान नहीं हुआ है। इसी तरह का विरोध प्रदर्शन शहर भर के अन्य जोनल और सर्कल स्तर के कार्यालयों में भी आयोजित किया गया।

वित्तीय घोटाले में करीब 517 निवेशकों को 200 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान

पीड़ितों ने कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदर्शन किया

हैदराबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के एबिड्स में एक निजी वित्त कंपनी श्री प्रियंका एंटरप्राइजेज द्वारा किए गए एक बड़े घोटाले में लगभग 517 निवेशकों ने 200 करोड़ रुपये से अधिक गंवा दिए। निम्मागड्डा वाणी बाला, उनके पति मेका नेताजी और उनके बेटे मेका श्रीहर्ष द्वारा संचालित इस कंपनी ने जमाराशि आकर्षित करने के लिए उच्च ब्याज दरों का वादा किया था। पीड़ितों को भारी रिटर्न के वादे से लुभाया गया, लेकिन कंपनी ने अचानक परिचालन बंद कर दिया, जिससे वे ठगे गए। न्याय की मांग करते हुए, ठगे गए निवेशकों ने सोमवार को बशीर बाग में केंद्रीय अपराध स्टेशन (सीसीएस) पर विरोध प्रदर्शन किया। प्रारंभिक रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि निम्मागड्डा वाणी बाला (जो एपेक्स बैंक की महाप्रबंधक थीं) ने अपने पद का इस्तेमाल करके ग्राहकों को इस योजना में फंसाया। पीड़ितों को एबिड्स में तेलंगाना राज्य सहकारी बैंक के पास एक कार्यालय में भेजा गया, जहां उन्हें उच्च ब्याज दर पर जमा करने के लिए राजी किया गया। पीड़ितों की शिकायतों के आधार पर, पुलिस ने मामला दर्ज किया और जांच शुरू की।

मंत्री की समीक्षा बैठक आज

हैदराबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व विभाग कार्यालय, बोगीकुंटा, हैदराबाद में वन, पर्यावरण, राजस्व एवं धर्मार्थ विभाग की मंत्री कोंडा सुरेखा के नेतृत्व में राजस्व विभाग की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक 21 मई को 11 बजे आयोजित की जायेगी। बैठक में मुख्य सचिव, आयुक्त, उपायुक्त, अपर आयुक्त, ईओ व अन्य भाग लेंगे।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

टेन्डर नोटिस नं.सी/एसजी/सी/36/5/395 दि.6/5/2024

PUB0474

भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, उप मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार अभियन्ता(परियोजनाएं), द.म. रेलवे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्य हेतु दि.12-06-2024 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं(खुली) आमंत्रित हैं।

निविदा सं.-. सी/एसजी/सी/ 36/5/395, कार्य विवरणः दक्षिण मध्य रेलवे के सिकंदराबाद/विजयवाडा डिवीजन के एर्रुपालेम-विजयवाडा एनडब्ल्यूबीएच सेक्शन में एटोमेटिक ब्लाक सिग्नल्लिन्ग सिस्टम के प्रावधान हेतु विस्तृत सिग्नल्लिन्ग एवं दूरसंचार कार्य। अनुमानित मूल्यः रु.600044804.18, पूरा करने की अवधिः450 दिन कार्य विवरण,

निविदा शर्ते, पात्रता मापदंड एवं जानकारी, उपरोक्त कार्य संबंधित निविदा दस्तावेज की डाउनलोडिन्ग से जुडे तत्संबंधित संपूर्ण विवरण के लिए हेतु कृपया भारतीय सरकारी निविदा पोर्टल वेबसाइटः www.ireps.gov.in देखें।

उप मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार अभियन्ता, (परियोजनाएं), सिकंदराबाद

ई-टेन्डर नोटिस नं.01/डीवाय.सीएसटीइ/सी-II/एससी/5/2024-25 दि.17/05/2024

PUB0475

भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, उप मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार अभियन्ता(निर्माण।।), द.म. रेलवे, सिकंदराबाद द्वारा, सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन युक्त, निम्न कार्य हेतु दि.10-06-2024 के 15.00 बजे तक ई-निविदा(खुली) आमंत्रित हैं।

निविदा सं.-. सी-एसजी-सी/36-5/212-2024, कार्य विवरणः दक्षिण मध्य रेलवे के एचवायबी डिवीजन के एमबीएनआर-डीएचएनइ सेक्शन के बीच डबलिन्ग के साथ तत्संबंधित एमबीएनआर, एमक्यूएन एन्ड -एमबीएनआर आयबी पर एमबीएनआर-एमक्यूएन के बीच आयबी सिग्नलिंग तथा टीसीएएस का परिवर्तन या आल्टरेशन/आरेंजमेन्ट्स, याड्र्स एवं मिड सेक्शन पर एस एन्ड टी गेयर्स की शिफ्टिन्ग तथा महबूबनगर व मन्यमकोंडा पर इलेक्ट्रानिक इन्टरलाकिन्ग सहित ब्लाक इन्टरफेस का प्रावधान व तत्संबंधित कार्य एवं एमएसीएलएस इन्डूर तथा आउटडोर कार्य।

अनुमानित मूल्यः रु.14,90,10,676.84 पैसे, बोली सुरक्षा राशिः रु.895100.00 पूरा करने की अवधिः 18 महिने

1)बोली दस्तावेज एवं अन्य विवरण हेतु, कृपया वेबसाइटः https://ireps.gov.in देखें।

2)बोली सुरक्षा राशि को, नकद रूप में ई-पेमेन्ट गेटवे जमा कर सकते है अथवा इसे भारतीय अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों से बैंक गारंटी बान्ड के रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं।

3)निविदाकर्ता, निविदा प्रस्तुत करने की अवधि के दौरान, अपने प्रस्ताव, आनलाईन रूप में, प्रस्तुत कर सकते हैं, जो निविदा बंद होने से पंद्रह दिन पहले की अवधि है।

4) निविदाकर्ताओं को, निविदा जमा करने की अवधि शुरू होने की तिथि तक ही, किसी भी शुद्धिपत्रों(केवल आनलाइन में जारी) पर नजर रखनी चाहिए।

उप मुख्य सिग्नल एवं दूर संचार अभियन्ता, (निर्माण-।।), सिकंदराबाद

A0601

निविदा शर्तों/ विस्तृत विवरण जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिन्ग हेतु कृपया हमारा वेबसाइटः https://www.ireps.gov.in अथवा www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

कोत्तागुडेम में 3 माओवादियों ने किया सरेंडर

कोत्तागुडेम, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीआई (माओवादी) क्षेत्र समिति के दो सदस्यों और एक ग्राम समिति सदस्य ने सोमवार को यहां पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के किस्टाराम पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत निम्मलागुडेम के माओवादी इटुरुनगरम-महादेवपुर क्षेत्र समिति के सदस्यों कोवासी गंगा उर्फ महेश और सोडी उंगी उर्फ झांसी और डीएकेएमएस पुट्टापाडु प्रभारी कलुमा बुदरा ने कोठागुडेम एसपी बी रोहित राजू, सीआरपीएफ 81 के अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया।

गंगा 2009 में मिलिशिया सदस्य के रूप में माओवादियों में शामिल हुई और 2015 में उसे क्षेत्र समिति सदस्य के रूप में पदोन्नत किया गया। उंगी एतुरुनगरम-महादेवपुर क्षेत्र समिति के दलम सदस्य के रूप में नक्सलियों में शामिल हुई और गंगा से शादी की। बुदरा 2002 में एक मिलिशिया सदस्य के रूप में माओवादियों में शामिल हुए और 10 वर्षों तक चैतन्य नाट्य मंडली (सीएनएम) के सदस्य के रूप में काम किया। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली पुरानी विचारधाराओं से परेशान थे और उन्होंने माओवादी पार्टी छोड़ने का फैसला किया। एसपी रोहित राजू ने कहा कि कई भूमिगत कैडर माओवादी नेताओं के उत्पीड़न को सहन करने में असमर्थ थे और पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करने के लिए तैयार थे। उन्होंने भूमिगत माओवादियों को आत्मसमर्पण करने और सामान्य जीवन जीने के लिए अपने नजदीकी पुलिस स्टेशन या उच्च अधिकारियों से सीधे या अपने परिवार के सदस्यों के माध्यम से संपर्क करने की सलाह दी। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को सरकार की ओर से आजीविका सहायता दी जाएगी। इस दौरान भद्राचलम एएसपी परितोष पंकज, सीआरपीएफ 141 बीएन के अतिरिक्त कमांडेंट कमल वीर यादव, सीआरपीएफ 81 बीएन के अतिरिक्त कमांडेंट कन्हार, चेरला सीआई राजू वर्मा और एसआई टीवीआर सूरी उपस्थित थे।

मछली प्रसाद का वितरण आठ जून को

हैदराबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। इस वर्ष मृगसिरा कार्ति शनिवार, 8 जून को सुबह 11 बजे प्रवेश करेगी और बत्तीनी गौड परिवार के सदस्यों ने बताया कि उस दिन मछली प्रसादम वितरित किया जाएगा।

दिवंगत बत्तिनी हरिनाथ गौड़ के पुत्र अमरनाथ गौड़ और परिवार के अन्य सदस्य शिव शंकर गौड़, गौरी शंकर गौड़, शिव शेखर गौड़, संतोष गौड़, मौली गौड़ और सैम्या गौड़, रोशन गौड अन्य उपस्थित लोगों ने बताया कि लगभग दो सदियों से हमारा परिवार दमा, गले और खांसी जैसी सांस संबंधी बीमारियों से बचाव के लिए मरीज के मुंह में मछली के जरिए एक पदार्थ डालता रहा है। यह सेवा हमारे परिवार के बुजुर्गों को एक सौ नब्बे वर्ष पहले एक ऋषि ने सिखाई थी। तब से, यह पीढ़ियों से लाखों श्वसन रोगियों को निःस्वार्थ रूप से निःशुल्क दिया जाता रहा है। अमरनाथ गौड़ ने कहा कि अब तक पिछली सभी सरकारें पूरा सहयोग करती रही हैं और सभी सरकारी विभाग जिम्मेदारीपूर्वक व्यवस्थाएं करते रहे हैं। इस वर्ष भी नवगठित कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री ने अन्य संबंधित मंत्रियों से अनुमति की व्यवस्था करने को कहा है। इस मछली प्रसादम के वितरण के लिए हमेशा की तरह, आवश्यक मछली तैयार करने के लिए मत्स्य पालन विभाग से लिखित रूप से संपर्क किया और आरटीसी, जीएचएमसी, जल कार्य, नगर पालिका, पुलिस शाखा से अनुमति मांगी गई है।

अग्रवाल सेवा दल चैरिटी मरीजों को भोजन, कॉफी, चाय, टिफिन और पानी प्रदान करता है। आपातकालीन चिकित्सा सुविधा के साथ-साथ लाइन में लगे मरीजों को वेटरों द्वारा सेवा दी जा रही है।

विशेष रूप से, बद्री विशालाल पन्नालाल पित्ती के अध्यक्ष शरथ पित्ती हमें इस मछली प्रसादम के वितरण के लिए पूर्ण सहयोग दे रहे हैं। 8 जून को सुबह 11 बजे से अगले दिन 11 बजे तक नामपल्ली प्रदर्शनी मैदान में मछली प्रसाद वितरित की जाएगी। इस बैठक में अजिता गुप्ता, कैलाश केडिया और अन्य ने भाग लिया।

विद्यार्थी सेवा दल ने भारतीय छात्रों पर जताई चिंता

VSD

हैदराबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। विद्यार्थी सेवा दल (वीएसडी) ने भीड़ हिंसा की रिपोर्टों के बाद किर्गिस्तान के बिश्केक में रहने वाले भारतीय छात्रों के बारे में चिंता व्यक्त की है। गृह मंत्रालय को संबोधित एक पत्र में वीएसडी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मीर कुर्रम अली ने छात्रों और उनके परिवारों को आश्वस्त करने के लिए तत्काल कार्रवाई का आह्वान किया। उन्होंने भारत सरकार के अधिकारियों और बिश्केक में दूतावास के निरंतर समर्थन के प्रयासों की सराहना करते हुए 4 अनुरोध सामने रखे। उन्होंने लापता छात्रों की तलाश और बचाव के साथ-साथ सुरक्षा बढ़ाने के लिए कहा। इसके अलावा, उन्होंने माता-पिता को नियमित अपडेट और राजनयिक हस्तक्षेप के लिए भी कहा।

कर्मचारियों के लंबित वेतन का भुगतान हो

बीआरएस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री टी हरीश राव की मांग

हैदराबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने राज्य भर के तेलंगाना डायग्नोस्टिक्स केंद्रों में डॉक्टरों और कर्मचारियों को पिछले छह महीनों से वेतन देने में विफल रहने के लिए राज्य सरकार की आलोचना की। उन्होंने सरकार से इस मुद्दे का तुरंत समाधान करने और इन केंद्रों के माध्यम से लोगों को सभी चिकित्सा सेवाएं प्रदान करना सुनिश्चित करने की मांग की।

हरीश राव ने सोमवार को सोशल मीडिया पर लंबित वेतन के बारे में समाचार रिपोर्ट साझा करते हुए कांग्रेस सरकार के तहत तेलंगाना डायग्नोस्टिक्स की गिरावट पर निराशा व्यक्त की। राव ने कहा कि यह दुखद है कि तेलंगाना डायग्नोस्टिक सिस्टम, जो राज्य के लोगों के लिए मुफ्त चिकित्सा परीक्षण करने के लिए बीआरएस शासन के दौरान शुरू किया गया था, कांग्रेस शासन के तहत पांच महीने के भीतर ही ध्वस्त हो गया।

पूर्व स्वास्थ्य मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि पूर्व मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव के कार्यकाल के दौरान, राज्य भर में 36 डायग्नोस्टिक केंद्र स्थापित किए गए थे, जो 134 प्रकार के चिकित्सा परीक्षणों की पेशकश करते थे। इस पहल ने तेलंगाना को राष्ट्रीय स्तर पर चिकित्सा सेवाओं में एक उदाहरण के रूप में स्थापित किया। इन केंद्रों ने गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा परीक्षण प्रदान किए, जिससे लाखों गरीबों और आम लोगों पर वित्तीय बोझ काफी कम हो गया। उन्होंने टिप्पणी की कि अब, ये केंद्र कुप्रबंधन से जूझ रहे हैं, कर्मचारियों को पिछले छह महीने से वेतन नहीं मिला है। यह सार्वजनिक स्वास्थ्य के प्रति कांग्रेस सरकार के लापरवाह रवैये का प्रमाण है।

याकूतपुरा की गली की दुर्दशा

घर के बाहर निकलने के लिए सोच में पड़ जा रहे निवासी

गंदगी से मच्छरजनित बीमारियों का भी खतरा

हैदराबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। याकूतपुरा में गंगा नगर के निवासियों को अपने घरों के सामने नाली और कूड़े के ढेर के साथ-साथ अब जमा पानी का सामना करना पड़ रहा है जिससे उनके लिए बाहर निकलना मुश्किल हो रहा है। अगर वे ऐसा करते भी हैं, तो उनके पैरों को गंदे पानी में भीगने के अलावा कोई दूसरा रास्ता नहीं है। गंदगी से मच्छरजनित बीमारियों का भी खतरा बना हुआ है।

जब मोहम्मद इमरान नामक व्यक्ति ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर इस स्थिति को नागरिक अधिकारियों के ध्यान में लाया, तो एचएमडब्ल्यूएस एंड एसबी ने इस पर ध्यान दिया। हालांकि, कुछ घंटों बाद उन्होंने स्पष्ट किया कि मामला जीएचएमसी के अधिकार क्षेत्र में आता है। अगर यह सीवेज मैनहोल के बारे में होता, तो हम सहायता करते। जल बोर्ड के एक अधिकारी ने कहा कि जीएचएमसी वहां नाले को चौड़ा कर रही है और यह उसी के कारण है और इसे डाउनस्ट्रीम से शुरू करने के बजाय, वे इसे अपस्ट्रीम से कर रहे हैं जिससे यह समस्या पैदा हो रही है। इसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी सूचित किया गया था, जहां जीएचएमसी टीम ने अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। गली में रहने की स्थिति का वर्णन करते हुए, इमरान लिखते हैं कि याकूतपुरा गंगा नगर में जानवर इंसानों से बेहतर हैं, नाली का पानी बड़ी मात्रा में भरा हुआ है, अगर आप शिकायत करते हैं तो किसी को परवाह नहीं है।

संगारेड्डी में इंस्पेक्टर निलंबित

संगारेड्डी, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मल्टी-जोन आईजी सुधीरबाबू ने इंस्पेक्टर वेंकट साई किशोर को निलंबित कर दिया है। साई किशोर एक महीने पहले तक संगारेड्डी के सेंट्रल क्राइम स्टेशन में इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत थे। हालांकि उन पर कई आरोप लगने के बाद आईजी ने उनका तबादला कर एसपी कार्यालय में अटैच कर दिया था। आरोपों की गहन जांच के बाद सुधीरबाबू ने इंस्पेक्टर को निलंबित कर दिया।

कांग्रेस का सफाया होना चाहिए : केटीआर

इलांडू, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने दावा करते हुए कि पूर्व सीएम केसीआर ने किसानों को बुवाई शुरू करने पर रायथु बंधु का लाभ दिया, सीएम रेवंत रेड्डी ने राज्य में चुनाव होने पर रायथु बंधु को रखा। उन्होंने कहा कि अगर बुवाई के समय रायथु बंधु का लाभ दिया जाता तो यह किसानों के लिए लाभदायक होता। केटीआर ने इलांडू निर्वाचन क्षेत्र केंद्र में आयोजित स्नातक एमएलसी उपचुनाव प्रचार में भाग लिया और बीआरएस पार्टी के उम्मीदवार एनुगुला राकेश रेड्डी के समर्थन में बात की। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि तेलंगाना में हर गांव, कस्बे या जिला मुख्यालय में एक उल्लेखनीय बदलाव आया है। बीआरएस शासन के दौरान कृषि अच्छी रही है केसीआर ने किसान परिवारों को भरोसा दिलाने के लिए रैतू बंधु योजना शुरू की थी। केसीआर के कार्यकाल में, रैतू बंधु तब दिया जाता था जब बुवाई होती थी। लेकिन रेवंत रेड्डी की सरकार में, यह वोट डालने के समय और फसल कटने के समय दिया जाता है। उन्होंने याद दिलाया कि सीएम रेवंत ने वादा किया था कि अगर मौका मिला तो वे 9 दिसंबर को 2 लाख रुपये का कर्ज माफ कर देंगे। अब 9 जून आएगा। छह महीने बीत चुके हैं।

लेकिन कर्ज माफ नहीं हो सका। यदि आप अपने वादों को लागू नहीं करने के लिए कांग्रेस सरकार का सफाया करना चाहते हैं, तो राकेश रेड्डी को जीतना चाहिए। विधानसभा चुनावों में, बीआरएस ने राज्य भर में 39 सीटें जीतीं। हम 1.8 प्रतिशत वोटों के अंतर से हार गए। हमने 5,000 वोटों के अंतर से 15 सीटें खो दीं। केटीआर ने कहा कि अगर इन 15 सीटों में से 7 से 10 सीटें भी जीत ली जातीं, तो हमारी सरकार आ जाती।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, AGIWAL GOVIND R/o.H.No.2-3-450/ 451, B 202, Sri Sai Residency, MG Rd, Near Yellamma Temple, Nallagutta, Sec'bad. Changed my Name as GOVIND BAHETI AGIWAL S/o.DWARAKADAS BAHETI.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

जूता व्यापारियों के यहां नोटों की गिनती जारी

मशीन से नोट गिनने शिफ्ट में बुलाए कर्मचारी, पर्ची कारोबार से होता था पूरा खेल

आगरा, 20 मई (एजेंसियां)। आगरा में 3 जूता कारोबारियों के यहां इनकम टैक्स की रेड लगातार 48 घंटे से जारी रही। सोमवार सुबह 12 बजे तक तीनों कारोबारियों के यहां कार्रवाई चल रही थी। इनकम टैक्स को कारोबारियों के पास से करीब 60 करोड़ रुपए कैश बरामद होने का अनुमान है। मंगलवार तक सर्चिंग चल सकती है। इनकम टैक्स ने कारोबारियों से बरामद कैश रकम को भारतीय स्टेट बैंक में जमा कराने के लिए भेजा है। बैंक स्टाफ द्वारा नोटों की गिनती पूरी होने के बाद ही कैश की सटीक जानकारी मिल सकेगी।

सबसे ज्यादा कैश हरमिलाप ट्रेडर्स के मालिक रामनाथ डंग के यहां से मिला है। रामनाथ डंग आगरा के जूता कारोबार में पर्ची सिस्टम के बडे. खिलाड़ी हैं। रामनाथ जूता कारोबार में आने से पहले बहुत साधारण व्यक्ति थे। उन्होंने आटा चक्की से शुरुआत की थी। करीब 25 साल में वो कैसे करोड़ों के मालिक बन गए? इस सवाल को लेकर टीम जांच कर रही है।

आगरा में शनिवार को इनकम टैक्स विभाग ने आगरा के तीन जूता कारोबारियों के यहां पर रेड की थी। तीनों कारोबारी बीके शूज के एमजी रोड स्थित प्रतिष्ठान और सूर्य नगर स्थित घर, हरमिलाप ट्रेडर्स के मालिक रामनाथ डंग के घर व फर्म व मंशु फुटवियर के आवास व फर्म पर रेड की गई। तीनों के करीब 14 ठिकानों पर कार्रवाई की गई। दो कारोबारियों के यहां पर लगातार करीब 36 घंटे तक कार्रवाई चली। रात 12 बजे तक हरमिलाप ट्रेडर्स के मालिक रामनाथ डंग के जयपुर हाउस स्थित आवास पर इनकम टैक्स की टीम नोट गिनने में जुटी रही। इसके अलावा बीके शूज और मंशु फुटवियर के यहां भी देर रात तक कार्रवाई चली।

इतने नोट कि मशीन हांफ गई, शिफ्ट में बुलाने पडे.कर्मचारी

तीनों कारोबारियों के यहां से 500 के नोटों का जखीरा मिला है। बताया गया है कि रामनाथ डंग के यहां पर नोटों की गड्डियों का पहाड़ मिला। अलमारी, बेड , सूटकेस, तकिए और गद्दों में नोट भरे थे। इतनी बड़ी संख्या में गड्डियां देखकर इनकम टैक्स के अधिकारी भी सकते में आ गए। नोटों को गिनने के लिए बैंक से मशीन मंगवाई गई। नोट गिनते-गिनते मशीन गर्म हो गई। कुछ देर के लिए उन्हें बंद करना पड़ा। इतना ही नहीं नोट गिनने के लिए एसबीआई के कर्मचारियों को शिफ्ट में बुलाना पड़ा। शाम सात बजे रामनाथ डंग के यहां कर्मचारियों की शिफ्ट बदली गई। उस दौरान इनकम टैक्स की एक अधिकारी ने बताया कि नोटों की गिनती चल रही है।

कॉलोनी के लोग बोले-लगता नहीं था इतने बडे.आदमी हैं

रामनाथ डंग के घर से करोड़ों रुपए बरामद होने के बाद पूरे इलाके में उनकी ही चर्चा थी। उनके घर के सामने से गुजरने वाला हर व्यक्ति रुककर उसी तरफ देख रहा था। आसपास के लोगों के मुताबिक लगता नहीं था कि उनके पास करोड़ों रुपए हैं। वो बेहद साधारण तरीके से रहते थे।

पर्ची कारोबार के किंग थे रामनाथ डंग

आगरा का घरेलू जूता बाजार पर्ची कारोबार पर निर्भर है। बड़े कारोबारी, छोटे कारोबारियों को पेमेंट करने के बजाय पर्ची थमा देते हैं। इस पर्ची को जरूरत पड़ने पर छोटे कारोबारी पर्ची का काम करने वालों से भुना लेते हैं। शू कारोबारियों की मानें तो रामनाथ डंक पर्ची कारोबार के किंग है।

आगरा की घरेलू जूता बाजार में 65 प्रतिशत भागीदारी है। छोटे कारोबारियों द्वारा छोटे-छोटे कारखानों में जूता तैयार किया जाता है। आगरा की गली-मोहल्लों के घरों में छोटे कई जूता कारखाने हैं। यह कारोबार उधार पर ज्यादा चलता है। छोटे कारोबारी जब माल तैयार कर ले जाते हैं, तब वह उन्हें नकद रकम या चेक की जगह पर्ची थमा देते हैं।

पर्ची की वैलिडिटी 3 से 7 महीने

कारोबारी पर्ची के जरिए करोड़ों का व्यापार चलाते हुए इसे भुनाते हैं। पर्ची 3 से 7 माह के लिए चलती है। जूता कारोबार में पर्ची भुनाने वाले कारोबारियों में हरमिलाप ट्रेडर्स के रामनाथ डंग का होल्ड माना जाता है। कारोबारी सूत्रों के अनुसार वह प्रति सैकड़ा एक से 1.25 प्रतिशत तक ब्याज लिया करते हैं। बीके शूज भी पर्ची कारोबार में सक्रिय है। इसमें प्रति सैकड़ा 40 पैसे ब्याज लिया जाता है।

रामनाथ ने आटा चक्की से शुरू किया था व्यापार

रामनाथ डंग शू मैटेरियल की ट्रेडिंग का काम करने वाले कारोबारी हैं। उनका नाम हींग की मंडी में पर्ची का काम करने वाले बड़े कारोबारियों में हैं। जो कि जूता कारोबारियों को ब्याज पर पैसा देते हैं। उनके यहां बड़ी मात्रा में कैश बरामद होने की वजह पर्ची कारोबार ही मानी जा रही है।

मुंगेर में नकली नोटों के साथ दो शख्स गिरफ्तार,आरोपियों से पूछताछ जारी

मुंगेर, 20 मई (एजेंसियां)। बिहार के मुंगेर में एक बार फिर से जाली नोट गिरोह के सदस्य काफी सक्रिय हो गए हैं। दरअसल, नया टोला धोवई में महारूद्र यज्ञ का आयोजन किया गया था। कमेटी के सदस्यों द्वारा मेला भी लगाया गया था। मेले में नकली 100 और 200 के नोट को चलाने वाले गिरोह काफी सक्रिय हैं। आयोजन समिति द्वारा इसकी जानकारी जिले के तारापुर थाना पुलिस को दी गई। उसके बाद स्थानीय पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर दो लोगों को देर रात गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपियों के पास से पुलिस ने 100 रुपये के नकली नोट भी बरामद किए हैं। वहीं, अंधेरे का फायदा उठाकर दो लोग मौके से फरार हो गए।

पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार हुए एक आरोपी ने पूछताछ के दौरान अपना नाम अजय कुमार तो दूसरे ने राजीव कुमार बताया है। जो कि मुंगेर जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सीताकुंड लक्ष्मीपुर के रहने वाले हैं। उनके पास से पुलिस ने 100 रुपये के पांच नोट और मोबाइल बरामद किए हैं। तारापुर इंस्पेक्टर अरविंद कुमार ने बताया कि केस दर्ज कर लिया गया है। दोनों की गिरफ्तारी कर नकली नोट चलाने से संबंधित पुलिस पूछताछ कर रही है। हालांकि गिरफ्तार युवकों की निशानदेही पर अन्य जगहों पर भी अभी छापेमारी और जांच-पड़ताल की जा रही है।

इंदौर के व्यापारी से 3 करोड़ की धोखाधड़ी

इंदौर, 20 मई (एजेंसियां)। इंदौर के भंवरकुंआ में तीन करोड़ के चावल को लेकर धोखाधड़ी का केस दर्ज किया गया है। इस मामले में दिल्ली और नोएडा के चार से अधिक लोगों को आरोपी बनाया गया है। पुलिस के मुताबिक मुताबिक प्रवीण सिंह की शिकायत पर आनंद प्रकाश श्रीवास्वत, तान्या अरोरा, अंजलि अरोरा और साहिल अरोरा निवासी नोएडा पर धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है।

प्रवीण सिंह का चावल का कारोबार है। सभी आरोपियों ने ब्रोकर शीप के तहत उनसे संपर्क कर फायदे में चावल दिलाने की बात कही थी। इसके बाद आरोपियों ने ठगी कर दी। प्रवीण सिंह ने संबधित फर्म से संपर्क किया तो पता चला कि बीच के लोगों ने फर्म को रुपए ही नहीं दिए।

यूपी के 48 शहरों में हीटवेव अलर्ट...आज बारिश की संभावना

देश के सबसे गर्म शहरों में झांसी और आगरा, पारा 47°C के पार पहुंचा

कानपुर, 20 मई (एजेंसियां)। यूपी में भीषण गर्मी का कहर जारी है। रविवार को आगरा देश का दूसरा सबसे गर्म शहर रहा। यहां अधिकतम तापमान 47.7°C रिकॉर्ड किया गया। देश के टॉप-5 सबसे गर्म शहरों में यूपी के आगरा और झांसी शामिल रहे। मौसम विभाग ने आज यूपी के 29 जिलों के लिए हीटवेव का ऑरेंज और 19 जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी किया है। वहीं, मंगलवार को पूर्वांचल के 10 जिलों में बारिश का अनुमान है। गाजियाबाद के डीएम ने लू को देखते हुए 8वीं तक के सभी स्कूल 20-25 मई तक बंद करने के आदेश दिया हैं। रविवार को इटावा में 3.6 मिमी. बारिश भी हुई।

मौसम विज्ञानी बोले-प्रदेश में नम हवाएं बढ़ाएंगी उमस

सीएसए यूनिवर्सिटी के मौसम विज्ञानी डॉ. सुनील पांडेय ने बताया, पश्चिम बंगाल से आने वाली नम हवाएं प्रदेश में उमस बढ़ाएंगी। आज हीटवेव की रेड अलर्ट वाली स्थिति नहीं होगी, लेकिन कई जिलों में अधिकतम तापमान 45 डिग्री से ऊपर बना रहेगा। वहीं, नेपाल से लगे प्रदेश के तराई वाले इलाके गोरखपुर, शाहजहांपुर, कुशीनगर, देवरिया, बलिया, मऊ, गाजीपुर और वाराणसी समेत कई जिलों में नम हवाओं की वजह से हाई क्लाउड बन सकते हैं। इसकी वजह से स्थानीय स्तर पर कहीं-कहीं बारिश, आंधी चल सकती है।

सारण में तीन बूथों पर कब्जे का आरोप

चुनाव आयोग में पहुंची शिकायत

सारण, 20 मई (एजेंसियां)। सारण में लोकसभा चुनाव हो रहा है, जहां से लालू यादव की बेटी रोहिणी राजद की उम्मीदवार हैं। उनका मुकाबला दो बार सांसद रहे राजीव प्रताप रूडी से है। इसी बीच अमनौर विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या 12, 13 ,14 को लेकर निवर्तमान सांसद राजीव प्रताप रूडी ने लिखित शिकायत दर्ज कराई है।

शिकायत में उन्होंने सारण विकास मंच के संयोजक शैलेंद्र प्रताप सिंह के खिलाफ बूथ कैप्चरिंग जैसे आरोप लगाए हैं। इसके बाद जिला प्रशासन की ओर से मामले की जांच शुरू की है।

रोहिणी आचार्य और राजीव प्रताप रूडी के बीच कड़ा मुकाबला

बता दें कि सारण लोकसभा क्षेत्र में कुल 14 प्रत्याशी अपने भाग्य आजमा रहे हैं।

इसमें मुख्य मुकाबला तो रोहिणी आचार्य और राजीव प्रताप रूडी के बीच है। लेकिन पूर्व विधायक शत्रुघ्न तिवारी भी मैदान में हैं। सारण लोकसभा क्षेत्र में 6 विधानसभा क्षेत्र हैं, जिसमें 4 विधानसभा क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व महागठबंधन के विधायक कर रहे हैं। जबकि दो विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा के विधायक हैं। रूडी के लिए पीएम नरेंद्र मोदी ने सभा भी की है। जबकि राजद की ओर से लालू यादव ने सारण में कैंप किया हुआ है।

पिछले चुनाव में चंद्रिका राय को 1.38 लाख वोटों से हराया था

सारण लोकसभा क्षेत्र के पिछले दो मुकाबले में राजीव प्रताप रूडी को जीत मिली है। इसमें 2019 में रूडी ने राजद के उम्मीदवार के तौर पर चंद्रिका राय को 1.38 लाख वोटों से हराया था।

हालांकि चंद्रिका राय इस बार रूडी के लिए प्रचार कर रहे हैं। दूसरी ओर 2014 में रूडी ने राबड़ी देवी को लगभग 41 हजार वोटों से हराया था। रूडी के सामने चुनाव लड़ रही रोहिणी का यह पहला मुकाबला है।

मुझ पर लगे झूठे आरोपों के कारण मेरा बेटा भारी मतों से जीतेगा : बृजभूषण

कैसरगंज, 20 मई (एजेंसियां)। निवर्तमान सांसद बृज भूषणशरण सिंह ने सोमवार को कहा कि महिला पहलवानों द्वारा उन पर लगाए गए यौन उत्पीड़न के झूठे आरोपों के कारण उनके बेटे करण भूषण सिंह को इस चुनाव में भारी बहुमत मिलेगा। मतदान के बीच कैसरगंज में पत्रकारों से बात करते हुए बृज भूषण शरण सिंह ने कहा, उन पर लगे झूठे आरोपों के कारण करण को अधिक वोट मिलेंगे। कैसरगंज में केवल एक ही मुद्दा है, वह है बृजभूषण सिंह। उन्होंने कहा, वह जीतेंगे। करण भूषण सिंह मुझसे बेहतर काम करेंगे। वह अपने व्यवहार, बात करने के तरीके, अनुशासन और व्यायाम के लिए जाने जाते हैं।

खड़े डीसीएम में घुसी कार, हादसे में मां-बेटा व मौसी की मौत

कानपुर, 20 मई (एजेंसियां)। कानपुर के महाराजपुर थाना क्षेत्र में भीषण सड़क हादसा हुआ। जिसमें कानपुर की तरफ से फतेहपुर जा रही कार खड़े डीसीएम में जा घुसी। हादसे में मां-बेटा व मौसी की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं पांच साल की बच्ची सहित दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पाकर मौके पर पहुंची महाराजपुर पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम भेज दिया। वहीं घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

जानकारी के मुताबिक तौहीद कादरी (50) दिल्ली में बिजनेस करते हैं। रविवार को वह अपने परिवार के साथ कानपुर एक शादी कार्यक्रम में शामिल होने आए थे। सोमवार सुबह वह अपने गांव फतेहपुर जनपद के खैरही गांव (खागा) जा रहे थे। तभी थाना महाराजपुर क्षेत्र के विराट ढाबा के पास तेज रफ्तार कार खड़ी डीसीएम में पीछे से जा घुसी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में गाड़ी चला रहा अदनान पुत्र तौहीद कादरी (23), नूर फातिमा पत्नी तौहीद कादरी, रीना पत्नी लकी (26), तौहीद (50) व अमायरा (5) पुत्री लकी गंभीर रूप से घायल हो गए।

राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। कड़ी मशक्कत के बाद किसी तरह सभी लोगों को बाहर निकाल कर उपचार के लिए सरसौल स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने नूर फातिमा (40), अदनान (23) व रीना (26) को मृत घोषित कर दिया। वहीं तौहीद कादरी (50) व पांच साल की मासूम अमराया को गंभीर चोटें आईं। घायलों को चिकित्सकों द्वारा प्राथमिक उपचार कर जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। वहीं हदासे की जानकारी मृतक के परिजनों को दी गई। सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। महाराजपुर पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा कर पोस्टमार्टम भेज दिया।

पांचवें चरण में स्मृति, माया, ब्रजभूषण समेत कई दिग्गजों ने किया मतदान

लखनऊ, 20 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में उत्तर प्रदेश की 14 सीटों पर मतदान जारी है। इस दौरान बसपा प्रमुख मायावती, केंद्रीय मंत्री और अमेठी से सांसद स्मृति ईरानी, साध्वी निरंजन ज्योति, कैसरगंज से सांसद ब्रजभूषण शरण सिंह, रायबरेली के उम्मीदवार दिनेश सिंह जैसे दिग्गजों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। अमेठी में अपने मताधिकार का प्रयोग करने के बाद स्मृति ईरानी ने कहा कि आप जल्द से जल्द अपने मतदान केंद्र जाकर इस उत्सव में सहभागी बनें। यह भारत और इसके भविष्य के प्रति हमारी जिम्मेदारी है, इसका निर्वहन करें। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने लखनऊ में वोट डालने के बाद कहा, मैं सभी से अपील करता हूं कि विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए शत-प्रतिशत मतदान करें। हम प्रदेश की 80 की 80 सीटें जीत रहे हैं, अमेठी और रायबरेली भी जीत रहे हैं। रायबरेली लोकसभा सीट से भाजपा के उम्मीदवार दिनेश प्रताप सिंह ने कहा, अब कोई भ्रम नहीं बचा है, अमेठी और रायबरेली में कमल खिल रहा है।

लखनऊ में वोट डालने के बाद मायावती ने कहा, मैंने मतदान कर दिया है। मैं सभी मतदाताओं से अपील करती हूं कि मतदान जरूर करें। मैं सभी राजनीतिक दलों से कहना चाहती हूं कि उनको जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता देनी चाहिए।लखनऊ में बसपा नेता सतीश मिश्रा ने अपने बेटे कपिल मिश्रा के साथ मतदान किया। हमीरपुर में शहर के जीजीआईसी बूथ संख्या 102 पर राज्यसभा सांसद बाबूराम निषाद ने वोट डाला। कैसरगंज लोकसभा क्षेत्र से सांसद बृजभूषण सिंह ने कहा कि करण भूषण को पर्याप्त शिक्षा दी है। वह परिपक्व है। लोगों को खींचने का हुनर उसके अंदर है। अब देवी पाटन मंडल की राजनीति युवा पीढ़ी के हाथ में जा रही है। उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है। इस दौरान उन्होंने कहा कि 14 सीटों पर शांतिपूर्ण ढंग से मतदान चल रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मीडिया सलाहकार मृत्युंजय कुमार ने भी लखनऊ में अपने मताधिकार का प्रयोग किया है।

'राहुल गांधी वापस जाओ', रायबरेली पहुंचे कांग्रेस नेता के विरोध में लगे नारे

रायबरेली, 20 मई (एजेंसियां)। सोमवार सुबह रायबरेली पहुंचे कांग्रेस नेता राहुल गांधी के विरोध में भाजपा कार्यकर्ताओं ने 'राहुल गांधी वापस जाओ, राहुल गांधी मुर्दाबाद और जय श्री राम के नारे' लगाए। दरअसल, राहुल गांधी चुरुआ मंदिर के पास बूथ निरीक्षण करने रायबरेली पहुंचे थे। इस दौरान उन्हें भाजपा कार्यकर्ताओं के विरोध का सामना करना पड़ा। इससे पहले कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोमवार को रायबरेली के हनुमान मंदिर में पूजा अर्चना की। उसके बाद उन्होंने कई मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। रायबरेली सीट पर भाजपा ने राहुल गांधी के खिलाफ दिनेश प्रताप सिंह को उम्मीदवार बनाया है।

2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी की स्मृति ईरानी से मिली हार के बाद कांग्रेस ने राहुल गांधी को अमेठी के बजाए रायबरेली से चुनावी मैदान में उतारा है, जबकि अमेठी से गांधी परिवार के विश्वासपात्र किशोरी लाल शर्मा पर दांव लगाया गया है। राहुल गांधी को अमेठी के बजाए रायबरेली से चुनावी मैदान में उतारे जाने को लेकर बीजेपी ने तंज कसा था। बीजेपी ने कांग्रेस के इस कदम को राहुल द्वारा स्मृति ईरानी के डर जाने के रूप में रेखांकित किया। सियासी विश्लेषक राहुल गांधी द्वारा अमेठी के बजाए रायबरेली से चुनाव लड़ने के कदम को राजनीतिक दृष्टि से उनके लिए अहितकर बता रहे हैं। रायबरेली राहुल की मां सोनिया गांधी का गढ़ रहा है, लेकिन अब वो राज्यसभा सांसद बन चुकी हैं। ऐसे में इस सीट से राहुल को चुनावी मैदान में उतारा गया है। राहुल रायबरेली के साथ-साथ वायनाड से भी चुनाव लड़ रहे हैं। उनके इस कदम पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते दिनों तंज भी कसा था। उन्होंने कहा था कि वायनाड की जनता अब राहुल के दोहरे चरित्र से वाकिफ हो चुकी है।

यूपी की नैंसी त्यागी कांस फिल्म फेस्टिवल पहुंचीं

1000 मीटर कपड़े से बनाया गाउन पहना, गुड़िया के कपड़े सिलते-सिलते बनीं डिजाइनर

मेरठ, 20 मई (एजेंसियां)। बागपत की नैंसी त्यागी कांस फिल्म फेस्टिवल में अपने हुनर और खूबसूरती का जलवा बिखेर रही हैं। नैंसी ड्रेस डिजाइनिंग के हुनर की बदौलत फ्रांस में आयोजित 77वें कांस फिल्म फेस्टिवल का हिस्सा बनीं। खास बात यह कि वह फेस्टिवल में खुद का डिजाइन किया हुआ 20 Kg का गाउन पहनकर पहुंचीं।

साधारण परिवार से ताल्लुक रखने वाली नैंसी का सफर काफी दिलचस्प है। बचपन में खेल-खेल में गुड़िया के कपड़े सिलने वाली नैंसी आज कांस फिल्म फेस्टिवल तक पहुंच गई हैं। ड्रेस डिजाइन के वीडियो अपलोड करते-करते नामी ड्रेस डिज़ाइनर और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर बन गईं। आज सोशल मीडिया पर नैंसी के 15 लाख से भी ज्यादा फॉलोअर्स हैं। बागपत के बरनावा के रहने वाले गजेंद त्यागी पेशे से मैकेनिक हैं। साथ में ट्रांसपोर्टर का कारोबार और किसानी भी करते हैं। परिवार में पत्नी माया, बेटी नैंसी और बेटा मनु है। दोनों बच्चों ने शुरुआती पढ़ाई गांव के स्कूल से की। इसके बाद नैंसी यूपीएससी की तैयारी करने दिल्ली चली गई। नैंसी के दिल्ली जाने के कुछ समय बाद देश में कोरोना फैलने लगा। हालात बिगड़ने पर लॉकडाउन लग गया। तब नैंसी दिल्ली से अपने घर आ गईं। यहां मां की पुरानी सिलाई मशीन लेकर अपने कपड़े स्टिच करना शुरू किया।

नैंसी ने एक दिन अपने कपड़े का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया और वो वायरल हो गया। इसके बाद खुद के बनाए ड्रेस का वीडियो अपलोड करने लगीं। उनकी कला सबको पसंद आई और वो इन्फ्लुएंसर बन गईं।

यूपीएससी की तैयारी करने दिल्ली गई थीं नैंसी दैनिक भास्कर से बातचीत में नैंसी के पिता गजेंद्र त्यागी ने बताया- बेटी ने मेरठ के हर्रा के जीआईसी इंटर कॉलेज से कक्षा 6 से 12 तक की पढ़ाई की। इसके बाद 2020 में पत्नी के साथ बेटे और बेटी पढ़ाई के लिए दिल्ली चले गए। दिल्ली में नैंसी पढ़ाई के साथ ही फैशन डिजाइनरों के कपड़ों को देखकर घर में सिलाई करने लगी। कुछ दिन के बाद वह उन कपड़ों में रील बनाने लगी। कपड़ों के सहारे उसकी दुनियाभर में पहचान बनने लगी।

4 महीने पहले आया कांस का इनविटेशन

कपड़े डिजाइन करने में नैंसी का छोटा भाई मनु उसकी मदद करता है। मनु ने कहा- आज से 4 महीने पहले ब्रूट कंपनी के जरिए नैंसी के पास कांस का इनविटेशन आया था। हमें बताया गया कि आपको कांस फिल्म फेस्टिवल के लिए फ्रांस जाना है। तैयारी कर लो। हमें भरोसा नहीं हुआ कि सोशल मीडिया के जरिए हमें इतना बड़ा चांस मिलेगा।

पूर्णिया में संदिग्ध अवस्था में मिला विवाहिता का शव

ससुराल पक्ष पर लगा हत्या का आरोप

पूर्णिया, 20 मई (एजेंसियां)। बिहार के पूर्णिया जिले से एक विवाहित महिला द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या करने का संदिग्ध मामला सामने आया है। मृतका की मां का आरोप है कि सास-ससुर ने गला घोंटकर उसकी हत्या की है। घटना की सूचना पर पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए पूर्णिया जीएमसीएच भेज दिया। फिलहाल पुलिस आत्महत्या या हत्या के बिंदु से मामले की जांच कर रही है। यह घटना सोमवार को सहायक खजांची थाना क्षेत्र के पार्वती हाता में घटी। मृतका की पहचान पार्वती हाता निवासी गौरव कुमार साह की पत्नी प्रियंका कुमारी (29) के रूप में की गई है। गौरव पूर्णिया सिविल कोर्ट में पेशकार हैं।

घटना को लेकर मृतका की मां ने बताया कि 2019 में बड़ी ही धूमधाम से अपनी बेटी प्रियंका की शादी पूर्णिया सिविल कोर्ट के पेशकार गौरव कुमार से की थी। दोनों का एक बेटी और बेटा भी है।

आईसीएमआर बोला-कोवैक्सिन के साइड इफेक्ट्स वाली रिसर्च भ्रामक-गलत

› रिसर्च पेपर से हमारा नाम हटाया जाए, हमने स्टडी के लिए कोई मदद नहीं दी

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)। बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी (बीएचयू) की एक रिसर्च में सामने आया कि कोवैक्सिन के भी साइड इफेक्ट्स हैं। इसमें आईसीएमआर का हवाला दिया गया। अब भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने इस पर प्रतिक्रिया दी है और इसे गलत बताया है। आईसीएमआर ने बीएचयू को एक नोटिस भेजा है। इसमें आईसीएमआर के डायरेक्टर जनरल डॉ. राजीव बहल ने लिखा है कि जिस रिसर्च में यह दावा किया गया है कि अध्ययन में वैक्सीन लेने वाले लोगों पर गंभीर साइड्स इफेक्ट्स देखे गए, वह रिसर्च पूरी तरह भ्रामक और गलत तथ्यों पर आधारित है। इसका आईसीएमआर से कोई लेना-देना नहीं है। आईसीएमआर ने इसके लिए कोई मदद नहीं दी है। रिसर्च पेपर से आईसीएमआर का नाम हटाया जाए और एक माफीनामा छापा जाए।

एक तिहाई लोगों में कोवैक्सिन के साइड इफेक्ट्स दिखे

16 मई को इकोनॉमिक टाइम्स ने साइंस जर्नल सप्रिंगरलिंक में पब्लिश हुई एक रिसर्च के हवाले से लिखा था कि भारत बायोटेक की कोरोना वैक्सीन- कोवैक्सिन के भी साइड इफेक्ट्स हैं। रिसर्च के मुताबिक, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी (बीएचयू) में हुई स्टडी में हिस्सा लेने वाले लगभग एक तिहाई लोगों में कोवैक्सिन के साइड इफेक्ट्स देखे गए। इन लोगों में सांस संबंधी इन्फेक्शन, ब्लड क्लॉटिंग और स्किन से जुड़ी बीमारियां देखी गईं। शोधकर्ताओं ने पाया कि टीनएजर्स, खासतौर पर किशोरियों और किसी भी एलर्जी का सामना कर रहे लोगों को कोवैक्सिन से खतरा है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि स्टडी में हिस्सा लेने वाले जिन

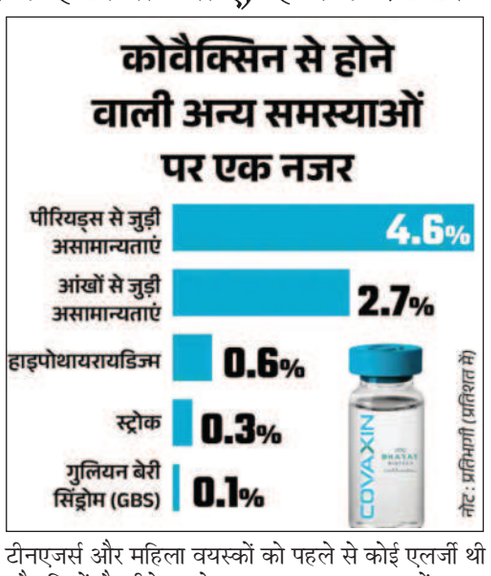

टीनएजर्स और महिला वयस्कों को पहले से कोई एलर्जी थी और जिन्हें वैक्सीनेशन के बाद टाइफाइड हुआ उन्हें खतरा ज्यादा था। वहीं, 0.1% प्रतिभागियों में गुलियन बेरी सिंड्रोम (जीबीएस) की पहचान हुई। गुलियन बेरी सिंड्रोम (जीबीएस) एक ऐसी बीमारी है जो लकवे की ही तरह शरीर के बड़े हिस्से को धीरे-धीरे निशक्त कर देती है। अमेरिका के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर एंड स्ट्रोक (एनआईएनडीएस) के मुताबिक, गुलियन बेरी सिंड्रोम (जीबीएस) एक रेयर न्यूरोलॉजिकल बीमारी है।

भारत बायोटेक ने कहा था-कोवैक्सिन के चलते किसी बीमारी का केस सामने नहीं आया

कुछ दिन पहले कोवैक्सिन बनाने वाली कंपनी भारत बायोटेक ने कहा था कि उनकी बनाई हुई वैक्सीन सुरक्षित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कोवैक्सिन के दो डोज लगवाए थे। 2 मई को कंपनी ने कहा था कि कोवैक्सिन की सुरक्षा का मूल्यांकन देश के स्वास्थ्य मंत्रालय ने किया था।

कोवैक्सिन बनाने से लगाने तक लगातार इसकी सेफ्टी मॉनिटरिंग की गई थी। कोवैक्सिन के ट्रायल से जुड़ी सभी स्टडीज और सेफ्टी फॉलोअप एक्टिविटीज से कोवैक्सिन का बेहतरीन सेफ्टी रिकॉर्ड सामने आया है। अब तक कोवैक्सिन को लेकर ब्लड क्लॉटिंग, थ्रॉम्बोसाइटोपीनिया, टीटीएस, वीआईटीटी, पेरिकार्डिटिस, मायोकार्डिटिस जैसी किसी भी बीमारी का कोई केस सामने नहीं आया है। कंपनी ने कहा था कि अनुभवी इनोवेटर्स और प्रोडक्ट डेवलपर्स के तौर पर भारत बायोटेक की टीम यह जानती थी कि कोरोना वैक्सीन का प्रभाव कुछ समय के लिए हो सकता है, पर मरीज की सुरक्षा पर इसका असर जीवनभर रह सकता है। यही वजह है कि हमारी सभी वैक्सीन में सेफ्टी पर हमारा सबसे पहले फोकस रहता है।

कोवीशील्ड को लेकर भी विवाद

कोवीशील्ड को लेकर विवाद चल रहा है कि इसे लगाने से कुछ केस में लोगों को थ्रॉम्बोसिस थ्रॉम्बोसाइटोपेनिया सिंड्रोम यानी टीटीएस हो सकता है। इस बीमारी से शरीर में खून के थक्के जम जाते हैं और प्लेटलेट्स की संख्या गिर जाती है। स्ट्रोक और हार्ट बीट थमने जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं।

दिल्ली पुलिस का दावा : राजधानी से फरवरी में गायब होते हैं सबसे ज्यादा लड़के-लड़कियां

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)। दिल्ली में फरवरी के महीने में सबसे ज्यादा लड़के, लड़कियां गायब होते हैं। फरवरी में गायब होने का कारण वैलेंटाइन डे है। इस दिन महिला या पुरुष दोस्त से छोटी-छोटी बातों पर झगड़ा होने के बाद लड़के-लड़कियां घर छोड़कर चले जाते हैं।

दिल्ली पुलिस की शाहदरा जिला पुलिस ने पिछले चार महीने में अंतरराज्यीय अभियान चलाकर 126 बच्चों को ढूंढा है। इनमें कुछ बच्चे तो ऐसे हैं जो छह-सात साल से गायब थे और विभिन्न थानों में उनकी गुमशुदगी दर्ज थी। शाहदरा जिले की कमान संभालते ही पुलिस उपायुक्त सुरेंद्र चौधरी ने पीड़ित परिवारों को खुशियां लौटाने का फैसला किया। उन्होंने जिले के एएचटीयू प्रभारी सुरेन शर्मा की देखरेख में एएसआई परमानंद, हवलदार अरुण, निर्देश, राजदीप और अन्य की पुलिस टीम ने पूरे देश में अंतरराज्यीय स्तर पर अभियान चलाया। इस अभियान के तहत 15 जनवरी से लेकर 15 मई तक देश भर से कुल 126 लापता बच्चों, व्यक्तियों का पता लगाया है। उन्होंने बताया कि यूपी से 11, हरियाणा, बिहार, तेलंगाना, झारखंड, जम्मू कश्मीर व राजस्थान से एक-एक बच्चे को ढूंढा गया। दिल्ली से गायब हुए बाकी बच्चे दिल्ली-एनसीआर में ही मिले।

125 बच्चों में से 37 लड़कियां और 31 लड़के थे। शेष 18 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति हैं। कुल 23 बच्चे 14 साल से कम उम्र के है और 45 बच्चे 18 साल से कम उम्र के हैं। जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार, 125 बच्चों में से 64 शाहदरा जिले से गायब हुए थे। बाकी दिल्ली के दूसरों क्षेत्रों से गायब हुए थे।

फरवरी माह में 20 लड़के लड़कियां हुए गायब

शाहदरा जिले के एक अन्य पुलिस अधिकारी ने बताया कि शाहदरा जिले से जो लड़के व लड़कियां गायब हुए हैं और पिछले चार महीने में जो मिले है उनसे पूछताछ में पता लगा है कि ज्यादातर लड़के-लड़कियां फरवरी महीने में वेलेंटाइन वाले दिन गायब होते हैं। ये झगड़ा होने पर दिल्ली या फिर घर छोड़कर जाते हैं। वर्ष 2024 में फरवरी महीने में ही 20 लड़के, लड़कियां गायब हुए थे।

गुजरात पुलिस की सात टुकड़ी पहुंची जालंधर, पीएम की रैली से पहले सुरक्षा चाक चौबंद

चंडीगढ़, 20 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 23 व 24 मई को पंजाब में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में रैली करेंगे। कार्यक्रम के अनुसार मोदी 23 को पटियाला में और 24 को गुरदासपुर व जालंधर में रैली करेंगे। वहीं पीएम की रैली के लिए सुरक्षा व्यवस्था सख्त कर दी गई है। रैली के लिए गुजरात पुलिस की सात विशेष टुकड़ी जालंधर पहुंच गई हैं।

पंजाब भाजपा प्रधान सुनील जाखड़ ने बताया कि पटियाला में मोदी शाम को परनीत कौर के पक्ष में रैली करेंगे। गुरदासपुर में दोपहर बाद दिनेश सिंह बब्बू और जालंधर में शाम को सुशील रिंकू के पक्ष में रैली को संबोधित करेंगे। इन रैलियां को लेकर वह बैठक करने जा रहे हैं, ताकि तैयारियां शुरू की जा सकें।

पहली बार एक दिन में पहुंचे 28 हजार श्रद्धालु

एक लाख पार हुई दर्शनार्थियों की संख्या

चमोली, 20 मई (एजेंसियां)। बदरीनाथ धाम की यात्रा ने अब रफ्तार पकड़ ली है। बदरीनाथ धाम में 28 हजार से अधिक श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचे। यह नया रिकॉर्ड है। यात्रा के इतिहास में यह पहली बार है जब धाम में एक दिन में इतने अधिक श्रद्धालु पहुंचे हैं। वहीं बदरीनाथ में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की संख्या एक लाख के पार हो गई है। बदरीनाथ धाम की यात्रा 12 मई से शुरू हुई थी। शुरू के चार दिन यात्रा की रफ्तार धीमी रही, लेकिन अब यात्रा नए रिकॉर्ड बना रही है।

शनिवार और रविवार को धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। आलम यह रहा कि दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की करीब ढाई किमी लंबी लाइन लगी हुई थी। बदरीनाथ मंदिर से इंद्रधारा तक (माणा की ओर) श्रद्धालुओं की लाइन लगी रही। सुबह लगी लाइन देर शाम तक खत्म नहीं हो पाई थी। धाम में रविवार को 28,055 श्रद्धालु दर्शनों को पहुंचे। वहीं अब तक धाम में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 1,20,757 हो गई है। बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के मीडिया प्रभारी डॉ. हरीश गौड़ ने बताया कि रविवार को बदरीनाथ धाम में 28 हजार श्रद्धालु पहुंचे। धाम में एक दिन में आने वाले श्रद्धालुओं की यह अभी तक की सबसे अधिक संख्या है। धाम में अब तक एक लाख 20 हजार तक श्रद्धालु पहुंच चुके हैं।

मुंबई के फ्लैट में पंखे से लटका मिला पति, फर्श पर पड़ी मिली पत्नी की भी लाश

मुंबई, 20 मई (एजेंसियां)। मुंबई के फ्लैट पर 61 वर्षीय व्यक्ति फांसी लगाकर आत्महत्या की। उसकी 57 वर्षीय पत्नी भी उसी के पास मृत पड़ी थी।

सुसाइड नोट में बताया कि मानसिक तौर पर दुखी हैं। मुंबई के कांदिवाली के आर्य चाणक्यनगर में अनुभूति सोसायटी में एक फ्लैट से दुर्गंध आ रही थी। पड़ोसी जब इस दुर्गंध से परेशान हो गए तो उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने फ्लैट का दरवाजा खटखटाया लेकिन किसी ने दरवाजा नहीं खोला, तो उन्होंने दरवाजा तोड़ दिया। पुलिस अंदर पहुंची तो देखा प्रमोद वासुदेव नायलॉन की रस्सी से पंखे से लटके हुए थे। वहीं उनकी पत्नी अर्पिता प्रमोद चोंकर नीचे मृत पड़ी थीं। दोनों शव सड़ चुके थे। उनकी मौत कब हुई पुलिस इसकी जांच कर रही है।

उलुबेरिया निर्वाचन क्षेत्र से बीएसएफ के जवान को चुनाव ड्यूटी से हटाया गया

छेड़छाड़ करने का लगा आरोप

कोलकाता, 20 मई (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल के उलुबेरिया निर्वाचन क्षेत्र से बीएसएफ के एक जवान को चुनाव ड्यूटी से हटा दिया। दरअसल, बीएसएफ के जवान पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया गया है। रविवार की शाम को एक महिला ने जवान के खिलाफ उलुबेरिया पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई।

चुनाव आयोग के अधिकारी ने कहा, हमने उन्हें चुनाव ड्यूटी से हटा दिया। हम पुलिस रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। दोषी पाए जाने पर कानून के मुताबिक उचित कार्रवाई की जाएगी। लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में मतदान शुरू हो गया है। उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र समेत आठ राज्यों की 49 सीटों पर मतदान कराए जा रहे हैं। इस चरण में 695 प्रत्याशी मैदान में हैं। पश्चिम बंगाल में कड़ी सुरक्षा के बीच मतदान कराए जा रहे हैं। चुनाव आयोग ने लगभग 30,000 पुलिसकर्मियों के अलावा केंद्रीय बलों के 60,000 से अधिक कर्मियों को तैनात किया है।

भाजपा उम्मीदवार और टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प

पांचवें चरण के मतदान के बीच पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना में बैरकपुर लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार अर्जुन सिंह और टीएमसी कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। अर्जुन सिंह ने आरोप लगाया कि मतदान के लिए टीएमसी कार्यकर्ता लोगों को उनके घरों से निकलने नहीं दे रहे हैं।

मतदान केंद्र में एक व्यक्ति से भिड़ीं लॉकेट चटर्जी

हुगली से भाजपा सांसद लॉकेट चटर्जी और खुद को पोलिंग एजेंट बताने वाले व्यक्ति के बीच झड़प हो गई। लॉकेट चटर्जी ने बताया कि वह व्यक्ति टीएमसी का एजेंट है। भाजपा सांसद बाद में उस व्यक्ति को मतदान केंद्र से बाहर ले गई। मीडिया से बात करते हुए लॉकेट चटर्जी ने कहा, वह एक टीएमसी का एजेंट था। उसके पास कोई दस्तावेज नहीं था। वह मतदान केंद्र के अंदर जाकर लोगों से टीएमसी के लिए वोट डालने के लिए कह रहा था। पुलिस कुछ नहीं कर रही है।

जयराम बोले-कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा के काफिले पर किया पथराव, चुनाव आयोग से करेंगे शिकायत

काजा(लाहौल-स्पीति), 20 मई (एजेंसियां)। मंडी संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी कंगना रणौत के खिलाफ काजा में चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन पर भाजपा ने पलटवार किया है। लाहौल-स्पीति विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी रवि ठाकुर ने कहा कि सोमवार को भाजपा की रैली थी और उसी समय कांग्रेस की भी रैली थी। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा कार्यकर्ताओं पर हमला किया। इसमें एक भाजपा कार्यकर्ता घायल हुआ है। कांग्रेस की ओर से उपद्रव मचाया गया। इसकी चुनाव आयोग से शिकायत करेंगे। वहीं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने आरोप लगाया कि भाजपा ने काजा में जहां रैली की अनुमति ली थी, उसके सामांनतर प्रशासन ने कांग्रेस को रैली की मंजूरी दी गई है।

एक्सीडेंट केस में नाबालिग को 15 घंटे में जमानत

कोर्ट ने दुर्घटनाओं पर निबंध लिखने का कहा; आरोपी नामी बिल्डर का बेटा है

पुणे, 20 मई (एजेंसियां)। पुणे के पोर्श कार हादसे में युवक-युवती की मौत मामले में कोर्ट ने आरोपी नाबालिग को जमानत दे दी। घटना के 15 घंटे बाद ही 19 मई को उसे जमानत मिल गई। सामने आया है कि आरोपी पुणे के प्रसिद्ध बिल्डर का बेटा है। नाबालिग के वकील प्रशांत पाटिल ने कहा कि कोर्ट ने शर्त रखी है कि लड़के को 15 दिन के लिए येरवडा में ट्रैफिक पुलिस के साथ काम करना होगा। दुर्घटनाओं पर एक निबंध लिखना होगा। शराब पीने की आदत का इलाज और काउंसलिंग करानी होगी।

पोर्श की रफ्तार 200 किमी की थी

यह हादसा 18 मई की रात को पुणे में हुआ था। 17 साल का नाबालिग अपने दोस्तों के साथ 12वीं कक्षा पास करने की खुशी में पब से पार्टी करके वापस आ रहा था। रात करीब 2.15 बजे कार ने बाइक सवारों को टक्कर मारी थी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक कार की टक्कर से बाइक सवार लड़की हवा में कई फीट उछलकर जमीन पर आ गिरी थी और युवक पास खड़ी दूसरी कार में जा टकराया था। उनकी मौके पर ही मौत हो गई थी। घटना की जानकारी मिलने के 15 मिनट के अंदर पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। हम लोगों ने कार सवार लड़कों को पकड़ा था वे नशे में थे। एक लड़का भाग गया था। घटना के वक्त उनकी कार की स्पीड 200 किमी की थी। पुलिस के मुताबिक इस हादसे में एमपी के रहने वाले इंजीनियर अनीश अवधिया और अश्विनी कोष्टा की मौत हुई है। दोनों एक पार्टी से वापस लौट रहे थे। पुलिस ने बताया कि कार पर नंबर प्लेट नहीं थी। कार सवार नशे में थे। टक्कर के कारण कार के एयरबैग खुल गए थे।

पुलिस ने कहा- कोर्ट से आरोपी को वयस्क मानकर केस चलाने की मांग

पुणे पुलिस कमिश्नर अमितेश कुमार ने कहा कि पुलिस ने अदालत से आग्रह किया था कि आरोपी के साथ वयस्क जैसा व्यवहार किया जाए। क्योंकि यह जघन्य अपराध है। हमने नाबालिग की हिरासत की मांग की है। उन्होंने आगे कहा कि कोर्ट के आदेश के खिलाफ सेशन कोर्ट में जाएंगे। नाबालिग आरोपी के पिता पर बेटे को बिना नंबर प्लेट वाली कार चलाने के देने पर कार्रवाई की जाएगी।

चलती ट्रेन के नीचे आने वाला था यात्री

आरपीएफ के मुस्तैद जवान ने दौड़कर बचा ली जान

कटनी, 20 मई (एजेंसियां)। कटनी आरपीएफ के जाबाज जवान ने ट्रेन के नीचे जाते एक रेल यात्री को दौड़कर खींचते हुए उसकी जान बचाई है। पूरा मामला कटनी जिले का बताया गया जहां कटनी मुड़वारा स्टेशन से जबलपुर की ओर जा रहे स्पेशल ट्रेन क्रमांक 11450 में चढ़ते वक्त रंगनाथ थाना क्षेत्र के भट्टा मोहल्ला निवासी नारायण प्रसाद पटेल का पैर पायदान में रखते हुए फिसल गया, तभी ऑनड्यूटी आरपीएफ के जाबाज सहायक उपनिरीक्षक की नजर उन पर पड़ गई और उन्होंने तत्काल दौड़कर रेल यात्री का हाथ पकड़कर प्लेटफॉर्म की ओर खींच लिया। हालांकि समय रहते ट्रेन में सवार अन्य यात्रियों ने चेन भी खींच दी थी, जिसके बाद उन्हें सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। मुड़वारा आरपीएफ प्रभारी सौरभ माहोर ने मामले की जानकारी देते हुए बताया की मुड़वारा स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 4 पर चलती हुई ट्रेन क्रमांक 11450 पर चढ़ते वक्त पैर लड़खड़ा गया और वह सीधे प्लेटफॉर्म और रेलगाड़ी के बीच जा घुसे वो तो गनीमत रही कि ड्यूटी में तैनात आरपीएफ के सहायक उपनिरीक्षक ज्ञानेद्र गौतम की नजर उन पर पड़ गई। उन्होंने मुस्तैदी से दौड़कर 42 वर्षीय नारायण प्रसाद पटेल की हाथ खींच लिया और तत्काल वॉकी-टॉकी से ट्रेन के गार्ड से संपर्क करते हुए मामले से अवगत करवाया।

हिमंता सरमा ने किया था दावा : राहुल गांधी चीन के संविधान की कॉपी दिखाते हैं, पवन खेड़ा ने दिया जवाब

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के राहुल गांधी के चीन के संविधान की कॉपी वाले बयान पर कांग्रेस के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी पवन खेड़ा ने पत्र लिखकर जवाब दिया है। उन्होंने सीएम सरमा को लिखे पत्र में भारत के संविधान की किताब पढ़ने और हमेशा अपने साथ रखने की भी नसीहत दी। पवन खेड़ा ने संविधान की पॉकेट बुक भी शेयर की है। दरअसल, बीते दिनों सीएम सरमा ने दावा किया था कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी अपनी रैलियों में भारत की बजाए चीन की संविधान की किताब दिखा रहे हैं। उनके इसी बयान पर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने सोमवार को सोशल मीडिया के जरिए उन्हें जवाब दिया है।

पवन खेड़ा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "भारत के संविधान को लेकर असम के मुख्यमंत्री सरमा की अपमानजनक टिप्पणी को सुनकर मैंने आज उन्हें भारत के संविधान का पॉकेट बुक संस्करण प्रेषित किया। आग्रह भी किया कि वे इसे पढ़ें और सदैव अपने हैंड बैग में रखें।" कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने सीएम सरमा को लिखी चिट्ठी भी शेयर करते हुए लिखा, "आशा है आप स्वस्थ होंगे और चुनाव परिणामों को लेकर जो चिंताएं भाजपा के सर्वोच्च नेतृत्व को हो रही है, उनका दुष्प्रभाव आपके स्वास्थ्य पर नहीं पड़ रहा होगा। आपकी टिप्पणियां सुनकर आपके स्वास्थ्य की चिंता रहती है। क्या करूं, मेरी पार्टी के संस्कार ही कुछ ऐसे हैं कि भले ही अब आप हमारे साथ ना रहे हों, ईश्वर से आपके स्वास्थ्य व लंबी आयु की कामना करता हूं। भारत के संविधान को लेकर आपकी अत्यंत आश्चर्यजनक टिप्पणी सुनकर मन व्यथित तो हुआ ही, भारी चिंता भी हुई। जब संविधान की शपथ लेने वाले मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री आदि यूं बाबा साहब अंबेडकर के संविधान की धज्जियां उड़ाएं तो देश पर छाए खतरे के बादल स्पष्ट दिखने लग जाते हैं।" उन्होंने आगे लिखा, "आज आपको यह बताना आवश्यक है कि आखिर संविधान है क्या? संविधान समाज के हर व्यक्ति को उसकी सरकारों के तानाशाही रवैये व समाज में एक-दूसरे के अधिकारों में खलल डालने की प्रवृति के विरुद्ध एक ढाल है।

खराब मौसम में फंसी पर्यटक से भरी नाव, भारतीय तटरक्षक बल ने बचाया

गोवा, 20 मई (एजेंसियां)। गोवा के पयणजी से निकली एक नाव ईंधन खत्म होने कारण खराब मौसम में फंस गई। बाद में भारतीय तटरक्षक बल ने नाव से 24 यात्रियों और चालक दल के दो सदस्यों को बचाया। सोमवार को एक नाव खराब मौसम में ईंधन खराब होने के कारण फंस गई।

नाव नेरुल पैराडाइज खराब मौसम में तीन मीटर से अधिक ऊंची लहरों गोवा तट पर ईंधन खतम होने के कारण फंस गई थी। नाव में तकरीबन 24 यात्री सवार और दो चालक दल उसमें सवार थे। नाव सुबह पर्यटकों को लेकर पणजी की ओर रवाना हुई थी। नाव गोवा में मोर्मुगाओ बंदरगाह के पास खराब हुई थी। अधिकारी ने कहा कि तटरक्षक जहाज सी-148 के कर्मी उस समय गश्त से लौट रहे थे। उन्होंने यात्रियों के बीच संकट के संकेत महसूस किए और अपनी प्रतिक्रिया दी।

स्टॉक मार्केट का चस्का पड़ा भारी, सीए ने गंवा दिए 2 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)। साइबर फ्रॉड के आए दिन नए - नए मामले सुनने और पढ़ने को मिल रहे हैं. अब साइबर फ्रॉड का एक ऐसा ही मामला सामने आया है. इस केस में रिटायर सीए को करीब 2 करोड़ रुपये का चूना लगाया है. इस कहानी की शुरुआत भी वाट्सअप से हुई है. आइए इसके बारे में डिटेल्स में जानते हैं। गुजरात के अहमदाबाद साइबर क्राइम ब्रांच ने 14 मई को एक शिकायत दर्ज की. यह कंप्लेंट मधुकांत पटेल ने की. उन्होंने बताया कि उन्हें एक अनजान नंबर से एक वाट्सअप मैसेज आया. यह मैसेज उन्हें फरवरी के पहले सप्ताह में मिला.

खुद को बताया स्टॉक एक्सपर्ट

मैसेज में एक व्यक्ति ने खुद का नाम सुनील सिंघानिया बताया, जो बेंगलुरु में रहता है. सिंघानिया ने बताया कि वह स्टॉक एक्सपर्ट करणवीर ढिल्लों का असिस्टेंट है. इसके बाद उसने पटेल को एक वाट्सअप ग्रुप में शामिल किया, जिसका नाम 'स्टॉक 150' था।

ग्रुप में देता है स्टॉक खरीदने की सलाह

इस ग्रुप में सुनील सिंघानिया की तरफ से स्टॉक मार्केट को लेकर रेकेमंडेशन दी जाती थी. शिकायतकर्ता ने इसकी जानकारी दी. इसके बाद पटेल और सिंघानिया एक दूसरे को मैसेज भेजा करते थे और यह मैसेज भेजने की सिलसिला सिर्फ वाट्सअप पर ही चल रहा था. विक्टिम ने बताया कि उसे लगता था कि सिंघानिया एक अच्छा व्यक्ति है और ग्रुप पर भी कई लोग बोला करते थे कि उन्हें अच्छी कमाई हो रही है.

विक्टिम ने बनाया इनवेस्टमेंट का प्लान

इसके बाद विक्टिम ने भी कुछ रुपये इनवेस्टमेंट करने का प्लान बनाया. इसके बाद उसने एक वेबसाइट पर लॉगइन किया. इसके बाद विक्टिम ने 12 मार्च से लेकर 25 अप्रैल के बीच में करीब 1.78 करोड़ रुपये को शेयर मार्केट में लगा दिए. इसके बाद विक्टिम को सिंघानिया ने वेबसाइट के जरिए ही वोडाफोन आइडिया के फॉलो-ऑन पब्लिक ऑफर (एफपीओ) में निवेश करने का सुझाव दिया. इसके साथ ही उससे वादा किया उसे अच्छा रिटर्न मिलेगा. इसके बाद विक्टिम को 5 करोड़ रुपये का रिटर्न दिखाने लगा.

विक्टिम ने मांगे अपने रुपये, मिला ये जवाब

इसके बाद विक्टिम ने सिंघानिया से कहा कि उसे अपने रुपये निकालने हैं, जो करीब 1.71 करोड़ रुपये थे. इसके बाद सिंघानिया ने कहा कि उसे 15 पर्सेंट टैक्स का भुगतान करना होगा. इसके बाद विक्टिम ने 18.70 लाख रुपये की पेमेंट कर दी. इसके बाद सिंघानिया ने और टैक्स की पेमेंट करने को कहा. इसके बाद विक्टिम ने पुलिस से संपर्क किया और पूरे मामले की जानकारी दी. पुलिस ने कंप्लेंट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 21 मई - 2024

हादसों में बेतहाशा वृद्धि

सडकें ज्यों-ज्यों सुविधाजनक होती जा रही हैं, त्यों-त्यों सडक दुर्घटनाओं में भी बेतहाशा बढ़ोतरी होती जा रही है। अन्य वाहनों की दुर्घटनाओं से नुकसान तो होता है लेकिन जब किसी बस की दुर्घटना हो जाए तो वह कई सवाल छोड जाती है। बताया जाता है कि इन बसों की बनावट, प्रवेश और निकास या आपातकालीन दरवाजे की व्यवस्था इस तरह की होती है कि अगर किसी वजह से ये हादसे की शिकार हो जाएं, तो उनमें से समय पर निकल पाना मुश्किल हो जाता है। नतीजतन निकलने से पहले ही कई लोग दुर्घटना के शिकार हो जाते हैं। जाहिर है तेज रफ्तार वाली सड़कों पर वाहनों के परस्पर टकराने से हुए हादसों में किसी न किसी की लापरवाही अवश्य होती है। अगर किसी हादसे के पीछे वाहन में तकनीकी खराबी सामने आती है, तो आमतौर पर देखा गया है कि उसे लेकर प्रतिक्रिया का स्तर काफी नरम हो जाता है। जबकि तकनीकी खराबी की भी एक प्रमुख पृष्ठभूमि होती है। अगर समय-समय पर वाहनों की जांच न की जाए तो वह कभी भी बेहद खतरनाक साबित हो सकती हैं। हरियाणा के गुरुग्राम के पास नूंह में शुक्रवार की रात चलती बस में आग लगने की घटना अत्यंत त्रासद है। मानेसर-पलवल एक्सप्रेसवे पर श्रद्धालुओं से भरी एक पर्यटक बस में आग लग गई। कोफ्त तो तब हुई जब आग लगने की भनक तक चालक को नहीं लगी, बल्कि स्थानीय लोगों की नजर पड़ी और उन्होंने किसी तरह चालक को बताया। जब तक यात्री व चालक कुछ समझ पाते तब तक आग ज्यादा फैल चुकी थी। नतीजतन, दस लोगों की जिंदा जल कर मौत हो गई और करीब पच्चीस लोग बुरी तरह झुलस गए। अब पुलिस घटना की जांच व अन्य औपचारिकताएं निभाएगी। ऐसे में सवाल उठता है कि जब तक कोई बड़ा हादसा नहीं हो जाता तब तक संबंधित महकमों की नींद क्यों नहीं खुलती है। आखिर विभाग की नींद बडी संख्या में लोगों की जान जाने के बाद ही क्यों खुलती है। बता दें कि वातानुकूलित टूरिस्ट वाहन तकनीकी खराबी के लिहाज से पहले ही काफी संवेदनशील माने गए हैं। इसलिए इन बसों की थोड़े-थोड़े अंतराल पर तकनीकी जांच की जररूत पडती रहती है। लेकिन होता यह है कि ऐसी बसें भी लगातार कई-कई घंटे तक तेज रफ्तार में चलाई जाती रहती हैं। ऐसे में तकनीकी खराबी होना लाजमी है जिसकी वजह से हादसों की आशंका बनी रहती है। सुरक्षित सफर के लिए अन्य जरूरी पहलुओं को सुनिश्चित किए बिना एक्सप्रेसवे जैसी तेज रफ्तार सड़कों पर दौड़ने वाली बसें दरअसल हादसे की आशंका अपने साथ लिए चलती हैं। सरकार और प्रशासन को यह सुनिश्चित करना होगा कि जब वह खुद सुरक्षित यात्रा मुहैया नहीं करा सकती तो कम से कम भाड़े की यात्री बसों ही सुरक्षित और अधिक जवाबदेह बनाया जाए ताकि लोग जान हथेली पर लेकर यात्रा करने को मजबूर न हों।

केजरीवाल और उनकी पार्टी को मालीवाल ने फंसा दिया है

राजेश कुमार पासी

हरियाणा में समझदार इंसान को सयाना कहते हैं और जो जरूरत से ज्यादा समझदार हो, उसे डेढ़ सयाना कहते हैं। केजरीवाल राजनीति के डेढ़ सयाने नेता हैं। डेढ़ सयाने आदमी की पहचान यह होती है कि वो खुद को सबसे ज्यादा समझदार समझता है लेकिन दूसरों को मूर्ख समझता है। केजरीवाल देश की जनता को मूर्ख समझते हैं इसलिए वो पूरे आत्मविश्वास के साथ जनता के सामने कोरा झूठ बोल देते हैं और सोचते हैं कि जनता विश्वास कर लेगी । अभी तक वो जनता को मूर्ख बनाने में कामयाब रहे हैं लेकिन अब ऐसा होता दिखाई नहीं दे रहा है। शराब घोटाले में उनके नेता एक एक करके फंसते जा रहे हैं । वो भी इस घोटाले में जेल में बंद थे लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें आम चुनाव को देखते हुए सशर्त जमानत दे दी।

उनको जमानत मिलने के बाद आम आदमी पार्टी और पूरे विपक्ष की बांछे खिल गई क्योंकि सबको लगा अब मोदी से लड़ने के लिए एक और योद्धा आ गया है। जैसे ही जेल से बाहर निकल कर केजरीवाल ने भाजपा पर जोरदार हमले शुरू किए उनके साथ फिर एक नया कांड हो गया. केजरीवाल के साथ सिर मुंडाते ओले पड़े वाली बात हो गई। उनकी बहुत पुरानी सहयोगी राज्यसभा सांसद और पूर्व दिल्ली महिला आयोग अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने उनके पीए विभव कुमार पर मारपीट करने और धमकी देने के मामले में गंभीर धाराओं के अंतर्गत पुलिस केस दर्ज करवा दिया है। सारी घटना केजरीवाल के मुख्यमंत्री निवास में हुई है इसलिए मामला बहुत गंभीर हो गया है। केजरीवाल के लिए सबसे बड़ी मुसीबत यह है कि मामले से जुड़े दोनों लोग उनके बहुत पुराने राजदार सहयोगी हैं।

स्वाति मालीवाल केजरीवाल के रग-रग से वाकिफ हैं इसलिए उन्होंने अपने साथ हुए जुल्म के खिलाफ बहुत सोच समझ कर कार्यवाही की । वैसे वो भी पूरा सच देश को नहीं बता रही हैं लेकिन अदालत में उन्हें पूरा सच बताना ही होगा । उन्होंने बताया है कि विभव कुमार ने उनसे कहा कि उसकी इतनी हिम्मत कैसे हुई कि वो उनकी बात मानने से मना कर रही है । उसने मालीवाल को धमकी दी कि वो उनकी हड्डियां तोड़ देगा और ऐसी जगह गाड़ देगा कि किसी को पता भी नहीं चलेगा । उसने उनको बहुत बुरी तरह से पीटा और उनकी कमीज ऊपर करने की कोशिश की और उनके संवेदनशील अंगों को चोट पहुंचाई । जब उनके साथ विभव कुमार ने केजरीवाल के घर में मारपीट की तब केजरीवाल घर में ही मौजूद थे । घटना के दौरान मालीवाल ने पुलिस को फोन किया था और वो वहीं रुक कर पुलिस का इंतजार करना चाहती थी । सवाल उठता है कि अगर मालीवाल गलत थी तो केजरीवाल ने पुलिस को घर में बुलाकर मालीवाल को पुलिस के हवाले क्यों नहीं किया । पहले एक महिला सांसद की पिटाई की गई और इसके बाद एक महिला पुलिस कर्मचारी ने उसे बाजू से पकड़कर मुख्यमंत्री निवास से बाहर कर दिया । मालीवाल वहां से पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराने गई लेकिन किसी का फोन आने पर वो बिना शिकायत दिये अपने घर चली गई । इसका मतलब साफ है कि उनको किसी ने यह आश्वासन दिया था कि विभव कुमार के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी, आपकी शिकायत से पार्टी की बदनामी होगी, आप पुलिस में शिकायत न दर्ज करवायें । यह बात तब साबित हो गई जब दूसरे दिन पार्टी के बड़े नेता संजय सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके कहा कि विभव कुमार ने मालीवाल के साथ अभ्रदता की है जो कि बहुत निंदनीय है । उन्होंने कहा कि इसकी जितनी भी निंदा की जाए, बहुत कम है । वास्तव में आम आदमी पार्टी इस तरह से मालीवाल की चाल में फंस गई क्योंकि संजय सिंह ने देश के सामने कबूल कर लिया कि मालीवाल के साथ विभव कुमार ने गलत हरकत की है । इस कबूलनामे से ही साबित होता है कि पार्टी पर मालीवाल ने जबरदस्त दबाव बनाया होगा, तभी यह प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई होगी ।

मालीवाल जानती थी कि अगर वो सीधे पुलिस में शिकायत करेंगी तो पार्टी उन्हें ही दोषी ठहरा देगी और विभव कुमार को क्लीन चिट दे देगी । उन्होंने जब देखा कि तीसरे दिन संजय सिंह और केजरीवाल विभव कुमार को साथ में लेकर लखनऊ में घूम रहे हैं तो मालीवाल को अहसास हो गया कि विभव कुमार के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं होने वाली है । इसके बाद उन्होंने पुलिस को अपनी शिकायत दी और पुलिस ने उस शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया और तेजी से अपनी कार्यवाही शुरू कर दी । मालीवाल की मेडिकल जांच एम्स में की गई है और उनकी मेडिकल रिपोर्ट में उनके साथ मारपीट की पुष्टि हो गई है । उसने मजिस्ट्रेट के सामने नियम 164 के तहत अपना बयान दर्ज करवा दिया है, इसका मतलब है कि वो अब पीछे हटने वाली नहीं हैं । देखा जाये तो एक मजबूत केस केजरीवाल के पीए विभव कुमार के खिलाफ तैयार हो गया है । जब पुलिस विभव कुमार को गिरफ्तार करने के लिए दौड़ने लगी तो केजरीवाल ने उसे अपने सरकारी निवास में छुपा लिया लेकिन पुलिस ने उसे वहां से गिरफ्तार कर लिया । यहां सवाल यह पैदा होता है कि जिसे पुलिस ढूंढ रही थी, उसे केजरीवाल ने अपने सरकारी निवास में क्यों छुपा रखा था । अदालत ने उसे पुलिस रिमांड में भेज दिया है । आम आदमी पार्टी सारे घटनाक्रम से बौखला गई है और उसकी मंत्री आतिशी ने प्रेस कांफ्रेंस करके मालीवाल को ही दोषी बता दिया है । उनका कहना है कि मालीवाल केजरीवाल को फंसाना चाहती थी लेकिन केजरीवाल नहीं मिले तो उसने विभव कुमार को फंसा दिया । उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मालीवाल जब बाहर गई तो वो लंगड़ा नहीं रही थी और न ही उनके कपड़े फटे हुए थे । देखा जाये तो इस प्रेस कांफ्रेंस से पूरी पार्टी की बौखलाहट सामने आ गई है । आतिशी ने कहा कि मालीवाल भाजपा की एजेंट हैं और पार्टी को बदनाम कर रही हैं । इसके अलावा विभव कुमार की गिरफ्तारी के बाद केजरीवाल ने इसे भाजपा की बड़ी साजिश बता दिया है और उन्होंने कहा है कि भाजपा ने उनके पीए को जेल में डाल दिया है । उन्होंने इसके खिलाफ 19 मई को भाजपा मुख्यालय के सामने धरना देने की बात कही लेकिन वो धरना नहीं सके । वास्तव में एक तो उनकी रैली में लोग बहुत कम आये दूसरी तरफ पुलिस उनके निवास पर पहुंच गई जिसके कारण वो जल्दबाजी में रैली छोड़कर अपने घर पहुंच गए । दूसरी बात यह भी है कि आम आदमी पार्टी के विरोध प्रदर्शन में बहुत कम लोग आये, इसका मतलब है कि जनता उनका साथ छोड़ चुकी है और उनके झूठ पर विश्वास करने को तैयार नहीं है । देखा जाये तो आम आदमी पार्टी ने अपना पूरा बचाव करने की कोशिश की है लेकिन कुछ ऐसे सवाल खड़े हो गए हैं जिनका जवाब जनता उससे मांग रही है । पहला सवाल तो यह है कि एक बर्खास्त पीए के लिए धरना प्रदर्शन क्यों? एक पुरानी नेता और राज्यसभा सांसद को पीटने वाले को बचाने की कोशिश क्यों? पूरी पार्टी अपने नेता को छोड़कर एक पीए के साथ क्यों खड़ी हो गई है । दिल्ली के मीडिया को शर्म आनी चाहिए कि वो केजरीवाल और उनके नेताओं से सवाल पूछने की हिम्मत नहीं कर पा रहा है. उसे लखनऊ और मुंबई के मीडिया से सीखना चाहिए जिसके सवालों से बचने के लिए केजरीवाल को भागना पड़ा है । जिस आदमी को पार्टी का दूसरे नंबर का नेता संजय सिंह प्रेस कांफ्रेंस करके दोषी करार दे चुका है और उसमें कह चुका है कि जो उसने किया है वो बहुत निंदनीय है और उसकी जितनी निंदा की जाए वो कम है। आज पूरी पार्टी उस आदमी को बचाने के लिए सड़क पर उतर आई है ।केजरीवाल कह रहे हैं कि मेरे पीए को गिरफ्तार कर लिया गया है, मोदी सरकार उनकी पार्टी के सभी नेताओं को जेल भेजना चाहती है । पहली बात तो यह है कि विभव कुमार कोई नेता नहीं हैं और अब वो पीए के पद से भी हटा दिया गया है. अब उसकी हैसियत केजरीवाल के नौकर से ज्यादा नहीं है ।

वो ये कहना चाहते हैं कि उनका नौकर एक महिला सांसद के साथ मारपीट करे लेकिन उसके खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की जा सकती । केजरीवाल इस आदमी का साथ क्यों दे रहे हैं, ये बड़ा सवाल है. या तो वो आदमी उनके बहुत गहरे राज जानता है या उसने सारी कार्यवाही उनके ही कहने पर की है । क्या इसलिए वो उसे बचाने के लिए पूरी पार्टी को सड़क पर उतार चुके हैं, इतना तो उन्होंने मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन और संजय सिंह के लिए भी नहीं किया था ।

खालिस्तानियों का चुनाव लडऩा स्वागत और सतर्कता जरूरी

राकेश सैन

लोकसभा चुनावों के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत असम की डिब्रूगढ़ जेल में बन्द खालिस्तानी अलगाववादी अमृतपाल के खडूर साहिब से नामांकन पत्र दाखिल करने की देश भर में चर्चा है। अमृतपाल दिल्ली की सीमा पर चले किसान आन्दोलन के एक नेता दीप सिद्धू के अलगाववादी संगठन 'वारिस पंजाब दे' का सर्वेसर्वा है और यह पद उसने सिद्धू की सडक़ दुर्घटना में हुई मौत के बाद प्राप्त किया। अमृतपाल ने कई महीनों तक इस संगठन के मंच से सिख युवाओं के मनों में खालिस्तानी व अलगाववादी विष भरा परन्तु अजनाला में थाने पर हमले के आरोप में उसे साथियों सहित गिरफ्तार कर डिब्रूगढ़ जेल भेज दिया गया। केवल अमृतपाल ही नहीं, अमृतसर में शिवसेना के नेता सुधीर सूरी की हत्या करने वाला संदीप सिंह, दिवंगत प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के हत्यारे बेअंत सिंह का बेटा सरबजीत सिंह खालसा भी इस चुनाव में ताल ठोक चुके हैं। इसी वर्ग में शामिल अपने भडक़ाऊ भाषणों के चलते चर्चा में रहने वाले अकाली दल (अमृतसर) के अध्यक्ष सिमरनजीत सिंह मान खुद संगरूर की सीट से चुनाव लड़ रहे हैं और वे वहां से वर्तमान सांसद भी हैं। उनके दल के अन्य उम्मीदवार खुशहाल सिंह मान, बलदेव सिंह, अमृतपाल सिंह चंद्रा, मनिन्द्रपाल सिंह क्रमशः आनन्दपुर साहिब, फरीदकोट, लुधियाना व पटियाला से चुनाव मैदान में हैं। पूर्व आईपीएस अधिकारी सिमरनजीत मान खालिस्तान के पक्ष में केवल अपने देश में ही नहीं बल्कि दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में भारत के खिलाफ विषवमन करते रहे हैं। आखिर इतने सारे खालिस्तानी अलगाववादियों का चुनाव लडऩा किस बात का संकेत है? क्या यह खालिस्तानी आतंक की वैचारिक पराजय है या अलगाववादियों की नई कोई रणनीति। इसीलिए जहां इसका स्वागत किया जाना बनता है वहीं सावधान रहने की भी अत्यन्त आवश्यकता है। असल में खालिस्तान एक विकृत सोच है जिसका जन्म विदेशी पोषण और सिख पंथ की मनमाफिक व्याख्या के अवैध सम्बन्धों से हुआ। इस सोच से न केवल पंजाब में हजारों की संख्या में निर्दोषों को जान गंवानी पड़ी बल्कि देश-विदेश में सिखों की छवि को आघात भी पहुंचा। किसी समय विकास की दौड़ में देश में सबसे आगे दौड़ता दिख रहा पंजाब दो दशकों चले आतंकवाद के दौर में हांफने लगा। खालिस्तान पंजाब के सीने पर ऐसे जख्म का नाम बन चुका है जो रह-रह कर रिसना शुरू कर देता है।

चाहे पंजाब के अलगाववादी चुनाव तो लड़ रहे हैं परन्तु अभी तक ये तत्व भारतीय संविधान व यहां के दस्तावेजों को नकारते रहे हैं। अमृतपाल तो यहां तक कहता रहा है कि उसके लिए भारतीय पासपोर्ट तो केवल हवाई यात्रा का दस्तावेज मात्र है। देश की एकता-अखण्डता व सम्प्रभुता को चुनौती देने वाले खालिस्तानी अगर भारतीय संविधान की मर्यादा के अन्तर्गत चुनाव लड़ते हैं तो इस परिवर्तन का स्वागत होना चाहिए। भारतीय संविधान की परिधि में रह कर अलगाववादी तत्व संसद में कुछ भी मांग उठाते हैं तो इसका स्वागत होना चाहिए। स्वागत इसलिए क्योंकि यह भारतीय सार्वभौमिकता और लोकतंत्र की जीत और खालिस्तानी अलगाववाद की सैद्धान्तिक पराजय होगी।

ऐसा नहीं कि देश में किसी अलगाववादी संगठन या व्यक्ति ने पहली बार चुनाव लड़ा हो या इस तरह के संगठनों से सरकारों ने समझौते न किए हों। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में ही असम में सक्रिय आतंकी संगठन यूनाइटेड लिब्रेशन फ्रण्ट आफ असम (उल्फा), नागालैण्ड में सक्रिय रहे अलगाववादी संगठन नार्थ ईस्ट सोस्लिट आफ नागालैण्ड (एनएससीएन), पिपुल्स डेमोक्रेटिक साउंसिल आफ कार्बी, कार्बी, लॉंगरी नोर्थ ईस्ट हिल्स लिब्रेशन फ्रण्ट, कार्बी पिपुल्स लिब्रेशन फ्रण्ट, कुकी लिब्रेशन फ्रण्ट, यूनाइटिड पुपिल्स लिब्रेशन फ्रण्ट सहित अनेक आतंकी व अलगाववादी संगठन विभिन्न समझौतों के तहत देश की मुख्यधारा में शामिल हो चुके हैं। पूर्वोत्तर ही क्यों खुद पंजाब व जम्मू-कश्मीर में बहुत से पूर्व आतंकियों का भी प्रत्यक्ष व गुप्त रूप से पुनर्वास किया जा चुका है। अगर अलगाव व आतंक का मार्ग छोड़ कर कोई भटका हुआ नागरिक देश की मुख्यधारा में शामिल होना चाहे तो उसका स्वागत होना चाहिए। इस मार्ग पर चलने वालों को यह भान भी होना चाहिए कि आतंकवाद का मार्ग किसी समस्या का समाधान नहीं।

जरूरी है आतंकवाद के फन को कुचलना

योगेश कुमार गोयल

राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस

जम्मू कश्मीर दशकों से आतंक के खौफनाक साये में जी रहा है, देश के अन्य हिस्सों में भी कभी किसी भरे बाजार में तो कभी किसी वाहन में आतंकी निर्दोषों के लहू से होली खेलकर आनंदित होते रहे हैं। पिछले कई वर्षों से देश आतंकवाद का यह खामियाजा भुगत रहा है, जिसके कारण अभी तक हजारों लोग बेमौत मारे जा चुके हैं, अनेक परिवार तबाह हो चुके हैं, बच्चे अनाथ हुए हैं, बहुत सी माएं-बहनें विधवा हो गई तो कहीं बुजुर्गों के बुढ़ापे की लाठी इसी आतंकवाद ने छीन ली। दरअसल आतंकवादी ऐसी वहशी घटनाओं को अंजाम देकर और किसी भी तरह का खूनखराबा करके आम लोगों के मन में भय पैदा करना चाहते हैं। उनके ऐसे घिनौने कृत्यों से न जाने कितने ही हंसते-खेलते परिवार एक ही झटके में बर्बाद हो जाते हैं। आतंकवाद रूपी इसी भयानक समस्या से निपटने के लिए भारत द्वारा 21 मई का दिन 'राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस' के रूप में मनाया जाने लगा। यह दिवस वास्तव में उन लोगों को श्रद्धांजलि देने का दिन है, जिन्होंने आतंकवादी हमलों में अपनी जान गंवाई और यह उन हजारों सैनिकों के बलिदान का सम्मान भी करता है, जिन्होंने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ी।

राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस की आधिकारिक घोषणा 21 मई 1991 को भारत के सातवें प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या के बाद की गई थी, जो लिट्टे के एक आतंकवादी अभियान के दौरान तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर में मारे गए थे। राजीव गांधी श्रीपेरंबदूर में एक रैली को संबोधित करने गए थे, जहां लिट्टे से संबंधित एक महिला आतंकी अपने कपड़ों में विस्फोटक छिपाकर उनके पैर छूने के बहाने नीचे झुकी तो जबरदस्त बम धमाके में राजीव गांधी सहित करीब 25 लोगों की मौत हो गई थी। राजीव गांधी की हत्या के बाद तत्कालीन वी.पी. सिंह सरकार द्वारा 21 मई को आतंकवाद विरोधी दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया। इस दिवस को मनाने का अहम उद्देश्य यही है कि देश में आतंकवाद, हिंसा के खतरे और उनके समाज, लोगों तथा देश पर पड़ने वाले खतरनाक असर के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाई जाए। इस दिन सरकारी कार्यालयों, उपक्रमों तथा अन्य संस्थानों में आतंकवाद विरोधी शपथ यही दिलाई जाती है कि हम भारतवासी अपने देश की अहिंसा एवं सहनशीलता की परम्परा में दृढ़ विश्वास रखते है तथा निष्ठापूर्वक शपथ लेते हैं कि हम सभी प्रकार के आतंकवाद और हिंसा का डटकर विरोध करेंगे। हम मानव जाति के सभी वर्गों के बीच शांति, सामाजिक सद्भाव तथा सूझबूझ कायम रखने और मानव जीवन मूल्यों को खतरा पहुंचाने वाली विघटनकारी शक्तियों से लड़ने की भी शपथ लेते हैं।

देश में आतंकवादियों की कमर तोड़ने के लिए पिछले कुछ वर्षों से जिस प्रकार के सख्त कदम उठाए जा रहे हैं, उनके चलते देशभर में आतंकी घटनाओं में कमी दर्ज की जा रही है लेकिन विशेषकर जम्मू कश्मीर में अभी भी पाकिस्तान के पाले-पोसे भाड़े के टट्टू मासूम लोगों के खून से होली खेलने को लालायित रहते हैं। हालांकि बीते कुछ वर्षों में स्थिति में बड़ा बदलाव यही है कि सुरक्षा बलों के हमारे जांबाज लगभग आए दिन, शोपियां हो या कुपवाड़ा अथवा घाटी का अन्य कोई क्षेत्र, कहीं न कहीं मुठभेड़ों में दुर्दान्त आतंकियों को ढ़ेर कर रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में ही सुरक्षा बलों द्वारा सैंकड़ों कुख्यात आतंकियों को कुत्ते की मौत मारा जा चुका है। आतंकियों के खिलाफ चल रहे सुरक्षा बलों के अभियान के चलते इस वर्ष भी अब तक दर्जनों आतंकियों को मार गिराया गया है, जिनमें कुछ विदेशी आतंकी भी शामिल थे। विभिन्न रिपोर्टों के मुताबिक जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटाए जाने के बाद से घाटी में सुरक्षा बलों के एनकाउंटर में सर्वाधिक आतंकवादी मारे गए हैं। हालांकि शोपियां, कुलगाम, पुलवामा जैसे क्षेत्रों में आतंकी समूहों द्वारा स्थानीय युवकों की भर्ती के मामले भी सामने आते रहे हैं लेकिन सबसे ज्यादा मुठभेड़ें भी यहीं हुई। सीआरपीएफ के अनुसार जम्मू कश्मीर में इस समय 91 आतंकी सक्रिय हैं लेकिन सुरक्षा बलों की मुस्तैदी के कारण पिछले कुछ समय में एनकाउंटर में कई आतंकियों का सफाया किया गया तथा एलओसी के पास घुसपैठ की दर्जनभर कोशिशें भी नाकाम की गईं।जम्मू कश्मीर में युवाओं के आतंकी संगठनों में भर्ती का मुद्दा सुरक्षा बलों के लिए गंभीर चिंता का विषय बना रहा है लेकिन राहत की बात यह है कि युवाओं को आतंकवाद के खिलाफ जागरूक करने के चलते आतंकी संगठनों में स्थानीय स्तर पर अब भर्तियां काफी कम हो रही हैं। सरकारी सूत्रों के मुताबिक आतंकी संगठनों में स्थानीय लोगों की भर्ती बीते वर्ष उससे पहले के वर्षों के मुकाबले बहुत कम हुई यानी घाटी में स्थानीय लोगों का झुकाव आतंकी संगठनों की ओर कम हो रहा है और इसका सीधा सा अर्थ है कि जम्मू कश्मीर में भी अब आतंकवादियों की कमर तोड़ने में सफलता मिल रही है। सैन्य अधिकारियों के मुताबिक दुश्मन की ओर से संघर्ष विराम के उल्लंघन, घुसपैठ की कोशिश या किसी अन्य दुस्साहसिक प्रयास का कड़ाई से जवाब दिया जा रहा है। वैसे सैन्य अधिकारियों का स्पष्ट तौर पर कहना है कि आतंकवाद रोधी सख्त अभियान तब तक पूरी ताकत से चलेगा, जब तक कि घाटी में सक्रिय तमाम आतंकवादी आत्मसमर्पण नहीं कर देते या मार नहीं दिए जाते।

पिलपिलाने वाला पिलास्टिक

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

एक खूबसूरत छोटे से गाँव में, जो हरे-भरे पहाड़ियों और एक साफ़-सुथरी नदी के बीच बसा था। एक समय था जब गाँववाले प्रकृति के साथ मेलजोल से रहते थे। वे ज़मीन पर खेती करते, नदी में मछली पकड़ते, और लकड़ी, मिट्टी और अन्य प्राकृतिक सामग्रियों से अपने सामान बनाते थे। लेकिन एक दिन, गाँव के चौराहे पर एक अजीब आगंतुक आया, जो अपने साथ एक चमकदार, रंगीन और पूरी तरह से अपरिचित सामग्री लेकर आयाः प्लास्टिक।

वह आगंतुक, एक चालाक सेल्समैन था। जिसका नाम था मिस्टर पॉली एथिलीन, ने अपना स्टॉल लगाया और इस अद्भुत सामग्री के गुणगान करने लगा। महिलाओं और सज्जनों, उसने घोषणा की, प्लास्टिक के चमत्कारों को देखो! यह टिकाऊ, बहुमुखी और हर रंग में आता है जिसकी आप कल्पना भी नहीं कर सकते हैं। अपने पुराने तरीकों को अलविदा कहें और भविष्य को अपनाएं! गाँववाले, मिस्टर एथिलीन की बातें सुनकर मंत्रमुग्ध हो गए और उसके प्लास्टिक के सामान खरीदने लगे। प्लास्टिक की प्लेटें, प्लास्टिक के कप, प्लास्टिक के खिलौने, और यहाँ तक कि प्लास्टिक के कपड़े भी। पहले तो, जीवन में सुधार होता दिखा। प्लास्टिक सस्ता, सुविधाजनक और अटूट लगता था। गाँववाले इस बात पर चकित थे कि उनके नए सामान टूटते नहीं थे और पुराने सामानों की तरह घिसते नहीं थे।

समय बीतने के साथ, प्लास्टिक गाँव के जीवन का एक अभिन्न हिस्सा बन गया। मोची ने चमड़े की जगह प्लास्टिक का उपयोग करना शुरू किया, कुम्हार ने प्लास्टिक के बर्तन बनाए, और यहाँ तक कि मछुआरे ने अपनी लकड़ी की नाव को एक चमचमाती प्लास्टिक की नाव से बदल दिया। गाँव फला-फूला, और मिस्टर पॉली एथिलीन को हीरो माना जाने लगा। वह उनकी प्रशंसा में डूबे रहते, हमेशा उनकी ज़रूरतों को पूरा करने के लिए एक नया उत्पाद तैयार रखते।

हालाँकि, सभी महान चीजों की तरह, इसके भी अप्रत्याशित परिणाम थे। समस्या का पहला संकेत तब आया जब गाँव की बकरियाँ, जो अपने असंयमित भूख के लिए जानी जाती थीं, प्लास्टिक के थैलों को खाने लगीं। बेचारे जीव बीमार पड़ गए, उनके पेट प्लास्टिक से भर गए जिसे वे पचा नहीं सकते थे। गाँववाले भयभीत। अपनी प्यारे जानवरों को अस्थायी कब्रों में दफनाना पड़ा, जिन्हें छोटे-छोटे प्लास्टिक के क्रॉस से चिह्नित किया गया।

गाँव की एक बार की साफ-सुथरी नदी बदलने लगी। साफ पानी गंदा हो गया जब प्लास्टिक की बोतलें, रैपर और अन्य कचरे ने इसके किनारे भर दिए। मछलियाँ, जो कभी प्रचुर मात्रा में थीं, गायब होने लगीं, और गाँववाले जो अपनी आजीविका के लिए मछली पकड़ने पर निर्भर थे, संघर्ष करने लगे। वे गाँव के चौराहे पर इकट्ठा हुए, हाथ में प्लास्टिक के जाल लिए, और मिस्टर पॉली एथिलीन से उत्तर की उम्मीद करने लगे।

डरिए नहीं! उन्होंने कहा। मेरे पास समाधान है! और एक धूमधाम के साथ, उन्होंने अपना नवीनतम आविष्कार पेश कियाः प्लास्टिक पुनर्चक्रण मशीन। बस अपने अनचाहे प्लास्टिक को इस आधुनिक इंजीनियरिंग के चमत्कार में डालें, और यह इसे कुछ नया और उपयोगी बना देगा!

राहुल की पुनः लांचिंग असफल रहेगी?

राज सक्सेना

कांग्रेस के साथ समस्या यह है कि वह अभी तक वर्ष 1971 से पूर्व की मानसिकता त्यागने को तैयार नहीं है जहां उसका एक अल्पसंख्यक वोट बैंक हुआ करता था, ब्राह्मण जाति का अधिकाँश वोट उसे मिल ही जाता था और किसी न किसी बहाने जातियों के मायाजाल में फंसे पिछडे, दलित वोट को भी वह अपने पाले में कर लेती थी और अच्छे अंतर से जनप्रतिनिधित्व प्राप्त कर आसानी से अपनी सरकार बना लेती थी। इमरजेंसी के बाद स्थिति ने करवट तो ली लेकिन आपसी मनमुटाव और हित साधनों के चलते कांग्रेस फिर थोड़ी मेहनत कर सत्ता में आ गयी तो उसे लगा कि पुरानी नीति फूट डालो राज करो, यही आसान रास्ता है। इस रास्ते पर चल कर वह दो बार सफल भी रही मगर भ्रष्टाचार के दलदल में फंस कर रह गयी। 2014 में मोदी की आंधी इस आसान रास्ते को उड़ा ले गयी और पथरीले रास्तों को समतल करने में मेहनत से कांग्रेस ने परहेज किया और लगातार दो बार विपक्षी दल के नेता तक भी नहीं पंहुच सकी।

यही हाल कांग्रेस के पोस्टर बॉय, राहुल गांधी का है। चांदी का चम्मच लेकर पैदा हुए राहुल को विरासत में कांग्रेस की राजगद्दी मिली तो उन्होंने जिस तरह आसानी से यह पद पाया, उसी तरह से देश की सत्ता पाने के प्रयास किये। रणक्षेत्र में उतर कर पसीना बहाने से अच्छा उन्होंने सत्ता पाने के शार्टकट ढूँढने शुरू किये। उधर विदेशी शक्तियाँ भी चाहती थीं राहुल उनकी देशविरोधी नीतियों पर उनके बंधुआ मजदूर बन कर रहें और और अपने हितों में जैसी नीति वे बनायें, उस पर आँख बंद कर अनुगमन करें। कांग्रेस में भी उनके चारों ओर जो चाटुकारों का कोटर था, उसने भी उन्हें भरोसे में रखा कि आप को मेहनत की क्या जरूरत है, हम जो हैं। याद कीजिए प्रशांत किशोर का नाम। मात्र दस साल पहले 2014 अगस्त याद कीजिये जब मोदी को लांच करने का सेहरा सर पर बांधे प्रशांत किशोर को कांग्रेस ने ठेका दिया था कि वे राहुल गांधी को भी राजनीति में स्थापित करें। प्रशांत ने भी सैकड़ों करोड़ में राहुल गांधी को राजनैतिक सूर्य बना देने का कॉन्ट्रेक्ट साइन कर लिया था। अगस्त के आखिर में प्रशांत किशोर ने बाकायदा सोशल मीडिया पर एक विज्ञप्ति निकाली कि जो लोग सोशल मीडिया पर लिखने की योग्यता रखते हैं, वे संस्था से जुड़ने के लिए आवेदन करें। 60 हजार लोगों की पहली सूची फाइनल की गयी और उनकी एक मीटिंग मुम्बई में और दूसरी बनारस में रखी गयी। इनमें से पांच हजार लोगों को छांट कर एक आईटी सेल बनाया गया जो दिन रात कांग्रेस के जनमन स्थापन में लग गये, जो अन्य दलों विशेषकर भाजपा को जनता की नजरों से गिराने का अभियान भी चलाते थे। उधर विदेशी ताकतों ने कुछ राष्ट्र विरोधी समाचारपत्रों आदि का समूह इस काम पर लगाया। आपको 'द वायर' याद हैं जिसने अमित शाह के बेटे पर तीन सौ प्रतिशत लाभ कमाने का आरोप लगाया था और रातों रात चर्चा में आ गया था। हालांकि 'द वायर' ने बाद में इस खबर के प्रकाशन पर माफी भी मांगी और कोर्ट में जुर्माना भी भरा था मगर जय शाह को बदनामी के पंक में धकेलने के बाद।

तीसरा काम यह किया गया कि विदेशी शक्तियों ने भारतीय विदेशी सौदों में भारी कमीशन के आरोप मोदी पर लगाये गये। चौकीदार चोर है जैसे अभियान चलाए गये मगर मोदी की ईमानदारी के चलते कुछ सिद्ध नहीं हो सका। उलटे राहुल को माफ़ी मांगनी पड़ी। ऐसी अनेकों घटनाएँ निर्वाचन सभाओं के इतिहास में दर्ज हैं। प्रशांत किशोर से निराश होकर शार्टकट की तलाश में लगे राहुल ने फिर 'कैमब्रिज अनैलिटिका' का दामन थामा, भारी धनराशि देकर। उसने अनेक प्रयास किए दो यात्राएं भी आयोजित कराई गयीं किन्तु केंद्र में कांग्रेसी सरकार का सपना राहुल की मेहनत के अभाव में सपना ही रह गया। कांग्रेस अब भी उससे कॉन्ट्रेक्ट में है या नहीं?

यह जगजाहिर नहीं है। यह वही अमेरिकी कम्पनी हैं जिसने अमेरिका में ट्रम्प का प्रचार किया था। कांग्रेस ने उसकी हारने पर दंगा करा देने की योग्यता के आधार पर ही उसे राहुल गांधी के लिए भारी 'कांट्रेक्ट मनी' पर नियुक्त किया था?प्रशांत किशोर ने कांग्रेस का साथ तो छोड़ दिया है लेकिन जाते जाते आईटी सेल जरुर दे गये जिसमें हर व्यक्ति को बीस हजार से लेकर योग्यता अनुसार लाख से अधिक तक महीने की तनख्वाह दी जाती है। प्रशिक्षण देकर लाइव डिबेट के लिये तैयार किया जाता है। तरह तरह के झूठ जनता में सोशल मीडिया के माध्यम से स्थापित करने के प्रयास किये जाते हैं। किस विषय को कैसे स्थापित करना हैं, इस पर बाकायदा लिखित सामग्री उपलब्ध करायी जाती है, और ये सब लोग रात दिन अपनी तनख्वाह बढ़ाने के चक्कर मे सोशल मीडिया पर झूठ का संजाल बुनने में आज भी लगे हैं। हर महीनें सैकड़ों करोड़ रुपया, मेहनत के बजाय इन पर पानी की तरह कांग्रेस बहा रही है। 'द वायर' जैसी हजारों वेवसाईटे और ब्लॉग धड़ल्ले से चल रहे हैं जिनका काम सिर्फ न्यूज लिंक जनरेट करना है और वही न्यूज बनानी हैं जो आईटी सेल के नियंता चाहते हैं। केमब्रिज अनैलिटीका के भारत विरोधी सैल ने इनसे भी दो कदम आगे बढ़कर वह फार्मूला आजमाया जो अंग्रेज भारत में आजमा कर सत्ता में आ गये थे। अनैलिटीका ने 2014 के वोट प्रतिशत और किस जगह से कितने आये, किस जाति किस धर्म से कितने आये, इसका विवरण खंगाला और इन वोटों को तोड़ने के लिए उसने 'जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी' की बाकायदा आधिकारिक घोषणा कर भाजपा के अमोध अस्त्र हिंदुत्व की एकता को तोड़ने की योजना को राहुल के माध्यम से कार्यरूप दिया।

नरसिंह जयंती आज

हर वर्ष वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि को नरसिंह जयंती मनाई जाती है। मान्यता है कि इस दिन विधि-विधान से भगवान विष्णु के नरसिंह अवतार की पूजा करने से जीवन के सभी दुखों का नाश हो जाता है।

भगवान विष्णु ने नरसिंह अवतार में प्रकट होकर अपने परम भक्त प्रहलाद की रक्षा के लिए हिरण्यकश्यप का वध किया था।

भगवान विष्णु ने समय-समय पर विभिन्न अवतार लेकर धरती पर आकर धर्म और अपने भक्तों की रक्षा की है। भगवान विष्णु ने नरसिंह अवतार में प्रकट होकर अपने परम भक्त प्रहलाद की रक्षा के लिए हिरण्यकश्यप का वध किया था। नरसिंह जयंती के दिन भगवान विष्णु के इसी अवतार की पूजा होती है। हर वर्ष वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि को नरसिंह जयंती मनाई जाती है। मान्यता है कि इस दिन विधि-विधान से भगवान विष्णु के नरसिंह अवतार की पूजा करने से जीवन के दुखों का नाश हो जाता है। आइए जानते हैं नरसिंह जयंती की तिथि, शुभ मुहूर्त और पूजा की विधि।

पंचांग के अनुसार, इस वर्ष वैशाख माह में शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि 21 मई को शाम 5 बजकर 39 मिनट पर शुरू होगी और 22 मई को शाम को 6 बजकर 47 मिनट तक रहेगी। नरसिंह जयंती 21 मई, मंगलवार को मनाई जाएगी। नरसिंह जयंती की पूजा संध्या के समय की जाती है। 21 मई को संध्या के समय नरसिंह भगवान की पूजा 21 मई की तिथि शुरू होने के बाद संध्या 7 बजकर 9 मिनट तक की जा सकती है।

नरसिंह जयंती की पूजा-विधि

नरसिंह जयंती के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करने के बाद भगवान विष्णु का स्मरण कर व्रत का संकल्प करें। भगवान सूर्य को जल चढ़ाने के बाद पूजाघर की सफाई कर गंगाजल छिड़क कर पवित्र करें।

एक चौकी पर भगवान विष्णु के नरसिंह अवतार का चित्र स्थापित करें और भगवान को फल, फूल, मिठाई, चंदन, केसर, कुमकुम अर्पित करें। घी का दीया जलाकर विष्णु सहत्रनाम का जाप करें और पीले रंग की मिठाई का भोग चढ़ाएं। इस दिन भोजन और वस्त्र दान को उत्तम माना गया है। किसी जरूरतमंद को जरूर भोजन और वस्त्र का दान करें।

नरसिंह जयंती का महत्व

नरसिंह जयंती बुराई पार अच्छाई की जीत के प्रतीक के रूप में मनाई जाती है। यह भक्तों के प्रति भगवान विष्णु के प्रेम को प्रकट करने वाला दिन है। इस दिन भगवान विष्णु का स्मरण करने और विधि विधान से पूजा करने से भगवान विष्णु उसी तरह कृपा बरसाते हैं जैसे उन्होंने भक्त प्रहलाद पर बरसाई थी।

यह एक पत्ती आपको बना सकती है अमीर

वास्तु के अनुसार पर्स में रखें रोज, फिर बटुआ नहीं रहेगा खाली

कई बार काफी मेहनत करने के बावजूद किस्मत के साथ नही देने से लोगों को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में किस्मत जगाने वाले कुछ उपाय मदद कर सकते हैं। हिंदू धर्म में तुलसी के पौधे को बहुत पवित्र माना जाता है और हर घर में तुलसी का पौधा जरूर लगाया जाता है। इस पौधे में माता लक्ष्मी का वास होने के साथ साथ भगवान विष्णु का प्रिय माना जाता है। तुलसी से जुड़े कई उपाय हैं और तुलसी के पत्तों से जुड़ा एक उपाय आर्थिक तंगी को दूर करने में मदद कर सकता है। तुलसी के पत्तों का उपाय आर्थिक परेशानियों को दूर करने का कारगर उपाय है। आइए जानते हैं तुलसी के पत्तों के जुड़े किस उपाय से रुपए पैसे की तंगी दूर करने में मदद मिल सकती है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार तुलसी पवित्र पौधा है और इसमें धन की देवी लक्ष्मी का वास होता है। तुलसी के पत्ते का पर्स में रखना शुभ प्रभाव देने वाला होता है। इससे रुपए पैसे की तंगी दूर करने में मदद मिल सकती है।

कर्ज से राहत

तुलसी का पत्ता हमेशा अपने पर्स में रखने से कर्ज से छुटकारा मिल सकता है। इसके लिए हर दिन सुबह तुलसी का एक हरे पत्ते को साफ कर उसे अपने पर्स में रख लेना चाहिए।

लाल कपड़े में तुलसी

आर्थिक तंगी से जूझ रहे व्यक्ति को राहत पाने के लिए तुलसी के पत्ते को लाल कपड़े में लपेट कर अपने पर्स में रखना चाहिए।

उपाय से माता लक्ष्मी की कृपा

मान्यता है कि तुलसी के इन उपायों से धन की देवी लक्ष्मी की हमेशा कृपा बनी रहती है और आर्थिक परेशानियां दूर हो जाती हैं। तुलसी के पौधे में धन की देवी लक्ष्मी वास करती हैं और यह भगवान विष्णु को अत्यंत प्रिय होता है। यही कारण है कि तुलसी के पत्तों का उपाय आर्थिक कष्टों का निवारण कर देता है।

नकारात्मकप्रभावों से मुक्ति

तुलसी के पत्तों के उपाय से आसपास की नकारात्मक प्रभावों से मुक्ति मिलती है और सकारात्मक ऊर्जा में वृद्धि होती है। तुलसी की पवित्रता का प्रभाव आपके जीवन पर पड़ता है। इससे सकारात्मक ऊर्जा का संचार बढ़ता है। साथ ही व्यक्ति के जीवन में सुख-समृद्धि आती है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, इस दिशा में रखने से सौभाग्य में वृद्धि हो सकती है। पूर्व या उत्तर दिशा ज्ञान, शिक्षा और बुद्धि प्राप्ति के लिए भी लाभदायक दिशा मानी जाती है। वहीं उत्तर दिशा कुबेर देवता की दिशा मानी गई है। जो धन, वैभव, समृद्धि को समर्पित है। इसलिए अजवाइन की पोटली इस दिशा में रखने से लाभ हो सकते हैं।

दक्षिण दिशा में रखें अजवाइन की पोटली

दक्षिण दिशा का संबंध शनि देव से है इसलिए इस दिशा में अजवाइन की पोटली रखने से लाभ हो सकता है। इससे शनि दोष से छुटकारा मिलता है और उत्तम फल की प्राप्ति होती है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार क्या छत पर लगाना चाहिए केले का पेड़

हिंदू धर्म में देवी-देवताओं के साथ कई पेड़ पौधो को भी पूजनीय माना जाता है। पूजनीय माने जाने वाले पौधों में केले का पेड़ भी शामिल है। केले के पौधे की पूजा के साथ साथ इसे पत्तों का भी पूजा में उपयोग किया जाता है। गुरुवार के दिन केले के पेड़ की पूजा की जाती है। मान्यता है कि केले के पौधे में भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी का निवास होता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार भी घर में कुछ पौधों को लगाना बहुत शुभ प्रभाव वाला माना गया है। हालांकि आज के केले के पत्ते का उपयोग पूजा पाठ में किया जाता है। सत्यनारायण व्रत कथा, विवाह और दीपावली की पूजा में केले के पत्ते की जररूत होती है। यहां तक कि भगवान को भोग लगाने के लिए केले के पत्ते का उपयोग बहुत शुभ माना जाता है।

कहां लगाएं केले का पौधा

केले के पेड़ को छत पर नहीं लगाना चाहिए। छत पर केले का पेड़ लगाना अशुभ माना गया है। छत पर केले का पेड़ लगाने से जीवन में परेशानियां बढ़ सकती है और आर्थिक हानि की आशंका होती है। केले का पेड घर के पिछले हिस्से में लगाना शुभ माना जाता है। इसे घर के अंदर जैसे आंगन में भी नहीं लगाना चाहिए।

तुलसी का पौधा

केले के पेड़ के पास तुलसी को पौधा लगाना चाहिए। केले के पेड़ में भगवान विष्णु का वास होता है और तुलसी के पौधे में माता लक्ष्मी का वास माना जाता है इसलिए इन पौधो को पास पास लगाना शुभ होता है।

गुरुवार को करें पूजा

हर गुरुवार को केले के पेड़ की पूला करनी चाहिए और पेड़ पर हल्दी चढ़ाना चाहिए। संध्या के बाद केले के पेड़ के पास घी का दीया जलाने से भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती है।

घर की इस दिशा में लटका दें अजवाइन की पोटली, शनि दोष से मिलेगी मुक्ति

सभी अपने रसोई घर में भोजन को स्वादिष्ट बनाने के लिए कई मसालों का इस्तेमाल करते हैं। इन मसालों में से एक है अजवाइन जो न सिर्फ खाने को टेस्टी बनाती है बल्कि इसका सेवन हमारे पाचन को भी ठीक रखता है। यहां तक कि अजवाइन से जुड़े कई उपाय वास्तु शास्त्र में भी बताए गए हैं। जिन्हें अपना कर आप अपने जीवन में आ रही अनेक तरह की समस्याओं को दूर कर सकते हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार अजवाइन का संबंध शनि देव से माना जाता है। शनि देव जो न्याय, कर्म और अनुशासन के देवता माने जाते हैं। अगर आप अपने घर में अजवाइन की एक पोटली रखते हैं तो ये आपके लिए बहुत फायदेमंद हो सकता है।

अजवाइन के गुण

वैसे तो हर एक मसाले का संबंध किसी ना किसी ग्रह से होता ही है। जिसके उपयोग से हम उस ग्रह की नकारात्मकता से बच सकते हैं। जिससे वह ग्रह हमारे पक्ष में काम करने लगता है। अजवाइन जोकि अपनी तीखी खुशबू और तेज गुणों के लिए जानी जाती है जिसका उपयोग हम सर्दी-खांसी के बचने में करते हैं। ये हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाती है इसी अजवाइन की एक पोटली हम अपने घर में लगाते हैं तो कई लाभ मिल सकते हैं। आइए जानते हैं इसके लिए सही दिशा।

किस दिशा में रखें पोटली

वास्तु शास्त्र के अनुसार, पूर्व या उत्तर दिशा में अजवाइन की पोटली रखना शुभ माना जाता है।

आचार्य श्री महाश्रमणजी अप्रतिम व्यक्तित्व के धनी

निर्मला बैद

२२ मई जन्म दिवस पदाभिषेक दीक्षा कल्याण महोत्सव आचार्य श्री महाश्रमणजी अप्रतिम व्यक्तित्व के धनी है। दिलो दिमाग की खिड़किया खोल तुम्हारा अभिनन्दन करते हैं। त्याग विराग की तुला पर तोल कर तुम्हारा अभिनन्दन करते हैं। युग प्रवर आचार्य श्री महाश्रमणजी का जन्म सरदारशहर कस्बे में वि.स 2019 बैशाख शुक्ला नवमी को हुआ। पिताश्री झमरमलजी दुगड एवं मातु श्री श्रमिती नेमा देवी के आप कुलदीपक बन कर आयो नामकरण के अवसरपर परिवार वालो ने शिशु का नाम मोहन रखा बालक मोहन का व्यक्तित्व बचपन से ही आकर्षक था। चंचल प्रकृति का था। माता नेमा देवी मोहन को संतों के पास ले जाती। वहाँ संतों के सानिध्य से बालक में वैराग्य भावना जागी। मॉ ने कहा साधु बनना इतना सरल नहीं है। तलवार की धार पर चलना होता है कोमल शरीर को। भला हद संकल्पी व्यक्ति कब रुकते' कर्मठ व्यक्ति पुरुषार्थ से अपनी मंजिल बना लेते हैं। परम पूज्य आचार्य श्री तुलसी की आज्ञा से मुनि श्री सुमेरमलजी ने मोहन को दीक्षित किया। मुनिश्री सुमेरमलजी मुनि के पद पर सुशोभित हैं, गुरुदेव तुलसी का महाप्रयाण होने के बाद आचार्य श्री महाप्रज्ञ ने उन्हें अपने उतराधिकारी के रूप में चयनित किया।

आत्मलीनता, एकाग्रता और नियमितता से महाश्रमणजी हिन्दी अंग्रेजी संस्कृत व प्राकृत पर अधिकार करने वाले तथा आगम दर्शन व्याकरण व साहित्य का तलस्पर्शी अध्ययन करने वाले एक विरल आचार्य है। विनम्रता विवेक, गुरुभक्ति निस्पृहता कार्य-कौशल समर्पण और अध्यात्म निष्ठा के विशिष्ट पुंज है। उन्हें जहाँ अणुव्रत प्रवर्तक आचार्य-तुलसी का असीम अनुग्रह और वात्सल्य प्राप्त था वही आचार्य महाप्रज्ञ का अपूर्व 'स्नेह और अद्भुत कृपा प्राप्त थी। आचार्य तुलसी फरमाया करते थे कि साधु हो तो महाश्रमण जैसा। इनके व्यक्तित्व में आचार्य तुलसी एवं आचार्य महाप्रज्ञ की फलक परिलक्षित होती है।

जीवन में सत्य और सुंदर दोनों का समन्वय होना चाहिये। सत्य के बिना सुन्दर निराधार होता है सुन्दर के बिना मन तलवार की धार होता है। सत्य और सुन्दर का समन्वय होता है जिसके जीवन में वह महापुरुष धरती का शृंगार होता है?

सत्य और सुंदरता के समन्वय रूप आचार्य महाश्रमण सम्पूर्ण मानव जाति के लिये आदर्श है। वे सत्य को मानना, जानना ही नहीं जीना भी जानते हैं। वे सबसे लोकप्रिय है।

आचार्य महाप्रज्ञ ने कहा आकर्षण उसी व्यक्ति का होता है जो अद्भुत होता है, भारत की जनता में भी सत्य के प्रति आस्था हो, प्रेमपूर्ण व्यवहार हो, न्याय मार्ग पर चलने का साहस हो और व्याग के पथ पर बढ़ने का संकल्प हो तो देश का बहुत विकास हो सकता है।.

आप जैसे वीतरागी पुरुष को प्राप्त कर हम धन्य है कृतकृत्य हैं। आपका हर वर्ष नया इतिहास और विश्वास लेकर आये। आपके कर्तृत्व से धर्मसंघ के हर सदस्य का योगक्षेम हो। आप शक्ति श्रोतों को उद्घाटित करते हुए मानव जाति का पथ प्रशस्त करते रहें।

आचार्य महाश्रमणजी अहिंसा-यात्रा माध्यम से जन-जन को लाभान्वित कर रहे है। गाँवों की जनता को नशा मुक्ति के लिये प्रेरणा देते हुए अलख जगा रहे हैं। सद्भावना व नैतिकता के बारे में समझा कर संकल्प करवाते हैं। ऐसे महापुरुष, अध्यात्म जगत के सूर्य को देखकर जनता अभिभूत हो जाती है।

बजरंग बली को प्रसन्न करना है तो रोज पूजा में चढ़ाएं ये फूल

भगवान श्रीराम के अनन्य भक्त कहे जाने वाले हनुमान जी

भक्तों का हर संकट दूर कर देते हैं। बल और भयमुक्त जीवन का वरदान देने वाले हनुमान जी की पूजा से सभी तरह के संकट दूर हो जाते हैं और साधक की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। हनुमान जी की कृपा से जीवन की परेशानियां दूर होती हैं और इसीलिए बजरंग बली के भक्त हर दिन उनकी पूरे मन से आराधना करते हैं। बजरंग बली बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं। उनकी पूजा के समय उनको कुछ खास फूल अर्पित किए जाएं तो उनकी कृपा बरसती है। चलिए जानते हैं कि हनुमान जी को कौन से फूल पसंद हैं जिनको अर्पित करके आप उनका आशीर्वाद पा सकते हैं।

हनुमान जी को पसंद हैं ये फूल

हनुमान जी का प्रिय रंग लाल है। लाल चोला, लाल सिंदूर लगाए और लाल लंगोट पहने हनुमान जी की हर मंदिर में पूजा होती है। इसी तरह लाल रंग के फूल भी हनुमान जी को बेहद प्रिय हैं। इसलिए भक्तों को हनुमान जी की आराधना करते वक्त लाल रंग के फूल अर्पित करने चाहिए। हनुमान जी को गेंदे का फूल भी बेहद पसंद हैं। उनका पसंदीदा रंग केसरिया भी है और गेंदा चूंकि केसरिया रंग का होता है, इसलिए उनकी पूजा में आपको गेंदे का फूल भी अर्पित करना चाहिए। ऐसा करने पर साधक की मनोकामनाएं पूरी होती हैं। हनुमान जी की पूजा करते वक्त उनको फूल अर्पित करने के साथ साथ अगर आप गेंदे की माला उनको पहनाएंगे तो बजरंगबली जल्दी प्रसन्न होंगे।

हनुमान जी को अर्पित करें गुलाब का फूल

गेंदे के साथ साथ हनुमान जी को गुलाब का फूल भी प्रिय है। मंगलवार को हनुमान जी की पूजा करते समय उनको गुलाब का फूल अर्पित करना चाहिए। ऐसा करने पर साधक के परिवार को शुभ फल प्राप्त होते हैं। गुलाब के साथ साथ लाल गुड़हल का फूल भी हनुमान जी को अर्पित करना काफी शुभ माना जाता है। ऐसा करने पर साधक के जीवन में खुशहाली आती है और उसके मनोरथ पूरे होते हैं। इसके साथ साथ लाल कनेर का फूल भी हनुमान जी को बेहद पसंद आता है। आप उनकी पूजा के समय इस फूल को चढ़ाकर मनोकामना मांगेंगे तो जरूर पूरी होगी।

नौतपा में दिया गया दान चमका देता है दानदाता की किस्मत

नौतपे में करें जल का दान

नौतपा में जल दान का विशेष महत्व बताया गया है। मान्यता है ऐसा करने से पाप कटते हैं और मोक्ष के रास्ते खुलते हैं। साथ ही ग्रह भी शांत बने रहते हैं। अगर किसी की कुंडली में ग्रह का प्रभाव अशुभ है तो उन्हें नौतपा के समय जल दान करना चाहिए। मान्यता है जल दान से मानसिक शांति मिलती है।

दही दान करें

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार दही दान नौतपा में करना शुभ होता है। इससे पापों का नाश होता है। दही बेहद पवित्र माना जाता है। ऐसे में दही दान करने से लंबे समय से हो रहे रोगों से मुक्ति मिलती है और सेहत में सुधार होता है। दही का दान करने से देवी लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और धन-समृद्धि में वृद्धि होती है।

भोजन का दान

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार नौतपा में भोजन दान करना बहुत शुभ माना जाता है। इससे ग्रह मजबूत होते हैं। इसके अलावा ऐसा करने से मां अन्नपूर्णा बेहद खुश होती हैं और जातक को शुभ फलों की प्राप्ति होती है।

यामी गौतम-आदित्य धर के घर बेटे का जन्म

कपल ने सोशल मीडिया पर की अनाउंसमेंट, 'वेदाविद' नाम रखा

यामी गौतम और आदित्य धर पेरेंट्स बन गए हैं। कपल ने सोशल मीडिया पर एक साथ पेरेंट्स बनने की खबर शेयर की है। बेटे होने की अनाउंसमेंट के साथ ही उन्होंने बेटे का नाम भी बताया है। यामी और आदित्य ने बेटे का नाम 'वेदाविद' रखा, जिसका मतलब होता है वेदों को जानने वाला। यह भगवान विष्णु के सभी नामों में से एक है। यह एक संस्कृत नाम है, जो वेदा और विद से मिलकर बना है।

उन्होंने पोस्ट के साथ कैप्शन में लिखा- हम सूर्या अस्पताल के बेस्ट डॉक्टर्स, खासकर डॉ. भूपेन्द्र अवस्थी और डॉ. रंजना धनु के प्रति अपना हार्दिक आभार व्यक्त करना चाहते हैं, जिनकी स्पेशलाइजेशन और कोशिशों ने इस खुशी के अवसर को संभव बनाया। हम माता-पिता बनने की इस खूबसूरत जर्नी पर निकल रहे हैं, हम उत्सुकता से अपने बेटे 'वेदाविद' के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं। हम इस समय आशा और विश्वास से भरे हुए हैं कि वह हमारे पूरे परिवार और राष्ट्र का भी गौरव बनेगा। पोस्ट में आदित्य ने बताया कि उनके बेटे का जन्म अक्षय तृतीया के दिन हुआ है। इसके हिसाब से उनके बेटे का जन्म 10 मई को हुआ। कपल के पोस्ट पर उनके फैंस और सेलेब्स उन्हें बधाइयां दे रहे हैं। आयुष्मान खुराना, मृणाल ठाकुर, रणवीर सिंह और नेहा धूपिया समेत कई बॉलीवुड सेलेब्स ने उन्हें बधाई दी है।

शादी के 3 साल बाद बने माता-पिताआपको बता दें कि यामी गौतम और आदित्य धर ने 4 जून साल 2021 में कोरोना काल में गुपचुप शादी की थी। वहीं शादी के लगभग 3 साल बाद कपल पेरेंट्स बने हैं। इसके अलावा फिल्म 'आर्टिकल 370' के प्रीमियर के दौरान यामी ने बेबी बंप फ्लॉन्ट किया था। प्रेग्नेंट होने के बावजूद उन्होंने अपनी फिल्म का जमकर प्रमोशन किया।

काम की बात करें तो हाल ही में यामी को फिल्म 'आर्टिकल 370' में देखा था। इस फिल्म में एक्ट्रेस की बेहतरीन एक्टिंग ने लोगों का दिल जीत लिया था। वहीं अब बच्चे के जन्म के बाद माना जा रहा है कि एक्ट्रेस यामी गौतम काम से थोड़ा ब्रेक लेकर अपने बेटे पर ध्यान देंगी।

'विश्वंभरा' के बाद अपनी अगली फिल्म का एलान करने को तैयार चिरंजीवी ! इस निर्देशक के साथ मिलाया हाथ

मेगास्टार चिरंजीवी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'विश्वंभरा' को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म में तृषा कृष्णन भी अभिनेता के साथ मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म को लेकर लगातार नई जानकारियां सामने आ रही हैं। वहीं इस बीच अभिनेता की अगली फिल्म को लेकर कुछ चर्चाएं सोशल मीडिया पर तेजी से हो रही हैं। खबर है कि उन्होंने अपनी अगली फिल्म को लेकर कुछ योजनाएं बना ली हैं।

चिरंजीवी अब वशिष्ठ द्वारा निर्देशित अपनी नई फिल्म विश्वंभरा की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस फिल्म के अलावा आधिकारिक तौर पर चिरंजीवी ने अभी तक किसी अन्य प्रोजेक्ट की घोषणा नहीं की है, लेकिन अब चर्चा है कि उन्होंने तमिल निर्देशक मोहन राजा के साथ अपनी अगली

फिल्म तय कर ली है। वहीं कहा जा रहा है कि उनकी बेटी सुष्मिता इस फिल्म का निर्माण करेंगी।

रिपोर्ट्स के अनुसार, लेखक बीवीएस रवि ने निर्देशक मोहन राजा के साथ एक पटकथा लिखी और इसे चिरंजीवी को सुनाई। चिरंजीवी को स्क्रिप्ट पसंद आई। हालांकि, उन्होंने बदलाव के लिए कहा। स्क्रिप्ट पर दोबारा काम करने के बाद बीवीएस रवि स्क्रिप्ट को फाइनल करने के बाद चिरंजीवी के पास ले गए। चिरंजीवी ने भी इस स्क्रिप्ट पर हां कर दी। वहीं मोहन राजा ने फिल्म पर आगे का काम शुरू करने की योजना बना ली। दोनों की आगामी फिल्म तय हो चुकी है। कहा जा रहा है कि आने वाले दिनों में इसकी घोषणा की जाएगी। यह पहली बार नहीं होगा, जब चिरंजीवी और मोहन राजा साथ काम करेंगे। इससे पहले भी वे 'गॉडफादर' में साथ काम कर चुके हैं। यह फिल्म मलयालम की 'लूसिफर' की आधिकारिक रीमेक थी। चिरंजीवी ने मोहन राजा के साथ काम कर खुशी जताई थी, वहीं अब वे एक बार फिर उनके साथ काम करने के लिए उत्साहित होंगे।

रिपोर्ट्स के अनुसार, चिरंजीवी की बेटी सुष्मिता कोनिडेला इस फिल्म का निर्माण करेंगी। लंबे समय से अपने पिता के साथ सुष्मिता फिल्म पर काम करना चाहती थीं, अब लग रहा है कि उनका पुराना सपना अब पूरा होने जा रहा है। इस फिल्म के निर्माण में उन्हें अपने पति की भी सहायता मिलेगी। वहीं बात करें चिरंजीवी की आगामी फिल्म की तो 'विश्वंभरा' संक्रांति से पहले 10 जनवरी, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

महाराष्ट्र में वोट देकर निकले धर्मेन्द्र गुस्से से झल्ला उठे, परेश रावल की बातें सुनकर भड़क उठे हैं यूजर्स

महाराष्ट्र में हो रही वोटिंग के लिए सुबह से फिल्मी सितारों की भीड़ मतदान केन्द्र पर नजर आ रही है। इन सबके बीच धर्मेन्द्र का गुस्से वाला वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह कैमरा पर्सन को डांट लगाते दिख रहे हैं। इसके अलावा परेश रावल का भी वीडियो सुर्खियां बटोर रहा है।

महाराष्ट्र में हो रही वोटिंग में फिल्मी सितारे बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं और सोमवार सुबह से ही मतदान केन्द्रों पर फिल्मी सितारों की चहल-पहल लगी हुई है। इसी बीच बॉलीवुड के लीजेंड एक्टर धर्मेन्द्र का एक वीडियो सामने आया है जिसमें वह गुस्से में भड़कते हुए दिख रहे हैं। धर्मेन्द्र की नाराजगी देखकर लोग हैरान हैं। वहीं एक्टर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर वोट डालने के बाद कुछ तस्वीरें भी शेयर की हैं। वहीं धर्मेन्द्र के अलावा परेश रावल का एक वीडियो भी इस वक्त खूब सुर्खियों में है जिसमें वह वोट न देने वालों के लिए सजा की सलाह देते दिख रहे हैं।

धर्मेन्द्र का एक वीडियो सामने आया है जिसमें वह कैमरे के सामने काफी झल्लाते हुए से दिख रहे हैं। धर्मेन्द्र को वोट दिलाने के लिए दो लोग उन्हें सहारा देकर ले जाते दिख रहे हैं। इसी बीच कैमरा पर्सन ने उनसे कुछ पूछा जिसपर वह झल्ला उठे।

भड़के धर्मेन्द्र बोले- मालूम है जो मुझसे कहलवाना चाहते हो

धर्मेन्द्र इस वीडियो में कहते दिख रहे हैं, 'यार शायर बनो, देश भक्त बनो, अच्छे इंसान बनो, मां बाप से प्यार करो।' इसके आगे 88 साल के धर्मेन्द्र कुछ और बोलते दिख रहे हैं। वह कहते हैं,'आपको मालूम है जो मुझसे कहलवाना चाहते हो।'

संजय लीला भंसाली की लव एंड वॉर की तैयारी शुरू आलिया-रणबीर स्टारर फिल्म के लिए तैयार किया गाना

हीरामंडी सीरीज के चलते सुर्खियों में बने हुए संजय लीला भंसाली ने अपनी अपकमिंग फिल्म लव एंड वॉर की तैयारी शुरू कर दी है। इस फिल्म में आलिया भट्ट, रणबीर कपूर और विक्की कौशल लीड रोल में हैं। संजय लीला भंसाली ने फिल्म के लिए एक गाना तैयार किया है, हालांकि गाना फिल्म में कहां रखा जाएगा, ये तय करना अभी बाकी है।

हाल ही में संजय लीला भंसाली ने वेबसाइड गलाटा प्लस से हुई बातचीत के दौरान अपकमिंग फिल्म लव एंड वॉर के गाने पर बात की है। उन्होंने कहा है, मैंने लव एंड वॉर फिल्म के लिए एक गाना बनाया है, लेकिन मुझे अभी ये नहीं पता कि मैं उसे कहां फिट करूंगा। मैं कोई रास्ता ढूंढ लूंगा। मैं जानता हूं कि वो गाना फिल्म में होगा ही होगा और उस गाने के बिना फिल्म अधूरी होगी।

क्रिसमस 2025 में रिलीज होगी फिल्म

चंद महीने पहले ही संजय लीला भंसाली ने फिल्म लव एंड वॉर की ऑफिशियल अनाउंसमेंट की है। इसी के साथ फिल्म की स्टारकास्टिंग आलिया भट्ट, विक्की कौशल और रणबीर कपूर भी लॉक हो चुकी है। अनाउंसमेंट के साथ ही संजय लीला भंसाली ने बताया है कि फिल्म को अगले साल क्रिसमस के मौके पर रिलीज किया जाएगा।

बताते चलें कि संजय लीला भंसाली की सीरीज हीरामंडी मई में नेटफ्लिक्स में रिलीज हुई है। सीरीज लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। सीरीज के जरिए संजय लीला भंसाली ने ओटीटी डेब्यू किया है। अब वो जल्द ही लव एंड वॉर लेकर आएंगे। थिएटर में रिलीज हुई उनकी आखिरी फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी थी, जिसमें आलिया भट्ट ही लीड रोल में थीं। वहीं रणबीर कपूर ने संजय लीला भंसाली के डायरेक्शन में बनी सांवरिया से बॉलीवुड डेब्यू किया था।

'तेलुगु सिनेमा से बैन करने की दी धमकी', पायल राजपूत ने 'रक्षणा' प्रोड्यूसर्स पर लगाए गंभीर आरोप

साउथ अभिनेत्री पायल राजपूत अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर हमेशा चर्चा में रहती हैं। अभिनेत्री एक बार फिर चर्चा में आ गई है। हालांकि, इस बार वजह उनकी फिल्म नहीं बल्कि आरोप है। दरअसल, पायल राजपूत ने 'रक्षणा' प्रोड्यूसर्स पर गंभीर आरोप लगाते हुए इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर कर हैरान कर देना वाला खुलासा किया है। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने क्या कहा है।

पायल राजपूत ने 'रक्षणा' प्रोड्यूसर्स पर साधा निशाना

अभिनेत्री ने ने 'रक्षणा' के निर्माताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पायल ने आरोप लगाया है कि निर्माताओं ने अभी तक उनके काम के बकाया पैसे नहीं दिए हैं। पायल ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर एक नोट साझा किया है, जिसमें उन्होंने बताया था कि निर्माताओं ने

फिल्म का प्रमोशन नहीं करने पर उन्हें तेलुगु फिल्मों से बैन करने की धमकी दी है। यही नहीं, पायल ने इसके अलावा कई और खुलासे भी किए है।

पोस्ट साझा कर लगाए गंभीर आरोप

पायल ने पोस्ट साझा कर लिखा, 'मेरे पास एक फिल्म है रक्षणा जिसे 2019 और 2020 में शूट किया गया था, इसका ओरिजिनल नाम 5Ws था। रिलीज में देरी होने के कारण अब वे मेरे काम का बिना पैसे दिए फिल्म के प्रमोशन में आने की मांग कर रहे हैं। मैंने उन्हें प्रमोशन करने के लिए मना कर दिया जिसे बाद रक्षणा के मेकर्स ने मुझे तेलुगु सिनेमा से बैन करने की धमकी दी।' पायल ने आगे कहा, 'हमारी टीम ने रक्षणा के डिजिटल प्रमोशन के लिए बातचीत करने की भी कोशिश की और मैंने उनसे मेरे ड्यू अमाउंट का भुगतान करने की बात भी कही। हालांकि, उन्होंने समझौता करने से इनकार कर दिया, इतना ही नहीं मेरे नाम का इस्तेमाल इस तरह से किया जिससे मेरी छवि खराब हो मैं अब ये सब और बर्दाश्त नहीं कर सकती हूं।

पहले भी लगा चुकी हैं आरोप

बता दें कि इसके पहले हिंदी टेलीविजन अभिनेत्री कृष्णा मुखर्जी ने 'शुभ शगुन' के प्रोड्यूसर पर हैरेसमेंट और ड्यू अमाउंट जैसे गंभीर आरोप लगाए थे। अभी तक मेकर्स की तरफ से कोई बयान जारी नहीं किया गया है।

कियारा आडवाणी हुईं ट्रोलिंग का शिकार : लोगों ने कहा बनावटी एक्सेंट में कर रही हैं बात

कियारा आडवाणी ने इस साल अपना कांस डेब्यू किया है। पहली बार कियारा कांस इवेंट में शामिल हुईं। सोशल मीडिया पर कियारा का एक वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें कियारा ने वॉक करने के बाद मीडिया से बातचीत की। सोशल मीडिया पर लोगों का कहना है कि बातचीत के दौरान उन्होंने फेक एक्सेंट का सहारा लिया।

पिंक आउटफिट में वो बेहद खूबसूरत लग रही थीं, लेकिन उनका एक्सेंट कुछ लोगों को पसंद नहीं आया। अब अपने एक्सेंट को लेकर वो सेशल मीडिया पर ट्रोल हो रही हैं। कुछ लोगों का कहना है कि उन्हें नार्मल इंग्लिश या हिंदी भाषा में बात करनी चाहिए थी। एक और यूजर ने लिखा कि इन्होंने अपनी आइब्रो में क्या करवाया है, उनके चेहरे पर सूट नहीं हो रहा है। यूजर्स तरह-तरह के रिएक्शन दे रहे हैं। कई लोगों ने कि या रा की तुलना आ लि या भट्ट और दीपिका पादुकोण से कर डाली।

जहां एक तरफ लोगों ने उन्हें ट्रोल किया। वहीं दूसरी तरफ कई लोग कियारा के सपोर्ट में उतरे हैं। उन्होंने कहा कि उनकी इंग्लिश में कोई कमी दिखाई नहीं दे रही है।

बता दें, फ्रांस में चल रहे कांस फिल्म फेस्टिवल के मौके पर शनिवार को रेड सी इंटरनेशनल फि ल्म फे स्टि व ल और वैनिटी फे य र यूरोप के डि न र में सम्मानित होने वाली 6 औरतों में से ए क कियारा भी थीं।

कियारा ने मीडिया से बातचीत में कहा..

मीडिया से बात करते हुए कियारा ने अपनी एक्साइटमेंट शेयर की। उन्होंने शुरुआत की और कहा- यह बहुत अच्छा है। अब मेरे करियर को एक दशक होने जा रहा है, इसलिए यह एक बहुत ही खास पल है। मैं पहली बार यहां कांस में आकर और सिनेमा में महिलाओं के लिए रेड सी फाउंडेशन से सम्मानित किए जाने पर बहुत आभारी हूं।

'डॉन 3' में नजर आएंगी कियारा आडवाणी

'डॉन' फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म 'डॉन 3' में शाहरुख खान की जगह रणवीर सिंह डॉन का किरदार निभाते नजर आएंगे। वहीं अब मेकर्स ने प्रियंका चोपड़ा की जगह कियारा आडवाणी को फिल्म में रणवीर के अपोजिट कास्ट करने का डिसिजन अनाउंस कर दिया है। इस फिल्म के डायरेक्टर फरहान अख्तर होंगे।

300 करोड़ी देवारा: पार्ट 1 का पहला गाना रिलीज जूनियर एनटीआर के फैंस ने बताया बकवास

300 करोड़ी देवारा का पहला गाना रिलीज, जूनियर एनटीआर के फैंस ने बताया बकवास, पुष्पा के साउंडट्रैक से की तुलना300 करोड़ी जूनियर एनटीआर की अपकमिंग फिल्म देवाराः पार्ट 1 के फर्स्ट सिंगल फियर सॉन्ग की रिलीज ने हलचल पैदा कर दी है, लेकिन जैसी निर्माताओं को उम्मीद थी वैसे वो गाना कमाल नहीं दिखा सका. कुछ फैंस हाई-ऑक्टेन एक्शन थीम और जूनियर एनटीआर की पावरफुल स्क्रीन उपस्थिति को लेकर एक्साइडेट हैं लेकिन तमाम लोग उनके हालिया रिलीज फियर को लेकर निराश भी हैं. जी हां, कुछ लोगों ने फिल्म के नए गाने में खामियां गिनाई हैं और अनिरुद्ध रविचंदर की आलोचना की है.

जूनियर एनटीआर के जन्मदिन के दौरान निर्माताओं ने फिल्म का पहला सिंगल फियर सॉन्ग जारी किया है. जहां कुछ प्रशंसक अनिरुद्ध रविचंदर के हाई-एनर्जी संगीत की सराहना करते हैं, वहीं अन्य ने उस जबरदस्त संगीत की आलोचना की है जो रामजोगय्या शास्त्री द्वारा लिखे गए बाकी गानों में सबसे फीका है. लोगों को देवरा के नए गाने के बोल पसंद नहीं आ रहे हैं और इसलिए वे निराशा व्यक्त कर रहे हैं. कई लोगों का मानना है कि शानदार संगीतकार रामजोगय्या शास्त्री द्वारा लिखे गए गानों को देवरा का सॉन्ग दबा रहा है. दरअस, देवरा के सिंगल ट्रैक में वीडियो की कमी से शब्दों को समझना और भी कठिन हो जाता है, जिससे लोग निराश हैं. एक यूजर ने लिखा, उसे समझने के लिए यह एक म्यूजिकल वीडियो भी नहीं है. अब तक, यह अननो और सबसे खराब म्यूजिक वाला सॉन्ग,. एक एक्स अन्य ने लिखा, 'इसे एक म्यूजिकल वीडियो बनाने के बजाय, पूरा गाना म्यूजिकल निर्देशक अनिरुद्ध की अननेसेसरी हीरोइज्म से भरा है. एक ने लिखा है, गाना बकवास है.

कुछ म्यूजिक लवर्स निर्माताओं से गाने के म्यूजिक और स्वर के बीच बेहतर संतुलन के साथ गाने को फिर से रिलीज करने की अपील कर रहे हैं. उनका मानना है कि इससे उन्हें अनिरुद्ध की रचना और शास्त्री के गीतों की सराहना करने का मौका मिलेगा. कुछ प्रशंसक 'फियर सॉन्ग' की तुलना अन्य हालिया साउंडट्रैक से कर रहे हैं, खासकर पुष्पा के लिए डीएसपी के काम से. उन्हें लगता है कि अनिरुद्ध इस बार तेलुगु दर्शकों की पसंद को पूरी तरह से पकड़ नहीं पाए हैं.

300 करोड़ के बजट में बनने वाली देवाराः पार्ट 1 कोरातला शिवा द्वारा निर्देशित एक मोस्ट अवेटेड तेलुगु भाषा की एक्शन फिल्म है जो 10 अक्टूबर, 2024 को रिलीज की जाएगी. बता दें कि एनटीआर, तेलुगु सिनेमा का एक लोकप्रिय नाम है और वे अपने अपने हाई-ऑक्टेन एक्शन सीन्स की उपस्थिति के लिए जाने जाते हैं. फिल्म में कई स्टार कलाकार हैं, जिसमें जूनियर एनटीआर और इसमें जाह्नवी कपूर भी उनके साथ लीड रोल में हैं जो कि उनकी पहली साउथ डेब्यू है. देवरा में अन्य महत्वपूर्ण भूमिकाओं में सैफ अली खान, प्रकाश राज और शाइन टॉम चाको जैसे स्टार्स भी हैं.

इस दिन से शुरू होगी 'एनटीआर 31' की शूटिंग

जूनियर एनटीआर अपनी आगामी फिल्मों को लेकर काफी चर्चाओं में बने हुए हैं। हाल ही में जूनियर एनटीआर ने 'वॉर 2' की शूटिंग का शेड्यूल पूरा किया है। इसके अलावा जूनियर एनटीआर की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'देवाराः भाग 1' का पहला गाना 'फियर' रिलीज हो चुका है, जो कि फैंस को बेहद पसंद भी आ रहा है। पैन इंडिया स्टार जूनियर एनटीआर आज अपना 41वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस मौके पर अभिनेता को लगातार सोशल मीडिया पर बधाईयों का तांता लगा हुआ है। फैंस और सेलेब्स जमकर सोशल मीडिया पर उन्हें बर्थडे विश कर रहे हैं। उनके जन्मदिन को और भी खास बना दिया है माइथ्री मूवी मेकर्स के इस खास एलान ने। आज एनटीआर के जन्मदिन के मौके पर फिल्म मेकर्स ने उनके फैंस को एक विशेष उपहार दिया गया है।

ऐसी आदतें आपकी किडनी को पहुंचाती हैं नुकसान
किडनी फेलियर का भी बन सकती हैं कारण

शरीर के संपूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए सभी अंगों का ठीक तरीके से काम करते रहना आवश्यक माना जाता है। किडनी शरीर के उन अंगों में से एक है जो विषाक्त पदार्थों को शरीर से बाहर निकालने के साथ खून को साफ रखने में मदद करती है। किडनी, शरीर से पेशाब के माध्यम से अपशिष्ट पदार्थों को बाहर निकालने का काम करती है। इसके अलावा शरीर में तमाम रसायनों जैसे सोडियम, पोटेशियम और कैल्शियम को संतुलित रखने में भी इसकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। किडनी भी कुछ ऐसे हार्मोन का उत्पादन करती हैं जो ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने के साथ लाल रक्त कोशिकाओं को बनाने के लिए अस्थि मज्जा को उत्तेजित करती हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक इस अंग में होने वाली किसी भी तरह की समस्या का असर पूरे स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। पेशाब

में होने वाली दिक्कतों के आधार पर किडनी की समस्याओं का पता लगाया जा सकता है। हमारी कुछ आदतें किडनी के कार्यों को प्रभावित करके कई तरह की समस्याओं का कारण बन सकती हैं। आइए ऐसी ही कुछ आदतों के बारे में जानते हैं।

बहुत ज्यादा प्रोटीन की सेवन

शरीर के लिए प्रोटीन का सेवन बहुत आवश्यक माना जाता है, हालांकि इसकी अधिकता किडनी पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है। प्रोटीन की अधिकता के कारण रक्त में उच्च मात्रा में एसिड उत्पन्न होने लगता है जो एसिडोसिस का कारण बन सकती है। यह एक ऐसी स्थिति है जिसमें किडनी एसिड को खत्म नहीं कर पाती है, जिससे किडनी सहित कई अंगों पर हानिकारक प्रभाव पड़ सकता है।

शराब का ज्यादा सेवन

शराब के अधिक सेवन को लिवर के लिए नुकसानदायक माना जाता रहा है, हालांकि स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक इसका किडनी पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। अध्ययनों से पता चला है कि अधिक मात्रा में शराब का सेवन क्रोनिक किडनी रोग के जोखिम को दोगुना कर सकती है। शराब की अधिकता के कारण किडनी फेलियर की भी समस्या बढ़ जाती है।

कम पानी पीना

शरीर के हाइड्रेटेड रहने से किडनी, आसानी से शरीर से सोडियम और विषाक्त पदार्थों बाहर निकाल सकती है। वहीं कम मात्रा में पानी पीने से कई तरह के विषाक्त पदार्थ बढ़ने लगते हैं साथ ही किडनी स्टोन की भी समस्या का खतरा बढ़ जाता है। किडनी को स्वस्थ रखने के लिए सभी लोगों को रोजाना 3-4 लीटर पानी पीना चाहिए। अधिक पानी पीने से मूत्र उत्पादन भी अधिक होता है और किडनी पर दबाव कम होता है।

शरीर को स्वस्थ रखना हो तो करें इन टिप्स को फॉलो

वर्तमान में कोराना की खबरों ने सभी के लिए एक्सरसाइज करने के लिए याद दिलाया है। अगर हमें कोराना से लडना है तो हमें अभी से उसके लिए श्रम करना होगा। ऐसे में कोरोना से जल्दी रिकवर होने के तरीकों के बारे में हम सभी को जानकारी होनी चाहिए। साथ ही, भविष्य में लॉन्ग कोविड के खतरे को कम करने के लिए भी इन 5 टिप्स को फॉलो करना जरूरी है।

शरीर को रखें हाइड्रेट

कोरोना से जल्दी रिकवर होना है तो पर्याप्त मात्रा में पानी पीना जरूरी है। ऑस्ट्रेलिया के वैज्ञानिक रॉबर्ट ब्रूय कहते हैं कि हाइड्रेट रहने से शरीर को कोरोना से रिकवर होने में मदद मिलती है। इससे बॉडी की फंक्शनिंग सही तरह से होती है।

बेड रेस्ट लेना जरूरी

किसी भी बीमारी से रिकवर होने के लिए अच्छी तरह आराम करना जरूरी होता है। कोरोना के बाद डॉक्टर ये सलाह देते हैं कि शरीर को ज्यादा से ज्यादा आराम दिया जाए। इसलिए इस सलाह को बिलकुल भी नजरंदाज न करें। ये टिप इगनोर करने से भविष्य में लॉन्ग कोविड होने की आशंका हो सकती है।

न्यूट्रीशन से भरपूर डाइट लें

बीमारी के वक्त हमारे शरीर में बहुत से महत्वपूर्ण पोषक तत्वों की कमी हो जाती है। इसलिए ज्यादा से ज्यादा न्यूट्रीएंट वाली चीजों को अपनी डाइट में शामिल करना जरूरी है। ऐसे समय तला, मसाले वाला खाना, जंक फूड, सॉफ्ट ड्रिंक्स और शराब का सेवन बिलकुल भी न करें।

रेगुलर एक्सरसाइज करें

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए रोजाना हल्की-फुलकी एक्सरसाइज कर सकते हैं। चाहें तो योगा भी किया जा सकता है। अनुलोम विलोम, कपाल भाति और साई (Sigh) जैसे प्राणायाम करने से आपके सांस तंत्र को बहुत फायदा पहुंचेगा। इसके अलावा, अगर आप इंटेंस वर्क आउट करने के शौकीन हैं, तो भी आपको रिकवरी के बाद सरल एक्सरसाइज से ही शुरुआत

करनी चाहिए।

मेंटल हेल्थ को न भूलें

कोरोना महामारी ने हमारे मानसिक स्वास्थ्य को बहुत नुकसान पहुंचाया है। जब कोई इस बीमारी से जूझता है, तो न केवल उसका शरीर कमजोर होता है, बल्कि वो व्यक्ति मानसिक तौर पर भी कमजोर हो जाता है।

चिंता और तनाव से हमारी बीमारी और गंभीर हो सकती है। इसलिए मेंटल हेल्थ का ख्याल रखना जरूरी है। रिकवरी के समय मेडिटेशन या नई हॉबीज डेवलप कर सकते हैं।

गर्म पानी पीना सेहत के लिए कितना असरदार?

पानी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से कई सारी बीमारियों से बचाव होता है और शरीर स्वस्थ रहता है। हालांकि कहा जाता है कि ठंडा पानी पीने के बजाए गर्म पानी ज्यादा सेहतमंद होता है। इस कारण लोग अक्सर गर्म पानी पीते हैं। जिन लोगों का वजन अधिक होता है, वह भी गर्म पानी का सेवन करते हैं। उन्हें लगता है कि गर्म पानी ज्यादा पीने से वजन कम होता है। गले में खराश, सर्दी -खांसी और जुकाम में भी लोग गर्म पानी पीते हैं। लेकिन एक्सपर्ट के मुताबिक ठंडा और गर्म पानी पीने के मुकाबले में नॉर्मल पानी पीना ज्यादा असरदार है। कब्ज की शिकायत होने पर भी लोग सुबह गर्म पानी पी लेते हैं। लेकिन अधिक गर्म पानी का सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। इसलिए आपको पता होना चाहिए कि गर्म पानी सेहत के लिए कितना फायदेमंद और कितना नुकसानदायक हो सकता है? चलिए जानते हैं गर्म पानी के सेवन का सेहत पर असर।

गर्म पानी पीने के फायदे

कब्ज से राहत

हल्के गर्म पानी का सेवन पेट साफ करता है और मल त्याग में समस्या नहीं होती। अपच और एसिडिटी की शिकायत होने पर हल्के गर्म पानी का सेवन कर सकते हैं। इससे खाना खाने के बाद कब्ज की शिकायत नहीं होती और पेट में ऐंठन व दर्द कम हो सकता है।

वजन घटाने के लिए

भोजन पचाने के लिए गर्म पानी असरदार है। हल्का गुनगुना पानी सुबह शाम खाने के बाद पीना चाहिए, इससे वजन कम कर सकते हैं। स्वास्थ्य लाभ होने के साथ ही मन शांत रहता है और अधिक भूख भी नहीं लगती।

पाचन तंत्र में सुधार

पाचन शक्ति को बढ़ाने के लिए गर्म पानी का सेवन कर सकते हैं। हल्का गर्म पानी पेट और आंतों को हाइड्रेट करने में मदद करता है। ऐसे में सही मात्रा में गर्म पानी का सेवन कर सकते हैं।

गर्म पानी पीने के नुकसान

अधिक गर्म पानी के सेवन से आपको कई शारीरिक समस्याएं हो सकती हैं, जैसे

किडनी पर असर

शरीर से टॉक्सिन्स को बाहर निकालने का काम किडनी करती है। लेकिन अधिक गर्म पानी के सेवन से डिहाइड्रेशन हो सकता है और किडनी पर असर पड़ता है। गर्म पानी शरीर के विषाक्त पदार्थ को बाहर नहीं निकालता और किडनी खराब होने लगती है।

नींद पर असर

रात में सोने से पहले गर्म पानी पीते हैं तो नींद पर असर पड़ सकता है। रात में गर्म पानी पीकर सोने से अधिक पेशाब महसूस होतीं है, साथ ही रक्त वाहिनी कोशिकाओं पर दबाव बढ़ सकता है। नींद प्रभावित होने से थकान महसूस करते हैं और अन्य शारीरिक व मानसिक समस्या हो सकती है।

डिहाइड्रेशन की शिकायत

एक अध्ययन के मुताबिक, शरीर में 55-56 प्रतिशत मात्रा पानी की होती है। पानी सेहत के लिए असरदार है। यह शरीर को हाइड्रेट करता है और टॉक्सिन को बाहर निकालने का काम करता है। लेकिन गर्म पानी का सेवन शरीर हाइड्रेट नहीं करता, बल्कि डिहाइड्रेशन की शिकायत को बढ़ा सकता है।

इलेक्ट्रोलाइट्स पर असर

हद से ज्यादा पानी रक्त में इलेक्ट्रोलाइट्स कोशिकाओं की तुलना में अधिक पतला कर सकता है। रक्त और कोशिकाओं के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए रक्त पानी कोशिकाओं में खींचा जाएगा। इससे कोशिकाओं में सूजन आती है और मस्तिष्क पर दबाव बढ़ता है। सिरदर्द और अन्य समस्याएं हो सकती हैं।

सुबह उठते ही शरीर में दिखाई दें ये लक्षण, तो हो सकती है ये बीमारी

कुछ लोगों को सुबह उठते ही प्यास लगती है या उन्हें थकान महसूस होती है तो बता दें कि यह लक्षण डायबिटीज के मरीजों में देखे जाते हैं. वह इसके अलावा सुबह उठकर कुछ अन्य लक्षण भी नजर आ सकते हैं जो इस बात को दर्शाते हैं कि आपकी डायबिटीज की समस्या है या डायबिटीज की समस्या होने वाली है. ऐसे में इन लक्षणों के बारे में पता होना जरूरी है. डायबिटीज के मरीजों को सुबह उठते ही कौन से लक्षण नजर आ सकते हैं.

सुबह उठते ही नजर आएं ये लक्षण तो

यदि आपको सुबह उठते ही गला सूखा हुआ महसूस हुआ या मुंह

सुखा हुआ महसूस हो तो इसका मतलब आपको डायबिटीज की समस्या है. यह लक्षण डायबिटीज के मरीजों में देखे जाते हैं.

यदि रात भर सोने के बाद भी आपको सुबह उठने पर थकान महसूस हो या उठने का मन ना करें तो यह भी डायबिटीज के लक्षणों में से एक है. यदि ऐसा रोज-रोज हो रहा है डॉक्टर से संपर्क करने की जरूरत है.

यदि आपको सुबह उठकर धुंधलापन महसूस हो यानी कुछ भी साफ नजर ना आए तो यह भी डायबिटीज के लक्षणों में से एक हो सकता है. ऐसा तब होता है जब शरीर में ब्लड शुगर बढ़ने लगता है और छोटी रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचता है इसके कारण व्यक्ति को धुंधला दिखने दिखाई देना शुरू हो जाता है.

सुबह उठने के बाद आपको पूरे शरीर में खुजली महसूस हो या खासतौर पर त्वचा, चेहरा या जननांग पर खुजली महसूस हो तो इसका मतलब यह है कि आपको डायबिटीज की समस्या है.

सुबह उठते ही आपको शरीर में झुनझुनाहट या सुन पन महल महसूस हो तो यह भी डायबिटीज के लक्षणों में से एक है. ऐसे में व्यक्ति को तुरंत डॉक्टर से संपर्क करने की जरूरत है.

प्याज का रस लगाने से क्या सच में नए बाल आ सकते हैं?

बालों के झड़ने और गंजापन की समस्या युवाओं में तेजी से बढ़ती हुई देखी जा रही है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, गड़बड़ लाइफस्टाइल और आहार में पौष्टिकता की कमी के कारण लोगों में इस तरह की दिक्कतें अधिक देखी जा रही हैं। बालों को झड़ने से रोकने और दोबारा बालों के विकास को बढ़ाने का दावा करने वाले कई कॉस्मेटिक उत्पाद बिक रहे हैं, पर क्या इनसे लाभ मिलता है।

इस बीच बालों को स्वस्थ रखने के लिए प्याज का रस लगाने के उपाय को लेकर काफी चर्चा है। कहा जा रहा है कि प्रभावित हिस्से में रोजाना प्याज के रस से मालिश करने से न सिर्फ बालों का टूटना बंद होता है साथ ही नए बाल भी आते हैं।

क्या वास्तव में बालों के लिए प्याज का रस इतना असरदार है? क्या इससे वैश्विक स्तर पर बढ़ रही बालों की समस्या में लाभ पाया जा सकता है? आइए इस बारे में विस्तार से समझते हैं।

प्याज के रस के लाभ

अमेरिकन एकेडमी ऑफ डर्मेटोलॉजी के अनुसार, पुरुषों और महिलाओं दोनों में बाल झड़ने की स्थिति काफी सामान्य है। बालों के पतले होने या झड़ने का सबसे आम कारण वंशानुगत स्थिति है जिसे एंड्रोजेनेटिक एलोपेसिया कहा जाता है। इसके अलावा कुछ दवाओं के साइड इफेक्ट या हार्मोनल समस्याओं के कारण भी बाल झड़ सकते हैं।

मेडिकल रिपोर्ट्स में दावा किया जाता रहा है कि प्याज का रस बालों की कई समस्याओं जैसे- एलोपीसिया, स्कैल्प में खुजली या सूखापन को दूर करने, बालों का झड़ना रोकने, रूसी, समय से पहले बाल सफेद होना और नए

बालों के ग्रोथ में मदद कर सकती है।

क्या प्याज का रस वास्तव में प्रभावी है?

वैसे तो बालों को फिर से उगाने के लिए प्याज के रस के उपयोग पर व्यापक शोध नहीं किया गया है। हालांकि जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी में प्रकाशित छोटे अध्ययन से संकेत मिलता है कि स्कैल्प पर प्याज का रस लगाने से कुछ लोगों में बालों को फिर से उगाने में मदद मिल सकती है। अध्ययन में ऐसे प्रतिभागी शामिल थे जिन्हें एलोपेसिया एरीटा था, जिसमें पैच में बाल झड़ने लगते हैं।

शोधकर्ताओं ने पाया कि दिन में दो बार प्याज के रस का उपयोग करने के 2 सप्ताह बाद बालों का विकास शुरू हुआ। लगभग 74 प्रतिशत प्रतिभागियों में 4 सप्ताह के बाद कुछ बाल फिर से उग आए थे और 6 सप्ताह में लगभग 87 प्रतिशत ने बालों के फिर से उगने का अनुभव किया।

कैसे काम करता है प्याज का रस?

अध्ययनकर्ताओं का कहना है, बालों में प्याज का रस लगाने से जड़ों को पोषक तत्व प्राप्त होते हैं जिससे बालों की मजबूती में सुधार हो सकता है। ये बालों के टूटने और पतले होने को भी कम कर सकता है।

प्याज का रस बालों को फिर से बढ़ने में कैसे मदद करता है, इसके पीछे इसमें मौजूद डायट्री सल्फर को कारण माना जाता है। एंजाइम और प्रोटीन के पर्याप्त उत्पादन के लिए सल्फर की आवश्यकता होती है। प्याज के रस में मौजूद सल्फर बालों को बढ़ाने के लिए आवश्यक पोषण प्रदान कर सकता है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, कुछ लोगों को बालों के विकास और कंडीशनिंग के लिए प्याज के रस के उपयोग से लाभ मिल सकती है, पर सभी के लिए यह फायदेमंद हो ऐसा आवश्यक नहीं है। इसके अलावा प्याज के रस के इस्तेमाल से बहुत तेजी से बाल नहीं उगते हैं।

इसके सकारात्मक परिणाम के लिए कई हफ्तों का समय भी लग सकता है, परिणाम मिलें ही यह भी जरूरी नहीं है। बालों के झड़ने के कारण और उसके आधार पर उपचार के तरीकों के बारे में जानने के लिए किसी त्वचा रोग

क्या आप भी डिप्रेशन के शिकार हैं

प्रश्न : डॉक्टर कहते हैं मैं डिप्रेशन से पीड़ित हूं । क्या इसका आयुर्वेद में उपचार है ? कृपया बताएं!

- श्रीमती मधु लता, करीमनगर

उत्तर : डिप्रेशन यानी अवसाद के कई कारण हो सकते हैं । किसी को बार-बार लड़की होने पर, या फिर संबंध विच्छेद(तलाक)होने पर, अपने प्रियतम व्यक्ति की अचानक मृत्यु पर, या व्यापार आदि में अचानक घाटा होने पर, मन के हार मान जाने पर व्यक्ति अवसाद ग्रस्त हो जाता है। ऐसा व्यक्ति खालीपन, एकाकीपन से ग्रस्त हो जाता है। उसमें निराशा, कुछ भी ना कर सकने का भाव, स्फूर्ति का अभाव, उमंग , उत्साह की कमी, नींद की कमी, एकदम उचाट हो जाना, और अनिर्णय की स्थिति में पहुंच जाना, भूख- प्यास का अभाव, दुनिया के विषयों में बेरुखी, पाचन का गड़बड़ा जाना, गमगीन रहना, उदासी के भावों से जकड़े रहना, आदि लक्षण अवसाद ग्रस्त में देखे जा सकते हैं।

आयुर्वेद में अवसाद का इलाज है। ज्यादातर यह वात और कफ दोष के विकृत होने से होता है। जीवन शैली में परिवर्तन करके इसे ठीक किया जा सकता है। रात जल्दी सोना, सुबह जल्दी उठना, रोज हल्की कसरत करना, ध्यान करना, प्राणायाम का अभ्यास करना, अच्छे मित्रों व संबंधियों की संगति में रहना, समयोचित, ताजा, संतुलित भोजन करना, हमेशा सकारात्मक रुझान वाले लोगों की संगत में रहना, यह सब उसकी चिकित्सा में सहायता करते हैं।

ब्राह्मी घृत को दूध में सुबह-शाम लेने से काफी आराम मिलता है। ऊंझा ब्राह्मी वटी व औरा टेंसट्रिम टैबलेट को रात्रि सोने से पहले देवें। भोजन के बाद ऊंझा सारस्वतारिष्ट एवं ऊंझा अश्वगंधारिष्ट दोनों की 10-10 मिलीलीटर की मात्रा में आधा कप पानी मिलाकर देने से बहुत लाभ मिलता है। जटामांसी व तगर का प्रयोग भी इसमें लाभप्रद है । बढ़े हुए वात दोष को ठीक करने के लि ए

शिरोधारा व अभ्यंग उपयोगी है। यह सारा चिकित्सा कार्य योग्य आयुर्वेदज्ञ की निगरानी में ही करवाना चाहिए।

प्रश्न : मेरी उम्र 22 वर्ष है। पिछले दो माह से छींकें बहुत आती है। नाक से पानी भी बहता है। इसका आयुर्वेदिक इलाज बताएं।

- गायात्री रेड्डी, हैदराबाद

उत्तर : आपको अनूर्जताजन्य प्रतिश्याय है। एलर्जिक कारणों से इसके बढ़ने की संभावना रहती है। अंग्रेजी एंटीहिस्टामाइन्स के प्रयोग से उनीन्दापन, सिर चकराना, अत्यंत कमजोरी और रक्तचाप का गिरना जैसी समस्याएं आ सकती है। आयुर्वेद की औषधियां इस प्रकार के पार्श्व प्रभावों से मुक्त रहती है।

ऋतु परिवर्तनजन्य एलर्जिक सर्दी जुकाम में एलेक्झी टिकिया काफी असरकारी है। इसे लक्ष्मी विलास रस या ऊंझा महालक्ष्मी विलास रस के साथ सुबह-शाम लेने से अनूर्जताजन्य प्रतिश्याय शांत होता है।

प्रश्न : मेरी उम्र 55 वर्ष है । बाएं हाथ में झुनझुनाहट होने लगती है। यह क्यों हो रहा है और इसकी चिकित्सा क्या है ?कृपया बताएं।

- रघुनंदन आर्य, बीदर

उत्तर : इस उम्र में गर्दन की हड्डियां मोटी हो जाती है। कशेरुकाओं के बीच का फासला कुछ कम हो जाता है। इस कम फासले के कारण तंत्रिकाओं पर दबाव पड़ने लगता है, और उसी से हाथ में झनझनाहट होने लगती है । इसके निदान के लिए गर्दन का एक्सरे करवाएं ।यदि सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस का निदान होता है तब औरा रसरामेश्वर रस टिकिया और औरा रुमाटाइज़ टिकिया एवं ऊंझा त्रयोदशांग गुग्गुलु सुबह शाम सोंठ मिश्रित गुनगुने गाय के दूध से देवें। भोजन के बाद ऊंझा दशमूलारिष्ट 15-15 मिलीलीटर दवा दोगुने गुनगुने पानी में मिलाकर देवे। ऊंझा प्रसारिणी तैल व महामाश तैल को 1:1 रेश्यो में मिलाकर गर्दन पर सहलाएं । चिकित्साकाल में वातवर्धक आहार-विहार का सेवन ना करें । झुकना पूरी तरह से बंद करें । थोड़े दिनों में हाथ की झनझनाहट और गर्दन के दर्द से पूरा छुटकारा मिलेगा।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email :
purushottambidada
@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड,
हैदराबाद-80

चुनाव नतीजों के बाद झूम उठेगा शेयर बाजार : मोदी

10 साल में 25,000 से 75,000 पर पहुंचा सेंसेक्स, पीएसयू में रही बढ़त

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को विश्वास है कि 4 जून को लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद शेयर बाजार में तेजी देखने को मिलेगी। प्रधान मंत्री मोदी ने कहा कि चुनावी सप्ताह के दौरान, या जिस सप्ताह लोकसभा चुनाव के परिणाम घोषित होते हैं, बाजार का प्रदर्शन दिखाएगा कि कौन सत्ता में वापस आ रहा है।

मोदी ने आगे कहा कि 10 साल पहले जब हमारी सरकार आई, तो बाजार 25,000 (सेंसेक्स) पर था और अब 75,000 पर है। पीएसयू बैंकों को देखें, उनके शेयरों की वैल्यू बढ़ रही है। कई सरकारी कंपनियों के शेयर पिछले दो साल में 10 गुना से ज्यादा बढ़ गए हैं। मोदी ने 26 मई 2014 को पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी।

पीएम ने कहा कि सरकार ने पीएसयूज को रिफॉर्म किया है। उनके शब्दों में पीएसयूज का पहले मतलब ही होता था गिरना, अब स्टॉक

मार्केट में इनकी वैल्यू कई गुना बढ़ रही है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड को ही देख लीजिए, जिसे लेकर इन लोगों ने जुलूस निकाला, मजदूरों को भड़काने की कोशिश की। आज एचएएल ने चौथी तिमाही में रिकॉर्ड 4000 करोड़ रुपए प्रॉफिट दर्ज किया है। मैं मानता हूं कि ये एक बहुत बड़ी प्रगति है।

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने 16 मई को वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही के नतीजे जारी किए थे। जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनी का मुनाफा सालाना आधार पर 52% बढ़कर 4,308 करोड़ रहा। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट 2,831 करोड़ रहा था।

अमित शाह को भी बाजार में तेजी की उम्मीद

इससे पहले एक इंटरव्यू में गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि मैं शेयर बाजार की चाल का अनुमान नहीं लगा सकता, लेकिन आम तौर पर जब भी केंद्र में एक स्थिर सरकार बनती है, तो बाजार में तेजी देखी जाती है। मुझे लगता है कि बीजेपी 400 से ज्यादा सीटें जीतेगी, एक स्थिर मोदी सरकार आएगी और इस तरह बाजार में तेजी आएगी।

कहां तक उछलेगा गोल्ड

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)। दुनियाभर में सोने की कीमत में हाल में काफी तेजी आई है। पिछले महीने यह रेकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था लेकिन उसके बाद इसमें कुछ नरमी आई है। सवाल उठता है कि अगर अमेरिका के फेड रिजर्व ने ब्याज दरों में कटौती करना शुरू किया तो इसका सोने की कीमत पर क्या असर होगा? ऐतिहासिक रूप से देखें तो फेड के ब्याज दरों में बढ़ोतरी के बाद 24 महीने तक सोने की कीमत में काफी तेजी देखी गई है। मसलन 2018-20 में सोने की कीमत में करीब 50 फीसदी तेजी आई थी। इसी तरह 2006-08 में गोल्ड 55 फीसदी उछल गया था। इस बार फेड रिजर्व ने अंतिम बार जुलाई 2023 में ब्याज दरों में बढ़ोतरी की थी। उसके बाद से सोने की कीमत में 21 फीसदी तेजी आई है। अगर इतिहास को देखें तो सोने की कीमत में और तेजी आ सकती है।

एमसीएक्स एक्सचेंज पर कल यानी शुक्रवार को 5 जून 2024 की डिलीवरी वाला सोना तेजी के साथ 73,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ है। सोने में कल सुबह से तेजी देखने को मिली थी। सोना आज सुबह बढ़त के साथ खुला था। वहीं कल 5 अगस्त 2024 की डिलीवरी वाला सोना उछलकर 74,080 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बंद हुआ है। सोने की वैश्विक कीमतों में भी तेजी देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोने का वैश्विक वायदा भाव 3.34 फीसदी या 31.90 डॉलर की तेजी के साथ 2,317.40 डॉलर प्रति औंस पर है। वहीं, सोने का वैश्विक हाजिर भाव बढ़कर 2,224.44 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच चुकी है।

इस साल अब तक, वैश्विक स्तर पर सोने की कीमतें लगभग 20% करीब 2,390 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई हैं। पिछले महीने कुछ समय के लिए इसकी कीमत 2,400 डॉलर के स्तर को भी पार कर गई थी, जो इसका अब तक का सबसे ऊंचा आंकड़ा है। दुनिया के कई प्रमुख केंद्रीय बैंकों में सोना खरीदने की होड़ मची है। इसमें चीन, भारत और रूस शामिल हैं।

दिल्ली-मुंबई और बंगलूरू में क्या है सुंदर पिचई का पसंदीदा खाना

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)। गूगल के सीईओ सुंदर पिचई ने एओस कंपनी के संस्थापक वरुण मैया के साथ एक साक्षात्कार में अपने निजी जीवन की एक झलक पेश की। इस साक्षात्कार में उन्होंने अपने पसंदीदा भारतीय व्यंजन का भी खुलासा किया। उनसे (पिचई) जब उनके पसंदीदा भारतीय भोजन के बारे में पूछा गया, तब उन्होंने बड़े ही खास अंदाज में भारत के तीन मेट्रो सिटी दिल्ली, मुंबई और बंगलूरू से एक-एक व्यंजन का नाम बताया।

सुंदर पिचई ने बताया अपना पसंदीदा खाना

सुंदर पिचई ने बताया कि जब वह बंगलूरू में होते हैं तो उन्हें डोसा खाना बहुत पसंद है। दिल्ली में उन्हें छोले भटूरे खाना पसंद है और मुंबई में उनका पसंदीदा व्यंजन पाव-भाजी है। उन्होंने कहा, ₹जब यह बंगलूरू होगा, तो मुझे यहां डोसा मिलेगा। यह मेरा पसंदीदा व्यंजन है। अगर यह दिल्ली है तो मुझे यहां के छोले बटूरे पसंद है। मुंबई में मैं पाव-भाजी के साथ जाना चाहूंगा।

3-इडियट्स का भी किया जिक्र

इस साक्षात्कार में बॉलीवुड की फिल्म 3-इडियट्स पर भी बात की गई। सुंदर पिचई ने बताया कि असली सफलता चीजों की गहरी समझ रखने में होती है। इसे समझाने के लिए उन्होंने फिल्म के मोटरसाइकिल दृश्य का संदर्भ दिया। प्रतिस्पर्धी परीक्षा मानसिकता को लेकर पूछे गए सवाल पर पिचई ने कहा, मुझे लगता है कि असली सफलता चीजों को गहराई तक समझने से मिलती है। उन्होंने यह विशेष रूप से एफएएएनजी के आवेदकों के लिए कहा। बता दें कि एफएएएनजी अमेरिकी तकनीक दिग्गजों का एक संक्षिप्त शब्द है, इसका मतलब फेसबुक, अमेजन, एपल नेटफ्लिक्स और गूगल है।

रियल एस्टेट सेक्टर में जबरदस्त तेजी

मुंबई, 20 मई (एजेंसियां)। रियल एस्टेट सेक्टर में जबरदस्त तेजी देखने को मिल रही है और इसके कारण करंट सेंटीमेंट इंडेक्स स्कोर एक दशक के उच्चतम स्तर 72 पर पहुंच गया है, जो कि पिछली तिमाही में 69 पर था। नाइट फ्रैंक - एनएआरईडीसीओ की रियल एस्टेट सेंटीमेंट इंडेक्स पहली तिमाही 2024 (जनवरी- मार्च) की रिपोर्ट से ये जानकारी मिली। सेंटीमेंट इंडेक्स स्कोर जब भी 50 से ऊपर होता है, दर्शाता है कि रियल एस्टेट सेक्टर में बढ़त हो रही है। जब भी यह 50 से नीचे होता है तो रियल एस्टेट सेक्टर में गिरावट को दर्शाता है। रिपोर्ट में बताया गया कि जनवरी-मार्च में हुए सर्वे में 73 प्रतिशत लोगों ने माना है कि आने वाले छह महीने में घरों की बिक्री में बढ़त देखने को मिलेगी। यह आंकड़ा पिछली तिमाही में 65 प्रतिशत था। पहली तिमाही में 80 प्रतिशत लोगों का मानना था कि हाउसिंग प्रोजेक्ट के लॉन्च में आने वाले छह महीने में बढ़त देखने को मिल सकती है। जनवरी से मार्च में हुए सर्वे में 82 प्रतिशत लोगों का मानना है कि अगले छह महीने में घरों की कीमतों में इजाफा हो सकता है। इससे पहले की तिमाही में ये आंकड़ा 65 प्रतिशत पर था। नाइट फ्रैंक ने नेशनल रियल एस्टेट डेवलपमेंट काउंसिल (एनएआरईडीसीओ) के साथ मिलकर जनवरी-मार्च के बीच किए अपने सर्वे में बताया कि 74 प्रतिशत लोगों का मानना है कि अगले छह महीने में ऑफिस लीज की मांग में इजाफा हो सकता है। इससे पहले की तिमाही में ये 69 प्रतिशत था। जनवरी से मार्च के बीच 58 प्रतिशत लोगों ने माना कि ऑफिस स्पेस की आपूर्ति अगले छह महीने में बढ़ेगी। अक्टूबर-दिसंबर की तिमाही में ये आंकड़ा 62 प्रतिशत था। जनवरी से मार्च की अवधि में 65 प्रतिशत लोगों ने माना कि ऑफिस के किराए में अगले छह महीने में इजाफा हो सकता है, ये आंकड़ा इससे पहले की तिमाही में 53 प्रतिशत था। नाइट फ्रैंक इंडिया के चेयरमैन और प्रबंधक निदेशक शिशिर बैजल ने कहा, करंट सेंटीमेंट इंडेक्स स्कोर का बढ़ना इस बात को दर्शाता है कि भारत आर्थिक रूप से मजबूत स्थिति में है।

चीन ने बोइंग डिफेंस समेत तीन अमेरिकी कंपनियों पर लगाया प्रतिबंध

बाइडन सरकार के इस कदम पर किया पलटवार

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)। चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने बोइंग डिफेंस समेत तीन अमेरिकी कंपनियों से आयात और निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। मंत्रालय ने जनरल एटॉमिक्स एयरोनॉटिकल सिस्टम्स को अपनी अविश्वसनीय संस्थाओं की सूची में डाल दिया और कहा कि उसने ताइवान को हथियार बेचे।

चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने जनरल डायनेमिक्स लैंड सिस्टम्स के साथ-साथ बोइंग डिफेंस, स्पेस एंड सिक्योरिटी पर भी प्रतिबंध लगाए गए। ये कंपनियां चीन में नया निवेश नहीं कर पाएंगी।

कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों को अब चीन में प्रवेश करने से प्रतिबंधित कर दिया गया है। उनके वर्क परमिट को उनके आगंतुक और आवासीय स्थिति के साथ रद्द कर दिया जाएगा। मंत्रालय ने घोषणा की कि उनके द्वारा प्रस्तुत किए गए संबंधित आवेदनों को भी मंजूरी नहीं दी जाएगी।

बायजूस की एडवायजरी काउंसिल छोड़ेंगे रजनीश कुमार और मोहनदास पई

आपसी सहमति से कंपनी ने लिया फैसला, 30 जून को खत्म हो रहा कांट्रैक्चुअल एग्रीमेंट

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)। बायजूस की पेरेंट कंपनी थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड के एडवाइजरी बोर्ड मेंबर रजनीश कुमार और मोहनदास पई अपने कांट्रैक्चुअल एग्रीमेंट को रिन्यू नहीं करेंगे। दोनों का कॉन्ट्रैक्ट 30 जून 2024 को खत्म हो रहा है। बायजूस ने बयान जारी कर कहा कि रजनीश कुमार और मोहनदास पई ने एडवायजरी काउंसिल छोड़ने का फैसला फाउंडर्स के साथ चर्चा करने के बाद किया है। यह फैसला ऐसे समय आया है जब नकदी के संकट से जूझ रही एडटेक कंपनी बायजूस नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल में अपने स्टेकहोल्डर्स के साथ कानूनी लड़ाई लड़ रही है। रजनीश कुमार एसबीआई के पूर्व चेयरमैन और मोहनदास पई इंफोसिस के पूर्व फाइनेंशियल ऑफिसर (वित्तीय अधिकारी) हैं।

आपसी सहमति से कंपनी ने लिया फैसला

कुमार और पई ने एक संयुक्त बयान में कहा,'एडवाइजर्स के तौर पर कंपनी के साथ हमारा जुड़ाव हमेशा एक साल के लिए निश्चित अवधि के आधार पर था। फाउंडर्स के साथ हमारी चर्चा के आधार पर, यह आपसी सहमति से तय किया गया कि एडवाइजरी काउंसिल का कार्यकाल नहीं बढ़ाया जाना चाहिए।

हालांकि, फॉर्मल इंगेजमेंट (औपचारिक जुड़ाव) खत्म हो गया है, लेकिन फाउंडर्स और कंपनी हमेशा किसी भी एडवाइज के लिए हमसे संपर्क कर सकते हैं। हम फाउंडर्स और कंपनी को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हैं।'

कंपनी ने बयान जारी कर कहा कि वह एडवाइजर्स

के साथ जुड़ाव को महत्व देती है तथा अशांत समय में कंपनी को आगे बढ़ाने में उनके सभी प्रयासों की सराहना करती है। वहीं, कंपनी के फाउंडर और सीईओ बायजू रवींद्रन ने कहा,' रजनीश कुमार और मोहनदास पई ने पिछले साल अमूल्य सहायता प्रदान की है। कुछ विदेशी निवेशकों की ओर से चल रहे मुकदमों के कारण हमारी योजनाओं में देरी हुई है, लेकिन रीबिल्ड में उनकी सलाह पर भरोसा किया जाएगा, जिसका नेतृत्व मैं व्यक्तिगत रूप से कर रहा हूं।

मनीकंट्रोल की रिपोर्ट के मुताबिक, बायजूस ने पिछले 12 महीनों में 10 हजार से ज्यादा एम्प्लॉइज को नौकरी से निकाल दिया है। बायजूस की फाइनेंशियल कंडीशन इतनी खराब है कि ना तो कंपनी किसी एम्प्लॉइज के काम का रिव्यू कर रही है और ना ही उन्हें नोटिस पीरियड सर्व करने का मौका दे रही है।

बायजूस शेयरहोल्डर्स ने 23 फरवरी को रवींद्रन को सीईओ पद से हटाने और पत्नी दिव्या और भाई रिजु को भी हटाने के लिए वोटिंग की थी।

सरकारी कर्मचारी हों या प्राइवेट, नियमों को फॉलो करेंगे तभी मिलेगा एलटीए

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)। आप सरकारी कर्मचारी हों या प्राइवेट अवकाश यात्रा भत्ता या एलटीए का लाभ लेने के लिए कुछ नियमों को फॉलो करना जरूरी है। लीव ट्रैवल अलाउंस हवाई, ट्रेन या अन्य सार्वजनिक परिवहन द्वारा यात्रा के लिए किए गए खर्चों को कवर करता है। लेकिन रीइंबर्समेंट असल में खर्च की गई राशि या नियोक्ता द्वारा निर्धारित सीमाओं के अनुसार होती है। एलटीए नियम कई लोगों के लिए भ्रम पैदा कर सकते हैं, खासकर जब इसमें हवाई यात्रा शामिल हो। इसमें लोगों के अक्सर कई सवाल रहते हैं। जैसे क्या एलटीए के लिए पात्र होने के लिए किसी विशेष वेबसाइट से अपनी फ्लाइट टिकट बुक करने की जरूरत है, क्या आपका परिवार एलटीए के लिए पात्र है। वहीं एलटीए का दावा करने के लिए आपको कौन से दस्तावेज़ जमा करने होंगे? यहां हम आपको इन सभी बातों के बारे में जानकारी देने जा रहे हैं। एलटीए का फायदा लेने के लिए आपको कुछ नियमों का पालन करना जरूरी है। आईए आपको बताते हैं इसके बारे में।

कौन कर सकता है क्लेम

जिन कर्मचारियों की सैलरी में एलटीए शामिल है वह यात्रा व्यय के उद्देश्य से आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 10(5) के तहत छूट का दावा कर सकते हैं। कर्मचारी छुट्टी अवधि के दौरान स्वयं अपने जीवनसाथी और बच्चों पर किए गए यात्रा व्यय के लिए एलटीए का दावा कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, माता-पिता, भाई और बहन भी पात्र हैं, लेकिन केवल तभी जब वे पूरी तरह या मुख्य रूप से वह कर्मचारी पर ही निर्भर हों। इसमें केंद्र सरकार का कोई कर्मचारी एलटीए का दावा तभी कर सकता है, जब उसने यात्रा की तिथि पर लगातार एक वर्ष की सेवा पूरी कर ली हो। इसके अलावा, हवाई यात्रा के हकदार केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए एलटीए नियम उन लोगों से अलग हैं, जो इसके हकदार नहीं हैं। केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए, भत्ते का दावा छुट्टी की किसी भी अवधि के दौरान किया जा सकता है, जिसमें आकस्मिक अवकाश और विशेष आकस्मिक अवकाश शामिल हैं। निजी कर्मचारियों के लिए भी यही नियम लागू होगा।

क्या हवाई टिकट के लिए एलटीए मिलता है?

बता दें कि हवाई टिकट के लिए एलटीए मिलता है। एलटीए छूट का दावा किया जा सकता है, लेकिन कुछ नियम हैं। यह छूट चार कैलेंडर वर्षों के ब्लॉक में अधिकतम दो यात्राओं के लिए उपलब्ध है। वर्तमान में यह अवधि 2022-25 है। सरकारी कर्मचारियों को यात्रा के लिए किसी भी प्रकार की छुट्टी (आकस्मिक अवकाश या विशेष आकस्मिक अवकाश सहित) लेने की परमीशन है। रेल या हवाई यात्रा के लिए खर्च किया गया वास्तविक राशि या राष्ट्रीय वाहक के इकोनॉमी किराए में से कम राशि, जो भी कम हो, वही राशि एलटीए के रूप में मिल सकती है। वहीं एलटीए छूट सिर्फ भारत के अंदर ट्रैवल करने पर ही मान्य है। एलटीसी का दावा करने के लिए फॉर्म 12बीबी भरकर नियोक्ता को जमा करना होगा। वहीं हवाई टिकट और बोर्डिंग पास की कॉपी भी देनी होगी। इसमें कुछ कंपनियां एक तरफ की यात्रा के लिए भी एलटीए देती हैं, लेकिन पूरी टैक्स छूट नहीं मिल सकती है।

चुनाव प्रचार तो जोर–शोर से, लेकिन प्रचार सामग्री की घट गई बिक्री

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)। दिल्ली सिर्फ देश की राजधानी ही नहीं है। यह चुनाव सामग्री का भी सबसे बड़ा बाजार है। चुनाव प्रचार पोस्टर और पर्चे को छोड़ दें तो प्रचार सामग्री से जुड़े झंडे, बैनर, टोपी, बैज और अन्य साजो-सामान की सप्लाई दिल्ली से ही होती है। दिल्ली के सदर बाजार में एक पूरा इलाका ऐसा है, जहां आपको देश के हर बड़े दल के झंडा-टोपी-बैज आदि मिल जाएंगे। यहां काम इतने बड़े स्तर पर होता है कि यहां आप महज दो रुपये में किसी पार्टी का झंडा, तीन रुपये में टोपी, 15 रुपये में गमछा और दो रुपये में पटका या अंग वस्त्रम खरीद सकते हैं। लेकिन इस बार सदर बाजार के चुनाव सामग्री के कारोबारी मायूस हैं। उनका कहना है कि इस बार उनका कारोबार पिछले आम चुनाव जैसा भी नहीं है।

सदर बाजार में चुनाव प्रचार सामग्री के कारोबारी गुलशन खुराना ने बताया कि साल 2019 में हुए लोकसभा चुनाव की तुलना में इस बार काम 25 फीसदी तक कम है। हमारे यहां से पूरे देश में माल जाता है और इस बार हर जगह का ही यही हाल है। देशभर में पिछली बार की तरह उतना प्रचार भी होता नहीं दिख रहा है। यही कारण है कि प्रचार सामग्री भी बहुत कम बिक रही है। आमतौर पर चुनाव के दौरान अलग-अलग पार्टियों और नेताओं के झंडे, टोपी, पटके, बिल्ले आदि चीजें ज्यादा बिकती हैं, लेकिन इस बार उम्मीद के मुताबिक काम नहीं है। वोटिंग प्रतिशत भी पिछले चार चरणों में कम ही रहा है, ऐसे में यह चुनाव ठंडा ही जा रहा है और आने वाले दोनों चरणों के दौरान भी काम की कुछ खास उम्मीद नहीं है।

गुलशन का कहना है कि लोकसभा चुनाव में हर बार ही काम कम ही रहता है, लेकिन इस बार उम्मीद से कुछ ज्यादा ही कम है। भीषण गर्मी भी इसका एक कारण है। लोग घरों से कम निकल रहे हैं ऐसे में काम भी ज्यादा नहीं है। लोकल चुनावों में काम अच्छा रहता है, उस दौरान कैंडिडेट भी ज्यादा होते हैं, लेकिन लोकसभा चुनाव में कैंडिडेट भी कम होते हैं और ज्यादातर चीजें पार्टी ऑफिस से ही मैनेज होती हैं। नारों-फोटो के हिसाब से वहीं से माल के ऑर्डर भी होते हैं और पार्टियों के फिक्स वेंडर्स को ही ऑर्डर मिलते हैं। लेकिन लोकल एमसीडी जैसे चुनावों में कैंडिडेट की ओर भी जमकर माल खरीदा और बांटा जाता है। जितने ज्यादा कैंडिडेट होते हैं, इन कारोबारियों का काम उतना अच्छा चलता है।

चुनाव प्रचार सामग्री के कारोबारी दिनेश ने बताया कि इस चुनाव में उम्मीद के मुताबिक काम कम है। हालांकि फिर भी गर्मी के कारण देशभर में टोपियां अच्छी बिक रही हैं। टोपियां धूप से बचाती हैं। यही कारण है कि लोग रैलियों और रोडशो में धूप से बचने के लिए इसे लगाते हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु -ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
सूर्योदय - 05-46
सूर्यास्त. -18-39
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- त्रयोदशी 17-39 तक उपरान्त चतुर्दशी
मास - वैशाख शुक्ल , मंगलवार 21 May
नक्षत्र - स्वाति अहोरात्र
योग - व्यतिपात 12- 34 तक उप वरियान
करण- तैतिल 17-39 तक उप गर
विशेष:- श्री नृसिंह जयंती
व्रत -त्योहार - पूर्ण रवि योग

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय		
सूर्य-	वृष	में	वृष--	05-22	बजे
चंद्र-	तुला	में	मिथुन..	07-22	बजे
मंगल	मीन	में	कर्क...	09-35	बजे
बुध-	मेष	में	सिंह....	11-48	बजे
गुरु-	वृष	में	कन्या..	13-53	बजे
शुक्र-	वृष	में	तुला.....	16-00	बजे
शनि-	कुंभ	में	वृश्चिक..	18-09	बजे
राहु-	मीन	में	धनु.....	20-23	बजे
केतु-	कन्या	में	मकर...	22-29	बजे
			कुंभ....	00-19	बजे
			मीन...	01-57	बजे
			मेष....	03-33	बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 15:27 से 17:05 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05:46 - 07:21	अशुभ	काल	18:39 - 20:05	अशुभ
उत्पात	07:21 - 08:58	अशुभ	लाभ	20:05 - 21:27	शुभ
चंचल	08:58 - 10:36	शुभ	उत्पात	21:27 - 22:50	अशुभ
लाभ	10:36 - 12:13	शुभ	शुभ	22:50 - 24:13	शुभ
अमृत	12:13 - 13:50	शुभ	अमृत	24:13 - 01:35	शुभ
काल	13:50 - 15:27	अशुभ	चंचल	01:35 - 02:58	शुभ
शुभ	15:27 - 17:05	शुभ	रोग	02:58 - 04:21	अशुभ
रोग	17:05 - 18:39	अशुभ	काल	04:21 - 05:46	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
एक उत्कृष्ट अवसर आपके लंबित कार्यो को खत्म करने के लिए आपके रास्ते में आ सकता है । इस खाली समय का पूरा उपयोग करें , हालांकि आप जिस तरीके से अपने कार्य अभी तक करते थे , उन्हें आपको छोड़ना होगा ! यह अपनी पसंद के घर के स्वामित्व को पाने के लिए सही समय है।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
अवसाद और कठिनाइयाँ आज आपके कार्यस्थल पर आने के संकेत दे रही है , हालाँकि अगर आपने अपने पिछले अनुभवों से कुछ सीख ली है तो आप काफी आसानी से इनका सामना करने में सक्षम हो जाएंगे । अपने अतीत से ज्ञान लेना समय की आवश्यकता है । इस चीज़ का सही समय पर इस्तेमाल आपके करियर को काफी गति दे सकता है । आपको अपने निर्णय जल्दी लेने होंगे ताकि वह प्रभावी रहे सके ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज उत्तरार्द्ध में एक व्यापारिक यात्रा आपको करनी पड़ सकती है । यह बौद्धिक विवेक को बढ़ाने के लिए एक महान अवसर होगा। अगर आप अपने आप को बोझिल महसूस कर रहे है , तो पूर्वार्द्ध में अवकाश लेकर अपने आप को तैयार करे की किस तरह से आप अपने आप को औरो के सामने प्रस्तुत करेंगे ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आप कुछ समय से एक बदलाव पर विचार कर रहे है। आज आप एक ऐसे अवसर को देखेंगे जो आपको आकर्षित करेगा । सक्रिय रहे और निर्णय ले । आपको एक साक्षात्कार कॉल भी मिल सकती है। आपके आत्मविश्वास और विषय ज्ञान के साथ, एक साक्षात्कार को उतीर्ण करना आपके लिए कभी समस्या नहीं रही है। तो, पहला कदम उठाइए और निर्णय ले ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
कुछ दिनों से आपके कार्य क्षेत्र में चीज़े आपके अनुसार नहीं चल रही थी परन्तु अब कुछ सुधार आने की उम्मीद है । आपको ये याद रखना होगा की कार्य क्षेत्र के मित्रो के साथ मैत्रीपूर्ण व्ययहार रखने से आप शांति से काम में सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं । अगर आप थोड़ी सी नरमी दिखाए तो कार्य क्षेत्र के मित्रो के साथ आप शांत माहौल का मजा ले सकते है ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,
ये समय अपने सहकर्मियों का उत्साह बढ़ाने का समय है ! आप कुछ कठिन कार्य के लिए प्रयासरत है जिसमे आपके जूनियर या आपसे निचले क्रम के सहकर्मी आपका समर्थन करेंगे और आपके सच्चे समर्थक होंगे । इसलिए उन्हें खुश रखे ! जो लोग अपने कार्यालय में अग्रणी स्थिति या उच्च पद पर है , उन लोगों के लिए बेहतर करियर के अवसर आज आ सकते है ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज का दिन आपके लिए व्यस्त रहने की संभावना है क्यों की आपकी उपस्थिति अलग अलग दिशाओं में वांछनीय होगी , हालांकि अपने व्यक्तिगत विकास के लिए आप अधिक से अधिक समय समर्पित करने की कोशिश करे । ऑनलाइन परीक्षाओं या प्रमाणपत्र के लिए ऑनलाइन कुछ मार्गदर्शन की तलाश करें। आज आपको खर्चो की तुलना में अधिक बचत पर ध्यान देना होगा ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आज आप व्यवसायी की तरह सोचेंगे और धन पर नियंत्रण रखेंगे । इसका परिणाम यह होगा की धन तो संचित होगा पर आपके परिवार के खर्चे बढ़ेंगे जिसका उत्तर आपको ढूढ़ना होगा । असुरक्षा की भावना की वजह से आप जरुरत के खर्चो पर भी लगाम लगाने की कोशिश कर सकते है । इस तरह की कृपणता की प्रवृत्ति से आपको बचना होगा क्यों की आपका धन प्रवाह सुचारू रहेगा ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
जिन परियोजनाओं पर आप लम्बे समय से लग्न के साथ कार्य कर रहे थे , इस मोड़ पर आप उन्हें सार्वजनिक कर सकते है, और इस तरह से आप अपनी शैली में मंच पर आगे की और शान से रुख कर सकते है । आपके काम की विशिष्टता आपको सम्मान दिलाएगी जब यह सबके सामने आएगी , हालांकि गोपनीयता बना कर रखना समय की मांग है ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज बड़ी और छोटी सफलताएं आपके कार्य क्षेत्र में दस्तख़त दे रही है । आपके द्वारा एक समय में प्रदान की गई सेवाओं के लिए आपको कुछ भुगतान प्राप्त हो सकता हैं या आपको एक अप्रत्याशित बोनस मिल सकता है। एक लंबे समय से जो पदोन्नति अटकी हुई थी वह आपको मिल सकती है या आपका पद उँचा हो सकता है और अलग से एक केबिन आपको मिल सकता है ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आप सफलतापूर्वक अपने रचनात्मक कार्यो को खत्म करने में सक्षम होंगे । इस जश्न को मनाने के लिए आप एक पार्टी की मेजबानी की योजना भी बना सकते हैं और जिन्होंने भी इस यात्रा में आप का समर्थन किया एवं अपने विरोधियों को भी समारोह में आमंत्रित करें । अपनी कमाई और खर्च के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए भी प्रयास करते रहे ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज का दिन काफी मुश्किलो से भरा रह सकता है और आपको सख्त नियमो का पालन करते हुए काफी कठिन परिश्रम करना पड़ेगा , लेकिन यह आपके भविष्य की योजनाओं के लिए एक ठोस आधार बनाने में मदद करेगा । आज का परिश्रम आपको भविष्य में फल देगा । हो सकता है की आप अपने सहयोगी की जिम्मेदारी भी ले ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़

एनकाउंटर में गोली लगने से एक जवान घायल, रायपुर रेफर

गरियाबंद, 20 मई (एजेंसियां)। गरियाबंद जिले के अंतिम छोर से लगे ओडिशा के कोमना थाना क्षेत्र के सुनाबेड़ा अभ्यारण्य में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हो गई। इस मुठभेड़ में क्रॉस फायरिंग में जवान के गर्दन में गोली लगी है। लहूलुहान जवान को घटना के बाद आनन-फानन में गरियाबंद जिला अस्पताल ले जाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद जवान को रायपुर रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार नक्सलियों और जवानों के बीच मुठभेड़ अभी भी जारी है। मिली जानकारी के अनुसार, गरियाबंद जिले के कांवर भौदी से लगे ओडिशा के कोमना थाना क्षेत्र के सुनाबेड़ा अभ्यारण्य के शिवनारायणपुर गांव में देर रात जवानों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। इस दौरान नक्सलियों की क्रॉस फायरिंग में एक जवान के गले में गोली लगी है जो अभी भी फंसी हुई है। घायल जवान का नाम प्रकाश साई बताया जा रहा है। जवान ओडिशा के नुआपाड़ा जिले के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप का है। घायल जवान को रायपुर रेफर किया गया है मुठभेड़ स्थल में सर्चिंग जारी है।

अग्निवीरों को 4 साल में घर भेज रहे, मोदी को 5 साल चाहिए : श्रीनेत

रांची, 20 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने भाजपा पर जमकर हमला किया। उन्होंने कहा-73 साल की उम्र के बाद भी पीएम मोदी को पांच साल और चाहिए। इसके लिए वे वोट मांग रहे हैं। जबकि चार साल की नौकरी के बाद युवा अग्निवीरों को 23 साल की उम्र में ही घर भेज रहे हैं। मोदी ने देश की सुरक्षा को ही ठेके पर दे दिया है। सियाचीन की ठंड से राजस्थान की गर्मी तक में देश की सुरक्षा में लगे जवानों को 4 साल की नौकरी का औचित्य क्या है।

रांची में रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा-सत्ता में आते ही कांग्रेस अग्निवीर योजना को तत्काल प्रभाव से बंद करेगी। पहले वाली व्यवस्था लागू होगी। सरना धर्म कोड लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि देश में चार चरण के चुनाव के बाद तस्वीर साफ हो चुकी है। चार जून के बाद मोदी प्रधानमंत्री नहीं रहेंगे। इंडी गठबंधन की केंद्र में सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी मुद्दे की बात नहीं करते। वे गजनी बन गए। पिछले

दिनों बयान दिया कि मैं हिंदू-मुस्लिम करूं तो सार्वजनिक जीवन में नहीं रहूंगा।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि हेमंत सोरेन और आलमगीर आलम जब तक जनता का पाई-पाई नहीं लौटा देते, वे जेल में सड़ते रहेंगे। वे जल्दी जेल से बाहर नहीं निकलने वाले हैं। उन्होंने जनता को धोखा दिया है। जनता के पैसे और जमीन लूटे हैं।

रांची में रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा-भारतीय राजनीति के बेशर्म नंबर वन राजनीतिज्ञ अरविंद केजरीवाल ने जेल जाने के बाद भी इस्तीफा नहीं दिया। उसी तर्ज पर झारखंड के ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम भी चल रहे हैं। क्या अब सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के मुंह में दही जमा है। आखिर वे क्यों नहीं आलमगीर आलम के पीए के नौकर के घर से बरामद 35 करोड़ रुपए पर कुछ बोल रहे हैं। वे अपने मंत्री आलमगीर से इस्तीफा क्यों नहीं मांग रहे। इन लोगों में रत्ती भर भी शर्म और नैतिकता नहीं बची है। दरअसल देश में संविधान और लोकतंत्र खतरे में नहीं है। भ्रष्टाचारियों की जमात खतरे में है। सुप्रिया ने कहा कि कहा कि 2024 का चुनाव आम चुनाव की तरह नहीं है। यह चुनाव तय करेगा कि अगली बार आप वोट दे पाएंगे या नहीं। यह देश संविधान से चलेगा या नहीं। देश को बनाने वाले सत्ता में आएंगे या देश को एक रंग में रंगने की कोशिश करने वाले आएंगे। यह चुनाव यह भी तय करेगा कि देश का संविधान बनाने वाले लोग आएंगे या खत्म करने वाले आएंगे। यह चुनाव राजनीतिक दल नहीं बल्कि जनता लड़ रही है। दो-दो सीएम को साजिश करके जेल भेज दिया गया है। गौरव ने कहा कि राहुल गांधी 53 वर्षीय अपरिपक्व नेता हैं। कांग्रेस के घोषणा पत्र में कहा गया है कि बहुसंख्यकवाद के लिए भारत में कोई जगह नहीं है। कांग्रेस पर्सनल लॉ को और मजबूत करेगी। तो क्या कांग्रेस हलाला, बहु विवाह को ठीक मानती है। क्या वह ट्रिपल तलाक को वापस लाएगी। उन्होंने केजरीवाल को राजनीति का दुर्योधन बताया। उन्होंने कहा कि केजरीवाल ने अपने दुःशासन विभव कुमार से अपनी सहयोगी रही राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल की पिटाई कराई और चीरहरण की कोशिश कराई।

चलती कार में लगी आग

बाप-बेटे ने कूदकर बचाई जान, फायर ब्रिगेड के इंतजार में गाड़ी जलकर खाक

कोरबा, 20 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में हसदेव बराज दरी के पास देर रात एक चलती कार में आग लग गई। बाप बेटे ने जलती कार से कूदकर किसी तरह से अपनी जान बचाई। घटना के बाद हड़कंप मच गया। देखते ही देखते राहगीरों की भीड़ एकत्रित हो गई। बताया जा रहा है कि राहगीरों ने आनन-फानन में इसकी सूचना फायर ब्रिगेड को दी। सूचना मिलते ही सीएसआईबी और बालको की दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची, लेकिन उसके आने से पहले ही धू-धूकर कार जल गई। मिली जानकारी के मुताबिक कोरबा बिलासपुर मुख्य मार्ग दर्री डेम के पास स्विफ्ट डिजायर कार दर्री से कोरबा की ओर आ रही थी। इस दौरान अचानक कार में आग लग गई। बताया जा रहा है कि शॉर्ट सर्किट के चलते यह घटना घटी है।

वहीं सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची। गाड़ी-मालिक बाप बेटे से घटनाक्रम की जानकारी ली। पिता पुत्र को अस्पताल के लिए दोनों को रवाना किया गया। बाप-बेटे को मामूली चोटें आई है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बीआर्क में झारखंड की सुलगना बसाक को 100 परसेंटाइल के साथ मिला ऑल इंडिया रैंक वन

रांची, 20 मई (एजेंसियां)। एनटीए की ओर से जेईई मेन पेपर दो (बी आर्क व बी प्लानिंग) का फाइनल रिजल्ट जारी कर दिया है। इसमें झारखंड के स्टूडेंट्स ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। बीआर्क के पेपर में जमशेदपुर की सुलगना बसाक ने ऑल इंडिया रैंक-1 प्राप्त किया है। इसमें उन्होंने 100 परसेंटाइल अंक प्राप्त किया है।

बीआर्क में देशभर से दो स्टूडेंट्स ने 100 परसेंटाइल प्राप्त किए हैं। इसमें दूसरे स्टूडेंट्स तमिलनाडु के मुथू आर हैं। सुलगना बसाक जेईई मेन सेशन-1 बीई/बीटेक की परीक्षा में भी 99.88 परसेंटाइल के साथ राज्य के टॉप-5 स्टूडेंट्स में अपनी जगह बनाई थी। वहीं सेशन-2 में 99.87 परसेंटाइल अंक प्राप्त किया था। सीबीएसई 12वीं बोर्ड की परीक्षा में सुलगना ने 97.8 प्रतिशत अंक प्राप्त किए

हैं। वहीं बी प्लानिंग में देशभर से दो स्टूडेंट्स ने 100 परसेंटाइल अंक प्राप्त किया है। इसमें आंध्रप्रदेश के कोलासनी साकेत प्रणव व कर्नाटक के अरुण राधाकृष्णन शामिल हैं। सेशन दो की परीक्षा में देशभर से बीआर्क में 36,707 स्टूडेंट्स व बी प्लानिंग में 16,228 स्टूडेंट्स शामिल हुए थे। सुलगना बसाक जमशेदपुर की रहने वाली है। वहीं रांची में रह कर पढ़ाई कर रही हैं। अभी जेईई एडवांस्ड की तैयारी कर रही हैं। सुलगना बसाक ने बताया कि मां आर्किटेक्ट हैं, उनको देख कर ही इस विषय में रूचि हुई। इसके बाद उनसे प्रेरणा लेकर तैयारी करने की सोची। आर्किटेक्चर विषय मां ही पढ़ाती थीं। हर दिन एक घंटा आर्किटेक्चर की पढाई करती थी। इसमें पिछले साल के पूछे गए सवालों को हल करती थी, मेंटल एबिलिटी व ड्रॉइंग की प्रैक्टिस करती थी। उन्होंने बताया कि बीटेक व बी-आर्क में जहां भी अच्छा संस्थान मिलेगा वहीं नामांकन लूंगी। अभी जेईई एडवांस्ड पर फोकस करते हुए तैयारी कर रही हूं। बताते चलें सुलगना ने अपनी 10वीं सीआईएससीई बोर्ड परीक्षा में भी देशभर में दूसरा रैंक प्राप्त किया था। उनके पिता पार्थव बसाक इंजीनियर व मां सुमना बसाक आर्किटेक्ट हैं। मां ने पढ़ाया आर्किटेक्चर, हर दिन एक घंटे सुलगना करती थी प्रैक्टिस।

एसआई भर्ती पर एचसी का फैसला

मेरिट सूची में शामिल उम्मीदवारों को 90 दिन में नियुक्ति देने के आदेश

बिलासपुर, 20 मई (एजेंसियां)। एसआई- प्लाटून कमांडर भर्ती पर हाईकोर्ट का महत्वपूर्ण फैसला आया है। कोर्ट ने मेरिट सूची में शामिल एसआई के उम्मीदवारों को 90 दिन में नियुक्ति देने के आदेश जारी किए हैं। साथ ही प्लाटून कमांडर के 370 महिला अभ्यर्थियों को हटाकर 370 पुरुष अभ्यर्थियों को लेने के आदेश दिया है। कोर्ट ने 45 दिन के अंदर पूरी प्रक्रिया करने के आदेश दिए हैं। कोर्ट ने अभ्यर्थियों के फिजिकल टेस्ट लेकर मेरिट के आधार पर भर्ती सूची जारी करने कहा है। बिलासपुर एचसी में जस्टिस नरेंद्र कुमार व्यास की कोर्ट ने फैसला सुनाया है। दरअसल प्रदेश में एसआई और प्लाटून कमांडर के करीब 975 खाली पदों पर भर्ती के लिए पुलिस मुख्यालय ने साल 2021 में वैकेंसी निकाली थी। भर्ती की जिम्मेदारी व्यावसायिक परीक्षा मंडल को दी गई, जिस पर 17 सितंबर 2021 को आवेदन जमा करने के लिए विज्ञापन जारी किया गया था। पुलिस विभाग में सब इंस्पेक्टर समेत अन्य पदों पर भर्ती के लिए साल 2017 में व्यापम ने प्रक्रिया शुरू की थी, जिसे बाद में निरस्त कर दिया गया। इस वजह से अभ्यर्थियों में आक्रोश भड़क गया और उन्होंने विरोध प्रदर्शन किया। राज्य सरकार ने 2021 में भर्ती प्रक्रिया शुरू की, लेकिन वह भी अब तक पूरी नहीं हो पाई है। भर्ती के लिए प्रारंभिक एग्जाम लिया गया और मेरिट सूची जारी की गई। व्यापम ने मुख्य परीक्षा के पहले ही आरक्षण रोस्टर का पालन करते हुए कैटेगरी वाइज सूची जारी कर दी, जिसके कारण जनरल कैटेगरी के बहुत से उम्मीदवारों का नाम सूची में नहीं आ सका। व्यावसयिक परीक्षा मंडल की ओर से जारी सूची को चुनौती देते हुए जनरल कैटेगरी के उम्मीदवारों ने वकील के जरिए हाईकोर्ट में अलग-अलग याचिकाएं दायर की थी।

शेयर मार्केट में निवेश के लालच में गंवा बैठे 33 लाख रुपये

पीड़ित की शिकायत पर जांच में जुटी पुलिस

बेमेतरा, 20 मई (एजेंसियां)। बेमेतरा जिले में शेयर मार्केट में निवेश के लालच दो युवकों के साथ 33 लाख रुपए की ठगी हुई है। पीड़ित मणि कुमार देवांगन पिता खोरबाहरा देवांगन उम्र 38 वर्ष निवासी परपोंडी के आवेदन पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ 420 का मामला दर्ज किया गया है। पीड़ित युवक व उसके दोस्त के साथ ब्लाक ट्रेडिंग डिस्काउन्ट प्राईज में शेयर के नाम से आनलाइन के माध्यम से कुल 33 लाख रुपए को अज्ञात व्यक्ति के द्वारा विभिन्न खातों मे ट्रांसफर करवाकर ठगी की गई है।

सबसे पहले पीड़ित के मोबाइल में 10 मार्च को फोन आता है व पूछा गया कि क्या आप शेयर मार्केट में रूचि रखते है, जिस पर पीडित ने हां बोला। फिर वाट्सअप ग्रुप में जुड़ने के लिए कहा व लिंक दिया गया। वाट्सअप ग्रुप द्वारा 10 मार्च से 4

अप्रैल तक शेयर मार्केट के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में बताया गया कि ट्रेडिंग अकाउन्ट खोलकर एप में पैसा जमा कर ब्लाक ट्रेड़िग/ डिस्काउन्ट प्राईज (वास्तविक मूल्य से कम मूल्य पर) पर शेयर खरीद/बेच और ट्रेड़िंग कर सकते है। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद पीड़ित ने यह जानकारी अपने दोस्त पिंकेश कुमार जायसवाल पिता टीकाराम जायसवाल निवासी गातापार थाना परपोड़ी को दिया।

दोनों ने मिलकर शेयर खरीदी बिक्री व ट्रेडिंग करने के लिए राजी हो गये। 4 अप्रैल को अपने मोबाइल में एप डाउनलोड किया। 8 अप्रैल को 50 हजार रुपए जमा किए गए। इसके बाद से रुपए जमा करने का सिलसिला 30 अप्रैल तक चला। मई माह में पीड़ित ने करीब 33 लाख रुपए अलग-अलग खाते में जमा कर दिए।

इसके अलावा रुपए जमा नहीं करने पर अज्ञात आरोपी द्वारा सेबी से शिकायत करने की धमकी थी। वहीं रुपए वापसी नहीं होता देख पीड़ित ने साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई। साथ ही परपोड़ी थाना में एफआईआर दर्ज कराया है। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धारा 420 के तहत मामला दर्ज कर जांच में ले लिया।

छत्तीसगढ़ में पहली बार मिला जीपीएस लगा प्रवासी 'व्हिंब्रेल'

पूर्वी अफ्रीका से पहुंचा गिधवा परसादा वेटलैंड, कैमरे में कैद किया गया पक्षी

खैरागढ़, 20 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के जलाशय में पहली बार जीएसएम-जीपीएस लगे प्रवासी पक्षी व्हिंब्रेल को देखा गया है। यह मूलतः उत्तरी अमेरिका और उत्तरी यूरोप का पक्षी है। उसके टैग से पता चलता है कि यह प्रवासी पक्षी पूर्वी अफ्रीका के मेडागास्कर के पास स्थित एक द्वीप से आया है।

फिलहाल इस पक्षी को खैरागढ़ और बेमेतरा जिले की सीमावर्ती क्षेत्र गिधवा परसादा वेटलैंड के पास कैमरे में कैद किया गया है। इसे स्थानीय भाषा में छोटा गोंघ भी कहा जाता है। माना जा रहा है कि जीएसएम-जीपीएस के चलते ये जलवायु परिवर्तन रिसर्च में मदद करेगा। व्हिंब्रेल अपनी प्रभावशाली यात्रा के लिए जाना जाता है। कई महासागर और महाद्वीप पार करने में इस पक्षी का धैर्य और जबरदस्त नेविगेशन पावर है। उत्तरी गोलार्ध से 4 से 6 हजार किमी की उड़ान इसके लिए साधारण है। इसकी तस्वीर पक्षी

प्रेमियों की टीम डॉ. हिमांशु गुप्ता, जागेश्वर वर्मा और अविनाश भोई ने ली है। अपनी विशिष्ट घुमावदार चोंच और धारीदार सिर के साथ व्हिंब्रेल आसानी से शिकार कर अपना पेट भर लेता है। यह एक तटीय पक्षी है। इसलिए पानी और पानी के आसपास पाए जाने वाले सभी कीड़े मकोड़े इसका आहार हैं।

इस पक्षी के संरक्षण के लिए कई प्रयास किए जा रहे हैं। सैटेलाइट टैगिंग और जीएसएम-जीपीएस की मदद से इसके प्रवास और पैटर्न को लगातार ट्रैक किया जा रहा है। एक पक्षी पर इस तरह जीपीएस से ट्रैक करने का खर्च करीब 10 लाख या उससे ज़्यादा भी हो सकता है।

विशेष बात यह है कि, छत्तीसगढ़ में प्रवासी पक्षियों के अध्ययन में यह एक महत्वपूर्ण कड़ी निभाएगा, क्योंकि पहली बार जीपीएस लगे पक्षी को ट्रैक किया गया है। प्रवासी पक्षियों के आने जाने के रास्ते में छत्तीसगढ़ महत्वपूर्ण स्थान रखता है। व्हिंब्रेल का मिलना इस बात को प्रमाणित करता है।

इस व्हिंब्रेल की कलर टैगिंग यलो होने के कारण इसे उत्तरी गोलार्ध के देशों से आने का प्रमाण मिलता है। इस पर लगे जीएसएम-जीपीएस सौर ऊर्जा से चलने वाला ट्रैकिंग डिवाइस है। टाग ट्रैकिंग से प्रवासी पक्षियों पर जलवायु परिवर्तन पर रिसर्च करने वालों को मदद मिलती है।

इसमें लगा जीपीएस भी विशेष

इस पर लगा जीपीएस जीएसएम सौर ऊर्जा से चलता है। सोलर बेस प्लेटफार्म ट्रांसमीटर टर्मिनल ज़बरदस्त ट्रैकिंग टैग इस प्रवासी पक्षी पर लगा है।

झारखंड के 11 जिलों में हीट वेव का अलर्ट

आज बारिश- वज्रपात की चेतावनी, 24 घंटे में देवघर रहा सबसे गर्म

रांची, 20 मई (एजेंसियां)। झारखंड में मौसम विभाग ने सोमवार को गढ़वा, पलामू, बोकारो, धनबाद, गिरिडीह, देवघर, जामताड़ा, दुमका, गोड्डा, पाकुड़ और साहिबगंज जिलों में हीट वेव अलर्ट जारी किया है। वहीं राज्य के पूर्वी, दक्षिणी और निकटवर्ती मध्य मेघ गर्जन के साथ बारिश के भी आसार हैं। 21 मई को प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में तेज हवा और वज्रपात के साथ-साथ बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने 24 मई तक राज्य के कई हिस्सों में बारिश की संभावना जताई है। गढ़वा, पलामू, चतरा और लातेहार को छोड़कर मौसम विभाग ने सभी जगहों के लिए यलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने आज और कल के लिए अलर्ट जारी किया है। राज्य में इस दौरान अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है।

झारखंड की 3 लोकसभा सीटों पर मतदान खत्म

शाम 5 बजे तक 61.90% वोटिंग, हजारीबाग में सबसे ज्यादा 63.66% तो सबके कम चतरा में 60.26% मतदान

चतरा, 20 मई (एजेंसियां)। लोकसभा के लिए झारखंड में दूसरे चरण की तीन सीटों पर मतदान आज खत्म हो गया। प्रदेश में शाम 5 बजे तक 61.90% फीसदी वोटिंग हुई। हजारीबाग में सबसे ज्यादा 63.66%, कोडरमा में 61.60% और चतरा में सबसे कम 60.26% वोटिंग हुई। वहीं, गांडेय विधानसभा उपचुनाव के लिए 3 बजे तक 53.83 फीसदी मतदान हुआ। हजारीबाग के कटकमदाग प्रखंड के कुसुम्भा में बूथ संख्या 183 और 184 में गांव वालों ने ओवर ब्रिज को लेकर वोटिंग का बहिष्कार किया। डीसी और एसपी के समझाने के बाद भी गांव वाले मतदान के लिए तैयार नहीं हुए। चतरा से बीजेपी कैंडिडेट कालीचरण ने सुबह अपने परिवार के साथ वोट डाला। वहीं, कोडरमा से भाजपा प्रत्याशी अन्नपूर्णा देवी ने भी मतदान किया। वोटिंग को लेकर लोगों में उत्साह देखने को मिला।

झारखंड सरकार के उद्योग मंत्री सत्यानंद भोक्ता जब आज अपने गांव कारी के आबुकातु पहुंचे तो गांव वालों ने उनका विरोध किया। गांव वालों ने आरोप लगाया कि वोट लेने के लिए तो मंत्री आगे आ जाते हैं पर लाभ देने के नाम पर पीछे हो जाते हैं और इसी वजह से गांव में मंत्री होने के बावजूद विकास शून्य है। ग्रामीण महिलाओं ने मंत्री पर क्षेत्र के बजाय खुद का विकास करने का आरोप लगाया है। चतरा में कांग्रेस ने केएन त्रिपाठी को उतारा है तो हजारीबाग में भाजपा से कांग्रेस में गए जयप्रकाश पटेल को टिकट दिया है। वहीं, कोडरमा लोकसभा सीट पर इंडिया गठबंधन ने माले को टिकट दिया, जहां से माले के एकमात्र विधायक विनोद सिंह चुनाव लड़ रहे हैं। एनडीए की ओर से तीन सीटों पर भाजपा लड़ रही है। उम्मीदवारों की बात करें तो चतरा में कालीचरण सिंह, हजारीबाग में मनीष जायसवाल और कोडरमा में केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी अपना भाग्य आजमा रही हैं।

तीन सीटों पर कुल 54 प्रत्याशी मैदान में थे। वहीं, 58 लाख 23 हजार 721 वोटर्स इनके भाग्य का फैसला किया।

गोद में बच्चा लेकर पहुंची महिला, दिव्यांग भी पीछे नहीं

मंत्री का विरोध, बाल्टी को बैसाखी बना वोट देने निकलीं बुजुर्ग

रांची, 20 मई (एजेंसियां)। झारखंड में दूसरे चरण की तीन सीटों पर वोटिंग हो रही है। मतदान के दौरान वोटर्स में भारी जोश देख जा रहा है।

सुबह से ही वोटर्स कतार में खड़े हो गए। महिलाएं बढ़-चढ़कर मतदान में हिस्सा ले रही हैं। कहीं 2 महीने के बच्चे को लेकर महिला वोट देने पहुंची तो कहीं बाल्टी को बैसाखी बनाकर बुजुर्ग महिला वोट देने निकलीं। हार्ट पेसेंट व्हील चेयर से वोटिंग

करने आए। वोट देने आए मंत्री सत्यानंद भोक्ता को लोगों को विरोध झेलना पड़ा, तो कहीं फर्स्ट टाइम वोटर्स का उत्साह देखते बना।

पिकअप पलटा, 18 की मौत

सभी आदिवासी, इनमें मां-बेटी सहित 16 महिलाएं कवर्धा में 20 फीट गहरे गड्ढे में गिरी थी गाड़ी

कवर्धा, 20 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कवर्धा में सोमवार (20 मई) को तेज रफ्तार पिकअप पलटकर 20 फीट गहरे गड्ढे में गिर गया। हादसे में 18 लोगों की मौत हो गई, 8 से ज्यादा लोग घायल हैं। इनमें 4 को हायर सेंटर रेफर किया गया है। सभी आदिवासी समाज से हैं। हादसा कुकदूर थाना क्षेत्र के बाहपानी गांव के पास हुआ है।

एसपी अभिषेक पल्लव ने बताया कि मरने वालों में 16 महिलाएं शामिल हैं। इनमें मां-बेटी सहित 3 बच्चियां भी हैं। घायलों को एंबुलेंस से अस्पताल भेजा गया है। हादसे के दौरान पिकअप में 25 लोग सवार थे। सभी लोग तेंदूपत्ता तोड़कर गांव लौट रहे थे। हादसा इतना जबरदस्त था कि 13 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

बताया जा रहा वाहन में सवार सभी लोग सेमहारा गांव से पिकअप में सवार होकर निकले थे। इसके बाद दोपहर करीब 2 बजे गांव लौट रहे थे। इससे पहले रविवार रात भी कोतवाली क्षेत्र के सिंघनपुरी गांव के पास एक ही ट्रक से पुलिस की तीन गाड़ियां हादसे का शिकार हुई थीं।

आईपीएल में ऑनलाइन सट्टा खिलाते एक गिरफ्तार

सक्ती में माय डायमंड एक्सचेंज ऐप पर बनाया आईडी, 4 मोबाइल सहित लाखों का हिसाब-किताब जब्त

सक्ती, 20 मई (एजेंसियां)। सक्ती जिले मे आईपीएल क्रिकेट मैच मे ऑनलाइन सट्टा खिलाने वाले एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी माय डायमंड एक्सचेंज नामक ऐप से लाइन लेकर और आईडी बांटकर सट्टा खिला रहा था। आरोपी के पास से 4 मोबाइल, कॉपी और लाखों का हिसाब-किताब जब्त किया है। मामला सक्ती थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, पुलिस को काफी समय से क्षेत्र में ऑनलाइन सट्टा खिलाए जाने की जानकारी मिल रही थी। इसी क्रम मे शनिवार को पुलिस को सूचना मिली कि हटरी निवासी अंकित अग्रवाल उर्फ कालू अपने घर मे मोबाइल के माध्यम से लाइन लेकर और आईडी बांटकर सट्टा खिला रहा है। सूचना पर तुरंत पुलिस ने अंकित के घर छापामार कार्रवाई की। इस दौरान पुलिस को अंकित अग्रवाल अपने घर मे ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा खिलाते पाया गया। आरोपी द्वारा माय डायमंड एक्सचेंज नामक ऐप से लाइन लेकर सट्टा खिला रहा था। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से सट्टा खिलाने मे इस्तेमाल होने वाले 4 मोबाइल फोन, कॉपी और पेन को जब्त किया है। सक्ती एसडीओपी मनीष कुंवर ने बताया कि आरोपी के बैंक खाता की जांच की जा रही है। यूपीआई से हुए पेमेंट की भी जानकारी निकली जा रही है। आरोपी के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है। आरोपी को न्यायालय मे पेश करने के बाद न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है। एसडीओपी ने बताया कि सट्टा के विरुद्ध आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी। इससे पहले पुलिस ने वॉर्ड नंबर 15 निवासी राहुल अग्रवाल सहित 4 लोगों को आईपीएल मे ऑनलाइन सट्टा खिलाते पकड़ा था। आरोपियों के कब्जे से आठ मोबाइल, दो लैपटॉप, दो सिम कार्ड सहित लाखों का हिसाब किताब जब्त किया था।

भाजपा के 11 नेताओं को सैलजा का मानहानि नोटिस

छत्तीसगढ़ कांग्रेस की पूर्व प्रभारी बोलीं-माफी मांगे, पूर्व विधायकों ने लगाया था टिकट बेचने का आरोप

रायपुर, 20 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ कांग्रेस की पूर्व प्रदेश प्रभारी और हरियाणा के सिरसा से लोकसभा प्रत्याशी कुमारी सैलजा ने 11 बीजेपी नेताओं को मानहानि का नोटिस भेजा है। छत्तीसगढ़ के इन नेताओं ने सिरसा में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सैलजा पर कोयला और शराब घोटाले को संरक्षण देने का आरोप लगाया था।

जिन नेताओं को नोटिस जारी हुआ है, वो पहले कांग्रेस में थे। बाद में बीजेपी में शामिल हो गए। सैलजा ने कहा कि, सभी नेता दो दिनों में माफी मांगे, नहीं तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की बात कही है। वहीं भाजपा नेताओं ने कहा है कि इस नोटिस से वे डरने वाले नहीं हैं।

सैलजा के वकील ने पूर्व प्रदेश कांग्रेस संगठन महामंत्री चंद्रशेखर शुक्ला, पूर्व विधायक शिशुपाल शोरी, पूर्व विधायक प्रमोद शर्मा, पूर्व महापौर वाणी राव, पूर्व महिला कांग्रेस अध्यक्ष अनिता रावटे, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष तुलसी साहू, पूर्व प्रदेश ओबीसी कांग्रेस अध्यक्ष चौलेश्वर चंद्राकर, उषा पटेल, आलोक पांडेय, अजय बंसल और अरुण सिंह नोटिस भेजा है।

सैलजा ने अपने नोटिस में कहा कि, ये तमाम नेता दो दिन के भीतर उनसे सार्वजनिक रूप से माफी मांगे। अगर उन्होंने ऐसा नहीं किया, तो इन नेताओं पर लीगल एक्शन लिया जाएगा। भाजपा ने छत्तीसगढ़ के इन नेताओं को सिरसा लोकसभा चुनाव में जिम्मेदारी सौंपी है। सिरसा में प्रेस कान्फ्रेंस के दौरान पूर्व विधायकों ने आरोप लगाया था कि छत्तीसगढ़ में बतौर प्रभारी काम करते हुए कुमारी सैलजा ने टिकट वितरण के मामले में भी उचित उम्मीदवारों की अनदेखी की। उन्होंने कहा था कि, सिर्फ पैसा देने वाले लोगों को टिकट दिया गया। इसका नतीजा यह हुआ कि कांग्रेस को छत्तीसगढ़ में भारी नुकसान उठाना पड़ा।

ताइवान के नए राष्ट्रपति ने संभाला पद

पहले ही भाषण में चीन को ललकारा, सैन्य धमकियों पर कही दो टूक

ताइपे, 20 मई (एजेंसियां)। ताइवान के नए राष्ट्रपति लाई चिंग ते ने 20 मई को पदभार संभाल लिया। उनकी ताजपोशी ऐसे समय में हुई है जब ताइवान को हड़पने के लिए चीन अब तक सबसे ज्यादा उत्सुक नजर आ रहा है। चिंग-ते के राष्ट्रपति बनने से चीन बहुत ज्यादा चिढ़ा हुआ है। बीजिंग की सरकार उन्हें एक अलगाववादी मानती है। ताइवान के नए राष्ट्रपति के लिए चीन सबसे बड़ी चुनौती है लेकिन उनकी मुश्किल यहीं खत्म नहीं होगी। लाई चिंग-ते को देश के अंदर एक उग्र संसद का सामना करने के लिए भी खुद को तैयार करना होगा, जहां विपक्ष उन्हें चुनौती देने के लिए बेताब है।

लाई चिंग-ते ने सोमवार को राजधानी ताइपे में स्थित राष्ट्रपति कार्यालय में शपथ ली, जहां उन्होंने साई इंग-वेन से पदभार ग्रहण किया। साई ने इसके पहले 8 साल तक चीन की धमकियों के बावजूद देश के आर्थिक और सामाजिक विकास का नेतृत्व किया। लाई खुद पिछले चार साल से साई इंग-वेन के उपराष्ट्रपति के रूप में कार्य कर रहे थे। लाई ने 20 मई को अपने उद्घाटन भाषण में चीन से अपनी सैन्य धमकी को बंद करने का आग्रह किया। उन्होंने ताइवान स्ट्रेट (जलडमरूमध्य) के दोनों किनारों पर शांति की मांग की।

ताइवान को हड़पना चाहता है चीन

बीजिंग की कम्युनिस्ट सरकार लोकतांत्रिक ताइवान को अपना क्षेत्र मानती है और खुलकर कहती रही है कि जरूरत पड़ने पर ताइवान को बल प्रयोग करके नियंत्रण में लाया जाएगा। ताइवान पर चीन की नीति का लाई खुलकर विरोध करते रहे हैं। उन्होंने पूर्व में बीजिंग को बातचीत की पेशकश की है और कहा कि केवल ताइवान के लोग ही अपना भविष्य तय कर सकते हैं। बीजिंग ने लाई की पेशकश को खारिज कर दिया था।

लगातार दबाव बना रही जिनपिंग की सरकार

जनवरी में हुए राष्ट्रपति चुनाव में लाई की जीत के बाद से ही ताइवान को लगातार चीन की ओर से दबाव का सामना करना पड़ रहा है। चीन ने हाल के दिनों में द्वीप के नजदीक नियमित वायु सेना और नौसेना की गतिविधियां बढ़ाई हैं। चीन किसी भी दूसरे देश द्वारा ताइवान को मान्यता देने का कड़ा विरोध करता है और इसे वन चाइना पॉलिसी का उल्लंघन मानता है। बावजूद इसके 64 वर्षीय लाई के शपथ ग्रहण ग्रहण समारोह में जो बाइडन ने पूर्व अमेरिकी अधिकारी को हिस्सा लेने के लिए भेजा था। इसके अलावा जापान, जर्मनी और कनाडा के सांसद और पैराग्वे के राष्ट्रपति सैंटियागो पेना समेत 12 देशों के नेता भी पहुंचे थे, जो ताइवान से औपचारिक राजनयिक संबंध बनाए हुए हैं। पिछले सप्ताह ही चीन के ताइवान मामलों के कार्यालय ने लाई को 'ताइवान क्षेत्र का नया नेता' बताते हुए कहा था कि उन्हें शांतिपूर्ण विकास या टकराव के बीच स्पष्ट विकल्प को चुनना चाहिए।

रेणुका सिंह ने गोड्डा में संभाली कमान

निशिकांत दुबे के पक्ष में बना रहीं माहौल, दिया जीत का मंत्र

गोड्डा, 20 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव सम्पन्न होने के बाद भरतपुर सोनहत विधानसभा से भाजपा विधायक पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री रेणुका सिंह भाजपा के लिए पड़ोसी राज्य झारखंड में भाजपा का चुनाव प्रचार प्रसार कर रही हैं। रेणुका सिंह यहां गोड्डा लोकसभा प्रभारी के तौर पर बीते 11 मई से मोर्चा संभाले हुई हैं। लोकसभा में 1 जून को आखिरी चरण में मतदान होना है। रेणुका सिंह यहां स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ ही गए हुए भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ 30 मई तक चुनाव प्रचार करेंगी। लोकसभा प्रभारी के तौर पर रेणुका सिंह बूथ प्रबंधन से लेकर जनसम्पर्क के अलावा प्रचार प्रसार व डोर टू डोर कैम्पेनिंग का भी जिम्मा संभाल रही हैं।

नेपाल के पीएम प्रचंड ने 18 महीने में चौथी बार जीता विश्वास मत

157 सदस्यों का मिला समर्थन

काठमांडू, 20 मई (एजेंसियां)। नेपाल के प्रधानमंत्री प्रचंड ने पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' ने संसद में विश्वास मत हासिल कर लिया है। कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (माओवादी केंद्र) के नेता प्रचंड ने 18 महीने के भीतर चौथी बार विश्वास मत जीता है।

सोमवार को विश्वास प्रस्ताव पर नेपाल की 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में प्रंचड को 157 सदस्यों का समर्थन हासिल हुआ।

सीपीएन (माओवादी केंद्र) प्रतिनिधि सभा में तीसरा सबसे बड़ा दल है। उसको नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी का भी समर्थन मिला।

मतदान में कुल 158 सांसदों

ने हिस्सा लिया। मुख्य विपक्षी नेपाली कांग्रेस ने मतदान प्रक्रिया का बहिष्कार किया। जबकि एचओआर के एक सदस्य ने किसी का साथ नहीं दिया। यह मतदान गठबंधन सहयोगियों में से एक जनता समाजवादी पार्टी (जेएसपी) द्वारा पिछले सप्ताह गठबंधन सरकार से अलग होने के बाद हुआ है।

दिसंबर 2022 में पुष्प कमल दहल ने प्रधानमंत्री पद ग्रहण किया था। इसके बाद से ये चौथा मौका है, जब उन्होंने सदन में विश्वास मत हासिल किया है। प्रंचड ने नेपाली कांग्रेस से अलग होकर नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के साथ एक नया गठबंधन बनाया है। नेपाल के संविधान के हिसाब से किसी सहयोगी दल के सत्तारूढ़ गठबंधन से समर्थन वापस लेने के बाद प्रधानमंत्री को विश्वास मत हासिल करना होता है। ऐसे में सोमवार को नेपाली संसद में विश्वास मत पर वोटिंग हुई।

पीओके के पूर्व पीएम गिरफ्तार

संपत्ति हथियाने और गोलीबारी की घटना में शामिल होने का आरोप

इस्लामाबाद, 20 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के पूर्व प्रधानमंत्री सरदार तनवीर इलियास खान को पारिवारिक संपत्ति विवाद मामले में गिरफ्तार किया गया है। सूत्रों के अनुसार गिरफ्तारी के बाद उन्हें मार्गल्ला पुलिस स्टेशन में स्थानांतरित कर दिया गया। कैपिटल पुलिस ने भी उनकी गिरफ्तारी की पुष्टि की। इलियास को पारिवारिक संपत्ति जब्त करने और गोलीबारी की एक घटना में शामिल होने के आरोप में हिरासत में लिया गया था।

इलियास की गिरफ्तार के बाद समर्थकों ने पुलिस स्टेशन के बाहर किया प्रदर्शन

इलियास की गिरफ्तारी के बाद वकील और उनके समर्थक पुलिस स्टेशन के बाहर प्रदर्शन करने लगे, जबकि पार्टी के कार्यकर्ता उनके आवास के बाहर इकट्ठा हुए। एक मई को इलियास के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। उनपर सेंटोरस मॉल के केंद्रीय कार्यालयों और महत्वपूर्ण दस्तावेजों को हथियाने की कोशिश करने का आरोप लगाया गया है। सेंटोरस मॉल के डिप्टी सुरक्षा प्रभारी कर्नल (सेवानिवृत्त) टीपू सुल्तान ने इलियास के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी।

आरोपियों की सूची में अन्य नाम भी शामिल

इलियास के अलावा आरोपियों की सूची में मोहम्मद अली, अनिल सुल्तान, रिजवान और अन्य संदिग्धों के नाम भी शामिल हैं। एफआईआर के अनुसार, सरदार तनवीर इलियास 20 से 25 व्यक्तियों के एक सशस्त्र समूह के साथ सेंटोरस मॉल के परिसर को कब्जा करने के इरादे से ताला तोड़कर मॉल के कार्यालय 1708 में दाखिल हुए थे। स्थानीय मीडिया के अनुसार, सुरक्षा गर्ड के उनके इस प्रयास को नाकाम कर दिया। सरदार तनवीर इलियास ने सरदार इलियास खान और सरदार डॉ. राशिद इलियास खान को जान से मारने की भी धमकी दी थी।

एफआईआर में बताया गया कि तनवीर इलियास और उनके सहयोगियों ने सुरक्षा अधिकारी पर हमला भी किया।

घटना की जानकारी मिलने पर कानून प्रवर्तन अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे, जहां सरदार तनवीर इलियास ने कर्नल (सेवानिवृत्त) टीपू सुल्तान पर गोली चलाई, जिसमें वह (टीपू सुल्तान) बाल-बाल बच गए।

साय सरकार ने 5 महीने में 16000 करोड़ लिया कर्ज

रायपुर, 20 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने साय सरकार पर वित्तीय कु-प्रबंधन का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि, 5 महीने में ही छत्तीसगढ़ की विष्णु देव साय सरकार हाफने लगी है। वित्तीय कु-प्रबंधन का आलम यह है कि 5 महीने में सरकार 16 हज़ार करोड़ रुपए का कर्ज ले चुकी है। उन्होंने कहा कि, कर्ज लेने के बावजूद भी जितनी जनकल्याणकारी योजनाएं, चाहे गोबर खरीदी योजना की बात की जाए, बेरोजगारों को भत्ता देने की बात की जाए, इन सभी योजनाओं को सरकार ने बंद कर दिया है। सुशील शुक्ला ने कहा कि, कांग्रेस सरकार ने 1600 करोड़ रुपए का राजीव गांधी किसान न्याय योजना की चौथी क़िस्त का भी प्रावधान किया था। उसका भी भुगतान सरकार ने नहीं किया। इसके बाद भी सरकार अगर 16 हज़ार करोड़ रुपए का कर्ज ले लेती है, तो वो उसका वित्तीय कुप्रबंधन है।

गोपी थोटाकुरा स्पेस में जाने वाले पहले भारतवंशी टूरिस्ट बने

अमेजन फाउंडर जेफ बेजोस की कंपनी ने भेजा, 7वीं ह्यूमन स्पेसफ्लाइट में 6 लोग मौजूद

ह्यूस्टन, 20 मई (एजेंसियां)। अमेजन फाउंडर जेफ बेजोस की स्पेस कंपनी ब्लू ओरिजिन ने रविवार (19 मई) को 6 लोगों को न्यू शेपर्ड रॉकेट से स्पेस भेजा है। इनमें आंध्र प्रदेश के गोपी थोटाकुरा भी शामिल हैं। 30 साल के गोपी स्पेस में बतौर टूरिस्ट बनकर जाने वाले पहले भारतवंशी बन गए हैं। गोपी एक पायलट और एंटरप्रेन्योर हैं। उन्होंने फ्लोरिडा में एम्ब्री-रिडल एरोनॉटिकल यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन और दुबई में एमिरेट्स एविएशन यूनिवर्सिटी में एविएशन मैनेजमेंट की पढ़ाई की है।

ब्लू ओरिजिन के अनुसार, गोपी एक पायलट और एविएटर हैं, जिसने गाड़ी चलाने से पहले विमान चलाना सीख लिया था। वे एक इंटरनेशनल मेडिकल जेट पायलट के रूप में काम कर चुके हैं। कॉमर्शियल जेट के अलावा गोपी बुश, एरोबेटिक और सीप्लेन, ग्लाइडर और हॉट एयर बैलून भी उड़ाते हैं।

गोपी थोटाकुरा के अलावा ब्लू ओरिजिन ने 5 और लोगों को स्पेस में घूमने के लिए भेजा है। इनमें मेसन एंजेल, सिल्वेन चिरोन, केनेथ एल. हेस, कैरोल

स्कॉलर, गोपी थोटाकुरा और अमेरिका में पूर्व एयरफोर्स कैप्टन एड ड्वाइट शामिल हैं।

कंपनी ने सोशल मीडिया पर बताया कि ब्लू ओरिजिन की सातवीं ह्यूमन स्पेसफ्लाइट एनएस-25 रविवार सुबह पश्चिम टेक्सास में लॉन्च साइट वन से रवाना हुई।

इसके पहले भी ब्लू ऑरिजिन ने न्यू शेपर्ड रॉकेट पर 31 लोगों को स्पेस की सैर कराई है। इस रॉकेट का नाम पहले अंतरिक्ष में जाने वाले अमेरिकी यात्री एलन शेपर्ड के नाम पर रखा गया था।

पहले फेल हो चुका है मिशन

पहले ब्लू ऑरिजिन का स्पेस मिशन 12 सितंबर, 2022 को लॉन्च किया था। हालांकि, कुछ सेकेंड बाद रॉकेट में आग लग गई थी। फिर दिसंबर 2023 में इसे फिर से टेस्ट किया गया। इसके बाद ये रविवार शाम अमेरिका के टेक्सास शहर से स्पेस के लिए लॉन्च किया गया।

जब स्पेस गए दुनिया के सबसे अमीर शख्स जेफ बेजोस

ब्लू ऑरिजिन से लोगों को स्पेस का टूर कराने वाले अरबपति और अमेजन के मालिक जेफ बेजोस 20 जुलाई 2021 में खुद स्पेस ट्रैवल करके आए थे। बेजोस के साथ उनके भाई मार्क, 18 साल के डच टीनेजर ओलिवर डेमेन और 82 साल की वैली फैंक शामिल थीं। ये लोग 10 से 12 मिनट तक स्पेस में रहे थे। इस उड़ान के बाद उन्होंने स्पेस टूरिज्म की शुरूआत की थी। रविवार (19 मई) को लॉन्च हुई ब्लू ओरिजिन की उड़ान स्पेस में जॉयराइड के फ्यूचर मार्केट के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। ये लॉन्च ऐसे वक्त हुआ है, जब बोइंग का स्टारलाइनर मिशन हाल ही में 3 बार टल चुका है। हालांकि, उसका मकसद आम लोगों को नहीं बल्कि अंतरिक्ष यात्रियों को स्पेस स्टेशन ले जाना है।

आम लोगों ने पहले भी पैसे देकर इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन तक की ऑर्बिटल फ्लाइट्स की सवारी की है। हालांकि, यह ट्रैवल सोयूज रॉकेट्स और कैप्सूल्स थे, जिसे रशियन स्पेस एजेंसी ने ऑपरेट करती थी। इसके अलावा ब्रिटिश अरबपति रिचर्ड ब्रैन्सन के वर्जिन स्पेस शिप (वीएसएस) यूनिटी स्पेसप्लेन की फ्लाइट सफल रही थी। वे 85 किमी तक गए थे।

2000 में स्पेस कंपनी ब्लू ओरिजिन की हुई थी शुरुआत

जेफ बेजोस ने स्पेस कंपनी ब्लू ओरिजिन की स्थापना वर्ष 2000 में की थी। इसकी फंडिंग के लिए वह अपने अमेजन के शेयर बेचते रहते हैं। ब्लू ओरिजिन के वाशिंगटन स्थित हेडक्वार्टर में 3500 से ज्यादा कर्मचारी हैं। जेफ बेजोस की कंपनी ब्लू ओरिजिन की एलन मस्क की कंपनी स्पेस एक्स के साथ तगड़ा कॉम्पिटीशन है।

जिंदगी-मौत के बीच जूझ रहे स्लोवाक पीएम रॉबर्ट फिको

अमेरिका से नफरत करने वाला हर शख्स इनको प्यारा, मॉडल-माफिया की राजनीति में कैसे घिरे

वाशिंगटन, 20 मई (एजेंसियां)। 'दुनिया में सभी बुराइयों की जड़ अमेरिका है।' ये बात स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको ने कही थी। वही फिको जिन पर पिछले बुधवार (15 मई) को जानलेवा हमला हुआ था। एक 71 वर्षीय शख्स ने उन पर एक के बाद एक 5 गोलियां चलाईं। इनमें से एक गोली उनके पेट में लगी, जिसके बाद से वे जिंदगी के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

स्लोवाकिया की राजनीति को करीब से जानने वाले एक्सपर्ट्स का मानना है कि देश में जिस तरह ध्रुवीकरण की राजनीति चल रही थी ऐसा होना तय था। इस घटना के बाद अब आशंका जताई जा रही है कि यदि फिको की जान नहीं बच पाती है तो देश में गृहयुद्ध का संकट पैदा हो सकता है।

प्रधानमंत्री बनते ही फिको ने यूक्रेन को सहायता देना बंद किया

रॉबर्ट फिको पिछले साल सितंबर में चुनाव जीत कर तीसरी बार सत्ता में आए थे। उनकी पार्टी को करीब 23 फीसदी मत हासिल हुआ था। उनकी पार्टी ने संसद की 150 सीटों में से 42 सीटों पर कब्जा किया। रॉबर्ट फिको वॉइस-सोशल डेमोक्रेसी पार्टी (एचलास) और स्लोवाक नेशनल पार्टी के साथ मिलकर 79 सीटों के साथ सरकार चला रहे हैं। सत्ता में आने के बाद फिको ने सबसे पहले 2 काम किए। सबसे पहले उन्होंने यूक्रेन को मिलने वाली सहायता रोक दी। फिको ने चुनाव के दौरान ही ये वादा किया था कि अगर वे सत्ता में आए तो यूक्रेन को मिलने वाली मदद रोक देंगे। दूसरा काम उन्होंने पर्दे के पीछे रहते हुए किया। उन्होंने अपनी स्मीर पार्टी के नेताओं के खिलाफ हो रही जांच को बंद करवा दिया। दरअसल 2018 में फिको की सरकार को एक खोजी पत्रकार येन कुचिएक और उसकी मंगेतर को मरवाने के आरोपों के चलते गिर गई थी। 27 जनवरी 2018 को येन कुचिएक(27) और उनकी मंगेतर की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। 1989 में सोवियत संघ के पतन के बाद ये पहला

ऐसा मामला था जब देश में किसी पत्रकार की हत्या हुई थी। येन इतावली माफिया और फिको सरकार के कई हाई प्रोफाइल नेताओं के बीच कनेक्शन पर स्टोरी कर रहे थे।

पत्रकार येन कुचिएक के मरने के बाद 3500 शब्दों की एक रिपोर्ट लीक हो गई थी, जिसमें विस्तार से इतावली माफिया और फिको सरकार के टॉप अधिकारियों के बीच कनेक्शन के बारे में बताया गया था। इसमें लिखा गया था कि कैसे स्मेर पार्टी के नेता इतावली माफिया के पैसों का इस्तेमाल कर रहे थे।

इसकी जांच तब शुरू हुई जब पीएम रॉबर्ट फिको ने मारिया तोरोस्कोवा नाम की एक पूर्व मॉडल को अचानक से अपना पर्सनल असिस्टेंट बना लिया। वह मिस यूनिवर्स में प्रतिभागी रह चुकी थी। राजनीति की बेहद कम जानकारी होने के बावजूद पीएम फिको ने तोरोस्कोवा को अपना सहयोगी चुना। इसके चलते तोरोस्कोवा को स्लोवाक मीडिया में 'द सेक्सी असिस्टेंट' कहा जाने लगा। पत्रकार येन कुचिएक और उनकी टीम ने जब मारिया तोरोस्कोवा को लेकर जांच शूरू की तो उन्हें इससे भी बड़ी एक कहानी का पता चला। उन्हें मालूम हुआ कि तोरोस्कोवा पहले एंटोनियो वदाला नाम के एक शख्स की बिजनेस पार्टनर रह चुकी हैं। वदाला इटली मूल का एक शख्स था जो कि स्लोवाकिया में रहकर बिजनेस कर रहा था।

वदाला के बारे में कहा जाता है कि वह 'नद्रांघेता माफिया' का एक मेंबर था जिसका काम यूरोप में कोकीन की सप्लाई करना था। मगर वह अपने इस काले धंधे को सफेद बनाने के लिए और भी कई तरह के बिजनेस चलाता था। वदाला और तोरोस्कोवा ने मिलकर एक कंपनी बनाई थी जो कन्सट्रक्शन का काम करती थी।

हालांकि, जल्द ही तोरोस्कोवा ने इस कंपनी का साथ छोड़ दिया। लेकिन बाद में भी तोरोस्कोवा और वदाला के बीच संबंध बने रहे। लीक हुई रिपोर्ट में दावा किया गया था कि तोरोस्कोवा ही इतावली माफिया और स्मेर पार्टी के बीच की कड़ी थी। इससे पहले येन कुचिएक इस बारे में और कुछ जानकारी जुटा पाते, उनकी हत्या कर दी गई। कुचिएक और उनकी मंगेतर को सिर के पास से गोली मारी गई थी। मारने से पहले उन्हें खूब यातनाएं दी गई थीं। पत्रकार की हत्या के बाद देश भर में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए जिसके बाद तत्कालीन राष्ट्रपति आंद्रेज किस्का ने फिको को पद से हटा दिया। इसके बाद फिको ने राष्ट्रपति किस्का पर अमेरिकी उद्योगपति जॉर्ज सोरोस से सांठगांठ रखने के आरोप लगाए थे।

बर्बरता के दो मामले में इमरान खान को अदालत ने किया बरी

पीटीआई के अन्य नेताओं को भी मिली राहत

इस्लामाबाद, 20 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को लंबे अरसे बाद थोड़ी राहत मिली है। पाकिस्तान की एक सत्र अदालत ने सोमवार को जेल में बंद खान और उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अन्य नेताओं को बर्बरता के दो मामलों में बरी कर दिया। बर्बरता के मामला मार्च 2022 के लंबे मार्च से जुड़ा हुआ है। कोहसर और कराची कंपनी पुलिस स्टेशनों में खान सहित अन्य पार्टी नेताओं के खिलाफ मामले दर्ज किए गए थे।

सोमवार को पीटीआई संस्थापक और पार्टी के अन्य नेताओं द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने फैसला सुनाया। अदालत ने इमरान खान के अलावा, पीटीआई नेता जरताज गुल, अली नवाज अवान, फैसल जावेद, शाह महमूद कुरेशी, कासिम सूरी, राजा खुर्रम नवाज, शिरीन मजारी, सैफुल्लाह नियाजी, असद उमर और अवामी मुस्लिम लीग प्रमुख शेख राशिद अहमद को बरी किया

है। फैसले के बाद इमरान खान के वकील नईम पंजोथा ने पत्रकारों से बात की। उन्होंने कहा कि पीटीआई संस्थापक के खिलाफ दर्ज मामले राजनीति से प्रेरित थे। लंबे मार्च के दौरान पीटीआई संस्थापक के खिलाफ बर्बरता का कोई सबूत नहीं मिला। इस्लामाबाद प्रशासन ने राजधानी शहर में धारा 144 लागू करने के लिए कोई अधिसूचना जारी ही नहीं की थी। खान के खिलाफ ऐसे कई मामले दर्ज किए गए हैं, अधिकांश में उन्हें बरी भी कर दिया गया है। खान के अलावा, अन्य नेताओं को भी अदालत ने बरी किया है। बता दें, इमरान खान तोशाखाना मामले में उच्च सुरक्षा वाली अदियाला जेल में बंद हैं। दरअसल, पाकिस्तान के कानून के अनुसार किसी विदेशी राज्य के गणमान्य व्यक्तियों से प्राप्त कोई भी उपहार स्टेट डिपॉजिटरी यानी तोशाखाना में रखना होता है। अगर राज्य का मुखिया उपहार को अपने पास रखना चाहता है तो उसके लिए उसे इसके मूल्य के बराबर राशि का भुगतान करना होगा। यह एक नीलामी की प्रक्रिया के जरिए तय किया जाता है।

कहानी इमरान के प्रधानमंत्री रहते हुए शुरू हुई थी। 2018 में सत्ता में आए इमरान खान को आधिकारिक यात्राओं के दौरान करीब 14 करोड़ रुपये के 58 उपहार मिले थे। इन महंगे उपहारों को तोशाखाना में जमा किया गया था। बाद में इमरान खान ने इन्हें तोशखाने से सस्ते दाम पर खरीद लिया और फिर महंगे दाम पर बाजार में बेच दिया। इस पूरी प्रक्रिया के लिए उन्होंने सरकारी कानून में बदलाव भी किए।

बाइडेन बोले- इजराइल-हमास जंग से मेरा दिल टूटा

ग्रैजुएशन सेरेमनी में स्टूडेंट्स से कहा- गाजा में मानवीय संकट, मैंने फौरन सीजफायर की मांग की है

वाशिंगटन, 20 मई (एजेंसियां)। 7 अक्टूबर 2023 को शुरू हुई इजराइल-हमास जंग जारी है। अमेरिकी छात्रों में फिलिस्तीनियों के प्रति संवेदना और इजराइल के खिलाफ गुस्सा देखा जा रहा है। स्टूडेंट्स कैंपस में प्रोटेस्ट कर रहे हैं। इस बीच सोमवार को जॉर्जिया राज्य के मोरहाउस कॉलेज में ग्रेजुएशन सेरेमनी हुई। राष्ट्रपति जो बाइडेन सेरेमनी में शामिल हुए। उन्होंने जंग को लेकर दुख जताया। उन्होंने कहा, "मैं आपकी भावनाओं को समझ रहा हूं। आप जो विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं उसकी वजह मैं जानता हूं। जंग से जो हालात बने हैं उन्हें देखकर मेरा दिल टूटा है। मैं शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन का समर्थन करता हूं। गाजा में

मानवीय संकट है। इसलिए मैंने फौरन सीजफायर किए जाने की मांग की है।" ग्रैजुएशन सेरेमनी के दौरान छात्रों ने फिलिस्तीन के समर्थन में सिर और गले में कफिए पहने थे। ज्यादातर फिलिस्तीनियों के लिए कफिया संघर्ष और प्रतिरोध का सिंबल है। इसे राजनीतिक और सांस्कृतिक हथियार के तौर पर भी देखा जाता है। इसे फिलिस्तीन का 'अनौपचारिक झंडा' भी कहा जाता रहा है। वहीं, कुछ छात्र बाइडेन की स्पीच के दौरान उनकी तरफ पीठ करके बैठे नजर आए। कई छात्र फिलिस्तीन का झंडा लपेटकर बैठे दिखे। छात्रों के पास बैनर भी थे। इन पर "सेव द चिल्ड्रन, सीजफायर नाओ" लिखा हुआ था। बाइडेन ने अपनी स्पीच में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की सरकार का भी जिक्र किया। उन्होंने अवैध प्रवासियों को लेकर ट्रम्प के नजरिए का जिक्र भी किया। मोरहाउस कॉलेज बॉयज कॉलेज और यहां ज्यादातर अश्वेत छात्र पढ़ते हैं। ऐसे में बाइडेन ने मई 2020 में हुई जॉर्ज फ्लॉयड की मौत के बारे में भी बात की। उन्होंने इस घटना को ट्रम्प सरकार और लोकतंत्र से जोड़ने की कोशिश की। उन्होंने कहा, "अगर एक अश्वेत शख्स को सड़क पर मार दिया जाता है, तो कहां है लोकतंत्र? जो लोकतंत्र अश्वेतों को साथ लेकर आगे न बढ़ सके वो कैसा लोकतंत्र? बराबरी करने के लिए अश्वतों को 10 गुना ज्यादा काम करना पड़े तो वो कैसा लोकतंत्र है।"

7 महीने से जारी इजराइल-हमास जंग में अब तक 35 हजार से ज्यादा फिलिस्तीनियों की मौत हो चुकी है। इनमें 15 हजार से ज्यादा बच्चे हैं। 7 अक्टूबर को हमास के एक हजार से ज्यादा लड़ाके इजराइल में घुस गए थे।

चीन में बढ़ रही चाकूबाजी की घटनाएं

इस बार प्राइमरी स्कूल को बनाया निशाना, पांच लोग घायल, इलाज जारी

बीजिंग, 20 मई (एजेंसियां)। चीन के एक प्राइमरी स्कूल में दोपहर में चाकू से हमला होने पर पांच लोग घायल हो गए। उनका इलाज चल रहा है। यह इस महीने की दूसरी घटना है। पूर्वी चीन के जियांग्शी प्रांत के गुइक्सी शहर के एक प्राथमिक विद्यालय में सोमवार को दोपहर में एक व्यक्ति ने चाकू से हमला किया। इससे पांच लोग जख्मी हो गए। सार्वजनिक सुरक्षा प्राधिकरण ने बताया कि पांचों घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। उनका इलाज जारी है। उन्होंने कहा कि ऐसी एक घटना पहले भी हो चुकी है।

सूत्रों की मानें तो अधिकारी कहते हैं मानसिक रूप से विक्षिप्त लोग इस तरह की हरकत करते हैं। बता दें कि 7 मई को युन्नान प्रांत में भी इस प्रकार की घटना हुई थी। जिसमें दो लोगों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा। अस्पताल में सामूहिक चाकूबाजी की घटना के शिकार 21 अन्य घायलों का इलाज चल रहा है।

बता दें कि चीन में निजी बंदूक रखना अधिकांश जनता के लिए अवैध है। उन्हें आजकल सार्वजनिक स्थलों पर इस तरह के चाकू के हमलों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं पिछले साल अगस्त में भी युन्नान के एक आवासीय जिले में मानसिक बीमार व्यक्ति ने कुछ लोगों पर चाकू से हमला किया था। इसमें दो लोगों की मौत हुई थी और सात लोग घायल हो गए थे। वहीं जुलाई में भी दक्षिण पूर्वी प्रांत गुआंगडोंग में एक किंडरगार्टन में चाकूबाजी की घटना हुई। जिसमें तीन बच्चों सहित छह लोगों की मौत हुई।

प्रशांत बैरवा की मां पर 25 करोड़ रुपये का जुर्माना

अवैध खनन के आरोप में खनिज विभाग ने की कार्रवाई

टोंक, 20 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के टोंक जिले की निवाई विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक रहे प्रशांत बैरवा की मां आशा लता पर 25 करोड़ का भारी भरकम जुर्माना लगा है। उन पर फेल्सपार का अवैध खनन करने का आरोप है। इसके बाद खनिज विभाग की ओर से इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया है। हालांकि पूर्व विधायक प्रशांत ने इसे राजनीति से प्रेरित कार्रवाई बताया है।

पट्टे की आड़ में अवैध खनन का आरोप

टोंक खनिज विभाग के सहायक अभियंता मोहनलाल का कहना है कि पूर्व विधायक की मां आशा लता के नाम पर बहड़ गांव में खान है। यहां क्वार्टज फेल्सपार निकालने का पट्टा भी दिया हुआ है। मगर यहां पट्टे की आड़ में अवैध खनन किया जा रहा था। इससे सरकार को करोड़ों के राजस्व का नुकसान हुआ है।

25.66 करोड़ रुपये का लगा जुर्माना

खनिज विभाग के अफसरों की माने तो अवैध खनन को लेकर कई बार शिकायत मिली। इसके बाद जांच करवाई गई तो शिकायत सही पाई गई। जांच में सामने आया कि यहां पट्टे की आड़ में भारी मात्रा में अवैध खनन किया गया। इसके बाद खान विभाग ने आशा लता पर 25 करोड़ 66 लाख 74 हजार 413 रुपये जुर्माना लगाया है और एक महीने में जुर्माना राशि जमा कराने को कहा है।

2004 में भी सामने आया था अवैध खनन

टोंक के बहड़ गांव में पूर्व विधायक की मां के नाम से चल रही खदान में अवैध खनन का मामला पहले भी उछल चुका है। जनवरी 2024 में खनिज विभाग की टीम ने अवैध खनन की शिकायत पर यहां जांच की थी। इस जांच में सामने आया कि यहां निर्धारित क्षेत्र के बाहर खनन किया जा रहा है, जो अवैध है। भारी अवैध खनन पाए जाने के बाद इस मामले में बरौनी थाने में एफआईआर भी दर्ज हुई थीं।

पूर्व विधायक प्रशांत बैरवा ने कहा कोर्ट जाएंगे

पूर्व विधायक प्रशांत बैरवा की मां के नाम से चल रही खदान में अवैध खनन का मामला उछलने और फिर खनिज विभाग की ओर से भारी भरकम जुर्माना लगाने पर पूर्व विधायक प्रशांत बैरवा ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इस कार्रवाई को राजनीति से प्रेरित बताया है और इसके खिलाफ न्यायालय की शरण लेने की बात कही है।

कांग्रेस नेता अमीन पठान को सिखाया सबक

सुबह-सुबह उनके फॉर्म हाउस पर पहुंचा बुलडोजर, तोड़ डाला सब कुछ

जयपुर, 20 मई (एजेंसियां)। भाजपा का दामन छोड़कर कांग्रेस का हाथ थामने वाले नेता अमीन पठान की मुश्किलें कम नहीं हो रही है। अब कोटा में आमीन पठान के फार्म हाउस पर वन विभाग ने कार्रवाई की है। वन विभाग व पुलिस की टीम ने अनंतपुरा इलाके में वन भूमि पर बनाए गए अमीन पठान के फार्म हाउस को तोड़ा है। अल सुबह इस कार्रवाई को अंजाम दिया। पठान का ये फार्म हाउस करीब 15 बीघा जमीन पर बताया। जिसे पुलिस की मौजूदगी में जेसीबी की मदद से तोड़ा गया। कार्रवाई सुबह 6 बजे हुई जो साढ़े 8 बजे तक जारी रही।

वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार अमीन पठान ने वन विभाग की जमीन पर अतिक्रमण करके कुछ इमारतें बना रखी थी।

इस सम्बंध में अतिक्रमण कर्ता को फरवरी व मार्च के महीने में नोटिस दिया था। अतिक्रमण कर्ता ने इमारतें खाली भी कर दी थी। आज सुबह पुलिस इमदाद के साथ कार्रवाई की है। मौके पर कुछ लोग थे। जिन्हें दूसरे जगह शिफ्ट किया है। इमारत में कुछ सामान रखे हुए थे जिन्हें बाहर निकाला गया। वन विभाग की जमीन पर हो रहे अतिक्रमण को तोड़ा है।अतिक्रमण तोड़ने के दौरान किसी भी तरह का कोई विरोध नहीं हुआ। पुलिस की टीम में एएसपी, डीएसपी, सीआई समेत 150 जवान मौजूद रहे। जबकी फारेस्ट से कोटा, मुकंदरा, वाइल्ड लाइफ से 150 लोगों का जाब्ता मौजूद रहा।

पहले अमीन पठान को जाना पड़ा था जेल..

इससे पहले वन विभाग की टीम मार्च के महीने में कांग्रेस महासचिव व आरसीए के पूर्व उपाध्यक्ष अमीन पठान के अवैध अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई करने गई थी। जिसका अमीन पठान ने विरोध जताया था। वह विभाग की टीम ने अमीन पठान के खिलाफ अनंतपुरा थाने में राजकार्य में बाधा, वन भूमि पर अतिक्रमण का मामला दर्ज हुआ था। पुलिस ने 17 मार्च को अमीन पठान को गिरफ्तार किया था। अमीन पठान 16 दिन तक जेल में बंद रहे थे। हाईकोर्ट से अमीन पठान की जमानत हुई थी। इस बीच 23 मार्च को अमीन पठान व उनके परिवार के खिलाफ डराने, बंधक बनाने का एक और मामला अनंतपुरा थाने में दर्ज हुआ था। पीड़ित ने अमीन पठान,उनकी पत्नी रजिया पठान , भांजे कालू खान के खिलाफ डराने, धमकाने बंधक बनाने की और झूठी एफआईआर दर्ज करवाने के लिए दबाव बनाने की धाराओं में मामला दर्ज करवाया था।

विश्वेंद्र सिंह पर पत्नी-बेटे का पलटवार

बोले- सब बेच दिया, मोती महल बचा है, इसे नहीं बिकने देंगे

भरतपुर, 20 मई (एजेंसियां)। भरतपुर के राजपरिवार का प्रॉपर्टी विवाद बढ़ता ही जा रहा है। पूर्व कैबिनेट मंत्री रहे विश्वेंद्र सिंह के लगाए अत्याचार के आरोपों पर अब उनकी पत्नी और बेटे खुलकर सामने आए। मां-बेटे ने कहा कि उन पर जो आरोप लगाए गए हैं वो सरासर गलत हैं। पूरी तरह से बकवास हैं। इतना ही नहीं विश्वेंद्र सिंह की पत्नी ने दिव्या सिंह ने तो यहां तक कह दिया कि तीन साल से मैं चुप हूं, अगर मैंने मुंह खोला तो बात सुप्रीम कोर्ट तक जाएगी।

वहीं, बेटे अनिरुद्ध ने भी पिता के आरोपों पर पलटवार करते हुए कि उन्होंने घर के कारपेट तक बचे दिए हैं, अब चाहे कुछ भी हो जाए हम मोती महल बिकने नहीं देंगे। मोती महल मां दिव्या रानी के नाम है और उनके नाम से पट्टा भी है। पिता ने फर्जी सिग्नेचर कराकर सारी प्रॉपर्टी पहले ही बेच दी है, अब एक मोती महल बचा है इसे भी बेचना चाहते हैं

पूर्व कैबिनेट मंत्री रहे विश्वेंद्र सिंह ने अपनी पत्नी और बेटे पर अत्याचार करने का आरोप लगाया था। उनका कहना था कि उनको घर से निकाल दिया गया है। उनको भरपेट खाना भी नहीं दिया जाता है। इन आरोपों के साथ विश्वेंद्र सिंह ने एक प्रार्थना पत्र उपखंड अधिकारी भरतपुर को दिया था। इस पत्र में उन्होंने हर महीने पांच लाख रुपये भरण पोषण के लिए दिलाने की बात भी कही गई थी। ये पत्र उन्होंने बीते मार्च में दिया था, लेकिन मामले का खुलासा अब हुआ है। इसके बाद से ही सारा विवाद शुरू हो गया है।

बेटे अनिरुद्ध सिंह ने पिता की बातों को झूठा बताते हुए कहा कि वो सिर्फ उन्हें और उनकी मां को बदनाम कर रहे हैं। अनिरुद्ध ने पिता पर ही प्रॉपर्टी बेचने के आरोप लगाए। अनिरुद्ध ने कहा कि पिता विरासत बेच रहे हैं। 1995 के बाद से लगातार प्रॉपर्टी बेची गई है।

वहीं, पत्नी दिव्या सिंह ने कहा कि इस मामले में अब जब एसडीएम निष्कर्ष पर पहुंच चुके हैं, तो उन्होंने मीडिया में यह प्रकरण लीक किया है। उन्होंने कहा मेरे साथ 33 साल से अत्याचार हो रहा है। उन्होंने कहा कि पुश्तैनी जायदाद की रक्षा करना मेरी जिम्मेदारी है।

मोटरसाइकिल पर सवार कांग्रेस नेता हेमाराम चौधरी का वीडियो वायरल

जयपुर, 20 मई (एजेंसियां)। जयपुर। राजस्थान की सरकार में दो बार मंत्री, राजस्थान विधानसभा में एक बार नेता प्रतिपक्ष और बाड़मेर की गुड़ामालानी विधानसभा सीट से रिकॉर्ड 6 बार विधायक रहे हेमाराम चौधरी एक बार फिर सुर्ख़ियों में हैं। प्रदेश में दो चरणों के चुनाव ख़त्म होने और 4 जून को नतीजे आने के बीच कांग्रेस पार्टी के इस दिग्गज नेता की चर्चा फिलहाल, एक अलग ही वजह से हो रही है।

वीडियो हो रहा वायरल

दरअसल, हेमाराम चौधरी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में वे एक मोटरसाइकिल में सवार दिखाई दे रहे हैं। इस वीडियो में चौधरी पीछे बैठे हैं, जबकि चालक मोटरसाइकिल चला रहा है। वीडियो उनके बाड़मेर में ही एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जाने का बताया जा रहा है।

दो धड़ों में बंटे यूज़र्स

वीडियो वायरल होने के पीछे

दो कारण सामने आए। दोनों ही कारणों को सपोर्ट करते यूज़र्स भी दो धड़ों में बंटे दिख रहे हैं। एक पक्ष के यूज़र्स जहां चौधरी के मोटरसाइकिल की सवारी को उनकी सादगी का प्रतीक बता रहे हैं, वहीं दूसरे धड़े के यूज़र्स चौधरी और बाइक सवार के बिना हेलमेट होने के कारण इसे सड़क नियमों की अवहेलना बताते हुए ऐतराज़ जता रहे हैं।

क्या हेमाराम चौधरी ने तोड़े नियम?

वीडियो वायरल होने और ऐतराज़ उठने के बाद सवाल उठ रहा है कि क्या हेमाराम चौधरी ने हेलमेट नहीं पहनकर किसी तरह के सड़क सुरक्षा संबंधी नियम तोड़े हैं? क्या चौधरी ऐसे लोगों की श्रेणी में आते हैं जिन्हें हेलमेट लगाने में छूट मिली हुई है?

सभी के लिए अनिवार्य है हेलमेट

वैसे सड़क पर दोपहिया वाहन चलाने के दौरान खुद की सुरक्षा के लिए सिर पर हेलमेट पहनना ज़रूरी है। यही कारण है कि मोटर वेहिकल एक्ट के तहत भी हेलमेट को वाहन चलाने वालों और उसके पीछे सवारी करने वालों के लिए भी हेलमेट अनिवार्य है। लेकिन भारत में कुछ लोग ऐसे भी हैं, जिन्हें सड़क पर हेलमेट ना पहनने की छूट मिली हुई है। ऐसे विशेष लोग अगर सड़क पर बिना हेलमेट के दोपहिया वाहन चालते पकडे भी जाते हैं, तो उनका चालान नहीं कटता।

हेलमेट रेगुलेशन एंड लॉ इन इंडिया के नियमों के अनुसार, चार साल की उम्र के ऊपर जो भी बाइक या स्कूटी पर बैठता है, उसे हेलमेट पहनना अनिवार्य है। ना सिर्फ वाहन चलाने वाला, बल्कि पीछे बैठे शख्स के लिए भी यही नियम हैं। ऐसा नहीं होने पर ड्राइविंग लाइसेंस के रद्द होने से लेकर जुर्माने और जेल तक का प्रावधान है।

हेलमेट लगाने और चालान से इन्हें है छूट

कुछ विशेष परिस्थितियां हैं जिनमें वाहनचालकों को हेलमेट पहनने पर छूट है। इनमें पगड़ी पहनने वाले सिर्फ सिख समुदाय के लोग शामिल हैं। सिखों की पगड़ी को धार्मिक आस्था से जोड़ते हुए इन्हें छूट। इनके अलावा अगर किसी को ऐसी मेडिकल कंडीशन है, जिसके कारण वो सिर पर हेलमेट नहीं पहन सकता, तब सबूत के साथ वो भी हेलमेट और चालान से बच सकता है।

कई बार विवादों में रही पगड़ी

सिख समुदाय को छोड़ अन्य किसी को हेलमेट नहीं पहनने की छूट नहीं है, लेकिन फिर भी कुछ लोग सिर पर पगड़ी बांधकर टू-व्हीलर चलाते हैं। इस बात को लेकर सडकों पर वाहन चालक और ट्रेफिक पुलिस के बीच विवाद होना आम बात है।

बहुचर्चित कोटड़ी भट्टी कांड में पॉक्सो कोर्ट का फैसला

नाबालिग के हत्यारों को मिली मौत की सजा

भीलवाड़ा, 20 मई (एजेंसियां)। भीलवाड़ा के कोटड़ी क्षेत्र में 2 अगस्त 2023 को घटित भट्टी कांड के मामले में पॉक्सो कोर्ट संख्या 2 ने ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए दो सगे दोषी भाइयों, कालू और कान्हा को मृत्युदंड की सजा सुनाई है। इस मामले में कुल नौ आरोपियों पर ट्रायल चल रहा था, जिसमें सात आरोपियों को अदालत ने दोषमुक्त कर दिया, जबकि बाकी दो कालू और कान्हा को दोषसिद्ध पाया गया।

इस भयंकर घटना में नाबालिग युवती को जलती हुई कोयले की भट्टी में झोंक दिया गया था, जिससे उसकी मृत्यु हो गई थी। इस घटना ने पूरे राज्य को हिलाकर रख दिया था और इसके बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए राज्य सरकार ने आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित की थी। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस फैसले का स्वागत करते हुए ट्वीट किया है कि अगस्त 2023 में भीलवाड़ा के कोटड़ी में बालिका से दुष्कर्म एवं हत्या के मामले में अदालत से दोषियों को मृत्युदंड की सजा का फैसला स्वागतयोग्य है। हमारी सरकार ने आरोपियों पर त्वरित कार्रवाई की थी और घटना स्थल पर एडीजी क्राइम को भेजा गया था। केस ऑफिसर स्कीम के तहत केस को लिया गया और एक महीने में ही चार्जशीट दायर कर दी गई। करीब 10 महीने के अंदर दोषियों को सजा सुनाई गई है। इस फैसले से राज्य में न्याय की जीत हुई है और यह घटना एक मिसाल के तौर पर याद की जाएगी।

वकील के खिलाफ रेप का झूठा मामला दर्ज करवाना महिला को पड़ा भारी

पुलिस ने किया गिरफ्तार

जयपुर, 20 मई (एजेंसियां)। जयपुर. सदर थाना पुलिस ने एक एडवोकेट को ब्लैकमेल करने के मामले में एक महिला को गिरतार किया। सदर थाने में महिला के खिलाफ एडवोकेट नितिन मीणा ने मामला दर्ज करवाया था। रिपोर्ट में बताया कि महिला ने एडवोकेट की प्रैक्टिस करने के लिए परिवादी से संपर्क किया और मोबाइल नंबर ले लिए। बाद में मोबाइल पर बातचीत करने लगी। महिला ने पहली बार जरूरत बताते हुए सात हजार रुपए लिए। बाद में परिवादी को पता चला कि महिला ने कई लोगों के खिलाफ मामले दर्ज करवा रखे हैं, तब उससे दूरी बना ली। इस पर महिला ने परिवादी को धमकी दी और हर शनिवार 5 हजार रुपए लेने लगी।

पैसे नहीं दिए तो ज्योति नगर में उसके खिलाफ बलात्कार का मामला दर्ज करवा दिया। अब वह ब्लैकमेल कर रुपए मांग रही है। वहीं महिला ने सदर थाने में ही उसको फंसाने का आरोप लगाते हुए परिवाद दर्ज करवाया था। डीसीपी अमित कुमार ने बताया कि महिला को सदर थाने में दर्ज प्रकरण में गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

पुलिस के मुताबिक महिला ने 18 लोगों के खिलाफ 14 प्रकरण बलात्कार, छेड़छाड़ व मारपीट के दर्ज करवा रखे हैं, जिनमें संबंधित थाना पुलिस ने 3 बलात्कार व एक मारपीट के मामले में चार्जशीट पेश की। वहीं 9 दर्ज मामलों में एफआर लगा दी। एफआर लगाने वाले मामलों में पांच बलात्कार के प्रकरण हैं। पुलिस ने बलात्कार के अन्य मामले में एफआर का प्रपोजल भेज रखा है। जबकि बलात्कार के एक मामले में अभी अनुसंधान विचाराधीन है।

हाईवे पर फेंसिंग का काम कर रहे कर्मचारियों को बेकाबू ट्रक ने कुचला

तीन की मौत, चालक फरार

जोधपुर, 20 मई (एजेंसियां)। हाईवे पर फेंसिंग का काम कर रहे कंस्ट्रक्शन कंपनी के कर्मचारियों को बेकाबू ट्रक ने कुचल दिया। हादसे में दो की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं एक ने अस्पताल ले जाते हुए रास्ते में दम तोड़ दिया। ट्रक ने सड़क के किनारे खड़ी एक बोलेरो को भी टक्कर मार दी। तीनों जोधपुर रिंग रोड पर फेंसिंग का काम कर रहे थे। इस दौरान यह हादसा हो गया।

टक्कर इतनी तेज थी कि बोलेरो गाड़ी के एक तरफ का हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने के बाद राजीव गांधी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों के शवों को मॉर्चरी में रखवाया।

सूचना के अनुसार जोधपुर के राजीव गांधी थाना क्षेत्र के तिलवाड़िया फांटा के पास कंस्ट्रक्शन कंपनी के दो मजदूर और एक सुपरवाइजर फेंसिंग का काम कर रहे थे।

इस दौरान दोपहर करीब 12:30 बजे एक बेकाबू ट्रक ने रोड पर खड़ी बोलेरो गाड़ी को टक्कर मार दी। बोलेरो के पास ही खड़े तीनों लोगों को कुचलता हुआ आगे किनारे लगी फेंसिंग से टकरा कर रुक गया।

8 शहरों में पारा 46 डिग्री पार

गंगानगर टॉप पर, कब होगी मानसून की एंट्री

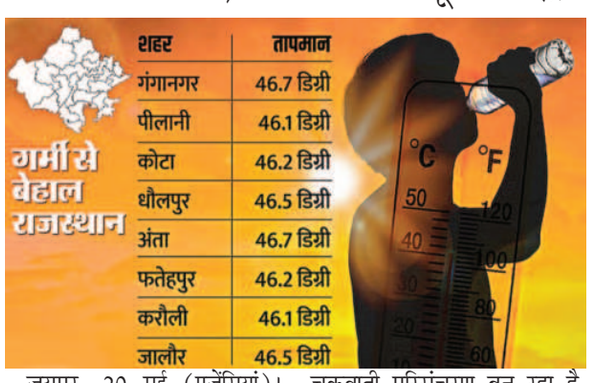

जयपुर, 20 मई (एजेंसियां)। जयपुर मौसम विभाग की ओर से बाकी अन्य जिलों के लिए भीषण गर्मी को लेकर अलर्ट जारी किया है। अगले तीन-चार दिन लू चलेगी और भीषण गर्मी का दूसरा चरण 24 मई के बाद से शुरू होगा और उसमें दिन का तापमान 47 डिग्री तक पहुंचने का अंदेशा जताया गया है। भीषण गर्मी के बीच आने वाले कुछ दिनों में राहत मिल सकती है। जयपुर मौसम विज्ञान केंद्र की ताजा जानकारी के अनुसार उत्तरी राजस्थान के ऊपर एक नया चक्रवाती परिसंचरण बन रहा है, जिसकी वजह से आने वाले दिनों में यहां के कुछ इलाकों में बारिश की संभावना जताई गई है।

भारतीय मौसम विभाग ने मानसून को लेकर भी जानकारी जारी की है। इसके अनुसार मानसून देश के दक्षिणी हिस्से में इंटर कर अंडमान-निकोबार पहुंच गया है। 31 मई तक इसके केरल पहुंचने की भी संभावना जताई गई है। मौमस विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार मानसून के राजस्थान में 25 जून से 6 जुलाई तक पहुंचने के आसार हैं।

घर पर सो रहे छोटे भाई के परिवार पर खिड़की से फेंका एसिड

हमले में दो बच्चों समेत चार लोग झुलसे

बीकानेर, 20 मई (एजेंसियां)। जिले के नोखा में दो भाइयों में संपत्ति को लेकर विवाद इतना बढ़ा कि बड़े भाई ने देर रात अपने घर पर सो रहे छोटे भाई के परिवार पर एसिड फेंक दिया। गुस्सा इतना कि बच्चों, महिलाओं को भी नहीं छोड़ा। झुलसे हुए एक परिवार के चारों सदस्यों को पीबीएम ट्रॉमा सेंटर में भर्ती करवाया गया है। मामला नोखा मंडी की कर्मचारी कॉलोनी का है।

घटना के बाद झुलसे हुए अशोक कुमार, राधा, मनदीप और अंकिता को पीबीएम हॉस्पिटल के ट्रॉमा सेंटर लाया गया। यहां डॉक्टर्स ने इलाज शुरू किया।

थानाधिकारी प्रशिक्षु आईपीएस आदित्य काकड़े का कहना है, मामले की अभी जांच चल रही है। फिलहाल इतना ही कह सकते हैं कि भाइयों में संपत्ति को लेकर पिछले कई सालों से विवाद चल रहा है।

इसके चलते गुस्साए बड़े भाई ने देर रात को अपने घर में सो रहे छोटे भाई के परिवार पर एसिड से हमला कर दिया।

खिड़की से फेंका तेजाब

एसिड अटैक में गंभीर रूप से झुलसे अशोक कुमार का कहना है, हम सो रहे थे। रात को लगभग ढाई बजे खिड़की में से तेजाब फेंका गया। जलन महसूस होने पर नोखा हॉस्पिटल गए। वहां से बीकानेर के पीबीएम हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया। अशोक कुमार का आरोप है कि हमला करने वाला उसका बड़ा भाई है।

3 वाहनों की जोरदार टक्कर में 2 की मौत

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर हुआ बड़ा हादसा

दौसा, 20 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के दौसा से एक दर्दनाक तस्वीर सामने आ रही है। जहां लालसोट क्षेत्र के सवांसा गांव के पास दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर बड़ा सड़क हादसा हो गया है। बताया जा रहा है कि तीन वाहनों में जोरदार टक्कर हुई है। जिसमें दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दो जने घायल हो गए। सूचना मिलने पर झापदा व राहुवास पुलिस मौके पर पहुंची। जिसके बाद घायलों को उपचार के लिए लालसोट जिला अस्पताल पहुंचाया।

लालसोट थाना क्षेत्र के सवांसा गांव के पास दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर तीन वाहन आपस में टकरा गए। जिसमें दो लोगों की मौके मौत हो गई तो दो जने घायल हुए है। पुलिस ने घटनास्थल पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं घायलों को उपचार के लिए हॉस्पिटल पहुंचाया और शवों को मोर्चरी में रखवा दिया है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को दे दिए जाएंगे।

व्यापारी पर फायरिंग के पीछे की कहानी का झुंझनू एसपी ने किया खुलासा

चार आरोपी गिरफ्तार

झुंझुनू, 20 मई (एजेंसियां)। झुंझुनू जिले के गुढ़ा में व्यापारी पर फायरिंग करने का मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी सहित चार इनामी बदमाशों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। जिला पुलिस अधीक्षक राजर्षि राज वर्मा ने आरोपियों पर बीस हजार रुपये के इनाम की घोषणा भी की थी। आरोपी संजय भार्गव उर्फ संजू पुलिस थाना लक्ष्मणगढ़ जिला सीकर में हत्या के प्रकरण में इनामी वांछित अपराधी है। वहीं एक अन्य आरोपी मोहित शर्मा पुलिस थाना उद्योग नगर, सीकर में लूट के प्रकरण में वांछित है। पकड़े गए आरोपियों में दो शूटर भी गिरफ्तार

किए गए हैं, जो रवि कुमार एवं देवेंद्र सिंह निवासी जिला भरतपुर हैं। सीकर के इनामी अपराधी विजय भार्गव उर्फ बीजू रानोली को भी डिटेन कर सीकर पुलिस को सौंपा गया है।

ज्ञात रहे कि इस पूरे मामले में पांच आरोपी पूर्व में ही गिरफ्तार हो चुके हैं। अब तक इस कुल 9 आरोपियों की गिरफ्तारी इस मामले में की जा चुकी है। जिला पुलिस अधीक्षक राजर्षि राज वर्मा ने आज प्रेस वार्ता में पूरे मामले का खुलासा किया। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि व्यापारी पर हमला किसी मामले में राजीनामे को लेकर दबाव बनाने के लिए किया गया था।

किसानों का आखिरी दाना तक खरीदने का निर्देश : सीएम

तीन घंटे से अधिक तक मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में चली मंत्रिमंडल की बैठक

हैदराबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कैबिनेट की बैठक संपन्न हो गई है। सीएम रेवंत रेड्डी की अध्यक्षता में तीन घंटे से ज्यादा समय तक चली इस बैठक में कई अहम फैसले लिए गए। कैबिनेट ने 2 जून को पूर्ण राज्यत्व समारोह आयोजित करने और इस समारोह में एआईसीसी नेता सोनिया गांधी को आमंत्रित करने का निर्णय लिया है। अनाज खरीदी की पूरी जिम्मेदारी कलेक्टरों को सौंपी गई है। कलेक्टरों को खरीदी की पूरी जिम्मेदारी दी गई है। किसानों को नुकसान न हो इसके लिए सीएम ने आखिरी दाने तक खरीद करने का आदेश दिया। मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी और श्रीधर बाबू ने मीडिया को कैबिनेट द्वारा लिए गए फैसलों का खुलासा किया।

मंत्री पोंगुलेटी ने कहा कि मेडिगड्डा पर एनडीएसए द्वारा दी गई अंतरिम रिपोर्ट पर भी कैबिनेट में चर्चा की गई और कहा कि हम कालेश्वरम के मामले में एनडीएसए के निर्देशों के अनुसार कार्य करेंगे। उन्होंने कहा, एनडीएसए समिति ने कहा कि इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि मेडिगड्डा की मरम्मत की जाएगी और पानी जमा करने की कोई स्थिति नहीं है। इसलिए, हम अस्थायी व्यवस्था होने पर भी किसानों को पानी उपलब्ध कराने के बारे में सोच रहे हैं।

कैबिनेट की बैठक में अहम फैसले

> असामयिक वर्षा से भीगे अनाज को भी समर्थन मूल्य पर खरीदने का निर्णय।
> एमएसपी से एक रुपया भी कम कीमत नहीं देने का फैसला।
> हम राज्य द्वारा आवश्यक सभी छोटे चावल को राज्य के भीतर एकत्र करते हैं।
> पतले धान पर 500 रुपये प्रति क्विंटल बोनस।
> नकली बीज बेचने वालों पर सख्त कार्रवाई।
> सरकारी स्कूलों के आधुनिकीकरण के लिए 600 करोड़ रुपये का आवंटन।
> मंत्री श्रीधर बाबू की अध्यक्षता में अम्मा आदर्श स्कूल कार्यों पर कैबिनेट उप-समिति।
> कालेश्वरम परियोजना में मरम्मत कराने का निर्णय।
> मेडिगड्डा, अन्नाराम और सुंडिला परियोजनाओं पर विशेषज्ञ समिति जो कहेगी वही करने का निर्णय।

ओयू ने डीबीटी-बिल्डर प्राइमरी सेल कल्चर लैब लॉन्च

हैदराबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। उस्मानिया विश्वविद्यालय (ओयू) ने सोमवार को यहां विश्वविद्यालय परिसर में जेनेटिक्स विभाग में डीबीटी-बिल्डर प्राइमरी सेल कल्चर लैब सुविधा लॉन्च की। ओयू वीसी प्रोफेसर डी रविंदर और रजिस्ट्रार प्रोफेसर पी लक्ष्मीनारायण द्वारा उद्घाटन की गई सुविधा, भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित है, जिसने 'डीबीटी-बिल्डर-इंटरडिसिप्लिनरी लाइफ साइंस प्रोग्राम फॉर एडवांस्ड रिसर्च एंड एजुकेशन' के लिए 8.03 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं।

परियोजना का उद्देश्य संकाय, कॉलेज शिक्षकों, अनुसंधान विद्वानों और तकनीकी सहायकों के प्रशिक्षण के साथ-साथ जीनोमिक्स, नैनोबायोलॉजी और चिकित्सीय जैसे जैविक विज्ञान के उभरते क्षेत्रों में अंतः विषय अनुसंधान की सुविधा प्रदान करना है। सात जीवन-विज्ञान विभागों के अठारह संकाय सदस्य प्रमुख जांचकर्ताओं के रूप में परियोजना का हिस्सा हैं। डीबीटी-बिल्डर कार्यक्रम के तहत खरीदे गए उपकरणों में एक डिजिटल पीसीआर, सीडी स्पेक्ट्रोमीटर, अल्ट्रा सेंट्रीफ्यूज, क्रायोस्टेट, हाई-एंड सर्वर और वर्कस्टेशन, डिस्कवरी स्टूडियो सॉफ्टवेयर, सीएलसी जीनोमिक्स सॉफ्टवेयर, फ्लोरोसेंट माइक्रोस्कोप और सीओ 2 इनक्यूबेटर शामिल हैं।

अभी भी कागज पर हैं बंदोबस्ती भूमि पर ईंधन स्टेशन

मंदिर की भूमि को पट्टे पर देने की थी योजना

हैदराबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बंदोबस्ती विभाग ने ईंधन स्टेशन स्थापित करने के लिए विभिन्न मंदिरों की भूमि को तेल कंपनियों को पट्टे पर देने की बड़ी योजना तैयार की थी।

हालांकि, विभिन्न कारणों से यह पहल अधिकारियों की योजना के अनुसार आगे बढ़ने में विफल रही। ईंधन स्टेशनों की स्थापना के लिए मंदिरों की भूमि को पट्टे पर देने के पीछे का उद्देश्य मंदिर प्रबंधन के लिए राजस्व बढ़ाने के अलावा, उन्हें अतिक्रमण से बचाना था। अधिकारियों ने उपयुक्त भूमि पार्सल की पहचान करने पर एक अध्ययन करने की योजना बनाई थी जिसे ईंधन स्टेशनों के लिए पट्टे पर दिया जा सकता है, लेकिन अधिकारियों को बेहतर ज्ञात कारणों से, अब तक कई भूमि पार्सल पट्टे पर नहीं दिए गए थे। विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि रानीगंज, सिकंदराबाद में नवग्रह हनुमान मंदिर जैसे कुछ मंदिर प्रबंधनों को छोड़कर, जिन्होंने ईंधन स्टेशन स्थापित करने के लिए भूमि पट्टे पर दी थी, ऐसी कई परियोजनाएं शुरू नहीं की जा सकीं।

तेल कंपनियां आम तौर पर उन क्षेत्रों को प्राथमिकता देती हैं जो व्यावसायिक रूप से अधिक व्यवहार्य और मोटर चालकों के लिए सुलभ हों।

अधिकारी ने कहा कि इसके अलावा, मंदिर ट्रस्टों की भूमि पट्टे पर देने की भी अलग-अलग योजनाएं हैं क्योंकि वे हॉल, दुकानें और अन्य सुविधाएं स्थापित करना पसंद करते हैं।

स्कूलों में प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित

आसिफाबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला अनुसूचित जाति विकास अधिकारी सजीवन ने एक बयान में कहा कि शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए सर्वोत्तम उपलब्ध विद्यालय योजना के तहत आवासीय और गैर-आवासीय प्रवेश के लिए आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। उन्होंने कहा इसके तहत जिले को 78 सीटें आवंटित की गई हैं, कक्षा 1 (गैर-आवासीय) में 38 सीटें और कक्षा 5 (आवासीय) में 40 सीटें। अभ्यर्थियों को आवेदन के साथ जाति, आय, जन्मतिथि प्रमाण पत्र (मी-सेवा द्वारा जारी), आधार कार्ड, 3 पासपोर्ट आकार के रंगीन फोटोग्राफ संलग्न करने होंगे। (5वीं कक्षा में प्रवेश के लिए, चौथी कक्षा उत्तीर्ण करने वाले अभ्यर्थियों को पिछले वर्ष की अंकसूची संलग्न करनी होगी, आवेदन के साथ बोनापाइड) 7 जून को शाम को 5 घंटे के भीतर जिला अनुसूचित जाति विकास विभाग के कार्यालय में उपलब्ध कराने को कहा गया है। उन्होंने बताया कि कक्षा 1 में प्रवेश के लिए अभ्यर्थियों की पारिवारिक आय ग्रामीण क्षेत्रों के लिए 1 लाख 50 हजार रुपये तथा शहरी क्षेत्रों के लिए 2 लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए तथा अभ्यर्थियों का जन्म 1 जून 2018 से 31 मई 2019 के बीच होना चाहिए।

स्कूल खुलने से पहले मरम्मत का काम पूरा हो जाना चाहिए : दीपक तिवारी

आसिफाबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला अतिरिक्त कलेक्टर (स्थानीय संस्थान) दीपक तिवारी ने कहा कि अधिकारियों को शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में स्कूल फिर से खुलने से पहले अम्मा आदर्श स्कूल समिति के तत्वावधान में सरकारी स्कूल में किए गए विकास और मरम्मत कार्य को पूरा करने के लिए कदम उठाने चाहिए। मंडल परिषद विकास अधिकारी, मंडल पंचायत अधिकारी, आई.के.पी.ए.पी. एम.एस., रोजगार गारंटी योजना ए.पी.ओ विकास कार्यों एवं समान पोशाक को लेकर विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों के साथ समीक्षा बैठक की गई। इस अवसर पर जिला अदनापु कलेक्टर ने कहा कि सरकार ने सरकारी स्कूलों को मजबूत करने के लिए अम्मा आदर्श विद्यालय समिति के माध्यम से सभी सरकारी स्कूलों में विकास कार्य शुरू किया है। ग्राम सामायिक संघ के सदस्यों के सहयोग से सरकारी स्कूलों में कक्षाएं शुरू होने से पहले स्कूलों में किए गए विकास कार्य, बुनियादी ढांचे के निर्माण और मरम्मत कार्य को पूरा करने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि हर स्कूल में पेयजल, मूत्रालय और विद्युतीकरण के कार्यों के साथ-साथ कक्षा-कक्ष की मरम्मत और विशेष रूप से लड़कियों के लिए मूत्रालयों को पूरा करने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए।

सड़क दुर्घटना में दो गंभीर रूप से घायल

भैंसा, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कस्बे के हरियाली पेट्रोल पंप पर दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाएं हुईं। भैंसा मंडल इलेगाम का निवासी लक्ष्मण दोपहिया वाहन पर भैंसा जा रहा था, तभी उसे एक अज्ञात दोपहिया वाहन ने टक्कर मार दी और गंभीर रूप से घायल हो गया। निज़ामाबाद की ओर से बाइक पर भैंसा आ राहे अज्ञात व्यक्ति की टक्कर हो गई उसे चिकित्सा के लिए निजामाबाद भेजा गया पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

अग्रवाल समाज पैराडाइज शाखा की वार्षिक साधारण सभा

हैदराबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज पैराडाइज शाखा ने कल अपनी वार्षिक साधारण सभा का आयोजन किया। सभा में सर्वप्रथम महाराजा श्री अग्रसेन जी की पूजा अर्चना की गई। इसके पश्चात मंत्री दीपक अग्रवाल ने सभी सदस्यों का स्वागत किया। अध्यक्ष धीरज खेतान ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। इसके पश्चात सभा में पिछली वार्षिक साधारण सभा की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। जिसे सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से पास कर दिया। मंत्री दीपक अग्रवाल ने शाखा द्वारा 11 महीना में 12 गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। इसमें इस वर्ष शाखा ने योग दिवस, अग्रसेन महाराज पूजा उत्सव, केंद्रीय समिति का स्वागत, स्वतंत्रता दिवस, सुंदरकांड, अग्रसेन जयंती, अंकुट, रामल्ला प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव, गणतंत्र दिवस, होली मिलन और केंद्र द्वारा प्रायोजित कार्यक्रमों में शाखा सदस्यों को डिस्काउंट का प्रस्ताव एवं अन्य गतिविधियों की जानकारी दी गई। कोषाध्यक्ष अशोक चोखानी ने आय व्यय की जानकारी दी। जिसे सभा ने पास किया। कार्यक्रम में भूत पूर्व अध्यक्ष संजय जालान, पवन, दिनेश लसबलका, उपाध्यक्ष सुरेश अग्रवाल, महेंद्र गोयल, संतोष कुमार चोखानी, उमेश अग्रवाल, मुकेश गुप्ता, किशन चोखानी, अशोक सिंगल, सुरेंद्र केडिया, विनोद सराओगी, सुनील गुप्ता, विकास, विवेक गर्ग, विनोद गुप्ता व अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

जिले में सप्लीमेंट्री परीक्षाएं बंदोबस्त से कराई जाएं

आसिफाबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि जिले में होने वाली सप्लीमेंट्री परीक्षाओं के लिए संबंधित विभागों के अधिकारी समन्वय बनाकर काम करें। जिला अतिरिक्त कलेक्टर (स्थानीय निकाय) दीपक तिवारी, एस.पी. सुरेश कुमार ने जिला अतिरिक्त कलेक्टर (राजस्व) दसारी वेणु, कागज नगर राजस्व मंडल अधिकारी कसाबोयना सुरेश के साथ परीक्षाओं के संचालन पर जिला अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने कहा कि जिले में 1 हजार 200 छात्र-छात्राएं एस.एस सी के है। उन्होंने कहा कि वे सप्लीमेंट्री परीक्षा में शामिल होने जा रहे हैं, इस उद्देश्य से आसिफाबाद मंडल केंद्र में सरकारी गर्ल्स स्कूल, कागज नगर टाउन में गवर्नमेंट गर्ल्स और बॉयज़ स्कूल और सिरपुर में जिला परिषद हाई स्कूल में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। उन्होंने बताया कि परीक्षाएं 3 जून से 13 जून तक सुबह 9.30 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक आयोजित की जाएंगी। इंटरमीडिएट की परीक्षाएं 24 से 3 जून तक सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक, दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक होंगी, प्रथम वर्ष के 1 हजार 938 छात्र और द्वितीय वर्ष के 1 हजार 51 छात्र परीक्षा देंगे। इसके लिए 2 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं आसिफाबाद में 2, खगज नगर, जैनूर, तिरयानी, रेबेना, कौताला, वानकिडी, केरामेरी और सिरपुर (यू) में प्रत्येक में 2 स्थापित किए गए। उन्होंने बताया कि इस माह की 24 तारीख को होने वाली पुलिससेट परीक्षा के संचालन के लिए जिले में 4 परीक्षा केंद्र बनाये गये हैं। इस संदर्भ में संबंधित विभागों के अधिकार क्षेत्र में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। परीक्षा केंद्रों पर धारा 144 लागू की जाए और जेरॉक्स सेंटर बंद कर दिए जाएं। उन्होंने कहा कि परीक्षा में सामूहिक नकल की कोई संभावना न रहे इसके लिए उड़नदस्ता और बैठक दस्तों का गठन कर निगरानी की जाएगी। परीक्षा केंद्रों में स्वच्छता प्रबंधन को मजबूत किया जाना चाहिए और सड़क परिवहन निगम के निर्देशन में बसें समय पर चलाई जाएंगी ताकि छात्र समय पर परीक्षा केंद्रों पर पहुंचें। उन्होंने कहा कि परीक्षा केंद्र के अंदर मोबाइल फोन और कोई भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाने की अनुमति नहीं होगी। परीक्षा केंद्रों पर आवश्यक दवाएं, ओआरएस पैकेट और स्वास्थ्य कार्यकर्ता उपलब्ध कराए जाएंगे ताकि छात्रों को कोई बीमारी न हो और बिजली विभाग के अधिकारी यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाएं कि परीक्षा के दौरान बिजली आपूर्ति में कोई रुकावट न हो। उन्होंने कहा कि संबंधित विभागों के अधिकारी समन्वय बनाकर कार्य करें ताकि परीक्षाएं शांतिपूर्ण माहौल में सुचारु रूप से संचालित हो सकें। इस कार्यक्रम में जिले के विभागों के पदाधिकारी, संबंधित पदाधिकारी एवं अन्य लोग शामिल हुए।

नियमों का पालन कर दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है : एसपी

आसिफाबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को जिला कलक्ट्रेट कार्यालय में जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे के निर्देशन में आयोजित जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में जिले के एसपी सुरेश कुमार ने भाग लिया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारी, आरएंडबी इंजीनियर और पंचायती राज सड़क विभाग के अधिकारियों सहित जिले के सभी विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। एसपी ने कहा कि न्यूनतम सड़क सुरक्षा मानकों का पालन कर सड़क दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है। जिले में करीब 45 ब्लैक स्पॉट चिह्नित किये गये हैं। पिछले तीन वर्षों (2021-23) में इन 45 ब्लैक स्पॉट पर लगभग 470 लोग दुर्घटनाग्रस्त हुए हैं, इनमें से 195 लोगों की मौत हो गई है और 80 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। ऐसा पाया गया है कि सड़क दुर्घटनाओं में 70 प्रतिशत मौतें राष्ट्रीय राजमार्ग पर होती हैं। इन दुर्घटनाओं का मुख्य कारण तेज़ रफ़्तार और लापरवाही से गाड़ी चलाना हैं। इसी प्रकार बताया गया है कि जिन स्थानों पर सड़क किनारे शिक्षण संस्थान हैं, वहां स्पीड ब्रेकर लगाए जाएं तथा सड़क पर अनावश्यक स्पीड ब्रेकर हटाए जाएं। उन्होंने कहा कि किसी भी स्कूली बच्चों को सड़क पार करते समय सावधानी बरतनी चाहिए। इसी प्रकार बताया गया कि वाहनों को निर्धारित गति तक ही चलाना चाहिए तथा अत्यधिक तेज गति से वाहन चलाकर खतरा पैदा नहीं करना चाहिए। बताया गया कि वाहन चलाते समय यातायात नियमों का पालन करना चाहिए तथा हेलमेट अवश्य पहनना चाहिए। उन्होंने कहा कि वाहन तेज गति से न चलाएं, क्योंकि यात्रा के दौरान सड़कों पर बारिश का पानी जमा होने से सड़क दुर्घटना की आशंका रहती है। अधिकारियों ने बताया कि सड़क पर गड्ढे और पानी जमा होने से रोकने के लिए उचित सावधानी बरती जानी चाहिए।

घायल तुनिका का इलाज का खर्च वन विभाग उठाए : कोटा श्रीनिवास

सिरपुर कागजनगर, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तुनिका जो कागज नगर मंडल के चारीगाम गांव में बीड़ी पत्ता संग्रह के लिए जाते समय गिरकर घायल हो गए थे। उनसे तेलंगाना आदिवासी जनजातीय संघ के जिला उपाध्यक्ष कोटा श्रीनिवास और सीपीएम निर्वाचन क्षेत्र के संयोजक मुंजम आनंद कुमार ने मुलाकात की। इस अवसर पर कोटा श्रीनिवास ने कहा कि यह दुखद है कि पत्ता संग्रहण के दौरान मधुनक्का घायल हो गये। उन्होंने मांग की कि वन विभाग के अधिकारी उसके चिकित्सा खर्च को वहन करें। उन्होंने कहा कि परिवार ने बताया है कि वे अब तक 8000 रुपये खर्च कर चुके हैं। उन्होंने उसकी चोट पूरी तरह ठीक होने तक बेहतर इलाज की मांग की है।

अग्रवाल समाज रामनगर शाखा द्वारा श्रीशैलम में अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा प्रस्तावित श्री शिव भवन के निर्माण हेतु 5.5 लाख रुपये का चेक समाज के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल एवं पूर्व अध्यक्ष अंजनी कुमार अग्रवाल को सौंपा गया। शाखा के अध्यक्ष पवन कुमार टिबरेवाला, उपाध्यक्ष नंद किशोर भगेरिया, मानद मंत्री प्रशांत धन्नावत, सयुक्त मंत्री विजय कुमार तोंडावाला, कोषाध्यक्ष सतीश अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य दीपक गुप्ता भूतपूर्व अध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल, शाखा के संस्थापक अध्यक्ष प्रहलाद राय टिबरेवाल महेश कनोदिया आदि उपस्थित थे।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

10 जून को ...

10 जून को ओडिशा में भाजपा की डबल इंजन सरकार का शपथ ग्रहण कार्यक्रम होगा। क्योंकि, इस बीजद सरकार का जाना तय है।

रैली में पीएम मोदी ने बीजद सरकार को घेरा। उन्होंने राज्य सरकार पर ओडिशा की संस्कृति को नष्ट करने का आरोप लगाया। प्रधानमंत्री ने कहा, बीजद के राज में न तो ओडिशा की संपदा सुरक्षित है और न ही ओडिशा की सांस्कृतिक धरोहर सुरक्षित है। ये तो पद्म सम्मान से पुरस्कृत अंतर्यामी मिश्रा जी की धरती है, जिन्होंने जगन्नाथ संस्कृति को लेकर इतना काम किया है।

बीजद पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, मैं गुजरात से आया हूं, मैं सोमनाथ की धरती से जगन्नाथ की धरती को प्रणाम करने आया हूं। लेकिन, मैं ओडिशा में जब गरीबी देखता हूं, तो मेरे दिल में दर्द होता है कि इतना समृद्ध प्रदेश, इतनी महान विरासत वाले मेरे ओडिशा को किसने तबाह और बर्बाद कर दिया। इसकी वजह है बीजद सरकार, जो पूरी तरह भ्रष्टाचारियों के कब्जे में है। मुट्ठी भर भ्रष्टाचारी मुख्यमंत्री आवास और कार्यालय पर कब्जा करके बैठ गए हैं। बीजद के छोटे-छोटे नेता भी करोड़ों के मालिक बन गए हैं।

रैली में पीएम मोदी ने सभी लोगों विशेषकर पहली बार मतदान करने वालों से वोट डालने की अपील की। उन्होंने कहा कि इस लोकसभा चुनाव में माताओं-बहनों और हमारे नौजवानों का अलग ही उत्साह दिख रहा है।

दुष्कर्म और हत्या ...

सत्र अदालत ने इस्लाम को विभिन्न मामलों में आरोपी माना, जैसे- 449 (मौत की सजा वाले अपराध के लिए घर में अतिक्रमण), 342 (गलत कारावास की सजा), 302 (हत्या), 376 (बलात्कार) और 376 (ए) (बलात्कार करते समय मौत का कारण बनना या महिला को लगातार निष्क्रिय अवस्था में रखना)।

मामले में विशेष जांच दल ने डीएनए और कॉल रिकॉर्ड विवरण का सत्यापन किया। इस्लाम ने हत्या के तुरंत बाद पेरुंबवूर छोड़ दिया था। जांच दल ने आरोपी को 50 दिन बाद तमिलनाडु के कांचीपुरम से गिरफ्तार किया। मामले में 100 से अधिक पुलिस कर्मियों ने 1500 से अधिक लोगों से पूछताछ की। जांच दल ने पांच हजार से अधिक लोगों की उंगलियों के निशान की जांच की। उन्होंने इस्लाम का पता लगाने के लिए करीब 20 लाख से अधिक बार टेलीफोन पर बात की।

महिला से दुष्कर्म मामले में पूर्व सरकारी वकील को केरल हाईकोर्ट ने हाल ही में नियमित जमानत दे दी थी। पीजी मनु पर अपने कार्यालय और आवास पर एक महिला के साथ बार-बार दुष्कर्म करने का आरोप है। आरोपी वकील पी जी मनु को राहत देते हुए न्यायाधीश सोफी थॉमस ने कहा कि इस तथ्य पर गंभीरता से ध्यान दिया जाना चाहिए कि वह हाईकोर्ट में एक वरिष्ठ सरकारी वकील थे और उन्होंने एक असहाय महिला के साथ दुष्कर्म किया है। जिसने एक मामले को निपटाने के लिए उनसे संपर्क किया था, जिसमें वह पीड़िता थी।

14 दिन की रिमांड ...

हालांकि, शीर्ष अदालत ने आदेश दिया था कि केजरीवाल मुख्यमंत्री कार्यालय और दिल्ली सचिवालय नहीं जाएंगे और उन्हें आम चुनाव के आखिरी चरण के मतदान के एक दिन बाद 2 जून को सरेंडर करना होगा और वापस जेल जाना होगा।

शुक्रवार को ईडी ने अपनी ताजा चार्जशीट में सीएम केजरीवाल और आम आदमी पार्टी को आबकारी नीति जांच में आरोपी बनाया है। एक अधिकारी ने मीडिया को बताया कि ऐसे सबूतों के बिना पर चार्जशीट दायर की गई है जिन्हें गलत साबित नहीं किया जा सकता है।

अदालत ने सीबीआई द्वारा दर्ज मामले में बीआरएस नेता के. कविता की न्यायिक हिरासत भी 3 जून तक बढ़ा दी है। अब ऐसा माना जा रहा है कि ईडी 2 जून को अरविंद केजरीवाल की हिरासत बढ़ाने को लेकर सुनवाई कर सकता है।

3 नए क्रिमिनल ...

साथ ही आरोपी ड्राइवर को 10 साल की कैद और 7 लाख रुपये जुर्माने की सजा होगी।

ट्रक ड्राइवरों और ट्रांसपोर्टर्स ने 30 दिसंबर 2023 को जयपुर, मेरठ, आगरा एक्सप्रेस वे सहित कई हाईवे पर हिट एंड रन कानून के प्रावधान के खिलाफ विरोध शुरू किया था। जो 2 जनवरी को एआईएमटीसी से चर्चा के बाद खत्म हुई थी।

बिल पेश करते हुए दिसंबर में लोकसभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि अंग्रेजों का बनाया राजद्रोह कानून, जिसके चलते तिलक, गांधी, पटेल समेत देश के कई सेनानी कई बार 6-6 साल जेल में रहे। वह कानून अब तक चलता रहा। राजद्रोह की जगह उसे देशद्रोह कर दिया गया है, क्योंकि अब देश आजाद हो चुका है, लोकतांत्रिक देश में सरकार की आलोचना कोई भी कर सकता है।

शाह ने कहा था, अगर कोई देश की सुरक्षा, संपत्ति को नुकसान पहुचाएगा, तो उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। अगर कोई सशस्त्र विरोध, बम धमाके करता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई होगी, उसे आजाद रहने का हक नहीं, उसे जेल जाना ही पड़ेगा। कुछ लोग इसे अपनी समझ के कपड़े पहनाने की कोशिश करेंगे, लेकिन मैंने जो कहा उसे अच्छी तरह समझ लीजिए। देश का विरोध करने वाले को जेल जाना होगा।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

आईपीएल 2024 प्लेऑफ: कब-कहां और किसकी होगी टक्कर?

पूरा शेड्यूल और हर नियम

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2024 के 70वें मैच के बारिश में धुलने के साथ ही तय हो गया कि आखिर प्लेऑफ की चार टीमों में से किसकी और कब टक्कर होगी. सीजन के आखिरी डबल हेडर में सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान के बीच दूसरे स्थान के लिए मुकाबला था, जिसमें पैट कमिंस की टीम ने बाजी मारी और दूसरे स्थान पर कब्जा किया. वहीं राजस्थान को तीसरे स्थान पर ही संतुष्ट होना पड़ा. इसके साथ ही तय हो गया कि क्वालिफायर और एलिमिनेटर में किन टीमों की टक्कर होगी.

सनराइजर्स हैदराबाद ने पंजाब किंग्स को 4 विकेट से हराया. इस जीत के साथ ही सनराइजर्स 17 पॉइंट्स तक पहुंचकर राजस्थान रॉयल्स से आगे निकल गई, जिसके तब 16 पॉइंट्स थे. राजस्थान के पास हालांकि एक मौका बचा था. गुवाहाटी में उसकी टक्कर नंबर-1 टीम कोलकाता नाइट राइडर्स से होनी थी लेकिन बारिश के कारण ये मैच हो ही नहीं सका और 1-1 पॉइंट दोनों टीमों में बांटा गया राजस्थान के भी 17 पॉइंट्स हो गए थे लेकिन बेहतर नेट रनरेट के कारण सनराइजर्स को दूसरा स्थान मिला.

प्लेऑफ का पूरा शेड्यूल

अब पॉइंट्स टेबल की फाइनल रैंकिंग सामने आ चुकी हैं और इसके आधार पर ही पहले क्वालिफायर और एलिमिनेटर की लाइन-अप भी तय हो गई है. पहला क्वालिफायर मैच पहले और दूसरे नंबर की टीमों के बीच खेला जाएगा. कोलकाता और सनराइजर्स के बीच ये मुकाबला मंगलवार 21 मई को खेला जाएगा. वहीं तीसरे और चौथे नंबर पर मौजूद राजस्थान और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु एलिमिनेटर मैच में भिडेंगे. ये मैच बुधवार 22 मई को खेला जाएगा. इन दोनों ही मैच का वेन्यू अहमदाबाद का नरेंद्र मोदी स्टेडियम है.

अब बात करते हैं कि आगे क्या होगा. पहले और दूसरे स्थान पर रहने का फायदा ही यही है कि फाइनल में पहुंचने के 2 मौके मिलते हैं. नियम के मुताबिक, पहले क्वालिफायर को जीतने वाली टीम सीधे फाइनल में पहुंचती है. यानी कोलकाता और सनराइजर्स में जो जीतेगा वो फाइनल में पहुंचेगा. हारने वाली टीम दूसरे क्वालिफायर में उतरेगी. यहां उसका सामना होगा एलिमिनेटर की विजेता से. यानी राजस्थान और बेंगलुरु में जो हारेगा, वो बाहर हो जाएगा, जबकि जीतने वाली टीम दूसरे क्वालिफायर में पहुंचेगी.

क्या मिलेगा नया चैंपियन?

यहां उसका सामना पहला क्वालिफायर हारने वाली टीम से होगा. ये मुकाबला शुक्रवार 24 मई को चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में होगा. यहां जीतने वाली टीम फाइनल में पहुंचेगी. फाइनल मैच 26 मई को चेपॉक में ही खेला जाएगा. अब देखना ये है कि क्या कोलकाता 10 साल के बाद तीसरी बार चैंपियन बन पाती है? या सनराइजर्स अपना दूसरा खिताब जीतने में सफल होती है? वहीं IPL की पहली चैंपियन राजस्थान 2008 के बाद से चले आ रहे सूखे को खत्म कर पाएगी? या लगातार 6 हार के बाद 6 जीत दर्ज कर प्लेऑफ में पहुंचने वाली बेंगलुरु 17 साल के इंतजार के बाद पहली बार चैंपियन बन पाएगी? ठीक एक हफ्ते बाद इसका फैसला हो जाएगा.

'मुझे एक मौका दे दो, यह मेरा आखिरी सीजन हो सकता है'

आरसीबी के स्टार खिलाड़ी की गुहार

मुंबई, 20 मई (एजेंसियां)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर गई है। बेंगलुरु ने आईपीएल 2024 के 68वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स को हराने के साथ ही प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर लिया है। अब बेंगलुरु को अगला एलिमिनेटर मुकाबला 22 मई को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेलना है। यह मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में होने वाला है। इस बीच आरसीबी के एक स्टार खिलाड़ी को लेकर नई जानकारी सामने आई है। आरसीबी के खिलाड़ी ने कोच से गुहार लगाई थी।

बोलते हुए रोने लगे खिलाड़ी

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के स्टार खिलाड़ी स्वप्निल सिंह ने आरसीबी के प्लेऑफ में पहुंचने के बाद अपनी कहानी रिवील की है। आपको जानकर हैरानी होगी कि

स्वप्निल आईपीएल 2008 में ही मुंबई इंडियंस में चुन लिए गए थे। लेकिन उन्हें खेलने का मौका नहीं मिला था। उन्होंने आईपीएल 2016 में सिर्फ एक आईपीएल मैच चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ पंजाब किंग्स के लिए खेला था। इस दौरान पंजाब के कप्तान ग्लेन मैक्सवेल थे। इस मैच में खिलाड़ी ने धोनी का विकेट लिया था। इसके बाद आईपीएल 2024 में खिलाड़ी को आरसीबी के खिलाफ खेलने का मौका मिला। स्वप्निल सिंह अपनी जर्नी बताते हुए रोने लगे।

यह मेरा आखिरी सीजन हो सकता है

स्वप्निल सिंह ने बताया कि मैं हार मान चुका था। अब मैं आईपीएल नहीं खेलना चाहता था, क्योंकि मुझे मौके नहीं मिल रहे थे। लेकिन आईपीएल 2024 से पहले मैंने आरसीबी के कोच एंडी फ्लावर से कहा कि मुझे खेलने का बस एक मौका दे दीजिए। हो सकता है कि यह मेरा आखिरी सीजन हो। इसके बाद उन्हें खेलने का मौका मिला। अब स्वप्निल सिंह आरसीबी का मुख्य खिलाड़ी बन चुका है।

वह हर मैच खेल रहा है। स्वप्निल एक ऑलराउंडर खिलाड़ी हैं। स्वप्निल ने इस सीजन आरसीबी के लिए अभी तक कुल 6 मुकाबले खेले हैं, जिसमें उन्होंने 6 विकेट लिए हैं और एक मैच में नाबाद 15 रन भी बनाए थे।

मनु बनीं ओलंपिक चयन ट्रायल की सबसे सफल शूटर

आठ में से चार बार जीतीं, दो इवेंट में चुनी जाएंगी

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)। मनु भाकर ओलंपिक चयन ट्रायल की सबसे सफल शूटर बनकर उभरी हैं। हरियाणा की इस शूटर ने 10 मीटर एयर पिस्टल और 25 मीटर पिस्टल के कुल आठ में से चार ट्रायल में जीत हासिल की। मनु दोनों ही इवेंट में पेरिस ओलंपिक के लिए चुनी जाने वाली टीम में शीर्ष पर हैं। राइफल और पिस्टल इवेंट के ट्रायल में बड़ा झटका ओलंपिक कोटा हासिल करने वाले शूटरों को लगा है। कुल आठ इवेंट (10 मीटर एयर राइफल, पिस्टल, 50 मीटर थ्री पोजीशन (पुरुष, महिला), 25 मीटर पिस्टल महिला, 25 मीटर रैपिड फायर पुरुष) के लिए शीर्ष दो स्थान पर रहकर 15 शूटरों ने ओलंपिक टीम के लिए दावा जताया है। इन 15 शूटरों में सिर्फ सात शूटर ऐसे हैं, जिन्होंने ओलंपिक कोटा देश को दिलाया था। अब 10 जून को एनआरएआई की चयन समिति ट्रायल के प्रदर्शन के आधार पर ओलंपिक टीम घोषित करेगी।

एलावेनिल विश्व रिकॉर्ड स्कोर के साथ जीतीं

मनु 15 शूटरों में एकमात्र ऐसी शूटर हैं, जिन्होंने दो इवेंट के लिए ओलंपिक ट्रायल में शीर्ष स्थान हासिल किया है। उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल के फाइनल में 240.8 का स्कोर कर जीत हासिल की। एलावेनिल वालरिवान ने 10 मीटर एयर राइफल के चौथे ट्रायल में 254.3 का स्कोर कर विश्व रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए जीत दर्ज की।

पेरिस के लिए 15 शूटरों ने शीर्ष दो पर बनाया स्थान

दिल्ली और भोपाल में हुए ओलंपिक चयन ट्रायल के आधार पर 10 मीटर एयर राइफल पुरुष में संदीप सिंह, अर्जुन बबूटा, महिलाओं में एलावेनिल और रमिता, 10 मीटर एयर पिस्टल में मनु भाकर, रिद्म सांगवान, पुरुषों में सरबजोत सिंह, अर्जुन चीमा, 50 मीटर थ्री पोजीशन में सिफ्त कौर समरा, अंजुम मौद्दिल, पुरुषों में ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, स्वप्निल कुसाले, 25 मीटर पिस्टल में मनु भाकर, ईशा सिंह, 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल में अनीश और विजयवीर सिद्धू ओलंपिक टीम के दावेदार के रूप में उभरे हैं। बागपत के वरुण तोमर (10 मीटर एयर पिस्टल), अखिल श्योराण (50 मीटर थ्री पोजीशन) रैंकिंग में तीसरे स्थान पर हैं।

सुहास-सुकांत ने किया क्वालिफाई

पैरा एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप में भारतीय एथलीट्स का जलवा

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)। भारत के पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी सुकांत कदम, तरुण और सुहास एल वाई ने पेरिस में होने वाले पैरालंपिक के लिए क्वालिफाई कर लिया है। सुकांत पहली बार पैरालंपिक में भाग लेंगे। वह पुरुषों की एससल-4 श्रेणी में हिस्सा लेंगे। उनके अलावा तरुण और सुहास एलवाई ने भी एसएस-4 श्रेणी के लिए टिकट हासिल किया है।

एसएल 4 में वो खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं जिनके शरीर के एक तरफ या दोनों पैरों में निचले स्तर पर मूवमेंट प्रभावित होता है। एसएल-3 महिला वर्ग (शरीर के एक तरफ, दोनों पैर या अंगों की अनुपस्थिति वाले खिलाड़ियों के लिए) में मनदीप कौर ने जबकि मिश्रित युगल एसएल 6 वर्ग में

निथ्या और शिवराजन ने भी कट हासिल किया।

पेरिस पैरालंपिक 28 अगस्त से आठ सितंबर तक आयोजित होंगे। कदम पिछले कुछ वर्षों से अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और लगातार पदक जीत रहे हैं। कदम ने कहा,'यह मेरे लिए सपने का साकार होने जैसा है। मैंने पैरालंपिक के लिए क्वालिफाई करने के लिए कड़ी मेहनत की है। लेकिन यह सपने का अंत नहीं है। मैं इस सपने का अंत पदक जीतकर और भारत को गौरवान्वित करके करना चाहूंगा।' वह इस समय बहरीन में पैरा बैडमिंटन अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे हैं।

पैरा एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप के तीसरे दिन के नतीजे

भारत के लिए ऊंची कूद के पैरा एथलीट निषाद कुमार ने जापान के कोबे 2024 पैरा एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप के तीसरे दिन रजत पदक और प्रीति पाल ने महिलाओं की 200 मीटर स्पर्धा का कांस्य पदक जीता। टोक्यो पैरालंपिक के रजत पदक विजेता निषाद ने पुरुषों की ऊंची कूद टी47 फाइनल में 1.99 मीटर के प्रदर्शन से दूसरा स्थान हासिल किया और भारत का खाता खोला।

निषाद ने पेरिस में 2023 विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में इसी स्पर्धा का रजत पदक जीता था। अमेरिका के रोड्रिक टाउनसेंड ने 2.05 मीटर की कूद से स्वर्ण पदक अपने नाम किया। एक अन्य भारतीय राम पाल अपने सत्र के सर्वश्रेष्ठ 1.90 मीटर के प्रदर्शन से छठे स्थान पर रहे।

टी47 में वो पैरा ट्रैक एथलीट हिस्सा लेते हैं जिनका कोहनी या कलाई के नीचे का हिस्सा कटा होता है या इसमें विकृति होती है। फिर प्रीति पाल ने महिलाओं की टी 35 वर्ग की 200 मीटर स्पर्धा के फाइनल में 30.49 सेकेंड के समय से तीसरा स्थान हासिल कर भारत को दूसरा पदक दिलाया। टी 35 में वो खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं जिन्हें समन्वय संबंधित विकृति होती है।

12 साल में 3 खिलाड़ी करीब पहुंचकर चूके

टी20 वर्ल्ड कप 2024 में क्या टूटेगा ये महारिकॉर्ड?

खेल डेस्क, 20 मई (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप 2024 का काउंटडाउन अब शुरू हो चुका है. इधर आईपीएल 2024 खत्म और उधर वेस्टइंडीज और अमेरिका की जमीन पर आईसीसी के बड़े इवेंट का तमाशा शुरू, जहां इस बार 20 टीमों का क्रिकेट दंगल देखने मिलेगा. टी20 वर्ल्ड कप जब शुरू होगा तो कई सारे रिकॉर्ड भी टूटते और बनते दिखेंगे. ऐसे में उस एक रिकॉर्ड की बात करना बहुत जरूरी है, जो 12 साल पहले न्यूजीलैंड के बल्लेबाज ब्रेंडन मैक्कुलम ने बनाया था. खैर, उस महारिकॉर्ड को बनाने वाले मैक्कुलम ने तो अब क्रिकेट को अलविदा कह इंग्लैंड की कोचिंग शुरू कर दी है. लेकिन, उनका रिकॉर्ड T20 वर्ल्ड कप में आज भी बरकरार है.

न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज रहे ब्रेंडन मैक्कुलम ने टी20 वर्ल्ड कप में सबसे बड़ी पारी का रिकॉर्ड बनाया था. ये इनिंग उन्होंने 2012 के टी20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश के खिलाफ खेली थी. तब मैक्कलम ने सिर्फ 58 गेंदों पर 123 रन बनाए थे और ऐसा करते हुए क्रिस गेल के नाम दर्ज सबसे बड़े स्कोर के रिकॉर्ड को तोड़ा था. गेल ने 2007 टी20 वर्ल्ड कप में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 57 गेंदों पर 117 रन बनाए थे.

टी20 डब्ल्यूसी में 12 साल से नहीं टूटा मैक्कुलम का रिकॉर्ड

ब्रेंडन मैक्कुलम को रिकॉर्ड बनाए अब 12 साल बीत चुके हैं. इस बीच 2014, 2016, 2021, 2022 का T20 वर्ल्ड कप खेला जा चुका है. लेकिन, उसमें सिर्फ 3 खिलाड़ी ही ऐसे रहे, जो मैक्कुलम के रिकॉर्ड को तोड़ने के करीब पहुंचते दिखे.

उन 3 खिलाड़ियों में एक रहे इंग्लैंड के एलेक्स हेल्स, जिन्होंने 2014 के टी20 वर्ल्ड कप में श्रीलंका के खिलाफ 67 गेंदों में नाबाद 116 रन बनाए. दूसरे पाकिस्तान के अहमद शहजाद. इन्होंने भी 2014 के ही टी20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश के खिलाफ 62 गेंदों पर नाबाद रहते हुए 111 रन बनाए. और, तीसरे हैं साउथ अफ्रीका के राइली रुसो, जिन्होंने 2022 के टी20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश के खिलाफ 56 गेंदों पर धमाकेदार 109 रन ठोके.

क्या टी20 डब्ल्यूसी 2024 में टूटेगा रिकॉर्ड?

अब टी20 वर्ल्ड कप 2024 शुरू होने जा रहा है. इस बार टीमें ज्यादा है. बड़ी टीमों को छोटी टीमों से भी खेलना है. मतलब टीमों के बड़े स्कोर के साथ विध्वंसक पारियां भी देखने मिल सकती है. देखना ये है कि उसका फायदा उठाते हुए कोई बल्लेबाज ब्रेंडन मैक्कुलम के 12 साल पहले बनाए रिकॉर्ड को तोड़ पाता है या नहीं.

मैनचेस्टर सिटी ने जीता लगातार चौथा ईपीएल खिताब

कुल आठवीं बार जीती ट्रॉफी

मैनचेस्टर, 20 मई (एजेंसियां)। मैनचेस्टर सिटी ने लगातार चौथी बार रिकॉर्ड इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) का खिताब जीत लिया। सिटी ने सत्र के अंतिम फुटबाल मैच में वेस्ट हेम को 3-1 से हराया। सिटी ने कुल आठवीं बार ईपीएल की खिताबी ट्रॉफी जीती है।

91 अंक के साथ सिटी पहले स्थान पर रही जबकि आर्सेनल के 89 अंक रहे और वह दूसरे स्थान पर रहा। उसने एवर्टन को 2-1 से पराजित किया। सिटी पहली टीम बन गई जिसने लगातार चार बार ईपीएल की ट्रॉफी जीती है। सिटी का यह सात सत्रों में छठा ईपीएल

खिताब है। सिटी के कोच पेप गॉर्डियोला की टीम को यह खिताब पक्का करने के लिए वेस्ट हेम को हराना जरूरी था।

कोच क्लोप की जीत से विदाई

जुर्जेन क्लोप ने लिवरपूल के लिए कोच के तौर पर अपना आखिरी मैच खेला और टीम ने उन्हें जीत से विदाई दी। लिवरपूल ने वोल्व्स को 2-0 से हराया।

विराट कोहली ने क्रिस गेल को जर्सी गिफ्ट की

कहा- काका अगले साल आईपीएल में वापसी करना, इम्पैक्ट प्लेयर आप ही के लिए है

मुंबई, 20 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2024 तो खत्म होने वाला है. लेकिन, जब आईपीएल 2025 शुरू होगा तो उससे पहले मेगा ऑक्शन होगा, जिसमें हो सकता है कि क्रिस गेल भी बिकने के लिए अपना नाम रजिस्टर करें. क्रिस गेल के ऐसा करने की वजह होंगे विराट कोहली और उनका दिया ऑफर. आईपीएल 2024 के प्लेऑफ में आरसीबी के पहुंचने के बाद क्रिस गेल ड्रेसिंग रूम में पहुंचे, जहां उन्होंने विराट से मुलाकात की. विराट कोहली ने वहीं पर उनके सामने आईपीएल में फिर से खेलने का प्रस्ताव रख दिया. अब जाहिर है प्रस्ताव विराट की ओर से आया है तो गेल खेलते भी दिख सकते हैं आरसीबी की टीम से ही.

बहरहाल, अभी गेल ने इस मसले पर हामी नहीं भरी है. लेकिन, विराट ने अगर ऑफर दिया है तो इस बात की भी पूरी संभावना है कि वो एक बार फिर आईपीएल में उतरने पर

सोचेंगे जरूर. वैसे बड़ा सवाल ये है कि विराट कोहली ने गेल को फिर से आरसीबी के लिए खेलने का ऑफर दिया क्यों? वो भी ये जानते हुए कि क्रिस गेल की उम्र 44 साल की हो चुकी है और अगले आईपीएल तक वो 45 के भी हो जाएंगे.

काका, इम्पैक्ट रूल है, खेलो अगले साल- विराट कोहली

विराट कोहली ने दरअसल, इम्पैक्ट रूल का हवाला देकर क्रिस गेल को आईपीएल में खेलने का ऑफ दिया. ऐसा तब हुआ जब क्रिस गेल आरसीबी के ड्रेसिंग रूम में पहुंचे. पहले तो गेल ने वहां टीम के कोच एंडी फ्लॉवर और बाकी खिलाड़ियों से हाथ मिलाया. फिर जैसे ही विराट से मिले, गेल को आईपीएल में खेलने का ऑफर मिला.

विराट ने गेल से कहा, काका, अगले साल खेलो. इम्पैक्ट प्लेयर रूल है. इसमें आपको फील्डिंग करने की जरूरत नहीं होगी. ये नियम आप ही के लिए बनाया गया है. इतना कहकर विराट हंसने भी लगे. वैसे कमाल देखिए कि आईपीएल के जिस इम्पैक्ट रूल को विराट सही नहीं मानते, उसी की बुनियाद पर अब गेल को अगले साल खिलाने की भी बात कर रहे हैं.

विराट ने गेल को दी साइन की हुई जर्सी

गेल से इस मुलाकात के दौरान विराट कोहली ने उन्हें अपनी साइन की हुई एक जर्सी भी भेंट की. क्रिस गेल सीएसके के खिलाफ मैच में आरसीबी को सपोर्ट करने के लिए चिन्नास्वामी स्टेडियम पर भी मौजूद थे.

गेल का आईपीएल में खेल

क्रिस गेल इससे पहले भी आरसीबी और पीबीकेएस के लिए आईपीएल खेल चुके हैं. इन टीमों से खेलते हुए उन्होंने आईपीएल की पिच पर 141 पारियों में 4965 रन बनाए हैं. इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 148.96 का रहा है. वहीं उनके बल्ले से 6 शतक और 31 अर्धशतक निकले हैं.

8वें नंबर के दो खिलाड़ियों के बीच गेंद और बल्ले की जंग

आयरलैंड ने रोमांचक मैच में नीदरलैंड्स को 1 रन से हराया

टी20 वर्ल्ड कप 2024 अभी दूर है. लेकिन, आईसीसी के उस इवेंट में हिस्सा लेने वाली छोटी टीमों की तैयारी भरपूर चल रही है. आयरलैंड, नीदरलैंड्स और स्कॉटलैंड ट्राएंगुलर टी20 सीरीज खेल रही है. इसमें आयरलैंड को इससे पहले पाकिस्तान से भी टी20 सीरीज खेल चुकी है. फिलहाल, उसने नीदरलैंड्स को सिर्फ 1 रन से हराते हुए ट्राएंगुलर सीरीज में रोमांचक जीत दर्ज की है. आयरलैंड और नीदरलैंड्स के बीच 19 मई को खेले मुकाबले में सबसे अहम रोल दोनों टीमों की ओर से 8वें नंबर पर खेलने वाले दो खिलाड़ियों का रहा. अपनी-अपनी टीमों के लिए गेंद और बल्ले से किया उन्हीं दो खिलाड़ियों का प्रदर्शन मैच में निर्णायक रहा.

मुकाबले में टॉस नीदरलैंड्स ने जीतकर आयरलैंड को पहले बल्लेबाजी पर उतारा था. आयरलैंड ने पहले खेलते हुए 20 ओवर में 8 विकेट पर 150 रन

बनाए. आयरलैंड को इस स्कोर तक पहुंचाने में उसके 8वें नंबर के खिलाड़ी मार्क अडेयर की महत्वपूर्ण भूमिका रही. उन्होंने बल्ले से सिर्फ 24 गेंदों में ही 49 रन ठोक दिए. 204 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से खेली इस पारी में 7 चौके और 2 छक्के शामिल रहे. 8वें नंबर के खिलाड़ी मार्क अडेयर आयरलैंड की ओर से इस मैच में सबसे सफल बल्लेबाज भी रहे.वहीं नीदरलैंड्स की ओर से 21 साल के टिम प्रिंगल सबसे सफल गेंदबाज रहे, जो आगे 8वें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भी उतरे.

8वें नंबर के खिलाड़ी ने नीदरलैंड्स के लिए लगाया पूरा जोर

आयरलैंड से मिले 151 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नीदरलैंड्स की टीम के लिए 8वें नंबर के उसके खिलाड़ी टिम प्रिंगल ने सिर्फ 13 गेंदों में ही करीब 270 की स्ट्राइक रेट से 35 रन ठोक दिए, जिसमें 2 चौके और 3 छक्के शामिल रहे. टिम प्रिंगल भी अपनी टीम के सबसे सफल बल्लेबाज रहे. इससे पहले गेंद से उन्होंने कमाल करते हुए 4 ओवर में 32 रन देकर 3 विकेट लिए थे.

नीदरलैंड्स को आखिरी ओवर में जीत के लिए 20 रन चाहिए थे. मतलब आयरलैंड को 19 रन डिफेंड करने थे. टिम प्रिंगल ने 2 छक्के जड़ते हुए अपने ताबड़तोड़ खेल की बदौलत नेदरलैंड्स के स्कोर को 18 रन तक तो पहुंचाया, पर आखिर तक नाबाद रहकर भी वो बेशकीमती 1 रन नहीं बना सके, जो उनकी टीम को हार से बचा पाता. नेदरलैंड्स की टीम 151 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 149 रन पर ही थम गई.

आयरलैंड के 8वें नंबर के खिलाड़ी ने छाप छोड़कर जमाई धाक

आयरलैंड के लिए बल्ले से सबसे सफल रहने के बाद मार्क अडेयर गेंद से भी अपनी छाप छोड़ते दिखे. उन्होंने 4 ओवर में 34 रन देकर 2 विकेट लिए. पहले बैट और फिर बॉल से ऐसा करने के लिए उन्हें नीदरलैंड्स पर जीत का नायक चुना गया. आयरलैंड ने नीदरलैंड्स को हराकर ट्राएंगुलर सीरीज में जहां अपना खाता खोला है. वहीं नेदरलैंड्स के अब 2 मैच खेल लेने के बाद खाते में 1 जीत और 1 हार दर्ज है. नेदरलैंड्स ने अपने पहले मैच में स्कॉटलैंड को हराया था.

रेव पार्टी का भंडाफोड़ एमडीएमए, कोकीन जब्त

आंध्र प्रदेश के 100 से अधिक प्रतिभागी शामिल थे

बेंगलुरू, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कर्नाटक पुलिस के एंटी-नारकोटिक्स डिवीजन ने बेंगलुरू के बाहरी इलाके में एक फार्महाउस में आयोजित एक रेव पार्टी पर छापा मारा। तकनीकी विशेषज्ञों और तेलुगु अभिनेताओं की पार्टी, इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी के पास सिंगेना अग्रहारा क्षेत्र में जीएम फार्महाउस में सुबह तक आयोजित की गई थी। पुलिस ने घटनास्थल से 17 एमडीएमए टैबलेट और कोकीन जब्त की है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, रेव पार्टी में तकनीकी विशेषज्ञ, तेलुगु फिल्म अभिनेता, मॉडल और बेंगलुरू और आंध्र प्रदेश के युवा पुरुष और महिलाएं सहित 100 से अधिक प्रतिभागी शामिल थे।

आयोजक ने इस कार्यक्रम के लिए आंध्र प्रदेश से 25 से अधिक लोगों को बेंगलुरु भेजा था।

सूत्रों ने बताया कि पुलिस को फार्महाउस में खड़ी कारों में से एक में आंध्र प्रदेश के एक विधायक का पास मिला। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि हैदराबाद के एक व्यक्ति ने जन्मदिन समारोह के बहाने पार्टी का आयोजन किया था। जैसे ही पार्टी देर रात 2 बजे तक जारी रही, नारकोटिक्स विंग के अधिकारियों ने फार्महाउस पर छापा मारा। पुलिस को आयोजन स्थल पर 15 से अधिक लक्जरी कारें भी मिलीं और वे प्रतिभागियों की पहचान कर रहे हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी थाने में मामला दर्ज कराया गया है। घटना के संबंध में अभी और जानकारी सामने आना बाकी है।

वीसी पदों के लिए सैकडों आवेदन

हैदराबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य भर के नौ विश्वविद्यालयों का कार्यकाल कल (मंगलवार) समाप्त हो जाएगा। वर्तमान में वीसी पंचायत सचिवालय (तेलंगाना सचिवालय) में शामिल हो गए। पुराने कुलपतियों के खिलाफ शिकायतें और नए वीसी पदों के लिए पिछले दरवाजे से राजनीति की बातें सामने आईं। प्रदेश भर में वीसी पदों के लिए 1300 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। तेलंगाना राज्य भर में मौजूदा वीसी में से प्रत्येक के खिलाफ दो अंकों की शिकायतें दर्ज की गई हैं। मालूम हो कि सरकार पहले ही काकतीय यूनिवर्सिटी के वीसी के खिलाफ विजिलेंस जांच के आदेश दे चुकी है। उधर, शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव बुर्रा वेंकटेशम बनाम वीसी पंचायत मामले में स्थिति बदल गई। मालूम हो कि एक हफ्ते पहले सचिवालय में तेलुगु यूनिवर्सिटी के वीसी की बुर्रा वेंकटेशम से बहस हो गई थी। उधर, सरकार ने नये कुलपतियों की नियुक्ति की कवायद पूरी कर ली। 9 विश्वविद्यालयों के लिए करीब 14 सौ आवेदन प्राप्त हुए हैं। ऐसा लगता है कि सीएम रेवंत रेड्डी यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठा रहे हैं कि पिछली सरकार के दौरान हुई अनियमितताएं दोबारा न हों। अगर चुनाव आयोग अनुमति देता है तो सरकार नए कुलपतियों की घोषणा करेगी। सरकार ने कुलपतियों के चयन के लिए सीएस शांति कुमारी की अध्यक्षता में एक सर्च कमेटी नियुक्त की है सर्च कमेटी द्वारा फाइनल किये गये तीन नामों में से एक को राज्यपाल वीसी नियुक्त करेंगे।

निलंबित अधिकारियों की जगह नए उम्मीदवारों की पोस्टिंग

अमरावती, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश में इस महीने की 13 तारीख को विधानसभा और लोकसभा चुनाव के दिन हुई हिंसक घटनाओं के लिए जिम्मेदार निलंबित अधिकारियों के स्थान पर नए पद नियुक्त किए गए हैं। एम सुधाकर राव को नरसरावपेट डीएसपी, सीएच श्रीनिवास राव को गुरजला डीएसपी, के. रवि मनोहर चारी को तिरुपति डीएससी, के. जनार्दन नायुडू को ताड़ीपत्री डीएसपी, एम वेंकटराडी को तिरुपति एसबी, पालनाडु विशेष शाखा सीआई बी. सुरेश बाबू, यू. शोभन बाबूलू को नियुक्त किया गया। करमपुडी एसआई के. अमीर, नागार्जुन सागर एसआई एम पट्टाभि, तिरुपति एसबी इंस्पेक्टर ए विश्वनाथ, अलीपिरी सीआई एम रामा राव, ताड़ीपत्री सीआई पी. नागेंद्र प्रसाद को नियुक्त किया गया। चुनाव आयोग ने डीजीपी को निर्देश जारी कर इन सभी अधिकारियों को तुरंत ड्यूटी ज्वाइन करने का आदेश दिया है। चुनाव आयोग ने तीन अधिकारियों के पैनल में से एक का चयन कर पोस्टिंग की। मालूम हो कि चुनाव आयोग ने चुनाव के दौरान हिंसा की घटनाओं को रोकने में नाकाम रहने पर 13 पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया है।

किर्गिस्तान में तेलंगाना के छात्रों की सुरक्षा पर कार्रवाई हो : बीआरएस

हैदराबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। किर्गिस्तान में स्थानीय लोग भारतीय और पाकिस्तानी छात्रों को निशाना बना रहे हैं। राजधानी बिश्केक में पिछले दो दिनों से स्थानीय लोगों और विदेशी छात्रों के बीच झड़पें हो रही हैं। तेलुगु राज्यों से भी कई छात्र हैं। तेलंगाना के छात्र भी पढ़ रहे हैं। पूर्व मंत्री और सिद्दीपेट विधायक तन्निरू हरीश राव ने वहां के हालात के बारे में ट्वीट किया। उन्होंने राज्य सरकार से किर्गिस्तान में तेलंगाना के छात्रों की सुरक्षा के लिए जवाब देने और उपाय करने को कहा। किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में भारतीय छात्रों को निशाना बनाकर की गई हिंसा की घटनाएं बेहद चिंताजनक हैं। हिंसा में कई भारतीय छात्र घायल हो गए। स्थिति तब और खराब हो गई जब स्थानीय लोगों ने भारतीय छात्रों के साथ-साथ विभिन्न देशों के छात्रों पर भी हमला कर दिया। माननीय विदेश मंत्री डॉ.एस. बिश्केक में भारतीय दूतावास जयशंकर की तलाश कर रहा है। हरीश राव ने कहा, इस संकट से उबरने और छात्रों और उनके परिवारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कूटनीतिक रूप से मजबूत कदम उठाने की जरूरत है।

जनता चाहती है 'मोदी हटाओ देश बचाओ' : वीएच

हैदराबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व सांसद वी. हनुमंत राव ने कहा कि इस बार केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने जा रही है और देश की जनता लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को विदाई दे रही है। सोमवार को गांधी भवन में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में हनुमंत राव ने कहा कि देश की जनता अब 'मोदी हटाओ देश बचाओ' की प्रबल इच्छा के साथ बदलाव के लिए मतदान कर रही है और दावा किया कि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी भाजपा से अधिक सीटें जीतेगी। उन्होंने कहा कि लोग कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में विश्वास दिखा रहे हैं, क्योंकि राहुल गांधी को भारत जोड़ो यात्रा के दौरान समस्याओं का पता चला है। पूर्व सांसद ने नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी गुस्सा जताया, क्योंकि उन्होंने पिछले दस वर्षों में देश के लिए क्या किया है, यह बताने के बजाय राहुल गांधी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की। उन्होंने कहा, अगर कांग्रेस की सरकार सत्ता में आती है तो भाजपा नेता विदेश भाग जाएंगे। मोदी अब भारत ब्लॉक से डरे हुए हैं जो एनडीए के खिलाफ मजबूत ताकत के रूप में उभर रहा है। हनुमंत राव ने कहा कि तेलंगाना में भाजपा की कोई मौजूदगी नहीं है और पार्टी वहां नहीं जाएगी।

कविता की न्यायिक हिरासत 3 जून तक

हैदराबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नई दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सोमवार को बीआरएस एमएलसी के कविता की न्यायिक हिरासत 3 जून तक बढ़ा दी, जिन्हें कथित उत्पाद शुल्क नीति घोटाले से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया गया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के अधिकारियों ने एक वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से कविता को अदालत में पेश किया। कोर्ट ने कविता की न्यायिक हिरासत तीन जून तक बढ़ा दी। बीआरएस नेता को ईडी ने 15 मार्च 2024 को और सीबीआई ने 11 अप्रैल को गिरफ्तार किया था। कविता, जिन्हें शराब नीति मामले में किंगपिन के रूप में नामित किया गया है, वर्तमान में न्यायिक हिरासत के तहत तिहाड़ जेल में हैं।

परमाणु परीक्षण की स्वर्ण जयंती मनाएगा एनएएस और टीएएस

हैदराबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जैसा कि आप जानते हैं, 50 साल पहले, 18 मई, 1974 को, हमारे देश ने सफलतापूर्वक परमाणु परीक्षण किया था, जिसका कोड नाम "स्माइलिंग बुद्धा" था। गौरवशाली क्षण की स्वर्ण जयंती मनाने और जश्न मनाने के लिए, राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (स्थानीय अध्याय) तेलंगाना विज्ञान अकादमी (टीएएस) के साथ मिलकर 22 मई को आईआईसीटी के विवेकानंद सभागार में शाम 4 बजे से एक कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। आज यहां जारी एक प्रेस नोट के अनुसार, चौ. टीएएस के अध्यक्ष मोहन राव और महासचिव एस सत्यनारायण ने कहा कि पद्म विभूषण डॉ.आर चिदंबरम, जो भारत के परमाणु कार्यक्रम के प्रमुख प्रवर्तकों में से एक हैं और जिन्होंने "स्माइलिंग बुद्धा" (पोखरण-1) के साथ-साथ "ऑपरेशन शक्ति" (पोखरण-II) में प्रमुख भूमिका निभाई थी, मुख्य अतिथि होंगे और "मई 1974 परीक्षण और उसके बाद" विषय पर व्याख्यान देंगे। परमाणु ईंधन परिसर के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी डॉ कोमल कपूर मुख्य अतिथि होंगे। व्याख्यान के बाद म्यूजियम हॉल में एक "प्रेस मीट" होगी, जिसमें वक्ता आर. चिदंबरम, डॉ. कोमल कपूर, डॉ.चौ. मोहन राव, पूर्व निदेशक, सीसीएमबी, अध्यक्ष, तेलंगाना अकादमी ऑफ साइंसेज (टीएएस) और नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज (एनएएसआई), हैदराबाद, प्रो.एस. सत्यनारायण, महासचिव, टीएएस और पूर्व कुलपति, उस्मानिया विश्वविद्यालय, और अकादमी के अन्य कार्यकारी सदस्य प्रेस से बातचीत करने के लिए मौजूद रहेंगे।

एसपी के डांस से मचा हंगामा

कोत्तागुडेम, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भद्राद्रि कोत्तागुडेम जिले के एसपी रोहित राज ने एक बार फिर हंगामा मचाया है। चुनावी मामलों में व्यस्त होने के कारण, उन्होंने तेलुगु गानों पर बड़े पैमाने पर स्टेप्स के साथ आराम किया। एसपी डांस (डांस) सोशल मीडिया पर धूम मचा रहा है। एजेंसी के नक्सल प्रभावित इलाकों में चुनाव प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न होने के बाद एसपी रोहित राज ने मिलन समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया। पलवंचा के एक समारोह हॉल में आयोजित निजी पार्टी में एसपी रोहित राज और पुलिसकर्मियों ने जमकर डांस किया और मनोरंजन किया। इस बीच नेटिजन्स एसपी रोहित राज के डांस की जमकर तारीफ कर रहे हैं। वे टिप्पणी कर रहे हैं कि एससी स्थिति में होना और साथी कर्मचारियों के साथ मौज-मस्ती करना सराहनीय है। उनके पहले के डांस वीडियो भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहे हैं।

सफाई कर्मचारियों को दो लाख सैलरी का लालच

जीएसटी रिफंड घोटाले की जांच में मिली जानकारी

हैदराबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। वह एक सफाई कर्मचारी था। उसका काम कार्यालय की सफाई करना था। जीएसटी रिफंड के लिए उन्हें डायरेक्टर के तौर पर दिखाने के लिए दो लाख सैलरी दी गई। वह अकेले नहीं था। गौरतलब है कि हाउसकीपिंग और ऑफिस का काम करने वाले एक-दो लोगों को निदेशक नियुक्त किया गया है। इसी महीने की 4 तारीख को सामने आए 46 करोड़ रुपये के जीएसटी रिफंड घोटाले की सीसीएस पुलिस जांच कर रही है तो ऐसी ही बातें सामने आ रही हैं। सीसीएस पुलिस ने निष्कर्ष निकाला कि दिल्ली स्थित कर सलाहकार चिराग शर्मा ने इस घोटाले के पीछे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। चूंकि सरकार इलेक्ट्रिक बाइक निर्माता कंपनियों को जीएसटी में 13 प्रतिशत की छूट दे रही है, इसलिए उन्होंने कुछ व्यापारियों के साथ मिलकर सात फर्जी कंपनियां बनाईं, उन्होंने सलाहकार के रूप में काम किया। उन्होंने तकनीकी साक्ष्य एकत्र किए हैं कि दिल्ली से इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण के लिए आवश्यक कच्चे माल की खरीद के लिए चालान और ई-वेबिल-1 और 2 को वहां से भेजा गया था, जीएसटी अधिकारियों को प्रबंधित किया गया और नाम पर 46 करोड़ रुपये लूटे गए।

जीएसटी अधिकारियों के सहयोग से उन्हें बिना एक भी पैसा खर्च किए 46 करोड़ रुपये का रिफंड मिल गया। जांच अधिकारियों ने पाया है कि कुछ जीएसटी अधिकारियों ने कुछ कमीशन की मदद से चिराग शर्मा को सहयोग किया। संदेह है कि जीएसटी अधिकारियों ने रुपये की रिश्वत ली है। क्षेत्र में कहीं भी कंपनियों और विनिर्माण इकाइयों की जांच किए बिना ऑनलाइन काम करने वाले अधिकारियों को भी गिरफ्तार किया गया है। जीएसटी रिफंड घोटाले में सात और आरोपी हैं, जिसमें चिराग शर्मा मुख्य मास्टरमाइंड है। इनमें वेमारेड्डी राजारामेश रेड्डी (विनार्थ ऑटोमोबाइल्स) 23.79 करोड़ रुपये, नीरज शुक्ला (यूको इलेक्ट्रिक बाइक) 8.47 करोड़ रुपये, इंद्रकुमार (क्रैक्स इलेक्ट्रिक बाइक) 63.06 लाख रुपये, गिरिधर रेड्डी और विनिल चौधरी (ग्रोमोर इलेक्ट्रिक व्हीकल्स) 2.87 करोड़ रुपये हैं। सीसीएस पुलिस ने पुष्टि की कि एपेक्स इलेक्ट्रिक बाइक के नाम पर 3.09 करोड़ रुपये, सुप्रिया पांडे (सुप्रिया इलेक्ट्रिक्स) से 2.02 करोड़ रुपये और गौरव (मैग्रम इलेक्ट्रिक बाइक्स) से 4.96 करोड़ रुपये मिले। पुलिस उन्हें पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।

नानाजपुर के पंचायत सचिव और बिल कलेक्टर एसीबी के जाल में

हैदराबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आज सुबह 11 बजे, रंगा रेड्डी जिले के नानाजपुर ग्राम पंचायत कार्यालय की पंचायत सचिव राधिका रेड्डी को रंगा रेड्डी इकाई के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अधिकारियों ने उस समय पकड़ा जब उन्होंने शिकायतकर्ता मोहम्मद से 35,000 रुपये की रिश्वत मांगी और स्वीकार की। ताडबन, बहादुरपुरा के बरकत अली ने अपने कार्यालय में बिल कलेक्टर बलराज पर सरकारी पक्षपात करने के लिए आरोप लगाया है, अर्थात मकान नंबर का आवंटन और प्लॉट नंबर 83 और 84/पी (500 वर्ग गज) के लिए परिसर की दीवार बनाने की अनुमति देने के लिए, जो कि शिकायतकर्ता का है। आरोपी अधिकारियों ने अपने सार्वजनिक कर्तव्य को अनुचित और बेईमानी से निभाया। बिल कलेक्टर के कब्जे से रिश्वत की रकम बरामद की गई। मुख्य आरोपी राधिका रेड्डी और ए-2 बलराज, ग्राम पंचायत, नानाजपुर गांव के कार्यालय में बिल कलेक्टर को गिरफ्तार किया गया और नामपल्ली में एसपीई और एसीबी मामलों के लिए प्रथम अतिरिक्त विशेष न्यायाधीश के समक्ष पेश किया गया।

बच्चों की मदद को आगे आया फ्रीमेसन

कई वर्षों से लाइलाज मस्कुलर डिस्ट्रॉफी से पीड़ित हैं बच्चे

हैदराबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलगाना के फ्रीमेसन ने मदर्स डे कार्यक्रम के दौरान बोक्का पद्मा और नरसिम्हा रेड्डी के परिवार को 50,000 रुपये का चेक प्रदान किया, जिनके बच्चे-घाटकेसर के यमनापेट गांव के बोक्का तेजा वर्धन (20) और बोक्का मणि वर्धन (17) हैं। कई वर्षों से लाइलाज मस्कुलर डिस्ट्रॉफी से पीड़ित हैं। तेलंगाना में फ्रीमेसन के सहायक क्षेत्रीय ग्रैंडमास्टर, प्रोद्दातुरु वीरभद्रुडु, डॉ. श्रीरंग अबकरी, अनिल देसाई और रमेश मनचला ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और परिवार को बच्चों को निरंतर मासिक वित्तीय और साथ ही भौतिक सहायता देने का वादा किया।

पद्मा को लाइलाज बीमारी से पीड़ित अपने दोनों बेटों के साथ काम-काज करके बच्चों का पालन-पोषण करने के दृढ़ संकल्प के लिए भी सम्मानित किया गया था। ये लड़के मस्कुलर डिस्ट्रॉफी से पीड़ित हैं, जो एक दुर्लभ आनुवांशिक बीमारी है जो मांसपेशियों की कार्यप्रणाली को कमजोर कर देती है। इसके कारण, वे चलने, सही ढंग से बैठने और खड़े होने की क्षमता खो चुके हैं और 24 घंटे सहायता के अधीन हैं। पद्मा के साथ, 3 अन्य महिलाएं डॉ. सत्य भामा, पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण की मां, विम्या धूरवेश अहीर और बोयापति सुभाषिनी, जो अपने बच्चों की सफलता के पीछे थीं, को भी सम्मानित किया गया।

सीआईआई आईजीबीसी ग्रीन प्रॉपर्टी शो 2024 का समापन

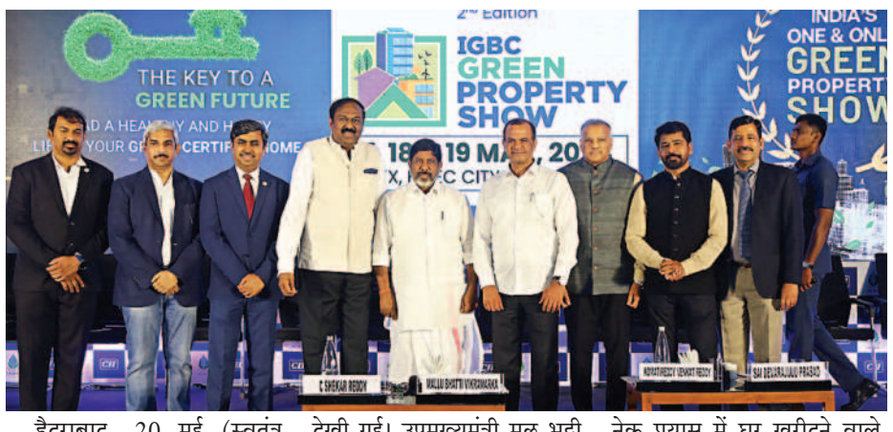

हैदराबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सीआईआई इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल (आईजीबीसी) ग्रीन प्रॉपर्टी शो 2024, पर्यावरण के अनुकूल आवासीय परियोजनाओं और टिकाऊ निर्माण प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित करने वाली एक प्रमुख प्रदर्शनी, आज यहां हाईटेक्स प्रदर्शनी केंद्र में अपने दूसरे सफल संस्करण का समापन हुआ। तीन दिवसीय कार्यक्रम में डेवलपर्स, वित्तीय संस्थानों, संभावित घर खरीदारों और पर्यावरण के प्रति जागरूक नागरिकों से असाधारण प्रतिक्रिया देखी गई। उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क मुख्य अतिथि थे, सड़क, भवन और छायांकन मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी सम्मानित अतिथि थे।

इस अवसर पर बोलते हुए, मल्लू भट्टी विक्रमार्का ने कहा, आईजीबीसी ग्रीन प्रॉपर्टी शो 2024 एक शानदार सफलता रही है, जो सतत विकास और पर्यावरण-अनुकूल जीवन के प्रति हमारे राज्य की बढ़ती प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।

डेवलपर्स की सक्रिय भागीदारी को देखना खुशी की बात है। इस नेक प्रयास में घर खरीदने वाले और नागरिक मिलकर, आने वाली पीढ़ियों के लिए एक हरा-भरा और अधिक रहने योग्य भविष्य बना सकते हैं। आज का समापन सत्र सीआईआई-आईजीबीसी की एसोसिएट काउंसलर अमृता द्वारा ग्रीन रेजिडेंशियल सोसाइटी चैलेंज के साथ शुरू हुआ, ललित शर्मा, (साइबर टीम लीड) द्वारा साइबर सुरक्षा और मादक द्रव्य विरोधी जागरूकता, बॉबी कुरियन द्वारा कार्यालय और घरों में अपशिष्ट प्रबंधन, (री-सस्टेनेबिलिटी लिमिटेड), शहरी जैव विविधता को बढ़ाना, फरीदा तम्पल (राज्य निदेशक डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-भारत, हैदराबाद), नागरिकों के लिए सड़क सुरक्षा (यातायात प्रशिक्षण संस्थान के विशेषज्ञ), ग्रीन रेजिडेंशियल सोसाइटी चैलेंज, अमृता (एसोसिएट काउंसलर सीआईआई -आईजीबीसी) आईजीबीसी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सी. शेखर रेड्डी, इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल (आईजीबीसी) के उप कार्यकारी निदेशक एम आनंद, क्रेडाई- हैदराबाद के अध्यक्ष वी. राजशेखर रेड्डी ने भी बात की।

प्रदर्शनी में 70 से अधिक अग्रणी डेवलपर्स ने आईजीबीसी प्रमाणित हरित आवासीय परियोजनाओं, टिकाऊ उत्पादों और अत्याधुनिक तकनीकों का प्रदर्शन किया। एक उल्लेखनीय उपलब्धि में आईजीबीसी ग्रीन प्रॉपर्टी शो 2024 ने लैंडफिल से प्रभावशाली 5,000 टन कचरे को हटा दिया, जिससे आरई सस्टेनेबिलिटी के समर्थन से यह नेट जीरो टू लैंडफिल इवेंट बन गया।

एबीटीओ कार्यालय का हुआ उद्घाटन

हैदराबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एसोसिएशन ऑफ बुद्धिस्ट टूर ऑपरेटर्स (एबीटीओ) के उपाध्यक्ष मल्लेपल्ली लक्ष्मैया ने रविवार को थिम्पू में एसोसिएशन कार्यालय का उद्घाटन किया। एसोसिएशन की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार कार्यालय थिम्पू में आई-डिज़ायर टूर्स एंड ट्रैव्स, बासेसा एक्सप्रेसवे के परिसर में स्थित है, जो भारत और दक्षिण एशियाई देशों में प्रमुख बौद्ध स्थलों की यात्रा करने के इच्छुक बौद्ध पर्यटकों को सुविधा प्रदान करेगा।

एसोसिएशन बौद्ध पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए परेशानी मुक्त यात्रा के लिए टूर ऑपरेटरों और संबंधित देशों के बीच समन्वय भी सुनिश्चित करेगा।

इस अवसर पर आई-डिज़ायर के सीईओ और एबीटीओ भूटान कार्यालय के प्रभारी परसु राम बिस्वा ने कहा कि तेलंगाना के बौद्ध पर्यटकों को यात्रा सुविधा सेवाएं प्रदान करने के लिए शीघ्र ही हैदराबाद में एबीटीओ का एक कार्यालय खोला जाएगा।

बायोमाइनिंग कार्यों से यूएलबी में मिल रहे उत्कृष्ट परिणाम

हैदराबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। विभिन्न शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) में बायोमाइनिंग शुरू करने की राज्य सरकार की पहल स्पष्ट रूप से वांछित परिणाम दे रही है। बायोमाइनिंग एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके माध्यम से कचरे को जैव-जीवों या प्राकृतिक तत्वों के साथ उपचारित किया जाता है, जिससे समय के साथ कचरे में बायोडिग्रेडेबल तत्वों के टूटने की सुविधा मिलती है और उपोत्पादों का उपयोग विभिन्न क्षेत्रों में किया जाता है।

जहीराबाद, जलपल्ली, मेडक, अमीनपुर, नारायणपेट और भोंगिर सहित छह यूएलबी में पुराने कचरे का निवारण पूरा हो चुका है। नगरपालिका प्रशासन विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि जिस भूमि पर नगर निगम के कचरे का कब्जा था, उसे अब वापस ले लिया गया है और नगर पालिकाएं अपनी आवश्यकताओं के अनुसार भूमि का विभिन्न उपयोग कर सकती हैं। करीमनगर, ग्रेटर वारंगल नगर निगम, सूर्यापेट, महबूबनगर, सिद्दीपेट, जगतियाल, राजन्ना सिरसिला, आदिलाबाद, खम्मम, निज़ामाबाद, डुंडीगल, जनगांव और थुमकुंटा सहित 13 यूएलबी में यह अभ्यास जारी है। इसी तरह, बेलमपल्ली, पेद्दापल्ली, कोठागुडेम, सथुपल्ली, कामारेड्डी, येलांडु, कागाज़नगर, पलावंचा, बोधन, गजवेल, महबुबाबाद, इब्राहिमपटनम, नागरकर्नूल, वानापर्थी, गडवाल और सदाशिवपेट सहित 16 यूएलबी में विंड्रो गठन की प्रक्रिया चल रही है।

एसआर नगर में अपार्टमेंट परिसर से सोना, नकदी ले उड़े चोर

हैदराबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। महिलाओं के वेश में दो चोर एसआर नगर के एक अपार्टमेंट के फ्लैट में घुस गए और सोना और नकदी लेकर फरार हो गए। पुलिस के मुताबिक सलवार-सूट पहने दो लोग एसआर नगर स्थित आकृति आर्केड अपार्टमेंट में घुसे। यह देखने के बाद कि वेंकटेश्वर राव के फ्लैट पर ताला लगा हुआ है, चोरों ने ताला तोड़ दिया और फ्लैट में घुस गये। इसके बाद दोनों वहां से निकलने से पहले कीमती सामान ले गए। वेंकटेश्वर राव गुरुवार को आंध्र प्रदेश गए थे और रविवार को लौटे तो उन्होंने देखा कि कुछ लोग घर में घुस आए हैं और कीमती सामान चुरा लिया है। एसआर नगर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने परिसर में लगे क्लोज सर्किट कैमरों की फुटेज की जांच की और दो व्यक्तियों को महिलाओं के वेश में इमारत में घूमते हुए पाया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.